REGISTERED ND. D -(DN)-73

The Gazette of Indiana Published by Authority

सं० 5 No. 51 नई दिल्लो, शनिवार, फरवरी 2, 1985 (माघ 13, 1906) NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 2, 1985 (MAGHA 13, 1906)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

साव ।।।_खन्द 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्र है और महालेडापरीक्ष है, संघ लो है सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

tifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 नवम्बर 1984 सं० ए० 19014/10/84-प्रशा०: -राष्ट्रपति केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री रूपचन्द को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 24 नवम्बर, 1984 अपराह्न से आगामी आर्देकों तक अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एस० बनर्जी ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

अवर साचव (प्रशां०) सब लाक सवा आया

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

सं० ए० 32014(1)84-प्रशा० 11-सघ लोक सेवा आयोग कें के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित अनुभाग अधि-कारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ऋ० नाम	डेस्क अधिकारी के रूप में तदर्थ
सं०	नियुक्ति की अवधि
सर्वेश्री	
1. एन०एम०एल० भटनागर	28-8-84 से 11-10-84
1	तक '
	(1.6)

क्र० नाम सं०	डेस्क अधिकारी के रूप में तदर्थनियुक्त की अवधि
2. राम अवतार	28-8-84 से 11-10-84 तक
3. सुदेश कुमार	28-8-84 से 11-10-84 तक
4. डी० सिवाराजन	13-8-84 से 26-9-84 तक
5. किशन लाल II	21-8-84 से 5-10-84 तक (पूर्वा०)
6. वाई० पी० डबास	28-8-84 से 11-10-84 तक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का॰ जा॰ सं॰ 12/1/74—सी॰ एस॰ (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु॰ 75/ प्र॰ मा॰ की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 31 दिसम्बर 1984

सं० ए० 58013/5/84-प्रशा० 3-कार्मिक ग्रौर प्रशास-निक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री भगवती चरण को 31 दिसम्बर, 1984 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 1 जनवरी 1985

सं० ए० 19013/2/83-प्रशा० I—-ग्रौद्योगिक विकास विभाग में निदेशक के पद पर रु० 2000-2250 के वेतनमान में नियुक्ति के लिए उनके चयन के परिणामस्वरूप भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री एस० तलवार जो इस समय संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत है, को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-1-85 (पूर्वाह्न) से इन अनुदेश के साथ कार्यभार मुक्त किया जाता है कि वे ग्रौद्योगिक विभाग, नई दिल्ली में रिपोर्ट करें।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशासन)

गृह मन्त्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

सं० ए०-19019/2/80-प्रशा०-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री बी० एम० सहगल, भा० पु० सेवा (म० प्र०: 1953), संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं विशेष पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना की सेवायें 3 जनवरी, 1985 के अपराह्म से मध्य प्रदेश सरकार को सौंपी जाती हैं।

के० चक्रवर्ती उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय अन्वेशण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० ए-22020/71/80-प्रशासन-3-मुख्यालय आदेश सं० 1025/84, दिनांक 15-12-84 के द्वारा 650-1040 रु० के वेतनमान में आशुलिपिक ग्रेड "बी" वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर तृदर्थ पदोन्नति होने पर, श्री आर० के० बजाज, वैयक्तिक सहायक ने दिनांक 1-1-1985 (पूर्वाह्न) को केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (आशु-लिपिक ग्रेड "बी") के पद पर कार्य भार सम्भाल लिया है।

> द्वारका नाथ पुलिस अधीक्षक (मुख्या०) अन्वेषण ब्यूरो (मुख्यालय)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

० ए-19023/8/84-प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री आई० जे० मंशारमानी को, दिनांक 20-12-84 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्ति पर लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते है।

श्री आई० जे० मंशारमानी को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सा० अ० स्कंध. बम्बई में तैनात किया जाता है।

> राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय के० रि० प्० बल

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० ग्रो० दो० 116/70-स्था०--राष्ट्रपति जी ने श्री पी० प्रसाद, सहायक कमाडेन्ट के० रि० पु० बल का त्याग पत एव० एम० टी० लिमिटेड में चीफ सिक्युरिटी अधिकारी के पद पर चौधरी के कम्पाइलेशन सी० एस० आर० वाल्यूम-1 के आर्टिकल-67 के तहत नियुक्ति के परिणामस्वरूप दिनांक 2-3-84 से सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

अशोक राज महीपाची सहायक निदेशक (स्वा०)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-11 003, दिनांक 1 जनवरी 1984

सं० ई-2801 7/10/84-कार्मिक-II-अधिविषता की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप श्री बी० सी० घोष ने 30 नवम्बर, 1984 के अपराह्न से उप महा-निरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) के० श्री० सु० व०, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 जनवरी 1985

सं० ई-32015(3)/13 84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री ए० एस० शेखावत को 24 दिसम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से 26-3-85 तक की अविध के लिए या ऐसी अविध में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ श्रीर अस्वाई आधार पर प्रथम रिजर्व बटालियन, के० श्री० सु० ब० बरवाह में कमांडैंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(3)/19/84-कामिक-1-राष्ट्रपति, श्री जॉन चौहान को 17 दिसम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से 26-3-85 तक की अवधि के लिए या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हों, पूर्णतया तदर्थ श्रीर अस्थाई आधार पर के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, एफ० बी० पी० फरक्का में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी 1985

सं० ई-16013(2)/82-कार्मिक--अपने राज्य काडरको प्रस्मार्कातत होने के फलस्वरूप श्री कालीचरण, भा० पु० से० (एस० पी० एस०-हि० प्र०) ने 27 अक्तूबर, 1984 के अप-राम्म से के० श्री० सु० व० यूनिट, भारतीय तेल निगम (गुज-रात रिफाइनरी) बड़ौदा के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ा दिया।

सं० ई-32015(3)/24/84-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री एम० के० चोपंडा को, उप कमांडेंट के रूप में प्रोन्नति पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1984 के पूर्वीह्न से के० ग्रौ० सु० व० यूनिट सीं० पी० टी० कलकत्ता में, पूर्णतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रौर ग्रस्थाई तौर पर 26-3-85 तक की ग्रवधि के लिए या ऐसे समय तक नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> एस० आनन्दराम महानिदेशक के० औ० सु० ब०

मृद्रण निर्देशालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1985

सं. डी(6)/प्रशा. ।। (खण्ड-।।।)—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर श्री बी.एन. दत्ता, प्रबंधक, भारत सरकार मृद्रणालय, कोरद्दे दिनांक 31-1-1985 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाएंगे।

> (एच . आर . ग्रीवर) उप निदंशक, (प्रशा.)

वित्त मन्त्रालय श्चार्थिक कार्य विभाग वैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक' 9 जनवरी 1985

बस्ती कमांक बोएनपी/जो/7/84—श्री पी० श्रार० कर्मी, स्वायी निरीक्षक (निर्मतण) को दिनांक 1-1-85 से 31-1-85 तक की श्रन्यावधि के श्रवकाश रिक्ति में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर उप नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर रुपए 650-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद दिनांक 14 दिसम्बर 1984 स्थापना कार्यालय ग्रादेश क्रमांक : 2177

कृ ई०एस०टी०/24/लिंक/999—जबिक श्री रमेश कुमार कलोशिया, सफाईवाला को उनके पिछले विभिन्न भवसरों पर इ्यूटी पर उपस्थित रहने के अलावा दिनांक 22/8/83 से लगातार अनुपस्थित रहने के कदाचार के लिए आरोप पत कमांक ई० एस० टी०/24/लिक/113 दिनांके 1/5/84 पंजीकृत डाक द्वारा उनके आखिरी ज्ञात स्थायी घर के पत्ते पर भेजा गया था, जो डाक द्वारा इस अभ्युक्ति के साथ कि "लेने से इन्कार" वापिस कर दिया गया।

एवम् जबिक रमेश कुमार कलोशिया के विरुद्ध लगाये गए आरोपों की जांच करने के लिए आदेश क० ई० एस० टी०/24/लिक/445 दिनांक 23/7/84 द्वारा जांच हेतु अधिकारी की मियुक्ति की गई थी परन्तु वह पत्न भी पोस्ट आफिस द्वारा विमा वितरण के वापिस कर दिया गया क्योंकि पाने वाला घर पर नहीं था। कथित श्री रमेश कुमार कलोशिया को विभिन्न अवसर प्रदान किए जाने के वावजूद भी वे जांच कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुए। जांच अधिकारी द्वारा उनके निवास के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेजे गए समस्त पत्न भी पोस्ट आफिस द्वारा वापिस कर दिए गए।

एवम् जबिक जांचकर्ता अधिकारी ने एक तरफा जांच कार्यवाही कर कथित श्री रमेश कुमार कलोशिया को श्रारोपों का दोषी करार देते हुए अपनी दिनांक 18/10/84 की जांच रिपोर्ट अस्तुत की।

एवम् जबिक अधोहस्ताक्षरकर्ता जांच रिपोर्ट एवम् इस मामले से संबंधित अन्य समस्त कागजातों के सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के पश्चात जांच अधिकारी के जांच परिणाम से सहस्रत हुए थे और इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि कथित श्री रमेश कुमार कलोशिया सफाईवाला शासकीय सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं है।

इसलिए ग्रधोहस्ताक्षरकर्ता ने श्री कलोशिया को ज्ञापन ई० एस० टी०/24/लिंक/813 दिनांक 13/11/84 द्वारा प्रस्तावित दण्ड के संबंध में प्रतिवेदन देने का एक भवसर दिया गया था परन्तु उपरोक्त ज्ञापन भी पोस्ट ग्राफिस द्वारा इस ग्रभ्युक्ति के साथ कि "पाने वाला यहां नहीं है" वापिस कर दिया गया।

इसलिए अधोहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्धीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अब श्री रमेश कुमार कलोक्षिया को तुरन्त प्रभाव से प्रतिभूति कागज कारखाना की सेवा से निष्कासित करते हैं।

> श० रा० **पाठ**क महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

कार्यालयादेश संख्या प्रशासन-111/14--इस संगठन के निम्निसिखित ग्रधिकारियों को उनके सामने दर्शायी गई तिथियों

से लेखा परीक्षा अधिकारी वे हैं।	हे स्थायी	पद पर	नियुक्त	किया	जाता
क्रम० नाम संख्या		٠		पुष्टि	की तिथि
सर्वश्री					
1. सुरेन्द्र पाल		•	•	1	4-83
2. श्रीमती सुजाता गुप्ता		•	•	1-	4-83
3. वी॰पी॰ वर्मा			•	1-	4-83
4. स्रो० पी० भाटिया		•		1-	-5-84
5. एच० सी० जैन		•	•	1-	-5-84
6. बी० डी० साम्बवानी		•		1-	-5-84
7. एस० भ्रार० नांगिया		•		1-	-5-84
८. सत पाल सिंह-।।	•		•	1-	-8-84
9. एम० एस० चावला		•		1.	-8-84
10. के० ग्रार० बर्मन		•		1-	-8-84
11. एस० एस० जसरा		•	•	1-	-8-84

सत्य पाल जोशी निदेशक लेखा परीक्षा

.महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश हैंदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० प्रशा० I/8-132/84-85/153-श्रो एन० चन्द्रमौलि, लेखापरीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) आं० प्र० हैदराबाद से दिनांक 31-12-84 से निर्वृत्त हुए।

श्री वी० ए० एकांबाराम, लेखापरीक्षा ग्रधिकारी, महालेखा-कार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) ग्रां० प्र० हैदराबाद से दिनांक 31-12-84 से निवृत्त हुए हैं।

दिनांक 10 जनवरी, 1985

सं० प्रशा० 1/ए तथा ई/8-88/84-85/5044--महा-लेखाकार लेखा ग्रान्ध्र प्रदेश, हैंदराबाद महोदय ने सहषं निम्न-लिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को ग्रगले ग्रादेशों तक उनके नाम के ग्रागे बतायी गयी तारीख से प्रभावी 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 रु० वेतनमान पर लेखा ग्रधिकारी के रूप में स्थानापन्न पदोन्नति प्रदान की है।

े नाम	प्रभार
	ग्रहण करने
	की
	तारीख
सर्वश्री	
 सी० वी० एस० ग्रार० कृष्ण शर्मा 	21-7-84
	(पूर्वाह्न)

1			2
2. एम० मल्लिकार्जुन शास्त्री	*	Ł.	29-12-84
			(पूर्वाह्न)
3. पी० नाग भूषण		•	29-12-84
			(पूर्वाह्न)
 पी० नारायण राव 	•	•	29-12-84
	,		(पूर्वाह्न)

पदोन्नति के श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों को (यदि कोइ हो) बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले श्रौर श्रां० प्र० उच्च न्यायालया उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाश्रों के परिणाम के श्रधीन दिए जाते हैं।

एन० <mark>रामस्वामी</mark> वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनैन्सफेक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० 1/जो/85—नार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० जी० डेवलालोकर, एडिशनल डी० जी० श्रो० एफ०/ सदस्य, अनुभाग निर्माणी बोर्ड दिनांक 31 दिसम्बर, 1994 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता उप महानिदेशक

श्रम विभाग

कारखाना सलाह सेवा ग्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय बम्बई-22, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० 15/14/84—स्थापना—उप महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय, श्री विदेशवरी प्रसाद दयाराम दूबे को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक (इंडस्ट्रीयल हाईजन) के पद पर दिनांक 1—1—85 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश ग्राने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० हैग्डे पाटिल उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यातं का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985 ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1258/78 प्रशासन (राज०)/3104--इस कार्यालय में श्री एच० एल० शर्मा नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की श्रायु पूरी कर लेने पर 31-12-84 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्ति हो गए हैं।

दिनांक 11 जनवरी 1985

सं० 6/1028/74 प्रशासन (राज)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात—निर्यात के कार्यालय (के० ला० क्षे०) नई दिल्ली में श्री के० एस० त्यागी, नियंत्रक, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर, 31—12—84 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर **चन्द** उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 8 जनवरी 1985

शुद्धि-पत्न

फा॰ सं॰: 36/1/83-प्रशासन-I—इस कार्यालय के सम-संख्यक राजपत मधिसूचना दिनांक 12 दिसम्बर, 1984 के क्रमांक-4 पर (हिन्दी रूपान्तर) कृपया "श्रो टो॰ लोकानंद सर्मा" को "श्री टो॰ लोकनाद सर्मा" पढ़ें

एस० के० चक्रवर्ती अनुभाग अधिकारी (प्रशासन-I) कृते विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 दिसम्बर, 1984

सं० ए-1/2(353)—सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री एन०डी०जोग, को दिनांक 25-11-1978 से नियमित ग्राधार पर उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर पदोश्नत किया गया है।

दिनांक 5 जनवरी 1985

सं० प्र-1/42(42)III—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से, निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	प्रधि कारी का नाम	जिस पद पर इस समय स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं	स्थायीकरण की तारीख
1	2	3	4
1.	सर्वश्री ग्रमर लाल	्र उपमहानिदेशक पूर्ति तथा निपटान	27-3-80

1	2	3	4
	सर्व श्री		
2.	ग्रार एन० घोष	निदेशक पूर्ति	27-3-80
43 .	देवकी मोहन	प्र पर निदेशक (एस० एण्ड	27-3-80
		पी०) स्रो० एन० जी० सी० बम्बई	
4.	ए० के०	निदेशक पूर्ति	27-3-80
	कल्याणरमन		
5.	एम० सुन्दर-	निदेशक पूर्ति	27-3-80
	रमन		
6.	ग्रार० सी०	निदेशक पूर्ति	1-12-80
	छाबडा		
7.	ग्रार० जी०	निदेशक पूर्ति	1-4-81
	बदलानी		
8.	एच० एल०	निदेशक, पूर्ति तथा निपटान	1-4-83
	ग्रनेजा	कानपुर	
9.	एन० शंकर	क्रय निदेशक पूर्ति स्कन्ध	1-6-83
	_	भारतीय उच्च म्रायोग लंदन	
10.	एस०सी०	उप महानिदेशक , पूर्ति स्कन्ध	1-8-83
	कुमार	भारतीय दूतावास, वार्शिगटन	
		रा	जबीर सिंह
		उपनि देश क	(प्रशासन)
		कृते महानिदेशक पूर्ति	तथा निपटान

इस्पात श्रीरखान मात्रलय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० 154वी/ए-19012(1-ए एल)/83-19ए--महा-निदेशक, श्री ग्रमिताभ लाहिड़ी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर,

40-1000-द० रा०-40-1200 रु० के वतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता म, भ्रागामो भ्रादेश होने तक 26-11-84 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

> अमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० 177बी/ए-19012 (एस० एम०)/84-19ए०-भार-तीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (फोटो) श्री शिरोमणि मिल्लक को ग्राटिस्ट के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न समता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 9 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी निदेशक (कामिक) कृते महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० ए-19012(143)/81-स्था० ए०--श्री राममूर्ति, प्रकाशन ग्रिधिकारी (तदर्थ ग्राधार पर), भारतीय खान ब्यूरो, को उनके मूल पद वरिष्ठ तकनीकी सहायक (प्रकाशन) पर दिवांक 29 दिसम्बर 1984 (ग्रपराह्म) से प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

पी० पी० वादी प्रशासन ग्रिधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय खान ब्यूरो भारतीय विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

सं० 18-107/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री सुनील रंजन मैदा, अनुसन्धान सहामक (सांस्कृतिक) 31 श्रक्तूबर, 1984 पूर्वाह्न से इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र, उदयपुर में सह मानव विज्ञानो (सांस्कृतिक) ग्रुप की (राजपवित) वेतनमान रु० 650-1200 के पद पर पदोन्नति हुई है।

दिनांक 2 जनवरी 1985

सं० 4-207/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञा न सर्वेक्षण के श्री नित्यारंजन चकवर्ती, सहायक सांख्यिकी की 6 दिसम्बर, 1984 पूर्वाह्न से इस सर्वेक्षण के उत्तर पश्चिमी कैंग्र, देहरादून में सांख्यिकीचिद् ग्रुप बी (राजपवित) वेतनमान 650-1200 के पद पर पदोन्नति हुई है।

> अशोक कुमारदासगुप्ता प्रशासनिक स्रधिकारी

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनकरी 1985

सं० 29/3/83-एस-दो-महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री लक्षमन सिंह गोम्बरा, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी किमला को तदर्व आधार पर फार्म रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 हपए के वेसनमान में 19-12-1984 से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री लक्षमन सिंह गोम्बरा ने उसी तारीख को फार्म रेडियो श्रक्षिकारी, श्राकाशवाणी, इन्दौर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

दिनांक 9 जनवरी 1985

स ० 4/9/83-एस-II—ग्राकाशवाणी महानिदेशालय की ग्रिधसूचना संख्या : 4/9/83एस-II, दिनांक 16-1-1984 के ग्रनुकम में महानिदेशक ग्राकाशवाणी, श्री डो० पी० शर्मा, विरुठ हिन्दी अनुवादक, वित्त मंत्रालय, ग्राधिक कार्य विभाग (वैंकिंग डिविजन) नई दिल्ली, जो वर्तमान समय में प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में कार्य कर रहे हैं की प्रतिनियुक्ति की श्रवधि दिनांक 26-12-1984 से ग्रगले ग्रादेशों तक ग्रागामी एक वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

मोहन फांसिस प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० 4(43)/84-एक०-एम-महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एम० बी० पाटिल को 17 दिसम्बर, 1984 से अगले आदेशों तक 650-30-740-35-810 द० रो०- 40-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाश-वाणी मैंगलौर में, अस्थाई रुप, में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरिश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा निदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1985

> पी० एन० ठांकुर, उप निदेशक प्रशासन (सी०एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

कृषि एवम सहकारिता विभाग वनस्पति रक्षा, संगरोध और संग्रह निदेशालय फरीदाबाद दिनांक 10 जनवरी 1985

सं० 7-11/81-प्रशा० ग्रनु० एक--वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार द्वारा श्री, सतीश कुमार गुप्ता का सहायक सांख्यिकी के पद से तरीख 10-1-85 (श्रप0) त्यामपन्न स्वीकार किया गया है ताकि वे केन्द्रीय सांख्यिकी

संगठन, सांख्यिकी विभाग, में वरिष्ठ भ्रनुवेशक के पद का कार्यभार ग्रहण कर सक ।

> एस० पी० कुटार मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी कृते पौध संरक्षण सलाहकार भारत सरवार

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद 500762, दिनांक 7 जनवरी 1985

सं० का प्र भ/0704/46—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना सं० ना० ई० स/का प्र भ/ 0704/2791, दिनांक 23—11-1984 के कम में सहायक लेखाकार श्री एन भरतन की रु० 650—30—740—35—880—द० रो०-40—960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रिधिकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्ति की दिनांक 29—1—1985 पर्यन्त या ग्रागामी ग्रादेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, श्राच बढाया जाता है।

सं० का प्र भ/0704/47—इस कार्यालय की ऋधिसूचना सं० ना ई स/ का प्र भ/0704/2792, दिनांक 23-11-84 के कम में सहायक लेखा अधिकारी श्री जु० सूर्यनारायण रावु की नियुक्ति को ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी II के रूप में दिनांक 29-1-1985 पर्यन्त या आनामी मादेशों पर्यंत इनमें से जो भी पूर्व बंदित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक कामिक व प्रशासन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 जनवरी 1985

सं ०ए-32014/8/84-स्था०-I--मौसम विज्ञान के महा-निदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग के व्यावसायिक सहायक श्री श्राई० बी० सूबधार को दिनांक 10-12-1984 को स्थानापन्न रूप में नियमित श्राधार पर सहायक मौसम विज्ञानी नियुक्त करते हैं । श्री सूबधार दिनांक 19-11-1984 से अल्पावधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में पहले से ही कार्यरत थे ।

के० मुखर्जी
मौसम विज्ञानी
स्थापना
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यन्तिय नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1984.

सं० ए० -38013/3/84-ई० सी:- -- नामर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन के निम्न लिखित ग्रिधि-कारियों ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के बाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से निवृत होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:-

ऋम सं०	नाम व पदनाम	तेनाती	स्टेशनं	सेवा निवृत्ति की तारीख
	 सर्वश्री			
1 आई	वि० रामाकृष्णा, वरिष्ठ	वै ०सं ०	टेशन,मद्रास	30-6-84
	कनीकी अधिकारी			(श्रपराहन)
2	श्री०टी०सी० एस० मूसद	22	O	1,7
,	वरिष्ठ संचार ग्रक्षिकारी		•	
3.	श्री डी० कृष्णामृति,	"	"	31-7-84
	तक० अधि०			(अपराहन)
	एस० एन० सेन	"	कलकत्ता	"
	संचार ग्रधिकारी तदर्थ			
	ही • भार • दासगुप्ता	"	"	31-8-84
	तक्षीकी ग्रधिकारी			
	जे ० एस० ग्रय स् तस	27	मद्रास	31-8-84
	चार प्रधिकारी तदर्थ			(अपराह्न)
,	र्म पी० कुलकर्णी,	**	बम्बई	***************************************
	संचार स्रधिकारी तदर्थ			
		73	दिल्ली	30-9-84
	चार ग्रधिकारी तदर्थ	,	13001	(अपराह्न)
	न० मुनीग्रन्दो, वरि० संच	र श्रम	क संदा स	(41/4)
	ी० एस० प्रकाशन	"	· MAIN	n
	रिष्ठ संचार ग्रधिकारी		बम्बई	(सबर्च)
-	ति श्रार ः शर्मा,	"	जोधपुर	. ,
	ाण् आरण्यानाः, किनीकी ग्रिधिकारी		भावतुर	
d	किनाका आवकारा (त दर्थ)			(अपराह्न)
	(त दथ)			

दिनांक 8 जनवरी 1985

सं० ए-35018/16/83-ई० I (गर्ट)-इस कार्यालय की दिनौंक 4 जूलाई, 1984 की अधिसूचना सं ए० 35018/16/83-ई० I के कम में महानिदेशक नागर विमानन ने श्री अजीत सिंह बाजवा की लेखो अधिकारी के ग्रेंड में तथ्ये आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 2-1-1985 से 1-7-85 तक की अवधि के लिए अथवा पर के नियुक्ति आधार पर भरे जाने की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो जारी रखने की स्वीकृति दी है।

दिनांक 9 जनवरी 1985

सं० ए32013/2/84-ई० सी०--इस विभाग की दिनांक 7 जुलाई 1984 की प्रधिसूचना सं० ए32013/2/84 -ई• सी० के ऋम में राष्ट्रपित ने श्री श्रार० के० सूद की नागर विमानन विभाग में सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 30-11-1984 से छः मास की श्रवधि के लिए या पद के नियमित श्राधार पर भरने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की हैं।

वी० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक 8 जनवरी, 1985

सं 01/268/84-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद द्वारा निम्निलिखित तकनीकी सहायकों को आगामी आदेशों तक प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रीर शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	** *	तैनाती की वर्तमान शाखा	सहायक अभियंता के रूप में नियु- क्ति पर तैनाती की शाखा	
सर्व	^র প্রী			
1.	वी० सी० शर्मा	लछीवाला, देहरादून	लछीवाला, देहरादून	10-10-84
2.	बी० गंगाराजू	आर्वी	आर्वी	10-10-84
3.	सी० के०	स्विचन-	स्विचन	
,	जयराजन	सम् <i>ह,</i> बम्बई	समूह . बम्बई	10-10-84
4.	ए० एस० पंढरी पांडे	आर्वी	आर्वी	10-10-84
5 .	यशपाल छाबड़ा	नई दिल्ली	श्रीनगर	26-11-84
6.	अमरनाथ खांडपु र	नई दिल्ली	नई दिल्ली	10-10-84
	बी० के० वैद्यनाथन	मद्रास	स्विचन समूह, बम्बई	10-11-84
8.	डी० देशिकन	स्विचन- समूह, बम्बई	स्विचन समूह बम्बई	10-10-84
9.	ए० के० जोशी	नई दिल्ली	स्विचन समूह बम्बई	30-10-84

र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्र), कृते महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1985

सं० 12/2/84-ई॰सी॰-9--निर्माण महानिदेशक, के॰ लो॰नि॰वि॰ सहर्ष निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक उद्यान निदेशक के नाते निम्नलिखित तिथियों से सूचीबद्ध करते हैं।

ऋ० नाम सं०	वर्तमान स्थानापन्न पद	िनांक सूचीबद्ध होने की
\ सर्वेश्री	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. पी० एन० सक्सेना	उपनिदेशक उद्यान	15-9-79
2. पी० वी० छिवलानी	वही	-वही -
3. टी० ए० जॉन	सहायक उद्यान निदेशक	वही
4. पी० सी० खुराना	–वही⊸	−वही − ,
5. ब्रिज राज सिंह	वही	–वही–
6. एच० सी० बलानी	–वही–	–वही–
7. डी० के० गुप्ता	–वही −	–वही–
 आर० एन० एस० त्यागी 	–वही–	- वही
9. आर० के० भल्ला	–वही–	–वही–
10. वी० के० वर्मा (अ०ज०)	-वही	−वही−
11. <mark>छोटे सिंह</mark> (अ० ज०)	उपिनदेशक	1-11-81
	उद्यान	
	•	ी पाल सिंह ा उपनिदेशक

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 7 जनवरी, 1985

सं० जी-318/ए०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री पी० के० दना, भण्डार एवं ऋय अधिकारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता का प्रतिनियुक्ति काल, अगले छः महीने के लिए (1-6-84 से 30-11-84) तक प्रसारित करते हैं।

जे० एम० भट्टाचार्या उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी . रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर बाकूल पीठस एण्ड एक्सटेंशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बगल्र, ादनाक 9 जनवरी 1985

स० 3445/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर बाकूल पीठस एन्ड एक्सटेंशन प्राइवेट लि्मिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर माना थलकठेरानीकस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनाक 9 जनवरी 1985

सं० 2846/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर माना थलकठेरानीकस प्रोइकेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण टॉंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

वै० सत्यनारायणन कम्पनियों का रजिस्ट्रग्र

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर सभर इंजीनियारस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

स० 29567/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि सभर इजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विघटित हो गई

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर इजीनियर्स एन्ड प्लानर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० '23950/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 60 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इजीनिय एन्ड प्लानर्स प्राइवेट लिमिंटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

2 -43 6GI/85

कम्पनी अधिनियम 1956 स्रौर जे० डी० कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

स॰ 28780/560(35)—कम्पनी अधिनियम, 1,956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना जाती है कि जे॰ डी॰ कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनिलम 195,6 और हर्न बिल एलिमेटरस एण्ड इंजिनियरिंग क० प्रा० लिमिटेड के विषय मैं।

कलकत्ता दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 30799/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हर्न विल एलिमेटरस एण्ड इंजिनियरिग कं शाइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 195,6 और ईस्टर्नफाइरब ग्लास प्राईविट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 29/93/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीखं से तीन मास के अवसान पर ईस्टर्न फाइबर ग्लास प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और माईन वाक प्राईवेट लिमिटेड के विषय मैं।

कलकत्ता दिनांक 4 जनव्री 1985

सं॰ 22082/560(5)— रुम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि माईन बाक प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है (

कम्पमी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर लोकनाथ मिनारेलस कंपनी प्रा० लिमिटेड के विषय मैं।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 28863/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि लोक नाथ मिनारेलस कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इण्डियन सिनथेढिक फारमास्यिटिकल्स लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 23520/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इण्डियन सिनथेढिक फारमास्यिटिकल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटत कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

वोभिक फाईवार ग्लास प्लासटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 27326/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की धारा (5) के अनुसरण एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वौभिक फाईवार ग्लास प्लासटिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया जाएगा है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

अचालिस प्रैस एण्ड प्रिन्टर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 27458/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दार सूचना दी जाती है कि अचालिस प्रेंस एण्ड प्रिन्टर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित दो गई है ।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 और

अचालार्येंड मेटालाजिक्ल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 26825/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अचालायेड मेटालार्जिकल इंडस्ट्रिज लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 आरेर डी० वी० एण्ड कं० (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 23110/560(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की आरा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डि० वी० एण्ड कं० (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिक्ल कारण दिशान निकया गया तो रजिस्टर

से काट दिया जाएगा और उक्त कप्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 और

पाबार मेटिरियाल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 20452/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पाबार मेटिरियाल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिज़स्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेकनोकाट पलिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

सं० 28848/560(5) कम्पनी अधिनियिम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतत्हारा सूचना दी जाती है कि टेकनोक्राट पिलकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच बनर्जी कम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और

दी इण्डीयन मेंकानीजेसन एण्ड एलाय प्रोडक्टस लिमिटेड के विषय में

सं० एल /26191/एच० टी०/20754—कम्पनी अधि नियम 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि आंदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 2 अप्रैल 1984 के आंदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियक्त किया है।

> महेश प्रसाद कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रॉर पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में एव मैं० सिमोन्तान इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिट्ड के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 14 जनवरी 1985 सं० 1413 पी० एस० /सी० पी० /146—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अन्तर्गत एतत्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक मे तीन मास की समाप्ति पर, मै० मिमोतान इण्डस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जार्येगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> एस० करमाकरा कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश,ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर लाला साउथ बरोरा कोलियरी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे

स० 941/560/833—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लाला साउथ बरोरा कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनी के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वहाब अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार,पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और किरन स्टील त्रोडेक्टस प्राईवेट लिमिटेड के बिषय में

कानपुर, दिनाक 14 जनवरी 1985

स० 3147 एल० सी०/342—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर किरन स्टील प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी

वी० पी० कपूर कम्पनियो का रज़िस्ट्रार उत्तर प्रदेश, कानपुर कम्रनी अधिनियम 1956 और दिनाक 14 जनवरी 1984

स० 3304-एल० सी०/340 --अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सुपर टेनेरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

वेद प्रकाश कपूर कम्पनियो का रजिस्ट्रार उत्तर, प्रदेश कानपुर

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-20, दिनाक 10 जनवरी 85

म० एफ-48/एडी/एटी/85--श्री एस० व्ही० नारायण वैयिक्तिक सहायक प्रति अव्यक्ष आयकर श्रीलीय अधिकरण, बम्बई को तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता मे सहायक पजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ बम्बई मे तीन माह के अविध के लिए दिनाक 1 जनवरी 1985 से या तब तक जब तक कि उका पद पर नियमित नियुक्ति नही हो जाती, जो भी पहले हो, नियुक्ति किया जाता है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, ग्रौर श्री एस० व्ही नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रौर उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाए न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी ग्रोर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुग्ला अध्यक्ष इक्ष्य बार्षं. टी. एन. एस------

ल्डिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के वधीन सूत्रना

भारत सरकार

कर्जाबन, सहायक जावकर बायुक्त (मिस्तिका) अर्जन रें ज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 2 नवम्बर, 84

निदेश सं० आर०ए०सी०ग्रीववी०38/18/84-85--एम० सी० जोशी,

बायकर विधितिषम, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्कों इक्कों विश्व (जिले इक्कों इक्कों विश्व (जिले इक्कों इक्कों विश्व (जिले इक्कों कहा विश्व हैं), की धारा 269-व के अधीव सक्ष्म प्राधिकाद्री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मकान सं० 24ए बार्ड नं० 28 जो निकास मंदिर से इतवारी नागपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाक् मेंट सं० 2098/84,2099/84) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-84

को प्रवेकित सम्मित के स्थित बाकार मृत्य से कम के उसमाब प्रतिष्ठन को सिए सम्मिरित की गई है और मृत्र वह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापनोंक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य उत्तके उसमाम प्रतिष्ठल से, एसे उरम्मान प्रतिष्ठल का वन्द्रह प्रतिष्ठत से विश्व है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के निए तम प्राच प्रवास प्रतिष्ठल निक्तिकारित उप्ति अन्तरण के निए तम स्था प्रवास प्रतिष्ठल निक्तिकार अन्तरण के उपति अन्तरण के निए तम

- (कई अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त बीधियम के बधीन कर देने के बन्तरक के वाजित्य में कभी करने ना सबसे बचने में बुविधा के सिग्; को /सा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन वा बन्च अस्तियों को विक्ह भारतीय अल्ब-कर अधिनियम, 1922 (1922 स्म 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में ब्रिया के निए;

कतः बन, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उसत अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बन्दीन, निक्किशिवित व्यक्तियमों, अर्थात् ह

- (1) श्री किशोर मोरेश्वर ठाकरे
 रा० सं० 9 14 वार्ड नं० 28 निकाम्स मंदिर रोड,
 इतवारी, नागपुर
- (2) सी॰ कुंदाबाई विजधरम के रोड निकास मंदिर रोड, इतवारी, नागपुर

(अन्तरक)

- (1) श्री तनसुखदास रेगराज राका
- (2) श्रीमती लिलावती रंगराज राका रा० बापूराव गहुंठी इसवारी नागपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उत्तर राम्पि के अर्थन के संबंध में कोई भी नाकोप ह---

- (क) इस सूचना को ख़जनन में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी खदिय याद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- क्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्था करण: ----इसमें प्रयुक्त करूरों और यदों का, को उक्ख अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरेग को उस अध्याद में दिया क्या हैं।

अनुसूची

मकान नं० 24 स नं० 9/14 बार्ड नं० 28 निवास मंदिर रोड, इतवारी नागपुर

मकान सं० 24 ए० नं० 9/14 वार्ड नं० 28 निवास मंदिर रोड, इतवारी नागपुर ।

एम०सी० जोशी सक्षाम प्राधिकारी सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपूर

तारीख: 2-11-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक , 21नवम्बर, 1984

निदेश सं० आय०ए०सी० (अक्वी) 39/18/84-85--यतः मुझे एम० सी० जोशी,

ायकर बिधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वश्यात् 'उसत अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपीत्त जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 80/2 है, तथा जो मौजा तह०आणि दिग्रक जि० यवतमाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से पिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्रार्यालय दिग्रस (डाकुमेंट सं० 1667) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मूझे वह निश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दिह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निय्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आम की नायत उक्त व्यक्त व्यक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सविधा के निष्; बीड/बा
- (स) एसी किसी लाय या किसी धन या बन्ब बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर लिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धन- कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुनिधा के लिए:

बत: बव, उक्त बाधिनियम की धारा 269-न के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अधीत:--- श्री जगन्नाभ श्रीराम

क्षरिसागर मौजा अणि सह० दिग्रस जि० यवतमाल (अन्तरक)

- 1. श्री कोंडाप्पा बापुजरपा चिंतावार
- 2. विश्वनाथ कोंडाप्पा चितावार
- 3. डा रमेश कोंडाप्पा चितावार
- 4 श्री सुभाष कोंडाप्पा चितावार सभरि, मौजा आणि तह० दिग्रस जि० मेवतमाव (अन्तरिती)

को यह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बन्धित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्त्रकाशी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अव में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवास;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिस के मीतर उक्त स्थावर अपितः में डिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए पा सकती।

स्वक्टीकारण:---- इतमें प्रयुक्त क्षेत्र्य और पदों का जा हस्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा मजा है।

. अन् सूची

4 एकर 10 गुठा खेल जिमन जिसका नं० 80/2 है ग्रीर मौजा आणि तस०दिग्रस जि०यवतमाल में स्थिति है।

> एम**०** सी० **जोशी** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)**् अर्जन रें ज, नागपुर

तारीख: 21-11-84

प्रकृष बार्ड . टी . छन . एसं . -----

आधकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वमा

शारत करकार

कार्यासव, सहायक आंथकंर आयंक्त (निर्देशिय) अर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर, दिनांक, 21 नवम्बर, 1984

निदेश सं०आय०ए०सी० (अक्सी)/40/18/84-85 --- यत: मुझे एम० सी० जोशी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्भति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी प्लाट सं० 182 है, तथा जो धामनगांव रेलवे जि० अमरावती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ग रूप से विणित है,), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाक्मेंट सं० 3758) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1984

- किंक) वंतहल संहुद किती बाब की वाबस, उपक अधिनियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कृती कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- रेंगे एसी किसी बाक या किसी धन या बन्च बास्तिओं को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाउंग था, छिपाने से वेदिना की सिद्धः

मेलः बन उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ हो, मी, समत विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा हैं। हैं है बनीन, निकातिवित कानिवित्तों, अधित:---

(1) अबाछर धामनगांव रेलवे जि॰ अमरानती

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमादेवी रामचन्द्र ठाकरे राजापेठ अमरावती

(अन्तरिती)

को यह बुचना चारी कल्पके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के बिए कर्मवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बालेप. :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रकास्त्र सूचना को तामील से 30 दिन की व्यक्ति को स्वी व्यक्ति को नितर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित् में हित्सदूध-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकरें।

स्वन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

वर्का

मकान जो पलाट नं० 182 पर धामनगंज रेलवे जिं० अमराबती में स्थित है ।

> एस० सी• जोशी सक्षम अधिजकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ग्रन रेंज, नागग्रुर

तारीख: 21-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, 'सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 22 नवम्बर, 1984 निदेश संगै आई० ए० सी० एक्वी०/41/84-85—यतः मुझे एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 22 है, तथा जो रिंग रोड पर मौजा अर्नी तह० व जिला नागपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 3534/84-85)में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) जनारण से हुई किसी आय की बाबत , उन्हर विधितियम के अधीन कर दोने कें अन्तरक के दीरियल में कमी करने या समस्ये बचने से सिर्देश के लिए; और या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1657 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

. अन्तः अच्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत न्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) सौ० फूलबीर कौर, प० हरचरण सिंह देशी
 - (2) मास्टर जगप्रीति सिंह देशी,
 - (3) श्रीमृती मनमीस कौर देशी, मकान नं० 3394, सेक्टर 19-डब्ल्यू, चण्डीगढ़ (पंजाब)।

(अन्तरक)

मै० इन्द्रानिसः इन्टरप्राईस,
 रा मजफा गुप्ता भवन, वेस्ट,
 तामकार्ट रोड, करम पेट, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 22, जो सेंट्रल एक्साईज, की-आपरेटिव सोसायटी, रिंग रोड पर मौजा अजनी, तह० व जिला, नागगपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक: 22-11-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) क भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 19 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० एल० सी० 702 84-85—अतः मुझे बि० रविबालन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो दक्षिण आयार्ट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिप में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और क्लारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भेलए तय प्रमा बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दृत बन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गरा है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा विक्या जाना चाहिए, था, छिपान में स्विधा की लिए;

1. श्री के० पि० शंकुण्णि वैद्यजन,

(अन्तरक)

2. श्रीमती लिकतम्मा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

दिनांक 23-5-1984 , उप रजिस्ट्री कार्यालय आलप्पी के दस्तावेज, सं० 1444 में संलगन, अनुसूची के अनुसार दिक्षण कार्यार्ट विलेज, में सर्वे सं० 279/12/2 और 279/17/1 में 29.5 सेन्ट भूमि।

बि० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 19-12-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बारं . टी. एर. एड.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

मार्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16 कोचीन-16, दिनांक 28 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० एल० सी० 703/84-85---अतः, मुझे, बी० रिवबालन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, य विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालीकट, कारपोरेशन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालीकट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्श्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त बिधिनियम को धर्मन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा खे सिए; और/क।
- (का) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था किया जाना अधिका या किया जाना अधिका या किया जाना अधिका या किया के तिय;

1. श्रीमती सुशीला।

(अन्तरक)

2. श्री ई० कूट्रयम ।

(अन्तरिती)

डां यह सूचना जारो करके पृशांकत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बुम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया है।

अनस्पी

दिनांक 23-5-1984, उप रिजस्ट्री कार्यालय कालीकट के दस्तावेज सं० 483 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालीकट कारपोरेशन में आर० एस० सं० 18-7-265 में 12 सेन्ट भूमि।

वि० रविबालन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुल**स**,

दिनांक: 28-12-1984

प्रस्य भारते ही. एन एस. ------

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन

कोचीन-16, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश सं० एल० सी० 704/84-85—अतः, मुझे, बी० रिवबालन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसं इसमें इसके एक्चात् 'त्वन अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालीकट कारपोरेशन में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिस्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालीकट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्डित जाजार मृज्य में कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित भागार मृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे तस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक कर से की बत सहीं किक स्था हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य जास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सिवधा के लिए;

बतः बह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी विनिता स्रौर मास्टर विनोद (याइनर्स) के लिए एम० केशवदास ।

(अन्तरक)

2. श्री ई० कुट्टप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपनित यों में अपनित यों में के किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्**ची**

दिनांक 24-5-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय कालीकट के दस्तावेज सं० 485 में संलग्न, अनुसूची के अनुसार कालिकट कारपोरेणन में आर० एस सं० 18-7-265 में 24 सैन्ट भ्मि।

बी० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 28-12-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० सी०-48/रेज-4/कल०/84-85—अतः मुझे, शंकर के० वनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 293 है, तथा जो अपकार गार्डन, आसनसोल में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसनसोल, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजपाने में सुविधा के लिए।

जतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गुके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती चिन्म ई मुखर्जी,

(अन्तरक)

2 श्री दुर्गापद राय चौधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मासत में किए जा सकेंगे।

स्पर्शक्षाः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहों अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ग्रनुसूची

जमीन 3.42 काटा जमीन के साथ मकान का आधा भाग ।

पता : 293, अपकार गार्डेन, आसानसोल । दलिल सं० 1984 का 2639 ।

> शंकर के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक: 4-1-1985

प्ररूप , बाईं , टी , पून , एस , - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं० ए० सी०-49, रेंज-49/कल०/84-85—अतः, मुझे, शंकर के० बैनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 293 है, तथा जो अपकार गार्डेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसनसोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अन्तरण को लिए तम पाश गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अफ़िश्या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः यस, उक्त अभिनियभ, की भारा 269-ए के अनुसर्ह है. मैं. उक्त अधिनियभ की धारा 269-ए की प्रथात (1) है अधीन, निम्निलिसित व्योक्तओं, ब्यांतु ह--- 1. श्रीमती चिन्मय मुखर्जी।

(अन्तरक)

विल्वा वासीनि राय चौध्री।।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधी में से फिड़ी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम हिन्दित में किए के सकती।

स्पञ्चीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियत, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है '

હારા માર્જ ક

जमीन--सं० 3.42 काठा जमीन के साथ मकान का आधा भाग पता-293, अपकार गार्डन आसनसोल वर्दवान दोलल सं० 1984 का 2640।

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक : 4-1-1985

मोहर 🛚

प्ररूप बाह .टी. एन . एस : =----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्तयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 अगस्त 1984

निदेश सं० ए० सी०/73/अर्जन रेंज/कल०/1984-85 अतः, मुझे, एस० के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. स बासक हुं

और जिसक सं० 10/1/ई है तथा जो डाइमन्ड हारबार रोड़,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-5-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पास
पशा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
के बास्तविक रूप से किया नहीं किया पथा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्स जिल्ला को खिनका के खीन कर दोने के खंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मैं अधीय, निस्निचिक्ति व्यक्तियों, अर्थाह :---

- (1) मेसर्स ग्रीनिबच होलिंडग्स प्राइवेट लिमिटेड । (बन्तरक)
- (2) 1. बनवारी लाल गुप्ता
 - 2. शशिकान्त गुप्ता
 - 3. राजेश कुमार गुप्ता
 - 4 राज कुमार गुप्ता
 - 5 मधुसुदन गुप्ता
 - 6 राकेश कुमार गुप्ता
 - 7. श्याम बिहारी गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

बन्स्धी

जमीन :-- 2150 वर्गफुट प्लाट

पता :— $10/1/\xi$, डाइमन्ड हारबार रोड़, थाना आलिपुर कलकत्ता, प्लाट नं० 3-बी, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 16-5-1984 को रजिस्ट्री हुआ, ऋमिक सं० 30।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

े दिनांक : 17-8-1984

मोहर 🛭

जागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शासी सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

- अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए० सी०-78 एक्यु० रेंज-2, कल०/ए० 84-85-अतः, मुझे, एस० के० बनर्जी

कायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिन्यम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिख्दास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो डा० आणुतोष गास्त्री, रोड़, कलकता-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी है रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीव एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति फल, निम्नलिखित उद्देशम से उस्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं सिद्धा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिएः और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिभियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थात् ध— (1) श्री मोहन लाल गांगुली ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री आगुतोष मुखोपाध्याय 2 श्री रंजीत बोस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य हैं, वहीं अर्थ होंगा यस हैं।

बतस्यी

जमीन :- 15 कठा 13 छिटांक जमीन के साथ मकान पता :-- 8. डा० आशुतोष गास्त्री, रोड़, कलकत्ता-10 थाना बेलिपाबाटा, तारीख 14-5-1984 को सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० <mark>बनर्जी</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 29 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ए० सी०-97/ग्रार०-2/सी० ए० एल०/ 84-85--ग्रतः मुझे एस० के० वनर्जी

अगम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9 ए/1 बी है तथा जो चेतला रोड, में में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बें गलूर दिक्षण में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1929 वा 11) या नाम अर्जियम, या नाम किया जीतिया । 10 नाम ११० इन वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं वित्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रेनु दत्ता,

(ग्रन्तरक)

(2) दि बैक ग्राफ राजस्थान लि॰

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्सूची

990 1/2 वर्गफुट प्लाट $9\sqrt{1}$ बी, चेटला रोड़, का दो नकला में अब स्थित है।

दलिल संख्या—-म्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का म्राई 6123।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 29-12-1984

प्ररूप बाइ^{*}. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 25 दिसम्बर, 1984 निर्देश सं० 37ईई/4666/84 - 85/1001 - ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5414 गुलमोहर ग्रपार्टमेंट 2420, जं० थिमया मार्ग, पूणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कृषी करने या उससे अचने में सिविधा के लिए; और/भा
- (ख) एसी यिक्सी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों होते, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा की लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) करण दौलत पिह मदन
 6/86 गुष्प्रसाद को० प्राप० हाउ० मो० लि० बंड गार्डन मार्ग, पुणे-1

and the first the second section of the second of the seco

(ग्रन्तरक)

(2) गुलकुमार के० राहेजा 309, कल्पना, 388-ए भवानी पेठ, पुण-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को अध्यान में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विशे बार में समान स्वीति हो, के भीतर पूर्वीत्रस व्यक्ति हों से प किसी व्यक्ति हो हो सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पस्टोकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमधी

प्लैट नं० 514, गुलमोहर प्रपार्टमेंट 2420 ज० थिमया मार्ग, पुणे -1

(क्षेत्र 1083 चौ फट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 4666/83-84 जो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में मई 1984 को लिखा गया $= \frac{1}{5}$)

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रारकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-12-1984

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 37ईई/7296/84-85/1002—-ग्रत : मुझे $_{1}$ ग्रिनिल कुमार

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, गेरा टेरस—I लोहगांव, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने के उससे तचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्दारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए भा. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण अर्म, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन रिस्निलिमित व्यक्तियमों. अधिर १—— कुमार प्रीतम दास गेरा,
 8/352 बोट कल्व मार्ग,
 पुणे ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार सेठ, 29 सेलिसवरी पार्क, द्वारा बी० डी० सरीन, पुणे

(अन्तरिती) 🖁

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

ह्यपद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

फ्लैट नं० 11, गेरा टेरेस-I सं० नं० 199, हिस्सा नं० 1,2,3,4, 5ए, 5वी. 5सी, 7, 8, सं० नं० 204, हिस्सा नं० 1, 2, 4, 3ए, सं० नं० 205 लोहगांव फ० प० नं० 107 विमाननगर कालौनी, पुणे ।

(क्षेत्र : 880 चौ फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम 7,296 जो सितम्बर, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 29-12-84

मोहर:

4-436GI/84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, 25 दिसम्बर 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लेट नं० 13, विन्डिंग नं० 8 प्लाट नं० 8 सी टाइप, चित्रवड, पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय महायकर ग्रायकर ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पर्वोक्त सक्ष्मित के जिनत बाजार मुल्य से कम के स्क्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं जार मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापृक्षित सम्पत्ति का उत्तित प्राजार मृल्य, उतके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रकारत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-निक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई जिसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर मेने के बंतरक के दागित्य में कानी कान्ने ता उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 13) या स्कृत अधिनियम, या धर राष्ट्र राष्ट्रियम, 1957 (1957 का 27) के राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र परिच्या राष्ट्र रा

अत:, त्यत, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, गैं उन्तर तिशीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स ग्रर्जन लैंड एैन्ड हाउसिंग सो० प० लि० निरंकार, 1ली मंजिल, 1133/5, एफ० सी० मार्ग शिवाजी नगर पुणे-16

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन्थोनी डिसूजा तथा श्रन्य टांगवाला विल्डिंग नं० 2, सेंट जोसेफ स्कल के सामने डोंगरी, वम्बई-9

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवन शब्दों और परों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

प्रेमलोक पार्क, प्लाट नं राव 13, विल्डिंग नं राव 8, प्लाट नं 8, मी टाइप चिचवाड, स्राकुर्डी मार्ग, पुणे।

(क्षेत : 785 चौ॰ फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम 7231 जो सितम्बर, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल_़ कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

दिनांक : 25-12-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

भायकर विभिनियस, 1961 ी 961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 37ईई/10391/84-85/1004--श्रतः मुझे ग्रनिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12 डी, वम्बई गार्कीट, स्टेशन मार्ग भायंदर (पिश्चम) है तथा जो फाने में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) शर्जन रेंज, में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख "सितम्बर, 1984 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान श्रीतफल का निष्क है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था वा किया वाना शाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिपियम की नारा 269-न के बन्धरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में कथीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मोरमुकुट कन्सट्रवशन कं० स्टेशन मार्ग, भायंदर (पश्चिम), थाने (ग्रन्तरक)
- (2) डा० शिवभगवान अग्रवाल तथा अन्य डा० श्रीमति लीला शिव भगवान डागवाल ए-1, ए-2, बम्बई, मार्कीट, मार्यंदर (पश्चिम) थाने ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूत्रना भारों करके पूर्वों कर सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

1ली मंजिल बिल्डिंग डी फ्लट जं० 12, वम्बई मार्कीट स्टेशन मार्ग, भायंदर थाने (पश्चिम)

(क्षेत्र 555 चौ० फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रोकृत ऋम 10391 जो सितम्बर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 29-12-1984 मोहर ॥

प्रक्ष बाइ. टी. एत्. एस. -----

बायकर बर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभाग

धारत सुरकाङ

कार्यात्य, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 37ईई/8704/84-85/1000-- स्रतः मुझे स्रनिल कुमार

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्तित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रपार्टमेंट नं० 3 2री मंजिल ई-4 हिस्सा-1 वाशी, है दथा जो नई वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के वार्यालय सहायक ग्रायिकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिवीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अधीन कर दोनें के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः, अब, उवत अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरणः म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दिलोप कुमार दास गुप्ताः सेक्टर-6, सिंहागढ को० श्रो० हांउ० सो० ग्राउन्ड फ्लोर, वाशी, नई वम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरसिंह राव र० जिन्दे
10ए रिधी सिधी श्रपार्टमेंट्स,
ग्राउन्ड फ्लोर, श्रार० ए० किदवई मार्ग,
किन्स सर्कल, बम्बई-19

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पात्त के वर्जन के लिए कायवाहिए। करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड़ीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाँ गया है।

अनुसूची

ग्रयार्टमेंट नं० 3 2री मंजिल ई-4, हिस्सा-1 , वाशी नई वम्बई-400703

(क्षेत्र : 51.**39**3 चौ० मी०)

(जैसा कि राजिस्ट्रोकृत कम 8704 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफतर में सितम्बर, 1984 को लिखा गया है)

> र्यानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 29-12-1984

बरूप नार्दं.टी.एन.एस. -----

बायकर विभिनियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निभीन सूचना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 37ईई/6626/84-85/999—-म्रतः मुझे, म्रिनल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० III, 3री मंजिल, मुकुद अपार्टमेंट, ईिशवाजी नगर, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार्र. के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षिण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्या विश्वलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण सिधित में बास्तिबक स्था से काचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त बीधीनदश् के बधीन कर दोने के अन्तरक के शाक्तिय में कभी करने या उत्तरे दचने में शृधिवा से रिक्षण; क्षां या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या नम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर जिधिनयम, वा धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-म के बन्तरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :— (1) शिरोध महादेव थाटे.
 मे० म० ल० थाटे,
 2001, ग्रांत लक्ष्मी तिलक मार्ग,
 पुणे-30

(ग्रन्तरक)

(2) डा० सुमन रंगनाथ कुलकर्णी, योगेश्वर हास्पिटल दौंड, पूणे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विच्लि में किए जा सकाँगे।

स्वष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पद्यों को, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० III, 3-री, मंजिल, मुकुंद ग्रपाटमेंट्स, सब-प्लाट नं० 2सी, फ० प० नं० 561 ट० प० स० शिवाजीनगर पुणे ।

(क्षेत्र : 780 20 चौ० फुट)

(जैसा कि र्राजस्ट्रोक्ट्रत के 6626 जो ग्रगस्त 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक म्राहयक म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, पूना

दिनांक : 29-12-1984

प्रस्य बाहाँ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के लंधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 दिसम्बर, 1984

निदेण सं० 37ईई/6208/84-85/998--- प्रतः मुझे ग्रनिल क्मार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सथाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पलाट नं० II, मब-ग्लाट 2-सी फ० प० नं० 561 शिवाजीनगर, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ताराख सितम्बर, 1984

को पूजोंक्त सम्पति के उपनित वाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्हालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी लाय नी बाबत, उनस अधिनियम को वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में श्रीबधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उरत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती ज्ञारा प्रकट गहीं किया गया था था किया जाना चारिए था लियाने में पुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) निरोष महादेव थाटे,
 मे० म० ल० थाटे '
 2002, तिच प्र मार्ग, पुणे-30

(भ्रत्तरक)

(2) गेनुभाऊ ठाकुको टाकलकरः 1195/2-सीः शिवाजीनगरः, पुणे–5

(ग्रन्तरिती)

को यह धूचना जारी करके एवेबित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाड्यिं करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त प्राप्त यो प्रतियों में से विभी अर्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर जन्म स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इताय अधाहस्ताक्षरों के धार सिक्टित में किए जा सके म

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम में अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनसभी

पनाट नं । धि, सप्र-निष्ट ० ७-वो फ प० नं ० १६१, ट० प० स० नं (मांबुर्डा) शिवाजीनगर, पुणे

(क्षेत्र : 780 चौ० फुट)

(जैंसा कि रजिट्री इत् कं 6208/84-85 जो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में सितम्बर, 1984 को लिखा गया है)

> र्ग्रानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, पूना

दिनांक : 29-12-1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश स० 37ईई/9503/83-84—अत: मुझे, अनिल कुमार कामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सथीन सका प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावह सम्बद्धि, विश्वास सम्बद्धि वाजार मृत्य

25,000/- रा. से विधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लाट नं० 5, बिल्डिगज नं० डी, किल्पनामती हाउस सोसायटी, स० नं० 152/1 बी—3 है, दथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विण्य है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में स्कृतिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन निर्मक मई, 84 को पूर्णिक संपीता के उधिका 16) के अधीन निर्मक मई, 84 को पूर्णिक संपीता के उधिका बाजार मूल्य हो कम के स्वयमान श्रीतक संपीता के उधिका बाजार मूल्य हो कम के स्वयमान श्रीतक के स्वयं किए कमारित का सीमत बाजार मूल्य, उसके स्वयमाय प्रतिकास के स्वयं दस्तित को सीमत बाजार मूल्य, उसके स्वयमाय प्रतिकास के स्वयं दस्तित को सीमत बाजार स्वयं, उसके स्वयं के सीमत के सीमत है और संतरक के सिए तम बाजा मधा प्रति- इस निरम्भी कि सीम एसे संतरक के तिए तम बाजा मधा प्रति- इस निरम्भी कि सीम एसे संतरक के तिए तम बाजा स्वा प्रति- इस निरम्भी कि सीम एसे संतरक के तिए तम बाजा स्वा प्रति-

- (क) कन्करण में सूर्य किसी बाव भी कानस्, उक्स मन्धिरित्यम के बरीत् कर पान के असरक के बाकित्य में कनी करने या उसले क्याने में सुविधा के के निष्टु; जोर/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय व्यायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रवट नहीं किया क्या था किया बाना दाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ब्तः ब्रंब, उक्त बाँधानियम का धारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त बाँधनियम की धारा 269-च का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— एंगल एण्ड कं०;
 'अनुजित', 775/2, डेक्कन जिमखाना, कमला नेहरू पार्क के सामने, पुणे-4

(अन्तरक)

श्री सदानन्द विजय गोटे,
 र० नं० 17, आनन्द चेम्बर्स,
 डेक्कन जिमखाना,
 पुणे-4

(अन्तरिती)

ब्रे ब्रह्म सुवाना बाद्धी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिख कार्यशाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनं के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि था तत्संबंधी व्यक्ति पर सूचना की लक्ष्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाच्या होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रका लिसित में किए जा सकरें।

स्वस्थित रण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त जीविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचो

फ्लाट न० 5, बिंडिंग नं० डी, कल्पनामती हाउसिंग सोसायटी, स० नं० 152/1 बी, —3, श्रौध, पुणे-7 (क्षेत्र : 466 चौ० फी)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋं० स० 4503/83-84 जो मई, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

थनिव सुवार सक्षम प्राप्तिकारी सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपंत रेंज; पूरा

दिनांक: 22-12-1984

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. इस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 37-ईई/4268/83-84—अतः मुझे अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 9, सी० एस० न० 48/4ए, वेल्सली मार्ग, शिवाजी नगर, पुण-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारीज के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्ष्यित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे के पान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकों और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाश्यत्य में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिथों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जान चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— दिजय विल्र्डस,
 1271, डिक्किन जिमखाना,
 पुणे-4

(अन्तरक)

 श्री मुलराज जेठातहुद, जेसोता, 1243/-3, आपटे मार्ग, पूणे-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अगधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अवाध गढ़ में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त प्रिकार में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लाका में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तित्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्कों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिव हैं. वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया गया है।

श्रन्स्ची:

प्लाट नं 9, सी० एस० नं० 484ए, वेल्सली मार्ग, शिवाजी नगर, पुणे, (क्षेत्र०: 892)

(जमे कि रजिस्ट्रीकृत कि० 426883-84 जो मई, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूनाःौु

दिनांक: 22-12-1984

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 37-ईई 4731/83-84995—अतः मुझे, अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अपार्ट मेन्ट, न० 4, 2 री मंजिल, प्लाट नं० 73/3/3, एरंडवणे, पुणे-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) एरी किसी नाम या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री हिरहर चिंतामन नातु तथा अन्य, चैतन्य अपार्टमेन्ट, 50-1-5-ए, एरंडवणे, पुणे-4

(अन्तरक)

 श्रीमती उषा बसंत बापट, बी/3, द्वारका अपार्टमेन्ट, हरे कृष्णा मंदिर पथ, पूणे-16

(अन्तस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्लाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाद तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिक है, वही अर्थ होमा जो उस अध्याय में विकार ग्या है।

वगुस्य

अपार्टमेन्ट, नं० 4, 2 री मंजिल, दक्षिण ग्रोर, प्लाट नं० 73/3/3, एरंडवणे, पुणे-4 सी० टी० एस० नं० 50/27 (क्षेत्र : 990 चौ० फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 4761 83-84, जो मई, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, पूना

दिनांक: 22-12-1984

प्रस्य नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निर्देश र्सं० 37-ईई/8937/84-85/994--अन: मुझे अनिल कुमार

काषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-1, गुणसागरनगर कालबे रेलवे स्टेशन के नजदीक, स्टेशन मार्ग, कालबे, थाने है तथा जो थाने में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तयों सबे जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाबा वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थात् ।——

(1) छदवा कन्सट्रक्शन कं० 2/4,जय महावीर र० व० मेहता मार्ग घाटकोपर, बम्बई-77

(अन्तरक)

(2) भीमराव अनंतराव देसाई चापसी बिल्डिंग, प्रधानवाडी, रेलवे स्टेशन के नजदीक, थाने ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के शास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वद्धीकरण :--- दुसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अचल विश्वित्तवम् के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा को उस व्यथाय में दिका गया ही।

वनस्थीं

पलैट नं० डी-1, ग्राउन्ड पलोर, गुणसागरनगर, कालबे रेलवे स्टेशन के नजदीक, स्टेशन मार्ग कारबे (पश्चिम), थाने ।

(क्षेत्र : 580 चौ० फुट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के 8937/84-85 को जो सितम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्दर में लिखा है)।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-12-1984

मोहर ः

प्रस्य बार्ष हो। प्रस्त प्रस्

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (६) के मधीन सुक्ता

RITE SERVE

कार्यात्वय, सहायक वायकद्व वायुक्त (निद्वीवाक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 37ईई/4758/83-84/993—-म्रतः मुझे, म्रानिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिला के बधीन संस्था प्राधिकारी की यह विस्थास सारा कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाड़ मूस्य 25 000/रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० 966/ए. एफ० पी० नं० 394ए फ्लैंट नं० 30 शिवाजीनगर पूणे—16 है तथा जो पुणे—16 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्यित के क्यि अन्ति की नई है और मृत्रे वह विप्रवास करने क्या कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिस्त से सिथक है जोर अंतरक (अंतरकों) आँर अंतरिती (जन्मिरियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पामा यया प्रतिकृत है निक्तिविधित उद्देश से उस्त सन्तरण कि विक्ति में सम्पर्धक का से क्षियत नहीं किया नमा है है—

- (का) अप्तरका से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंखी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का धन्त अधिनियम 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा वा किया ज्ञान ज्ञान ज्ञान के स्वीवियम के तिहा

जतः जब, उक्त जिधिनियम, की धारा 269-न के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) राजाराम शिरोले एन्ड एसो० प्लाट नं० 394/ए शिवाजीनगर, पुणे-16।

(ग्रन्तरक)

(2) अनुराधा अनिल पटेल, ए-1, अजय अपार्टमेंटस, 401, सेनापति बापट मार्ग, पुणे-16।

(अन्तरिती)

का वह त्याना जारी करके प्रविक्त संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यतिहियां करता हूं।

कारत सुन्यतिक में बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोधूर--

- (क) रच सूचना के ग्राम्थन में प्रकाशन की तारीन हैं
 45 दिन की अविध्या तत्सवधी व्यक्तियों पर
 सूचना की दानीन से 30 दिन की अविध्या भी
 कुर्मीय ना में स्वान्त होती हो, के भीतर पूर्वों ना
 क्रिक्त में वे किसी महिना द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजमूत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के बीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सुकींग।

स्वच्योकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा स्ववक्र बीधीनयम,, के बध्याय 20-क में परिभाषित इं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वन्स्यी

सी० टी० एस० नं० $966/\nabla$, एफ० पी० नं० $394/\nabla$, प्लाट नं० 3 शिवाजीनगर, पुणे-16 ।

(जैसा कि रिजस्ट्रोक्कत ऋं० 4758 जो मई 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 22-12-1984

प्ररूप बार्ड ्टी एन एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

माइत सरकार

श्रायंतिय, तहाब्क बायकर बायुक्त (निद्धीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 37ईई/4364/83-84/992—-स्रतः मुझे. स्रिनल कुमार

वायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिला इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाषा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्वत्ति, जिल्लाक उन्नीवत वाजार गृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- रंग से जानक है

श्रीर जिसको संग पनेट नंग 6. 2रो मजिल, 638 पोग फिण माइल कालोनो पुणे-5 है तथा जो पुणे-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मून्य से कम के द्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरीर्त की नई है और मून्ने यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके द्रवमान प्रतिफल के प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया क्या है इन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया क्या है इन्तरण लिखित

- श्रृंक) बन्तरण से हुई किसी बाव कई बायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर∕या
- (क) एंदी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिय. को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सिवधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उशत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ः—-

(1) डी॰ गुस० कुलकर्णी एन्ड कं॰ रिव बिल्डिंग, ब्लाक नं॰ 12, ग्रल्का टाकिज के नजदीक, 812 सदाशिव पेठ, पुणे-30।

(ग्रन्तरक)

(2) विनोदोनी विश् गोसावी, यशवंत र० गोसावी, 1098/1, माडल कालोनी, पुणे—5।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्य वाहियां करुवा हूं।

उन्दु संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई **नी वास्त्रेप**?--

- (क) इस सूचना के राज्यकत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि वाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्का व्यक्तियों में से कि की व्यक्तित द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्द्य कि की अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास बिक्ति में किए जा सर्काने।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिप्राणिक है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में स्थित गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 6, 2री मंजिल, 638 चौ० फि० बिल्ट-ग्रप । 1098/1 माडल कालोनी, पुणे-5।

(क्षेत्र : 638 चौ० फि०)

(जैसा कि राजिस्ट्रीकृत के 4364/83-84 <mark>जो सहायक</mark> आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> र्ग्रानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए०-5/37ईई/7566/84-85/991 ग्रतः मुझे, श्रानिल कुमारः

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1ली मंजिल, सं० नं० 694/ 2ई, पारसनीस कालोनी, बिवेवाडी, पुणे-37 है तथा जो पुणे-37 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वीणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में रिजस्ट्री-करण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बादत, उक्तु अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय अाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिये अथोत् :--

- (1) मे० कटारिया एसो० 1365 सदाशिव पेठ, पुणे-30 । (ग्रन्तरक)
- (2) राजश्री र० गुगले, द्वारा 245, मार्कीट यार्ड, पुणे-37। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ः-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 810 चौ० फि० 1ली मजिल सं० नं० 694/2ई पारसनीस कालोनी, विबेवाडी, पुणे-37।

(क्षेत्र : 931 चौ० फि०)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कं 7566/84-85 जो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

दिनांक : 18-12-1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं० ए०-5/37ईई/6925/84-85/99- स्रतः मुझे प्रनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मे० अरविस एन्टरप्रायसेस720 बुधबार पेठ, पुणे-2

(मन्तरक)

(2) जयंत म० रास्ते तथा ग्रन्य123 विमूर्ति सो०एरंडवणे पुणे-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन कें

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्त में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

पलैट नं० 17, महालक्ष्मी अनार्टमेट नं० 3 सं० नं० 267-ए हिस्सा नं० 2/4 हेची कालोची कोथण्ड पुणे-19 (क्षेत्र : 950 चौ० फि०) जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत क० 6925/84-85 जो ग्रक्तूबर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० सी०ए०-5/37ईई 681284-85/989 अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-48 अभिमान श्री की० ग्री० हाउसिंग सो० लि० एन० सी० एल० के नजदीक, पाषान मार्ग, ग्रीथ, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूर्ण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वो करा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी ,करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) निर्मला नारायण भिडे, मोरेश्वर हाउसिंग सो∙ बानैर मार्ग, श्रौध, पूणे-5

(अड्डरेरक)

(2) गौरी स० पंजाबी;3, समुद्र गौरव, 6-ए-वली,सी० फेस मार्ग, बम्बई-25

(अड्डतरिती)

,को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्सची

प्लाट नं ए-48, अभिमान श्री को ब्रोप हार्जीसग साठ लिं, एनं सीठ एलं के नजदीक, पाषान मार्ग, ग्रौध पुण-5।

(क्षेत्र : 4466 चौ० फिट०)

(जसा कि रजिस्ट्रीकृत के 6812 84-85 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहातक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, पूर्ण

·दिनांक : 18-12-1984

प्रकप् बाइं. टी., एन्. एस्.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अभीन सूचना

भारत तरका

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** अजन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 18 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० मी०-5/37ईई 5135/84-85/988--अतः मुझे, अनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं प्लाट नं 6 पहली मंजिल, चिंतामणी अपार्टमेंटस, पुणे-4 है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूर्ण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान हित्र के सिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया हित-कस निम्नितिब्त उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नित्त में वास्त्विक कप हो किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने अमें सविधा के सिष्;

अतः अदः उकत् जीधनियम की भारा 269-म के जनसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) के० चितामणी एन्टरप्रायसेस द० स० खांडकर, "चितामणी" 51-ए, डा० केतकर मागं, एरंडवणे, पुणे-।

(अइतरक)

(2) अनिल वापूराव चौकार, .301, नारायण पेठ, पृण-30

(अडुतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्षा है।

नग्स्वी

फ्लैंट नं० 6, 1ली मंजिल. चिंतामणी अपार्टमेंट,स एफ० पी० नं० 51-ए, सी०टी० एस० नं० 100-ए, डा० केतकर मार्ग, एरंडवणे, पुणे-4।

(क्षेत्र : 1190 चौ० फि०)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के 5135/84-85 जो जून, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अजन रेंज, पूना

दिनांक : 18-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

बाब्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-व (1) को बधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यातम्, सहायक मायकर नायुक्त (निरोधण) अजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए-5/37इ/ई 4343 84-85/987 अतः मुझे, अनिल कुमार

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित विश्वका उच्चित वाजार मृत्य 25,000/- से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-10 3री मंजिल, विष्णु सारस्वत अपार्टमेंर्ट्स, 1465 सदाधिव पेठ पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रिजिस्ट्रीकरण अधि नयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या क्रिया जाना चाहिए आ, खिपाने में सुनिधा के निए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत निम्मालिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) स॰ ह॰ पवर्धन, मेट्रोगोलांटन बिल्डसं, / 611, सदााशव मेठ, पुणे—30

(अड्डतरक)

(2) स० ल० भावसार,493, नया सदाशित पेठ,पुण-30

(अडूतरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के विष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनक बन्नीस्त के नर्बन के सन्बन्ध में कोई भी नामांच:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब है 45 दिन की बनिध या तत्सवधी व्यक्तियाँ ६६ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को की अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतक पूर्वीका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स्वद्व किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किए का सकोंने

स्पर्धांकरण !— इसमें प्रवृक्त कव्यों कीर पद्धें कह, को ज़ाल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र ही, बही अर्थ हागा को उस अध्याय में देवा गया है।

अन्स्थी

प्लैंट नं∘ ए-10ं 3री मंजिल, विष्णु सारखत अपार्टमेंट, 1465, सदाशिव पेठ, पुणे ।

· (क्षेत्र : 612 चौ॰ फि॰)

(जैसा कि रिजिप्ट्रीकृत क0 4343/84-85 जो मई, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

अनिल कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-12-1984

प्रक्रम बाह् .टी .एन .एव . -----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-व (1) के अधीन सचना

भारतं तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० सि० ए०-5/37ईई/7314/84-85/986—अतः मुझे, अनिल बुमार

बावकर की धीनयम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगानित, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, 2री मंजिल, ए सी० टी० एस० नं० 1144 सदा शिव पेठ, पेकोट पुलिस चौकी के नजदीक पुणे—30 है तथा जो पुणे—30 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई कि भी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अभीन, निम्निलिखित स्वितियों, स्थिति :---

(1) शशिकांत म० गाथ नी, द्व.रा मे० गाथ नी इन्टरप्र इजेज, 612-बी/1 नाना पेठ पुणे-2

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा ए० जोशी,375, (नया) नारायण केपुणे-30

(अन्तिरती)

की यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हू।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्यु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास्, तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ बही वर्ध होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

मनुस्ची

पलैट न० 6 , 2री मंजिल, बिल्डिंग-ए, सी० टी० एस० नं० 1144 सदाशिव पेठ, पेरगेट पुलिस चौकी के नजदोक पुण-30 ।

(क्षेत्र: 690 चौ० फि०)

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 7314/84-85 जो नवम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

> अनिल कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 18-12-1984

प्रस्य बाइ'.टी.एव.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूता

पूना, दिनां र 18 दिसंस्वर, 1984

निदेश सं० सी० ए०-5/37ईई/6603/84-85/985--अतः मुझे, अनिल कुगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिन्ना सं अगरें दें दं र 501, शिवाला अपरें में 380 शिव ज नगर, पुणे-- 5 है तथा जो पुणे-- 5 में स्थत हैं (और इन्ना उपावद्ध अनूसूच में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्र तो अधि नर क कार्यालय सहया अया र अया त्र अया ति किया अर्थन (निर क्षण) अर्जन रेंज पुणे में रिजिस्ट्र रण अधिन्यम 1908 (1908 मा 16) क अधान तारी ब अक्तूबर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त काधानयम क बधान कर दान के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बरिंग्या
- (ख) एमी किमा नाय या किमी धन या कन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में कृषिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मे० गते एसी० प्लाट नं० 712, सी० टी० एस० नं० 380, शिवाजी गर, पुणे-5 (अन्तरक)
- (2) शेख स^{*}हिबलाल मेदीन, 482, शिवाज.नगर, पुणे--5

(अन्तरितः)

को यह स्थना जारी करके प्रवेक्त संपत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों प्रस् स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूरिभाषित । है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 501, शिवालय अपार्टमेंटस, 388, शिवाज नगर, पुणे •5

(क्षेत्र : 524 चौ० फि०)

(नैत ि रिनस्ट्र त कं 6603/84-85 जो अक्तूबर 1934 को पहार अंगरअंगूक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज पुणे क दफ्तर में लिखा है)

> अतिल कुमार सन्ना प्रधिः रा सहायत अत्यतर अयुक्त (तिरक्षाण) अर्जन रेंज, पूना

दितांत : 18-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० सो० ए०-5/37ईई/6780/84-85/984--

अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- है. से अधिक है

बीर जिसकी सं अपार्टमेंट नं 4, 2र मंजिल, क्षेत्र 209.68 चैं। फिल, आर एस वन 350 एए 2, एफ प वन 239 एए तथा 139 । । ब. 14-स बेट क्लब, पृणे हैं तथा जो पृणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण क्ष्म से बिणत है) रिष्ट्रिंग्त अधितर क्षम अर्जन रेंज पृणे में रिष्ट्रिंग्स अपार अर्जन रेंज पृणे में रिष्ट्रिंग्स अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधान तर ख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है, और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या निज्ञी धन या काय जास्ति में को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्कतः अंब. उक्त विश्वितयम, की धारा 260-व के अन्सरण के, बे, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीनः, निम्बलिखित व्यक्तियों, वधार्तः --- (1) 1. फ.हत फांसीस,
14-बा, बोट क्लब मार्ग पुणे।
2. न्यू अप्यारा अपार्टमेंटस,
सी--19, 259, बंड गार्डन मार्ग,
पुण-1।

(अन्तरक)

(2) अ० प० गोपालराम तथा अन्य 303, रावरावव्ह अपार्टमेंट कोरेगाव पार्क, पूर्णे-1

(अन्तरितीः)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तार्माल सं 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूबाक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूचे.

अपार्टमेंट नं० 4, 1री मंजिल, कार पार्क नं० 4 के साथ क्षेत्र 209.68 ची० मि० आर० एस० नं० 350/ए,2 एफ० पी० नं० 239/1/ए तथा 239/1/बा बोट वाल्ब मार्ग, पुणे-1

(जैसे कि रिनस्ट्रेटित क० 6780/84-85 जो अक्तूबर, 1984 को सहाया आयार अयुक्त (निरक्षण) अर्जन, रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िर क्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-12-1984

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सङ्घायक घायकर घायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए०--5/37ईई/6793/84--85/983---अतः मुझे, अन्ति वृम र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,00 //-रा. से अधिक है

आर जिन्नकी संव अपार्टमंट नंव 3, आर व एसव नंव 239/ 1/ए, 239/1/जा, 14-ज , बोट वल्ल मार्, पूणे-1 हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (और इससे उप बद्ध अनुरूच में पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्र तो अधिक र के क्यालिय सहापक आयक्त आयक्त (िराक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रजस्ट्रि एण अविविद्यम 1908 (1908 का 16) के अधान तारी व अक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तार्रातयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-द्रम निम्नलिखत उद्द रूप से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त-दिक रूप से कलित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कनी करने वा नकसे वचने में सुविधा के किए; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त आधीनयम, दा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

कतः अस्त , उकतः अधिनिकमं की धारा 269-ग के अवसरण के की उकन अधिनियमं की धारा 269-म की उन्धास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) 1. फ हित फां सेस,
14-वा बोट कल्ब, मार्ग,
पुणे-1
2. न्यू अप्सरा अपार्टमेंट,
सा-19, 259 बंड गार्डन मार्ग,
पुणे-1

(अन्तरक)

(2) सुरमी नाग, 3, बोट कल्ब मार्ग, पुण-1

(अन्तरितः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मकाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती. हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

आपार्टमेंट नं० 3, कार पार्क नं० 3 के साथ, क्षेत्र 214.82 वो० मि० अ र० एस० नं० 239/1/ए तथा 239/1/बो, 14—वा, बोट कल्ब, मार्ग, पुगे—1

(मैदा कि रिजस्ट्रः त कं० 6733/84-85 जो अक्तूबर, 1934 को तहाउँ माउँद माउँक्त (क्तरीचण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> , अतिल कुमार सन्नम प्राधि रो सहयम आयमर अयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांत : 18-12-1984

प्रक्प बाई. टी. एन. एत. -----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) क अधीन धूचना

शारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 84

निर्देग सं० सी० ए०-5/37ईई/6795/84-85/982---यतः मुते, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रह से विश्व है

और जिनकी सं० आर्रार्टमेंट नं० 5, 3री मंजिल, कार पार्क नं० 5 है तथा जो पूर्ण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), तथा रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर अयुक्त, (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण में, रिजस्ट्राइटण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएज़िक्त सपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसि अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथक रूप सं क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिन-शिवक के अधीन कर दन के अन्तरक के दासित्व में क्रजी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क्ष) एमी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध बारिसवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त बाधीनयम, वा धन-कर बाधीनयम, वा धन-कर बाधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानें में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनसरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थार:——

- (1) श्री फरहत फांसिस,
 1. 14-बो, बोट क्लब मार्ग, पूणे,
 2. न्यू अप्सरा अगर्टमेंटस,
 सी-19, 259 बंड गार्डन मार्ग, पूणे-2
 (अन्तरक)
- (2) र० ड० आगा तथा अन्य 12, बोट क्लब मागं, पूणे-1 (अउरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्याक्त्या पर मूचना की तामीन स 30 दिन का अवधि, वा भी अवधि सद में समस्त हाती हा, के भीतर प्राक्त व्याक्तिया में स किसी व्योक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रसाद स्थावर मा किए का सकता ह

स्पन्धीकरण ह—इसमें प्रयुक्त कर्नो कर नदों का, को उक्त किंपिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषिक हैं नहीं कर्ष हिना को उस अध्याम में दिया मुना हैं है।

बन्स्की

अप्तार्टमेंटस नं० 5, 3री मंजिल + नार पाकं नं० 5, क्षेत्र 214.82 पी० मि आर० एप० नं० $350/\sqrt{2}$ तथा $239/1/\sqrt{1}$ तथा $239/1/\sqrt{1}$ तथा $239/1/\sqrt{1}$

(जैसे कि रिजिस्ट्री ति कि 6795/84-85 जो क्तूबर, 84 की सहायक आयकर आयुक्त, (निर्दक्षण), ग्रर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अतिल कुमार सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (किर क्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-12-8**4**

मोहर ३

वस्य बाइ'. टी. एव. एव.

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37ईई/4643/84-85/980---यत: म्ते, अतित कुनार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्घे इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 003/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 53, सं० नं० 121 रामबाग काले नी कोथ रूड, पूणे—29 है तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्गित सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्रोक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख मई, 1984,

का प्रांकत सम्पत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बेंबिखत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उत्तसे वचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (ख) एोसी किसी काय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की इपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) अनुत्र एन्ट्रप्राइनेन,
31, शिल ेवहार कालोनी,
ऋनुराज, पोड फाटा,
एरंडवणे, पूणे-38

(अन्तरक)

(1) जयंत देवीदास विसाला, 12, बुधवार पेठ, नु०म०वी० स्कूल के नजदीक, पूर्ण-2।

(अन्तरिती)

को यह म्चना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सें 4.5 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पान के हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिएस में किए जा सर्वागे।

स्वक्टीकरण ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ध हागा को उस अध्याय मी दिया वृद्धा है हैं

अनुसूची

प्लाट नं० 53, सं० नं० 121 122. रामबागे कालोनी कोथरूड, पूर्ण-25 (क्षेत्र 4200 चौ० फु०)

(जैंसे कि रजिस्ट्रोकृत नं ॰ 4643-83-84 जो पर्गापक आयकर आयुक्त, (निरक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दपार में मई, 84 को लिखा गया है।)

अतिल कुमार सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निर[्]क्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-12-84

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूनां, दिनांक 18 दिसम्बर, 84

निर्देश सं० सी० ए०-/37ईई/7357/84-85/981--- यतः मुझे, अनिल कुमार,

श्रायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,(109/- रु. से अधिक है

ग्रीर जि.क सं० अपार्टमेंट नं० 1 कार पार्क नं० 1, 1ली मंजिल, क्षेत्र 214.82 ह्यों० मि० आए० एस० नं० 350/ए/2, 239'1/पो, 14-काट क्लाप्त मार्ग, पूगे-1 में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजा हो ग्रीप कारा के कार्याज्य, सहायक आयक्त (िरीक्षण) अर्ग रेंज पूणे में राजा हो जरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, तार खनवम्बर 1984।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल का पदह श्रीतशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी बाबत, उक्त बाधानयम क अधीन कर इन के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

इत: अब, उर्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री फरहत फांतिस 1. 14-बी, बोट क्लब मार्ग, पूणे-1 2. न्यू अप्सरा अपार्टमेंट सी-19

25. न्यू अन्तरा अनाटमट सा—1 259 बंड गार्डन मार्ग, पूणे—1

(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह,404, आलम्पस अपार्टमेंट,अल्टामोंग मार्ग बम्बई-26

(अन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अजन के ति। कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

अपार्टमेंट नं० 1, 1ली मंजिल, कार पार्क नं० 1, क्षेत्र 214.82 चो० मि० आर०एस० नं० $350/\sqrt{2}$, आर०एस०नं० $350\sqrt{2}$ तथा 2391/पी, 14-बी बोट क्लब मार्ग, पूणे-<math>1।

(जैसे कि रिजर्स्ट्रिंग्त कं० 7357/84-85 जो नवम्बर, 84 को सहायक आयकर अ यकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्युवत (निरंक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-12-84

मोहर 🖟

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत खरकार

सहायक कायकर माय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां क 7 दिसम्बर 84

निर्देश सं० सी०ए० 5/37 जी/83-84—यतः मुझे, अनिल कुमार,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जितकी सं० नं० 90ए०, 43 बी० एफ० पी० नं० 185, स्टेशन मार्ग, चाहुरना बुद्रक है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रो हती अधि हारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रिजिस्ट्रो हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984,

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इव्यमान प्रतिफल के लिएमुके यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिविक रूप से किशत नहीं किया नया है

- (क) बंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीम कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य असिसयों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का बा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (:1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री नारायण, द० की के, बुरूदगांव मार्ग अहमदनगर ।

(क्लर्क)

(2) श्री मदनलाल, क० मुनीत, दालमंडी, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस स्चना के राजपर्त्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी विकास के भी तार पूर्वी कहें व्यक्तियों में से किसी अधित द्वारा;
- (बा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीबान्से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्बद्ध के किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किसे जा सकीने।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याप्र में दिया। गया हैं।

अन<u>ु</u>सूची

जायदाद जो सं० नं० 90-ए तथा 43-बी, एफ० पी० नं० 185 स्टेशन मार्ग, चाहुरना बुद्रक, अहमदनगर में स्थित है। (क्षेत्र, 10,724 चौ० मि०)

(जैसे कि रिजस्ट्रोकृत विलेख कं 1766 जो मई, 84 को दुय्यम निबंधक, अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-12-84

मोडूर 🕄

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक, 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सो० ए०-5/37जी/84-85/1209---यतः मुझे, ऋनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धीर जिनकी संज नं 11 मोनेदिना मार्ग, केन्टोन्मेंट, है तथा जा पुणे में स्थित है (श्रीर इपसे उगाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणन है), रिजिप्ट्राकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय दुय्यम निबंधक बम्बई में, रिजिप्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधान, तार ख मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार अल्य. उसके द्रियमान प्रतिफल से एंसे द्रियमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उदय य से उक्त अन्तरण लिखित कें बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अत अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा खुर्शीद जहांगार होमैतना तथा ग्रन्य 129 नगर मार्ग, पुणे-6

(म्रन्तरक)

(2) मे० एच० जे० एन्ट्रप्राइजेस,विकास, 11, बैंक स्ट्राट,फोर्ट, बम्बई-23

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर स्म्यान्ति में हिन्छदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जायदाद जो नं ० 11, मोजेदिना मार्ग, केन्टोन्मेंट, पूणे में स्थित है। (क्षेत्र: 3597.09 चौ मि०) (जैसे कि रिजस्ट कृत विलेख क० 494 जो 11/5/84 को दुर्यम निबंधक बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनिल कुमार सक्ष्म प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारीख ; 4-12-84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर बांधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 19 नवम्बर, 84

निर्देत सं० 37 ईई, 8150/84-85/886—यतः मुझे, श्रानलं कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधान संक्षम प्राधिकारा का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक है

स्रीर जिनको सं ० गाला युनिट नं ० 4, मांडेला इन्डस्ट्रीयल इस्टेट वेगन इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, थाना-400 604 हैं तथा जो थाना-4 में स्थित है (स्रीर इनसे उपाबढ़ अनुसूचा में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिन्द्राकर्ता स्रधिकारा के कार्यालय सहाय ह स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेज, पूना में, रजिस्ट्राकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, ताराख अगस्त 1984

का प्रांक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान श्रीतफल क लिए अन्तरित की गई है और मृफ यह विश्वास करन का कारण है कि अभाप्बोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल स एस दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिश्वत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रोतफल निम्निलिखत उद्दृश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिक क रूप स किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगब की बाबत, उक्त बाधानयम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा क लिए, आर√या
- (ख) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) माडेला टेन्तटाइल इन्डम्ट्रीयल प्राइवेट लिम्टिड 4 सा वल कन इसूरन्त जिल्डिंग बार नरामन रोड, बम्बई-400 020

(ग्रन्तरक)

(2) मसू० एस० डी० शाह एण्ड कं० युनिट नं० के०के०गुप्ता इन्डस्ट्रोयन इस्टेट, मुलुन्द वेस्ट, सम्बई-400 080

(ग्रन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्यन का लए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की नामील म 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्त या में साकसा व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके थे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

बन्स्वी

गाला युनिट नं० 4 माँडेना इन्डप्ट्रोयन इस्टेट वागले इस्डप्ट्रायन इस्टेट, धाना-400604

(भेत्र : 636 वौरा फुट)

(जैसे कि राजिन्द्रकात नं० 37 ईई/8150/84-85 जो नारोख ग्रान्त, 1934 को नहमंक ग्रामकर ग्राप्त (तिराक्षण) प्रजैत रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रतित कुमार सन्नम प्राधिकारो सहायकं प्रत्यकर प्रापुत्त (तिराज्ञण) स्रर्वत रेंज, पूता

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख : 19-11-84

प्ररूप बाई.टी.एन.एस., -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के बधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 नवम्बर 84

निर्देश सं० 37 ईई/7976/84-85—यतः मुझे, श्रनिल कुमार, बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार यान्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसको संख्या यूनिट नं 011-12-15 श्रीर 16 दिवान एण्ड सन्स इस्टेट नं 0 6 व ताय रोड (६), थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ती अधिकारा के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, पूने में, रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तार ख अगस्त, 1984,

कों पूर्वा वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्स सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से एसं दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुंह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितिया) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रात्व क्स, निम्लेखित उद्दृष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्दाविक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई कि नी आय की बाबत, उक्क बीधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विए।

बत: बब, उथत बोधनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीग, निम्नलिंग न्यांकतयों, अर्थात हुन्न

(1) बेसिन इन्डस्ट्रीयल डवलपमेंट कारपोरेशन, दिवान टवर नवचार, बेसिन रोड, थाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) मस० ग्रपोलो फार्मापिटिक्लस,
345, कालिय्नदास उद्योग भवन,
संचूरा बासार के छि, वरलो,
बम्बई-400 025 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सर्पात्त के अजन के निए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी ज्योक्तया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बन्स्ची

युनिट नं० 11-12-15 एण्ड 16 दिवान एण्ड सन्स इस्टट नं० 6 वसाय रोड (६) थाना

(क्षेत्र : 208.6 चौरस मिटर)

(जैसे कि राजिन्द्र कृत नं० 37ईई/7976/84-85 जो ताराख ग्रगस्त, 1984को तहाय हम्रायहर ग्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूने के दफ्तर में लिखा है।)

> र्म्यानल कुमार सक्षम प्राधि हारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-11-84

मोहर '

अरूप बाई.टी.एन.एस.----

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 नवम्बर 1984

निदेश सं० 37ईई /8266/84-85--यत मुझे, भ्रानल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसको संख्या प्लाट 2 रूम त, 4 रथ पलोर, स्रार०सो०सी० कन्तद्रक्यात, को तर रोड, शास्त्रः नगर, डोमबाविलः (वेस्ट) है तथा जो डोमबीविलः में स्थित है (स्रीर इससे उ लबद्ध स्रनुसूचः में स्रीर पूर्णका से विणत है), रिजिट्टाकर्ता स्रधिकारः के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) सर्जन रेंज, पूने में, रिजिट्टाकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान ताराख स्रगस्त, 1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया सा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) है अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियां. अर्थात :---

- (1) तेज कारपोरेशन, गोबले बंगलो, शास्त्री नगर, को र रोड, डोमबीविली (वेस्ट) थाना ।
- (2) श्री मोहन बाबू धर्मराज भोगा48 विनायक सदन एन० एम० मार्ग,बम्धई-400 013,।

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बार्ड में समाप्त हाली हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा संकंगी।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्लाट 2 रूमप, 4 रथ प्लोर ग्रार०सी०सी० कन्स्ट्रवशन, कीरर रोड, शास्त्र, नगर, डोमब विला (वेस्ट) थाना

(क्षेत्र : 610 चौरस फुट)

(जैसे कि राजिस्ट्रांकत नं० 37 ईई/8266/84-85 जो तारोख ग्रगस्त, 1984 को सहाय ह ग्रायकर ग्रायुक्त, (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-11-84

नर्जनारं डा. इच र्ता. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिना ह 10 जनवरी 1985

निर्देश सं जी अाई आर अार संख्या आर — 236 एवयू • — यत: मुझे, ए० प्र नाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. स अधिक है

स्रौर जिनकी सं ० म जान मय भूमि है तथा जो मौहल्ला पुरिदलपुर, गोरखपुर में स्थि: है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में सौर पूर्ण रूप से विगि: है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोर बपुर में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक गई, 1984

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुक्ते यह विश्वास करने का लारण है कि यथाप्वेवित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफन से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अर्जारतया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलेखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचारे में सुविधा कालए, और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के 1.27 आ अप आप आप अप अपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मी, उक्त अधिनयम का धारा 269-श की उपधारा (1) के वर्धता, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) 1. कु० नरिगत आर० खोदजी 2. कु० मेहरू आर० खोदजी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री आर० जे० खोदजी
 - 2. डा० श्रीमती जे० आर० खोटजी
 - 3. श्री बेहराम आर० खोदजा ।

(अन्तरिती)

(3) ऋता

(वह व्यक्ति जिसके **अधिभोग** में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन जो लिए कायवाहिया करता हु।

खनत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी त्र्यात्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त हाती हा, क भांतर पृत्रांक्त अविता में से किसी व्यक्ति प्राप्त;
- (क) इस स्वना के राजपत्र भी एकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भिन भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्त करों के पास निर्वित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिवा मया हैं।

वन्त्ची

म कान मय भूमि नैमाईसी 7040 वर्ग-िफट, स्थित मौहल्ला पुरदितपुर, गोरबपुर जिनका पजी तरण रजिस्ट्री तौ अधिकारी गोरखपुर के कार्यालय में मई, 1984 को विया जा चुवा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन०-89/एक्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25)।।। र र में अधिक हैं

श्रीर जि की सं० मकान का हिस्पा है तथा जो 122, टैगोर टाउन, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री पत्ती. अधिवार के वार्यालय इलाह बाद में रिजर्ट्री परण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज़े यह विश्वास सर्त का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र मिल्शत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तारात्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्रीबक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दन क अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा की लिए, बीर/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री के० सी० भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार पाण्डे ।

(अन्तरिती)

(3) केता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

- (क) इस सचमा के राजपत्त को एकाअन की स्पर्धांक को प्रश्न दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्व.ग ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त इश्वीनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

महान का हिस्सा मय भूमि पैमाईसी 566.67 स्वर्ग यार्ड, स्थित 122, हैगोर टाउन, इनाहाबाद जिनका पंजी एरण रिजस्ट्री-कर्ता अधि हारी इलाहाबाद के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रपाद सक्षत्र प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्र:क्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 10-1-1985

मोहुर 🔋

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-208/एवयू०-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 257 है तथा जो ग्राम-व मता, परगना, तहसील व जिला-लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री जिस्ट्री ति अधिवारी के कार्यालय लखनऊ में जिल्ह्री व रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में श्वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबतः, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सूविधा के लिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रवि प्रताप सिंह।

(अन्दरक)

- (2) मजदूर किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ द्वारा सचिव, श्री एच॰ के॰ मिश्रा । (अन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टौकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 257 पैमाईसी 4 बिघा 19 बिस्ता ग्रीर 14 बिस्तान्सी स्थित ग्राम-कमता, पर्गना ग्रीर तह० विज्ञा-नवाऊ जिल्लाहा पंजा हरण रजिस्ट्राहर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मई, 1984 की किया चुका है।

ए० प्रसाद सक्ष्म प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसिखत व्यक्तियों. कथात :---

दिनांक: 8-1-1985

मोहरः

प्ररूप वाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाछ भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकाड कार्यांचय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या के-145/एक्यू०--यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं कान है तथा जो 27/1, सी वाई विन्ता-मणि रोड़, इलाहाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक म, 1984

को प्तिकः सम्पत्ति के उचित[®] बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स किसीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वार्यित में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-8—436GI/84

(1) श्रीमती गीता मेहरोत्रा, ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्ण लता देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मकान स्थित 27/1, सी० वाई० चिन्तामणी रोड़ इलाहाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2650 में वर्णित है) जिसका पंजी-करण रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में मई,1984 के किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 10-1-1985

मोहर 🖫

्रहा काह' टी.एवं.एस. जन्माना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के बागीर सुबना

भारत नरकार

कायिनिया, सहायक अधिकर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जान रेज, खन्न

लखनउ, दिनाव 10 जनवरी 1985

निर्देण स० जी० आई० आर० सच्या v-161/vक्यू०—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पन्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ह 'उर स्माति कि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंग. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो लडापुर, विजनार में स्थित है (स्रौर इसमें उपावह अनसूची में स्रार पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय विजनार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मई, 1984

- (क) व नगण सहार विकास काम की सबार अवह रिकास की कार्य का स्टाइन की प्राथित में धार्मी कार्य था उससे बचने के सविधा भिन्दा, लीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या ज्वल अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) ये अभोजनार्ध अन्तिरित द्वारा पाट नहीं किया गार मा किया आना चाहिए था, स्थिमने में स्विधा की लिए,

अस्त अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण भं , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मुश्ताक अहमर।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री अब्दुल रहमान हाश्मी 2 श्री शब्बीर अहमद ।

(अन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्र देशी स्विक्त माँ पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वित्व में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य काकिन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 2136 वर्ग-मीटर, स्थित लडापुर, विजनौर (जैसा फर्मा 37-जी सख्या 2502 में वर्णित है, जिसका पजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी विजनार के वार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेज, लखनऊ

दिनाक 10-1-1985 माहर प्ररूप बाई. टी. एत. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985 निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या ए-160/एक्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 459 है तथा जो साउथ हाउसिंग स्कीम, इल्महबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लता अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल अग्रवाल

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 459, पमाईसी 310.54 वर्ग-मीटर स्थित साउथ हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद (जैसा फार्म 37-जी सख्या 3025 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

धारुव सरकाह

कार्याल्य, सहायक अध्यकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या 39/37 ई० ई०/एक्यू--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 12 (आधा हिस्सा) है तथ। जो 11, एम० जी० रोड़, हबीवउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 मई 1984

को प्रवाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक स्ण से किंशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के ब्राधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) होंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था अप क्रिया जनमा चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुनीन, निकालिंचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा•) लि•, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा केसरवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपात के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

आफिस नं० 12 (आधा हिस्सा) 5 फिलौर पर पैमाईसी 195 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीव उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 54, पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं ० जी ० आई ० आर ० संख्या 40/37 ई ० ई ० /एक्यू ० — यत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 12 (आधा हिस्सा) है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीवउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में आयकर अधिनयम 1961 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 11 मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन जन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का लि) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा वै लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट हजरत गंज, लखनऊ (अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करेतां हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ें जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिजा भया हैं।

ग्रन्सूची

आफिस नं 12 (आधा हिस्सा) 5 फिलौर पर पैमाईसी 195 वर्ग-फीट कार्मस हाउस में, स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ, करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 55 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांकः 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप बाईं. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दुनाक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सख्या 41/37 ई० ई०/एक्यू०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स॰ आफिस न॰ 11 (आधा हिस्सा) है तथा जो 5 फिलोर पर 11 एम॰ जी॰ मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में आयकर अधिनियम 1961 में रिजन्टाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 11 मई 1984

को पूर्वाक्ष्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ह और मृझ यह विश्वास करने का कारण हां कि यथापूर कर सम्बंध का उचित बाजा मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायि - नामें करने ये उसम बचा में मृग्वचा के लिए, और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न ऑधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27 के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए ता, दिनान में स्तर

बतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, में, उक्त जिल्ला की जार 260 स की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गज, लखनऊ । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुम केसरवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन क सम्बद्ध । कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया मा स िक्सी वर्ण न द्वारा,

स्पष्टीकरण.--इसमा प्रयूक्त रामा शैर नदा का, जा उक्त अधिनियन हे रामा प्राप्त कि विश्व विश्व है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

GERM

आफिस न० 11 (आधा हिस्सा) 5 फिलोर पर पैमाईसी 190 वर्ग-फीट कामर्स-हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ। करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम सख्या 56 पर दिनाक 11-5-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज्, ल**खन**ऊ

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं ० जी० आर० आर० संख्या 42/37 ई० ई०/एक्यू०— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 11 (आधा हिस्सा) है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में, आयकर अधिनियम 1961 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ केसरवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

आफिस नं 11 (आधा हिस्सा) (5) फिलौर पर, पैमाईसी 190 वर्ग-फीट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, ह्वीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ, करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या : 57, पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

> एं० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

`दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप बाई .टी. एन .एस . ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-र (1) के क्यीन स्थना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 43/37 ई० ई०/एक्यू०— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि दूशवर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 13, है तथा जो 3 फ्लोर पर 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ में, ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 में रिज स्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गवा
इतिफला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तृ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा औं सिष्ट;

अतः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्षात ह (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट. हजरत गंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. मिस ग्रलका कुमार । 2. मिस दिपिका कुमार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हिहा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम निर्मिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है; स्वा है।

नन्स्ची

श्राफिस नं० 13, 3, फिलाँट पर पैमाईसी 275 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हर्बीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 58 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 11-5-1984 को रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ । (ग्रन्तरक)

(2) कर्नल पी० एन० चोपड़ा।

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 44/37 ई० ई०/एक्यू०— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 18 ग्रीर 19 है तथा जो फोर्थ फ्लोर 11, एम० जी० मार्ग, हवीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजंम क्षेत्र, लखनऊ, में ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम-

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 11 मई 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय कौ बाबत, दक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायिक्ष में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के निग्ह और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9 --- 436GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिषे हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्राफिस नं० 18 श्रौर 19 फोर्थ फ्लोर पर पैमाईसी 550 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीब उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ। करारनामा जोकि ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 11-5-1984 को ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 59पर रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनां क 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० प्रार० संख्या 45/37 ई० ई०/एक्यू०— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उप्ता अधिनियमं कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंर संपीरत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,900/-रु. में अधिक है

हीर जिसकी सं आि प्रांक्ति नं 10 है तथा जो फोर्थ फ्लोर पर
11 एम जी जो मार्ग, हुई विश्व हला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ में,
भारतीय आयकर अविनियम 1961 में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 मई 1984
को पूर्वोक्त सर्पाति के नावत दलार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए प्रांक्त स्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया बतिफल, निम्मालिकत उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अन्तर्भिक स्थान को विज नहां किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि मी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देनके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.) या जायन धीयिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्श्तः— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गुंज, लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी निगम।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के विख्ति में किए जा मर्कगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

ग्रनुसूची

स्राफिस नं० 10 फोर्थ फ्लोर पर पैमाईसी 275 वर्ग-कामर्स हाउस में स्थित 11,एम० जी० मार्ग हबीब उल्ला कम्पाः लखनऊ। करारनामा जोकि प्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 60 पर दि 11-5-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा रजि किया जा चुका है।

> ए० प्र सक्षम प्राधिक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष ग्रर्जन रेंज हार

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985 निर्देश सं०जी० ग्राई० ग्रार० संख्या 46/37 ई० ई०/एक्यू०— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-रः. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 12 है तथा जो फोर्थ फ्लोर पर 11,
एम० जी० मार्ग हबीब उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर
इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है),
राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राजंन क्षेत्र लखनऊ में,
श्रायकर ग्रधिनियम 1961 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 मई 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करका कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पीत्त का उचित बाजार मृल्य
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और या
- (क) एसे किली कर रा किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारकीय आयजर जीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमर सिंह बिसेन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्वा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्राफिस नं० 12 फोर्थ फ्लोर पर पैमाईसी 390 वर्ग-फीट कामर्स हाउस में स्थित 11,एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ/करारनामा जोकि ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 61 पर दिनांक 11-5-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

त्रसप बाही, टी., एन., ६स., =----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 47/37 ई० ई०/एक्यू०— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज श्राफिस नंज 12 है तथा जो थर्ड फ्लोर पर 11, एम जी जा मार्ग, हबीब उस्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ में ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 मई 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निनिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिवत में बास्तिक हम सो किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क मधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वं। प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मुवा था या किया जाना जाहिए था, किया मुवा था या किया जाना जाहिए था, किया मुवा था के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लिं० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(भ्रन्तरक)

(2) लेफ्टि॰ कर्नल सुधीर कुमार ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भूड सूचना की तामीज से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्टॉने;

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, े हो। उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में नियाप प्याहै।

ग्रनुसूची

श्राफिस नं० 12 थर्ड फ्लोर पर पैमाईसी 385 वर्ग-फिट, कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ/करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 62 पर दिनांक 11-5-1984 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा रजिस्टर्ड किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखन्ठ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 5-353/एक्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 55-बी है तथा जो सिगांर नगर ग्रालमबाग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक . रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के असित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए;

बर्गाः, वर्षः, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग कौ जनसरण को, की, जक्त जिम्मियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन को निम्मितिबत व्यक्तियों क्षांति ह—— (1) 1. श्री विनय कुमार कपूर,2. कुमारो संतोष कुमारो कपूर,

(ग्रन्तरक)

(2) 1. डा॰ सुधीर कुमार सक्सेना,

2. डा० (कुमारी, सरोजनी सक्सेना

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋता

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हो।

अनुस्यी

मकान नं ० 55-बी मय भूमि पैमाईसी 4050 वर्ग-फिट स्थित सिगार नगर म्रालमबाग लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5800 में वीणत है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता म्राधकारी लखनऊ के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 15-1-1985

मोहर 🛭

प्रकृप आहा. टो. एन. एव.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के स्थीन स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1985 निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या वी-75/एक्यू०--यतःः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तया जो 20 जगत नरायन रोड़, गोला गंज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), र्जिस्ट्रोकर्त्ता श्रिधकारों के कार्यालय लखनऊ में र्जिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के निए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बतः वय, उन्त निविनयम की भारा 269-न के नन्दरम् में, में, उन्त निधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् (1) श्रीमती इला दत्तरिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० विजय लक्ष्मी गोयल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों कत् संप्रित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गढा।

वनस्य

दो मंजिला मकान स्थित 20, जगत नरायन रोड़, गोला गंज लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6265 में विणत है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मई 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसादः, संक्षम प्राधिकारीः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)ः, ग्रुजन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 15-1-1985

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडिक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं ० जी० आई० आर० संख्या के-146/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 68/बी है तथा जो सिगार नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय लखनऊ में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किथा गया है;—

(क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त बिष्व नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/वा

> न्सी बाय १ भारतीय

का 11) या उक्त आधानयम, या धन नार जाधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बन उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुवरजीत सिह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश रानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति कृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा एकोंगे।

स्पब्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, शि अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ान नं० 68/बी, स्थित सिगार नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6415 में वीणत है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकत श्राधिकारी लखनऊ के कार्यालय में मई, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 15-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

प्रायकार अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या जे-77/एक्यू०-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 857-ए, 857-बी, 858-बी है तथा जो मौजा-शाहपुर, तिगरी, मुरादावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 जून 1984

को पूर्वोक्षन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारियल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीभजन

(भ्रन्तरक)

(2) जन कल्याण गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, मुरादाबाद, द्वारा सचिव श्री बी० के० बोस । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 857-ए, पैमाईसी 0.74 डिसमिल खसरा नं० 857-बी, पैमाईसी 1.63 डिसमिल श्रीर खसरा नं० 858-ए, पैमाईसी 1.11 डिसमिल (टोटल 3.48 डिसमिल स्थित मौजा शाहपुर तिगरी मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारो मुरादाबाद के कार्यालय में 14-6-84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाक , 8-1-1985

प्ररूप बाई टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा १८९०-व (1) के अधीन सचना

भारत बरकार

कार्यालय . सहायक बायक र बायकत (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 4 जनवरी 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एः - 352/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-भरवारा, परगना तहसील व जिला-लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल स. एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पत्ना गमा प्रति फल निम्नीनीखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक इप से कियत नहीं किशा गमा हैं:—

(क) जनताल हा इंदिर किसी बाद की बाबस, उसरे अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा _69-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन नियमिति कि स्योक्तयों, बाधीन — 10—436GI/84

(1) श्रीमती धरमराजी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुमैक इन्टरनेशनल कम्पनो प्रा० लि० लखनऊ द्वारा ग्रदानीं श्री रजनीश ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यबाहियां करता हो ।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसकार में विकास कर सर्वे म

न्यव्होकरणः - इसमें प्रमुक्त अन्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अन्याय में विका भूवा हैं।

वन्स्की

भूमि पैमाईसी 5 बीघा 17 विस्वा स्रौर 4 बिस्वान्सी स्थित ग्राम-भरवारा परगना, तहसील स्रौर जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 7139 में विणत है) जिसका पंजीकरण रिज-स्ट्रोकर्ता स्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में जून, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 4-1-1985

मोहर 🗓

श्रुक्ष आर्घ. टी. एन्. एस.---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० आंई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/813, अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस-387 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में विधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण स हुइ जिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्थ में कमी करने या उसमें उचने में सुविधा के लिए: बार/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिकिए। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसत व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री ए० डी० तनेजा, निवासी- एस०-387, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जय लक्ष्मी श्रीनिवासन, पहली मंजिल, एस-455 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक् अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

इन्टायर पहली मंजिल, कन्सट्रक्ष्णन ग्रौमैजनीन हुट रूम अलग से, पहली मंजिल ग्रौर दूसरी मंजिल के वीच भीना, प्रो० नं० एस-387, ग्रेटर कैवलाश-2, नई दिल्ली 48-, तादादी 1620 वर्म फीट, ग्रौर 1/3 भाग प्लाट 300 वर्गगज, ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

दिनांक 14-1-1985 मोहर : प्रस्य नाइ'.डी.एनं.एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/876 अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 130 ए, है तथा जो 89 स्कीपर टावर नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और्/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में हिज्या के लिए;

बतः बकः, उपत कीधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित काक्तियों, सर्थात :--- (1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रितीका नारंग, सुपुत्री श्री एस० पी० नारंग, निवासी-ए-43, न्यु फ्रेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को बहु त्वना जारी करके व्यक्ति सम्मिति के बर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ध सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधाहम्याधारा के पास निस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रन्यू वी

प्रो॰ नं॰ 1303ए, तादादी 352 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनींक : 1-1-1985 ू

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के लभीन सृष्यतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांवः 1 जनवरी 1985 निर्देश सं० आंई० ए० मी०/एवयू०/1/37ईई/5-84/ 875-अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिमकी सं० 16, 17 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एरेंगे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उरक्त शाधीनगम को अवंत कर दन के अल्डरक के प्राप्टिय में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने के स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धरण 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22- बाराखम्बरा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल, राज रानी ग्रौर दीपक अरोड़ा, मार्फत श्री मसत राम, नियासी ए-15, विशाल इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह मुक्ता अर्रा करके ्यक्स मपित क कलन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 किए की अविधि या उत्तरकारी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी का कित द्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में पकाशान की नारीख म 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यार व्यक्तिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पट्टीकरण — इसमें १थ्वत शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

प्रो० नं० फ्लैंट नं० 16, 17 तादादी 500 वर्ग फीट 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> सुधीर **चन्द्रा,** स**क्षम प्राधिकार** महायक आयकर आयुच्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-1-1985

प्ररूप आई. टी, एन. एस.----

कामधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/ए यू०/1/37ईई/5-84/873—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आवकर विधिनयम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा १८९-ए के यथीन स्थास प्राधिकारों हों, गह विकास करते का उत्तर है कि स्थायर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिपकी सं० एब-12 है तथा जो 7, टालस्टाय मार्ग नई :दल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन ता० मई 1984

को पूर्वेदित सम्बंदित के उचित ताजार एत्य में कम के द्वायमान प्रतिपद्ध के लिए अन्तरित की गई है और गुभे यह विश्वास अरम के कारण हो कि यथाग्यों क्त सर्पात्य का जिल्त बाजार मृत्य उसके रक्तपान प्रतिक्षण में गोही तक्षणमान प्रतिकार का जन्म प्रतिकार से अधिक में कार अन्तरक (जीवन के सार अतिरति (बालो ने हारों) के बीच गर्स अन्तरक के निस्स तय पाया गया मितकन निभन्नलिखित उद्देष्टम के उन्तर अन्तरण निषित का अग्रमीत का से करित नहीं जिल्हा कार ही का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए: और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया नाता चाहिए था, छिपाने भें नुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात ——

 (1) श्री आई० पी० सिंह एन्ड श्रोमती रानी अरोड़ा, निवासी-18, हैली रोड, नई दिल्ली-110001

(अन्तरक)

(2) मास्टर जेन्टल धवन ग्रोर मास्टर जैतिन धवन, सुपुत्र श्री जैं० के० धवन, निवासी-बी-123, डबल स्टोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली- 15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० एल० बी०-12, तादादी 363 वर्गफीट, 7, टाल्स्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

दिनांक 5-1-1985 मोहर :

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधितियय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आबकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी, 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए यू/1/37ईई/5-84/871— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 418 है तथा जो एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का लएएए है कि यथाए टेक्टि संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदले वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी बाध का किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धनकर अधिनियम, यः धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया बंबा का या किया बाना चाहिए था छिपाने में कृतिभा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मे० कम्पीटेन्ट बिल्डर्स, 101, कम्पीटेन्ट हाउस, ए -14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता चढ़ा ग्रीर श्री मुलतानी लाल चढ़ा, निवासी—बी—1/21, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मूँ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

फ्लैट नं० 418, कम्पीटेन्ट हाउस, एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिल्वी, तादादी 748.96 वर्गफीट।

> सुधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 2-1-1985

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.-----

नाथकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निधीन ह्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-84/870-- म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 306, 307 है तथा जो एन-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर ग्रिधनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख मई, 1984

को प्रवेक्ट संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, शिवाजीनगर में धारा 269 ए बी के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत िकया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ए से द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरित लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरिती किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए.
- (च) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्ता चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

(1) कम्पीटेन्ट बिल्डर्स, 101, कप्पीटेट हाउस, एफ-41, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० ग्रपार प्रा० लि०, मेंकर चेम्बर्स नं० 111, जमना लाल बजाज मार्ग, बम्बई-27

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वाक्ष रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया पूरा ही।

जन सूची

फ्लैंट नं॰ 306, 307, प्रताप हाउस, एफ-1, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 1545.5 वर्गफीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,1 नई दिल्ली

दिनांक 29-11-1984 मोहर

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, रहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 1 जनवरा, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एनय्/1/37ईई/5-84/869—ग्रतः मुझे, सुधार चन्द्रा,

बायकर कैधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यु० बे:-23 है तथा जो 22 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) र्राजस्ट्रीकर्ती श्राधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गदग में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किन्दी कार की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के नावित्व में कामी करने या उक्कतं क्याने में सुविधा कारण कर्मिया
- एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अधिन के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रोगतः पर्वावता देवी. तिवासः—इक्यु०-56, ग्रेटर कैलवाण-2, नई दिल्लाः।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चमन लात यादः, तिवामी-133 गंगा राम स्ट्राट, शाहदरा, दिल्या ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारा करक पृत्रोंकर सम्पत्ति क अर्जन के निष्ध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्य न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्विया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्चना के राजपय में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

पी॰ नं॰ बु॰ बो॰-23 बेसमेंट, 22 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लो, तादादों 474 बर्गफोट।

> मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारा सहायक सायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-1-1985

प्ररूप बार्द्र . टी . एन . एस . च - च च्याप्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दल्लो

नई दिल्लो, दिनांक 1 जनवरी, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/868---ग्रतः, मुझे, सुध र चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इम्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्ष्म प्राधिकारा का, यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिपको सं० यु० बो०-22 है तथा जो 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बागत है) रिजिप्ट्राकर्भ अधिकारा के कार्यालय अर्थन रेंज-1, नई दिल्लो में आयकर अधिनयम 1961 के अधोन ताराख मई, 1984

को पर्वोक्त मपिन के उचिन बाजार मूल्य से कम के द्रंयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़ें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखिर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त करियोग्या रे करित कर को के बन्तरक के दायित्व की कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार्ट/या
- (स) गिसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विभा के लिए?

अतः अवह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ने उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, हर्द्वत ः— 11—436GI/84

- (1) श्रोमतो सावित्रो देवो, निवासा—डब्ल्यु—56, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्लो।
- (2) श्री घनश्याम दास भाटिया, निवासो-855 जो० टो० रोड, वेलकम हाउस, सालमपुर, दिल्लो-53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायशाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ⊱—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धों व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में पकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्स्यी

प्रो० नं० यु० बी० -22, बेप्तमेंट, 22 बाराखम्बारोड नई दिल्लो, तादादो 475 वर्गफाट ।

> · सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरःक्षण) मर्जन रेज-1, नई दिल्लो

दिनांक : 1-1-1985

मोहर 🗯

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनां ह 29 दिनम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो० एक्यू०/1/37ईई/5-84/ 863—श्रतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु सं अ≒धक है

श्रीर जिस्को सं० 1423 है तथा जो 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रिजिप्ट्राहर्ता श्रीध हारा के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में श्राय हर श्रीध नियम 1961 के श्रधान तरराख मई, 1984

कां प्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य के नास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त ब्रिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की ब्रियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

ं अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वा इपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाट् क्ष्म (1) मि० रिव पुरो,एम० 13/13, दोपक बिल्डिंग,नेहरू प्लेत, नई दिल्ला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमरजीत कौर उप्पल, ए-135, गुजरावालान ाउन, दिल्ला-9

(म्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्र) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुयूची

प्लाट नं० 1413 (यू० सी० बी०) 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ला तादादो 444 वर्गफोट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण) ग्राजैन रेंज्-1, नई दिल्लो

दिनांक : 29-12-1984

मोहर ३

प्रकर बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

् कार्यालय , महायक जायकर आयक्त (निरक्षिण) श्राजैंत् रेंज-1, नई दिल्लो नई दिल्लो, दिनांक 29 दिपम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/एक्यू०-1/37ईई/5-84 862---म्रतः मुझे, सुधार चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिन्हों सं 1120 है तथा जो 11वीं मंजिल, नेहरु प्लेन, नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबढ़ श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रून सेविंगित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्रीध कारा के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में भारताय श्राय कर श्रीध नियम 1961 के श्रधान तार ख मई, 1984

को प्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इच्छमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि गथाण्योंकन संपत्ति का रचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गई ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए "अ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के बिला में बास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है के

- (क) जंतरण से हर्ड किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतर्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

अपने अंत. उत्तन अधिनियम की धारा 260-ग के अमलेरण में, में, उत्तन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात अ— (1) मैं॰ राधिका विटमाल्ट प्रा॰ लि॰ , 118, नई दिल्ला हाउस, 27 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ला ।

(म्रन्तरक)

(2) मै॰ राजधानो चेरिटेबल फाउन्डेटन, 5-बेस्टरन एवेन्यू महाराना बाग, नई दिल्लो

(अन्तरितीं)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई औ बाक्षेत्र अ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ृसी 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्वण कियी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

न्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को सबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

प्लाट नं॰ 1120,11 वीं मंजित 89 ोहरू प्लेत, नई दिल्ली तादादों 560 वर्गफाट ।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनोक : 29-12-1984

प्रक्प बाइ'.टी.एन्.एस्.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा<u>र</u> 269-घ(1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवपु०/1/37ईई/5-84/861---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 1120 है तथा जो 89 ने हर प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च: में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारी के वार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम - 1961 के अधीन तारीख मई, 1984

को प्लॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एडं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से किथा नहीं किया गया है:--

त्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्क बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के तिए: वरि/मा

(व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्नरिती दवारा प्रकट नही किया गया था या किया चाना चाहिये था, स्थिनों में सृविधा के तिए;

बतः जब, उक्त अधिनियमं की घारा 269-में की अनुसर्थें वी, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखिव व्यक्तियों, जधीत है—

- (1) मैं ० सुपर कैट र्स, 'के०' ब्लाक कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मैं ० राधिका विद्यामल्ट प्रा० लि०, 118, न्यु दिल्ला हाउस, 27 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन क लिए कायनाहया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वाक्त व्यक्तियों में सकिसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पृष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अभे हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

फ्लेट नं० 1120 तादादी 560 वर्गफीट, 11 मंजिल, 89, नेहरु प्लेत, नई दिल्लो।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० ए५० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग,-1, नई दिल्ली

दिनांक: i-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जाभकार जॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

मारत तरकार

कार्यात्तव, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/5-84/860---अतः मुझे, सुधार चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० 1112 है तथा जो 89, नेहरु प्लेप, नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णि। है) रिजस्ट्राक्ती अधिकारा के बार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में भारताय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन ताराख मई, 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफ ल का लए अन्तारत का गइ ह आर मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अवद अधिनयम के अधीन कर दाने के जन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; आर्/अस
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर बीधानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत बीधीनयम, या धन-कर बीधीनयम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीका आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :---

- (1) मैं ॰ यार्क होटल, 'के-ब्जाक' कनाष्ट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं॰ राधिका विद्यामल्ट प्रा॰ लि॰ , 118, न्यु दिल्लो हाउस, 27 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली (अम्बरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हारा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स्ची

फ्लेप्ट नं० 1112, नादादी 580 वर्मफीट, 11 मंजिल, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-1-1985

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निरेग सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/37ईई/5-84/859 अतः । मे, स्धीर चन्द्रा

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह तिञ्चाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सूक्ष 25.000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिनि सं० 1112 है तथा जो 11 वीं मंजिल, 89 नेहरु प्लेन, नई दिल्लों में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अणुसूची में श्रौर पूर्ण का से विभिन्न है) रिजस्ट्री एती अधिकारी के कार्यो राज अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अर्थन तारीख मई, 1984

का पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, **उच्ल** ऑर्थानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वो दायिन्य में कमी करने या उससे बचने **में सृविधा** के लिए; और∕या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अन्य किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारी 269-ग कै अन्सरिंग में, में, उक्त अधिनियम की धारा .269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

(1) मैं० राधिका विद्याल्ट प्रा० लि०,
 118, नई दिल्ला हाउस,
 27 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० श्री शंकर लाल फाउन्डेट, 5, वेस्टरन एवेन्यू, महारानः बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की जविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील में 30 दिन की अविध. जा भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के शीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्दीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाप्ट नं० 1112, 11वीं मंजिल, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 580 वर्ग फीट ।

> सुबीर **चन्द्रा** आई० आर० ए**न०** सक्षम प्रा^टध**ारी** सहायक आयवर आय्वत (निर्दक्षण) अर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

दिनांक : 29-12-1984

मोहर 🐠

प्ररूप बाइं. टी एन. एक. . - - ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

बारत बरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दार्शक) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ाई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/5-84/ 858---अाः मुझे, सुधार चन्द्रा ायकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) जिसे इसमें** सक पश्चात 'उक्त अधिनयम कहा गया है), की भाष ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का हारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार क्रूब !5,000 [/]ंरः स्अधिक **है** प्रौर जिकी सं० एम-5 है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई देलतो में स्थित है (ग्रौर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर [र्ग रूप से वर्गिंग है) रिजिल्ट्रोहर्ता अधिकारी के कार्यालय गर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अवान ताराख मई, 1984 प्रे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कव के **कवजा**ब तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रनं का कारण है कि यथापूत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाबार ख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से क्यमान प्रतिफल का पन्छ

(क) अन्तरण में हुई किसी बाद की बादसा, बदस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बंधने में सुविधा के लिए अदि/सा

तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) *बौर अन्तरिती*

अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

तिफन, निम्निनिबित उददेश्य में उक्त अन्तरण बिश्वित

ं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💒 🖫

(क) ऐसी किसी बाव या किसी धन वा बन्ध बास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922' (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-व कै अनुसर्वाः . मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की इपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियें संधातः (1) मैं० फैंश एक्तपंट हाउस, 49ए, कम्युक्तिटा सेन्टर, इस्ट अन्य कैलाश, नई ादल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी बिन्दिया रखेजा, सुपुता श्री जे० सं१० रखेजा, निवासी-आर-63 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्लो

(अन्.रिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- >

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, कं भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हित- बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी गे।

स्मार्डीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्यी

प्रो॰ नं॰ एम-5, तादादी 350 वर्गफिट, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 1-1-1985

मोहर 👸

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर बाधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ब्योन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञ सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांचः 29 दिनम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/5-84/ 857—अतः मुझे, सुधार चन्द्रा,

कायकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ज हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.,00 /- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 601 है तथा जो 89 नेहरु प्लेप, नर्ड दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीएर्ता अधितारी के वार्यालय अर्जन रेंज-1, नर्ड दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान ताराख मई, 1984

को पूर्वोक्स रूम्पत्त के उणित बाजार मृन्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्ब, इसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उथत बाधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायत्य में कमी करने वा उससे व्यन में सृद्धिश के लिए, जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असितयों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियं था, खिपान में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपभारा (1) क त्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ॰ फेबरिक इन्डिया, सो -538, डिफेन्स कालोनो, नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र मोदी, अत्वेताश चन्द्र मोदा, सुरुत स्वर्गीय श्री सेठ आर० डी० मोदी, सिवल लाइन्त, मोदा नगर (यू० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं कें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिय़ों दर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हांनी हों, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्रचना की राजपण मों प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णक्ष लिखित मों किए जा सकी।

स्वव्यक्तिरचः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया वस हैं।

मन्स्ची

प्ल ट नं० 601, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली (यु० सी०) तारादी 460 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्ष**म** ग्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्रःक्षण) अर्जन् रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 29-12-1984

प्रकप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/1/37ईई/5-84/85---

अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269- ब के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 11 बेसमेंट हैं तथा जो 98 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तमें वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गुना है:-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं. एक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12-436GI/84

(1) मै० लार्ड कृष्णा,
 जी-15/56, इरोज अपार्टमेंट,
 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती वीना अरोड़ा, पत्नी श्री एम० एल० अरोड़ा, निवासी-जे-41, सरोजनी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते विधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं अ

अनुसूची

्प्रो० नं० 11 बेसमैंट; तादादी 671 वर्गफीट, 98 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली हेम ऋण्ठ टावर न**ई** दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-1-1985

the first control of the control of

and the second s

प्ररूप बाई o टी o एन o एस o ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 5 जनवरी 1985

निदेश मं० ब्राई० ए० मो० /एक्यू०/1/-37ईई/5-44/ ▼852--श्रवः मझे, सुबोर चन्द्राः

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 305/16 है तथा जो श्रंसल भवन के जी जा मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावह श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्टी कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज—3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक मई. 1984.

को पूर्वों कत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान बितफल के निए अंतरित को गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथल नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो। उठा भारतीय आस्त्रात अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या शिक्षा जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा के लिए;

कतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्रो प्रवान कुमार पाहवा ग्रीर श्रोमती हिरा देवो पाहवा. विस्मा—-4/53 रूप नगर, दिल्ली(−7 । (ग्रस्तरक)
- (2) मै० स्टम्प, स्कूल एण्ड मोमापा लि० हौंसर रोड, बंगलोर-560034 । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किस्, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उन्सूची

प्रो० नं ० 305 ग्रंसल भवन. 16-के ० जी ० मार्ग, नई दिल्ली, नादादी -820 वर्गफीट, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-1-85

बच्च बाहुं औ, दन, दस.-

बायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्पू० $\sqrt{1/37}$ ईई/5-84/851-अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दाजार शृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० 514, है तथा जो 89 नेहरू प्लेम नई दिल्लो, में स्थित है (स्रौर इसमे उन्नबद्ध स्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), राजस्ट्री कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रर्जन रेज-1, नई दिल्लो भारतीय स्रायकर स्रधितियम, 1961 के स्रधीन दिनांक मई 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एवा प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया क्या है :—

- (क) अन्तरण से हुड किसी बाय की बाबत उक्त कीथ-नियम के ब्रंभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उडसे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (﴿) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् ं— (1) श्रो घनस्याम दास ग्रौर श्रोमती ज्योतसना चावला, निवासो—एम-90, ग्रेटर कलाण-1, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसवन्त मिह (एच-यू-एफ) ज-46, साकेत, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 रिंद की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्मस्तियों में में किमी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिंद-बद्ध किसी असर असे से दक्ष र प्रधानस्था के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 514, तादादो 500 वर्गफोट, 89 नेहरू प्लेस. नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 1-1-85

मोहर 🤨

्रष्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

श्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रार्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1985

ंनदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37—ईई/5-84/830—ग्रतः मुझे, सुत्रीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 806/15, है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकाणे के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक मई, 1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के जैकित काषार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जॉर मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कर अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं० मितल स्टील कारपोरेशन, वाई-60, नरायणा वायर हाउसिंग स्कीम, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) (1) डा० एम०एस० माथुर(2) श्रीमती मधु माथुर,
 (3) श्री राजीव माथुर, (4) श्री संजीव माथुर।
 (नवासी—117 शास्त्री नगर, ग्रजमेर।
 (राजस्थान)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पुत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 806, 15 कस्तूरबा गांधी मार्ग (कर्जन रोड) नई दिल्ली, तादादी-461.25 वर्ग फिट ।

सुधीर **च**न्द्रा ग्राई० **आर०** एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

दिनांक : 5-1-1985

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/827---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 603 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) फेबरिक इन्डिया डी-345, डिफेन्स कालोनो, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रनिल विजय लाल, (एज-यू-एफ) ग्ररविन्द विजय लाल, ग्रदित्या बिहारी लाल, निवासी—ग्रमर वेस्टरेन कुटचेरी रोड, मेरठ सिटी (यू॰ पी॰)

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं 603, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली (बू• सी॰) तादादी 370 वर्ग फिट।

> सुधीर चन्द्रा आई० गार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 29-12-1984

प्रकृष् बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/825--ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकः मं० 602 है तथा जो 89 नेहरू प्लेय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उताबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली. भारतीय श्रायकर श्रीधनियम में 1961 के श्रधीन, दिनांक मई, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल र पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निर्मात में बास्तविक रूप से किथह नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिधिनियम के अधीर कार दाने के अंतरक क दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिशः के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियः गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैं० फेब्राक्स इण्डिया, डी-345, डिफेस कालोनो, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चन्दर मोहन मोदा, निवासी—-सिविल लाइन, मोदी नगर, (यू० पी०) । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारों कारक पृत्रोवट सम्यक्ति के **वर्जन के लिए** कार्यवाहियां कारता ह**ै।**

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा प्रकारी।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 602, तादादो 400 वर्गफीट, **89-नेहरू प्लेस,** नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 29-12-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/3i-ईई/5-84/823---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-'ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट 'एच/11 है, तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृख्य इसके दश्यमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैं० नर्दन स्थार कन्स्ट्रवशन एण्ड इन्वेस्थमेंट (दिल्ली) प्रा० लि० 127, बन्दना बिल्डिंग टालस्थाय, मार्ग, नई दिल्ली: ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रो० पी० अरोड़ा, (कर्ता) (एच-यू०-एफ०) एण्ड अदर्स, मी-14, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

क्वे वह सूचना जारी करके पृशाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेषु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

यूनिट 'एच' 12-मंजिल, वन्दना विल्डिंग, 11-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी ।

> सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-1-1985

मरूप बाद'.टी.एद.एस. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वक

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/ 822--अतः मुझ, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 805 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तर्ज ते हुई किसी नाय की वावत, उक्त जीधनियम के समीन कर दोने के सम्तरक के दादित्स में कमी करने या उससे समने में सुविधा से निए; जीर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिणाने में सुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रीत पाल सिंह, निवासी—बी-68, फेन्डस कालोनी, वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं वर्मा ट्रस्ट एण्ड एसा सी वर्मा (एच० यू०-एफ०) डी-115, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध - िकासी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः ग्या ह¹।

अनुसूची

फ्लैट नं० 805, नादादी 566 वर्ग फीट, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 29-12-1984

त्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के क्भीन सूचना

भारत सरकार

किर्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $-{
m I}$, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू 0/1/37ईई/5-84//820-अतः मुझे, सुधीर तन्द्रा,

मायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृज्य 25,090. - रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 203 है तथा जो 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई,

को प्वान्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कै स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों स्क्रे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-इयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा के निए;

- (1) श्रीमती शारदा देवी द्वारा अटार्नी श्री मुँकुल मित्तल, 101/1 शिवाजी नगर, भोपाल, लोकल पता—सी-3, प्रसाद नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रीता कल्याण, प्रोप० फेंबटेक्स एक्सपोर्ट, बी-62, स्वामी नगर, नई दिल्ली -19 i (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्याहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों जाँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 203, मानसरोवर, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 709 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा (आई0 आर0 एस0) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण ♣, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— 13—436 GI/84

fदनांक : 2-1-1985

मोहर 🗈

प्रकथ बाइं, टी. एन. एस.-----

नायकर जिथिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/819—अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 1412-ए है तथा जो 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मई-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त आधि-वियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं स्विधा हो जिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्लिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ४—

- (1) डा० श्रीमती जे० आनन्द पत्नी मेजर के० एस० आनन्द निवासी—ई—II, डिफेंग कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश खोगला पत्नी श्री बिमल खोसला, मार्फत श्री इन्दरजीत आहूजा निवासी—2009, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा पया है।

अम्स्ची

फ्लैट नं॰ 1412-ए, चिरजीव टावर, 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 636 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा (आई० ग्रार० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-1-1985

मोहर 🖫

प्रकर बाह ं टी एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1.985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/812— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र; से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या जी-2 है तथा जो 59 नेहरू प्लेस में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबाद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली के भारतीय आवकर ग्रधिनयम 1961 के ग्रधीन मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण कं दायित्य में कभी करने या उसस वचन में मृतिधा चे सिए; सर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उरत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीन :—

- (1) श्रीमती मनभावती देवी, पत्नी स्व०श्री जुगमन्दर दास, निवासी-203, तिलक बाजार, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री मुभाप सचदेवा सुपुत श्री ग्रो० पी० सचदेवा, निवासी—-ई-83, अमर कालोती, नई दिल्ली-14 (अन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके प्याँक्त सम्मात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काइ भा बाधाप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्दां और पदां का, आं उधर अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

साप नं जी-2, ग्राउण्ड फ्लोर, तादादी 253 वर्गफीट, 59 शकुन्तला अपार्टमेंट नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा (आई० आर० एम०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-1-1-985

प्रकर् बार्ड. टी. एन. एस. एस.---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के व्यीन स्था

बारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/809---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चर्त जिवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बेरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० स्पेस नं० 95 ह तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1984,

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ह्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-ंग्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० इमयन्स कारपोरेशन, 3830 पटोदी हाउस मार्ग, दरिया गंज, नई दिली। (अन्तरक)
- (1) कुमारी कैलाश मेहता सुपुत्री श्री देवी दयाल, निवासी—-ए-6, विजय नगर, दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मिति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

सबत सम्पारत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निष्ति में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

बन्स्ची

स्पेस नं० 95, (एल-जी-एफ) 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 175.6 वर्ग फीट।

सुधीर चन्द्रा आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां क : 29-12-1984

मोहर .

प्रस्य बाइं.टी.सन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सुचतः

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/5-84/805-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भाषकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- घ० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सोप नं० 37 है तथा जो 22-के० जी०मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिक्षी (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखिन में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुख्या के लिए ;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, जथात् ः---

- (1) भै॰ टूकरू प्रोजेक्ट इण्डिया प्रा॰ लि॰ एम॰-94, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) शे॰ दीपक बेनिफिट ट्रस्ट, एन-100, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिक्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके नुवाँका सम्मन्ति के अर्थन के सि। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनिध, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी अ पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

ज्याकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, सही वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिस नुका हैं।

अनुसूची

सोप नं० 37, तादादी 200 वर्गफीट, 22-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई हिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा म्राई० आर० एस०. सक्षम प्राधिकारी सायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, दिल्ली,नई दिली—110002

दिनांक : 9-1-1985

प्रकथ बाइं. ही. एन. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के बभीन स्वका

कारह सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37ईई/5-84/802-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० साप नं० 108 है तथा जो 22, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज- I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाचार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उन्तित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (ब) एसी किसी बाय वा किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, कियाने में तिवधा अधि सिए;

करूप ग्रंब, उक्त अधिनियम की ग्रंथ 269-न के ज्याहरूप भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीमती ङ्ष्णा डोगरा, निवासी—सी-141, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली, वर्तमान निवासी—एन-100, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री अणीश जे० सिंह (2) कुमारी शीना जे० सिंह,
यू०/जी० क्माण्डर जीगिन्दर सिंह,
निवासी-193, जोर बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त मम्पिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साप नं रे 108, तादादी 210 वर्गफीट, 22-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा (आई० आर० एस) मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिली-110002

दिनांक: 9-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/797--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उच्चित बोजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं वि $-2/\nabla e - 40$ है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्व, रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में अम्तिक कप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मॅर्सस स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) परफैक्ट पावर सिस्टम, 1/25, अमफअली रोड, नई दिल्ली-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूषी

फ्लेंट नं \circ बी \circ -2, एल \circ -40, तादादी 22, बाराखम्बा रोड, नई दिक्ष्ली ।

सुधीर चन्द्रा आई० स्नार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 1-1-1985. मोहर : प्रकार बार्ड . टी . एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

STAR STAR

कार्यालयः, सहायक आवकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज∽ , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/796---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/रु. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बी-2/एल-बी-41 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजंक रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961, के श्रधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा मया इतिफल, निम्निजित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण वे हुए किती बाब की वावस, उपस निमित्तस के नभीन कर दोने के नन्तरक के वारीयरम में कभी करने वा उससे उपने में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 : 1922 का 11) या उचल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जियाने में मविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) परफेक्ट पावर सिस्टम, 1/25 असफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

कायइ सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आकोर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मश्मील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्वित्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्पी

फ्लोट नं० बी-2(एल-बी)41, बिल्डिंग नं० 22-बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली ।

सुधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दनांक: 1-1-1985

गया है :--

ब्रस्प बाइं . टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारेत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी ०/एक्यू०/ 1/37ईई/5-84/795---म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ि(जसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित -बाजार मूल 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एल-बी-28 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लों में स्थित है (ग्रौय इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, ग्रजन रेंज-I, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक मई-1984

को पूर्वोक्त संपीत के उच्चि बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिअत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से

उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या, उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का /11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया जिल्ला को जिया जिल्ला को लिए:

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ग्यक्तियाँ अर्थात् :—— 14—436 GI/84

- (1) मैं ० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देश बन्धु भगत, ए-1, ग्रेटर कैलाश-इन्क्लेव-1, नई दिल्ली । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षं :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशंत की ताराय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति न हि उद्-किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहप्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ' अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है ।

अनुसूची

क्लेट नं ं एल-बी-28, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी 500 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सजम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-1-1985

त्ररूप बाह्र टीज एवं एकः

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन भुषना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थाव: सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हा. से अधिक है

सीय जिनकी सं० बी-2/एल-को-42 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारों के कार्यालय; ग्रजीत रेज-I, नई दिल्ली भारतीय, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वे कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल, से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंदरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिबधा के लिए; और/या
- ार्कं एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या ित्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निर्णः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269- के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :---

मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०
 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं परफैक्ट पावर सिस्टम, 1/25 ग्रसफ ग्रली रोड, नई दिल्ली-2। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के शजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

फ्लैट नं॰ बी-2, एल॰बो-42, तादादी 450 वर्ग फीट, 22-बाराखम्बा रोड, मई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-1-1985

मोइर 🖫

प्रक्ष बाह् .टी.एव.एह. -----

आधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/793---म्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रस्थ 25,000/- रा. से अधिक है:

स्रोर जिसकी सं० एल०—बी-2/26, है तथा जो 22— बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय राजाजिनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतगर्त सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास स्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्रश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ं—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उसत बीपनियम के नभीन कर दोने के नन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में वृदिशा के निए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियमों, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, स्निमाने में सुनिधा स्वी सिक्ष;

कतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निन कित व्यक्तियों, व्यथितः (1) मे॰ स्कीपर सेल्स प्रा॰ लि॰ 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी रस्तोगी ग्रौर ग्रार० के० रस्तोगी, निवासी—डी-5/3, कृष्णा नगर, दिल्ली-51।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ही 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त श्राबितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के \पास

 िखित में किए का सकर्गाः

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लेट नं॰ एल-बी-2/26, तादादी 290 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-1-1985

मोहर 🕄

प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस्.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिन्ही, दिनाक 9 जनवरी 1985

निदेश स० आई० ए, सो०/एक्यू०/1/37ईई/5-84/790--अत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आधकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राणिकारी को, यह विकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000, रा. म र्शनहर्

ग्रीर जिसकी में 101/22 त तथा भी कर्रसा मधी मार्ग, नई दिल्ला में स्थित है (योर उप उपात्रत के पूची में पूर्ण कप से विणित है), र अस्त त्यी । भारतीय अस्ति सं विश्वसम् 1961 के प्रवीन, दिनाक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे गह विश्वास वारण का कारण है कि यथामूर्लोब का सम्मित्त का जावत बाजार मृल्य, उनक दृष्णमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिजत स अन्यक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए जिस में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :--

- ्क) असरण से हुई विश्वी भाग की शबत, उक्त अधि विश्वन के अधीन कर देने के अन्तरन के शक्तिय में क्ष्मी करने या उससे तथन में मृतिशा के सिए; बॉर्/मा
- (अ) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रजीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ख्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए।

कतः: क्रथा, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अगिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्राः सुभाष चन्दर जैन ग्रौर श्रीमतः कमलेश जैन, निवासी--एफ-10,ग्रीन पार्क एक्सटेशन, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी प्रिंमा साहनी (माइनर)
 यू /जी० श्री बलदेव राज साहनी,
 निवासी—एम-87, ग्रेटर कैलाश-1,
 नई दिल्ली ।

(अन्तिरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किंमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

वयस्थी

पलेट नं० 101, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 202 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज $^{-1}$ दिल्ली, नई दिल्ली $^{-1}10002$

दिनांक : 9-1-1985

प्रक्रप बाहं, टी. एनं. एस्.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना र

- भारत सरकाड

ेकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाज 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-84/789-अतः मुझे, सुदोर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे सिके पश्चार् उकत अधान सक्ष्म ब्राह्म कहा गया है), की धारा कि उन्ह के अधान सक्ष्म ब्राह्म कारी को, यह ब्रिश्वाम करने का कारण हो कि स्थापर १६८० (जगाम उन्ह ब्राह्म करने का 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्ला में रियन है (प्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाणित है), रिजिस्ट्री वर्ता जिल्ला के व्यक्ति मार्ग, अर्जन रेज-1, नहीं दिल्ली भारपोय आयकर अधिनियम, 1961 के अयोग तारीख मई, 1984

की पूर्वकत सम्पत्ति के अंचन बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रित ताने लिए को ज्यांतारी के वार्यालय गार्थ नगर में धारा 269 ए दी के आमार का कार्य कार्य करा के सम्मूच/के पास रिज-स्ट्रोक्स किया गया है। माने यह विश्वास करने का कारण है कि यह प्रोविस सस्तिन जा जीवर नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अन्तर्रक (अन्तरक) वार अन्तरिती (अन्तरितिजो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के सीयत्व में कमी करने या इससे बचने में सृदिधा के लिए, बहि/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीं (1) मती कमलेश जैन, एफ०-10, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मीता साहनी, निवासी एम-87, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की नर्भिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर न्मना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बें पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यहां है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 103, मल्टी स्टोरी, 22, कस्तूरवा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 210 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

बारपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्धीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-84/ 788—-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जी० एफ० 5 है तथा जो 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नईदिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान इतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्तिधा के लिए;

मतः भव, उसत निधनियम कौ धारा 269-य ने जनसरण में, मैं, उनत निधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीन, निम्नुविधित व्यक्तियों, नथात् ह (1) मैं० ए० वी० कारपोरेशन, ग्रैण्ड ट्रैंक रोड, लुधियाना, (पंजाबी)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा जयना, निवासी 14, बाबर लेन, बंगाली मार्कीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख री 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से विक्शे व्यक्ति बुद्धारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

प्रो0 नं॰ जी॰ एफ॰ 5, बिल्डिंग नं॰ 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 210 वर्ग फीट।

> सुधीर जन्द्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 9-1-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बाई. टी. एन. एस. = - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37 ईई०/5-84/787---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के. अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जी० एफ० 7 है तथा जो 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रपाजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं ज्ञान्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मै० ए० वी० कारपोरेशन, ग्रैंड ट्रंक रोड, लुधियाना, (पंजाब) ।

(अन्तरक)

(2) मैं॰ पी॰ सी॰ जयना (एच॰ यू॰ एफ॰), 14, बाबर लेन, बंगाली मार्केट, नई दिल्लीं-1।

(अन्तरिती)

को भ्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में ए किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अश्राहरूनाक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी० एफ० 7, बिल्डिंग नं० 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, तादादी 210 वर्ग फीट।

सुधीर चन्द्रा
(आई० आर० एस०)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-84/ 786---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गणा है), को जाग 269-क की अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० यू० की० 8 है तथा जो 322, वाराखम्भा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इतने उत्ताबड़ अनुन्ती में श्रीर पूर्ण कर से विणि: है) रिजिट्टो औं अधिक रोके कार्यालय अर्जन रेंज−1, नई दिल्ली में भारतीय आयनर अधिनियम, 1961 के अर्थान, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का दिवस बाजार प्रता, लगाये दृश्यमान प्रतिफल से, गीर क्वाइमन प्रतिक्त के विश्वास कि के प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि कि सम्मासिक उद्योग्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिब स्प से किथित नहीं किया गया है :--

हुक्त), बन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विधिनयम को अधीन कर दोने को अन्तरक को श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; कीर√या

(स) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नाम कर विधिनसभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तर्भ है है पान प्रकार नहीं देश कर किया के लिए;

(1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22, वाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा कौर श्रौर श्री हरविन्दर सिंह, ई-446, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यका हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अश्वकान की तारीख में 45 विन की अविध में सर्पात्यों व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती हो, के पीतर पर्णोवत का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धाता:
- (क) इस सुचना की राजयण के अकाशन की तारीख खं 45 दिन की भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हित्तबहुध किसी अन्य व्योजन व्यापा अधोहस्ताक्षरी के पाल भागान विस्तार प्राप्ता

स्वर्धाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

अन्स्ची

प्रापर्टी तं० यू० बी० 8, बिल्डिंग नं० 22, वाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001, तादादी 425 वर्ग फीट ।

> तुबीर चन्द्रा (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, ग्री. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की ज्यभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

तारीख: 9-1-1985

प्ररूप बाई .टी .एव .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-84/ 783---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंज्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्स 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जितकी सं० 3 401 है तथा जो स्कीपर टावर, 89 नेहरू प्लेत, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारताय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था विस्था जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपक्षारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---15---436 GI/84 मै० फैबरिक्स इण्डिया, सीं 538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली 110024।

(अन्तरक)

(2) श्री हरमोहन प्रिंह आनन्द और श्रीमतो जतबार आनन्द, निवासी बी-28, साऊय एक्तर्टेशन-**II**, नई दिल्ली-110049।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की ताशील है 45 दिन की अवधि या तत्काव्या व्यक्तिकों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिका मया हैं।

जन्स्ची

प्रो० नं० 401, त दाबी 460 वर्गफुट,4-मंजिल, 89, नेक्र फ्लेस, स्कापर टावर, नई दिल्लो ।

> सुधीर चन्द्रा, (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्वायक्क (निरंक्षण) ग्रजेंन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 29-12-1984

प्रकृत बार्ड टी एन एख. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० आई०- ए० सी० /एवयू०/1/37 ईई०/5-84/771--अत: मुझे, सुर्धार चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को क्रिभारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ-6 है तथा जो 23, कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीलिती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

कां पर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमा प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करके का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य , उसके का कारण में एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्ता प्रतिकल के बन्ता प्रतिकल के बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्नरण मंहुई किमी बाब की बाबता, जक्त इधिनियम के बधीन कर दोने के बन्नरक के दाबित्थ में कमी करने वा उत्तव बचने में सुविधा के लिए; इति/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अभ्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनसरण के, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिस कारियां। अर्थान :---

- (1) 1. श्रीकंवर चन्द सेठ, निवासी 26 एफ, कमला नगर, दिल्ली।
 - 2. श्री मतीं चन्द सेठ, 17, सत्यवती मेमोरियल रोड, दिल्ली।
 - 3. श्रीमती महारानी सेठ, 17-प्रत्यवती मेमोरियल रोड, विन्ली ।
 - श्री अतर चन्द सेठ, निवासी 42, बंगला रोड, दिल्ली।
 - 5 श्री अतः चन्द नेठ, जो मास्टर सुमित सेठ का अभिभावक है। निवासी 42, बंगजा रोड, दिल्ली।

- 6. श्रीमती ऊषा सेठ, निवासी 42, बंगला रोड, नई दिल्ली।
- 7. श्री तारा चन्द सेठ, निवासी 24, एफ, कमला नगर, दिल्ली।
- 8. श्री ग्रंकुर सेठ सुपात श्री ताराचन्द सेठ, निवासी 24-एफ, कमलानगर दिल्ली।
- 9. श्रीमती गीता सेठ,
- 10. श्री देवी चन्द सेठ,
- 11. मास्टर प्नात सेठ सुपुत्र श्री देवी चन्द सेठ,
- 12. श्रीमती ग्रंजु सेठ,
- 13. श्रं.मता शान्ति सेठ, निवासी एफ-14, कमला नगर, दिल्ली।
- 14. श्रीमती कमला सेठ,
- 15. र्श्वः सूरेश चन्द सेठ,
- 16. श्री नरेश चन्द सेठ, सभी निवासी 24, दरिया गंज, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा वन्ती,
 निवासी ए-128,
 इन्द्र पुरी, नई दिल्ली,
 श्रीमती अजला शर्मा,
 निवासी सी-डब्ल्यू० 129,
 ग्रेटर कैलाश-1,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सचना बारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के मजन के लिए कार्यवारियां शुरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की सर्विध या तत्मम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स स्थांक्तयों में से किसी स्थितित द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

फ्लैंट नं ० एफ-6, तादादी 2337 वर्ग फीट, पहली मंजिल, कर्माणयल बिल्डिंग, हिमालया हाऊस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा (आई० आ०० एस०) सक्षम प्राधिवारी सहायक आयक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 2-1-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयं अर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-84/ 765--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है , की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जि.नि सं० एल० जी० एक 90 है तथा जो डा० गोपाल दात भवन, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि हारों के हार्या नय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में भा ताय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्धन, ताराख मई, 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितिया) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अंतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्रीमती विनोद खुराना, सी-88, प्रांत विहार, दिल्लो-92 ।

(अन्तरक)

(2) मैं० ए० बी० इस्टेट,
 208, सूर्या किरण,
 19, कस्तूरबा गाधी मार्ग,
 मई दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्ग।

स्यब्दी रूप :---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्ची

एल॰ जी॰ एफ॰ 90, डा॰ गोराल दास भवन, 28, बाराखम्मा होड, नई दिल्ला, तादादो 168.27 वर्ग फाट।

सुधीर चन्द्रा (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🚜

प्ररूप आई'.टा.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ 37 ईई०/5-84/ 761—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जितकी सं० बी-ई-17 है तथा जो बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ती अधि अरी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला में भारताय आयकर अधिनियम, 1961 के अधान, तारोख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः असे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणें में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रामता सरला अग्रवाल, निवासा सी-58, दा माल, मेरठ (यू० पा०)।

(अन्तरक)

(2) मै॰ साइकल ट्रेडिंग प्रा॰ लि॰, 56-ए, लको वियू रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

कर्मापत प्ताट नं० 8-ई, बिल्डिंग नं० 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ला, तादादों 750 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा (आई० आर ०एच०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 29-12-1984

मोहर ः

सामुवेल

प्रकृप बाइ'.टी.एन्.एस्.,--------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 28 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 12 मई, 1984/रेंज-2-अतः मुझे, श्र.मती एम०

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जित्तको सं० 28 है तथा जो अलगप्पा चंट्टियार रोड, मद्रात-84 में स्थित है तथा जो मद्रात-84 में स्थित है (ग्रीर इतके उनाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप विगत है), रजिस्द्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्यम लेख सं० 920/ 84 में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख मई, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्तत बाजार मृत्य उपके दृश्यमान प्रतिकृत से, रंग दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हैं प्रतिगत ने प्रचक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीज रंग प्रन्तरण के लिए तय यावा गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तुबिह का से क्षित नहीं निया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सूतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम . 19?? (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया दाना शिहए था, छिपाने में स्थिया की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रो क्रां वाग्रतम्माल ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एप० मृतुक्तरूपत और श्री एस० पलनियप्पन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी कि अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुपूची

भूमि स्रौर महात—डोर सं० 28, डा० अलगप्पा चे हियार रोड, मद्रास-84 । लेख सं० 920/84/पुरशवाक्कम।

> एम० सामुत्रेल सक्षम प्राधि जारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 28-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 43/मई, 1984/रेंज-2-ग्रतः मुझे, श्रीमता एम० सामुवेल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिन जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्ता सं० 40 , पुराना सं० 17, पंडित सरोजिनो स्ट्रंट, है तथा जो टा० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूबः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकति श्रीध नारः के कार्यालय, टा० नगर, लेख सं० 470/84 में रिजिस्ट्राकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधान, त.र.ख मई, 1984

कां पूर्वाक्त सपात्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कर बाबत, उसप आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्रो श्रीमती पो० एस० जगदीख्वरी ग्रम्माल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एस० रुक्मणी नाथ । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कासवाहिया करता हु ।

उपत सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकाएं।

स्पक्करण:--इसमें प्रयक्त झन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्या

भूमि और महात--40 पुराना सं० 17, वंडिन सरोननी स्ट्रीट, टो॰ नगर, मद्राज्ञ-17, टो॰ नगर लेख सं० 470

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिक रो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 28-12-1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.------। एयक्दर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 60/मई, 1984/ए० ग्रार०— : मुझै, श्रीमती एम० साम्बेल

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

स्नीर जिनको सं० डोर नं० 80, II मेन रोड, गांधी नगर है तथा जो अडयार, मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय अडयार, लेख सं० 1522/84 में रिजम्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तःराख मई,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ब्ली गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापवांक्त सम्पत्ति का उाचत बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे कंतरण के निए दृष्ट पाय पायफल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की बाबस,, उक्स जांधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वसने में सुविधा के लिए; और/वर
- (५) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर ब्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्राधिनियम या धनकर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था खिपाने बें साँविधा के लिए,

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधादा (1) (1) डा० जो० सुत्रमनियम श्रीर श्रन्य।

(म्रन्तरक)

(2) श्रोमती पद्मा गोपोक्कणन और श्रामतो कलावता ।

(म्रन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ▲5 दिन की अवाध या तत्सम्बन्धी व्याक्तया पर रूचना की तामील में 30 दिन की अर्थाभ को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्याक्तया में साकसा व्याक्त द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 राइन क भातर तकत स्थानर सम्प्रान्त म ।हत-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गांच बिंदित में किय वा सकते !

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

भूमि—डोर सं० 88, II मेन रोड, गांधी नगर, ग्रडयार मद्रास-600020 । ग्रडयार/लेख सं० 1522/84।

> एम० सामुत्रेल सञ्जम प्राधि हारो सह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) सूर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-12-1984

मोहर ;

इाक्प बाइं.टी.एन.एस.----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 73/मई, 1984/रेंज-II--प्रतः मुझे,श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्हों सं० 3 एण्ड 4, सुल्लिबन स्ट्रीट, सांतीम है तथा जो मद्राप्त-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबः में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिट्टो हर्ता श्रीव हारा के कार्यात्रय, मैलापुर, लेख सं० 584/84 में रिजिट्टो हरण श्रवितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, ताराख मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित सददेश्य से सकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, स्वथ्य इधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के काचित्र्य में कभी करने से इससे बचने में सुविधा से लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गढ़ था या किया बाना चाहिए था छिपान में हारदेश के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्रा एस० श्रानिवासन ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीडी० दौलत राम श्रीर श्रन्य।

(अन्तिरिती)

सौ यह स्पना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित से अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में । दया स्या है।

वन्त्रची

भूमि श्रौर मकान--3 श्रौर 4, सुल्लिवम स्ट्रीट, सांतोम, मद्रास-4 । मैलापूर/लेख सं० 584/84।

> एम० सामुनेल सक्षम प्राधि हारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

प्ररूप ब्राह्म हो , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 88/मई, 1984/रेंज-II--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० लेख सं० 726/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति है तथा जो कूनूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कूनूर, लेख सं० 726/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984 *

का पूर्वीवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निश्चित उद्विष्य से उक्त मृतरण सिकित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्ट अधित्यम् के ब्रंधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) एंबी किसी बाव या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिष्ट:

कतः कव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 16—436 GI/84 (1) श्री पी० के० वेंकटाचलम पिल्लै।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० कृष्ण चेट्टियार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष 🎥

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्विध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तार्तींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्रया ही।

बन्स्थी

भूमि ग्रौर मकान—-लेख सं० 726/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति । $\frac{1}{2}$ कून् $\frac{1}{2}$ कुं सं० 726/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11. मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2150 1-बी, 0037/16 भूमि ग्रौर मकान लेख सं० 671/84 को शेंडूल में दी हुई सम्पत्ति है। तथा जो कूनूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 671/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० के० पांडुरंगम पिल्लै, श्री कनगसाबापति पिल्लै।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० राजू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दुर्वोक्त सम्पत्ति. के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का , जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि ग्रौर मकान--लेख सं० 671/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति, कृनुर।

एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

प्ररूप बाई टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 90/मई, 1984/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्रोंडतुरें गांव (भूमि) मेठ्ठुप्पालयम है तथा जो मेठ्ठुपालयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेठ्ठुपालयम लेख सं 939/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-धनवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व अभ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

कतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् ह—

(1) श्रीसी० एम० शिवरामन।

(अन्तरक)

(2) मैं बिन्द्रावन डी श्रीर श्रीर इण्डस्ट्रीज मैनेजिंग पार्टनर : श्री बी श्री रामकृष्णन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में, दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—म्रोंडतुरै गांव मेठ्टुप्पालयम सब रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट मेठ्ठुप्पालयम, तालुक मेठ्ठुप्पालयम । लेख सं० 939/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज- , मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🔅

प्रस्य बाई .टी.एन.एस., -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

भारत बहुकाड

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 103/मई, 1984/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० मेलबोरन काटेज, 'आर० टी० सी० बिल्डिंग, है तथा जो उदगमंडलम नीलिंगिरीस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उतगे, लेख स० 422/84 में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्रबेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ने दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्, बौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा चे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीबी० आर० प्रेमनाथ राव।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० गुल मोहम्मद सेइठ ग्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृक्षांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त बम्पृत्ति के बर्बन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाध्येष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित् द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए सा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस विभिन्नम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पक्षा है।

बनसची

भूमि ग्रौर मकान—आर० टी० सी० बिल्डिंग, उदगमंडलम नीलिंगिरीम, उदगै लेख सं० 422/84।

्एन० नामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 👙

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस ु-----

ਹਾਰ 4064 (4064 ਲ**ਾ 42) ਨੀ ਸਾ**ਗ

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 78/मई, 1984/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हुं

श्रौर जिसकी सं० लेख सं० 349/84 श्रौर 350/84 की शुडूल में दी हुई सम्पत्ति है तथा जो गोपिचेट्टिपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोपीचेट्टिपालयम लेख सं० 349/84 श्रौर 350/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय का वाबत, उस्क जिप्तिविषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिश्यत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जीद्र/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बद्ध बंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, राक्त विधिनियम की धारा 269-घृ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति ह— (1) श्रीमती शक्तंतला बाई ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री रामलिंग मूर्ति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि—लेख सं० 349/84 स्रौर 350/84 की शेंडूल में दी हुहै सम्पत्ति : गोपीचेट्टिपालयम ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप आई..टी.एन..एस .------

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नधीन सुचना

112.5

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 135/मई, 1984/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० लेख सं० 1299/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति है तथा जो श्रोरेयूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रौरेयूर लेख सं० 1299/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया म्या प्रतिफल निम्नितिबत उक्देश्य से उक्त बन्तरण मिश्वित में सास्विक इप से किया गया है:--

- (क) न्यारण वे हुई किसी नाव की बाब्स, उक्त निधनियम को नधीन कर दोने के जन्तरण को व्यक्तिय में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा में जिल्हा बेक्का/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा वा वा किया खाना जाहिए वा, ज्यान से स्विभा के लिए.

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) में सभीप, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० बालामणि।

(अन्तरक)

(2) श्रीषण्मुगम ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स म्यान्त्रकों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सकत स्थाब्द सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्वृत्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

भूमि मकान--लेख सं० 1299/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति, श्रौरेयूर।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🖪

प्रकृष् नार्षेत् टी. एन्. एस. ----

(1) श्री बी० रामाचन्द्रन ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाम्बल।

(अन्तरिती)

नायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 144/मई, 1984/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० पुदुष्पालयम है तथा जो कडलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडलूर लेख सं० 802/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासिबक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त जिथ-नियम में अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उल्लं बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के तिए।

वतः वद, उक्त विधिनयम की धारा 269-म क वनुसरण में, में, उक्त व्यक्तियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, वर्षात् क्षेत्र को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवर से -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मवा है।

वग्त्य

भूमि श्रौर मकान--कडलूर, पुदुष्पालयम/कुडलूर/लेख सं० 802/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II-मद्रास

तारीख : 29-12-1984

मोह्रु 🕍

प्ररूप बाई : टी, एन : एत : ----

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 151/मई, 1984/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-छ। से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी० एस० नं० 8/105/कोयम्बटूर टाऊन, है तथा जो कोयम्बतुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर लेख सं० 2256/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीत संस्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; जौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् का

(1) दं। निटो म्युनिसिन्स कारपोरेशन कौंसिल श्राफ कोम्बट्र, कोयम्बट्र।

(श्रन्तकर)

(2) श्रो एल ग्राट० पी० पोन्नुस्वामी चेट्टि चेरिटी ट्रस्ट फार : एजूकेणन की भैनेजिंग ट्रस्टी, श्री पो० मुख्येशन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, यो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

धन्युची

भूमि—कोयम्बट्र टाऊन, कोयम्बट्र टी• एत• तं• 8/105, कोयम्बट्र । लेख सं० 2256/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🗄

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास भद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 152/मई, 1984/रेंज-II---म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कोयम बटूर टाऊन, ग्रार० एस० पुरम है तथा जो सर सी० वी० रमन रोड, कोयम्बतूर टाऊन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनु सूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 2231/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यको कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिल (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन वास्तविक हप में जिथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सीवधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री वी० एस० रामनाथ राव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किरपाल कौर ग्रानन्द ग्रीर ग्रन्थ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् खी

भूमि—सरु सी० वी० रमन रोड, श्रार० एस० पुरम, कोयम्बतूर टाँऊन/टी० एस० सं० 429/कोयम्बतूर। लेख सं० 2231/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख : 29-12-1984

भुक्ष बाई .टी एन .एस .-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 156/मई, 1984/रेंज-II--ग्रतः मुझे, श्रोमती एम० सामुवेल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 12/107, डी० सं० 15/11 डी० भारती पार्क रोड है तथा जो तेलूपाँलयम गांव, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रौर र्इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 1603/84 में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीक ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युक्तिया से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्स बिधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने था उससे बुजने में सविधा के सिए; बौर/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री ए० एन० गोपाल कृष्णनन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० रामकृष्णनढ़।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्जन के लिए जार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :-

- (क) इस सूच्या के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20क्क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान — डी॰ सं॰ 15/11डी, भारती पार्क रोड, तेलुगुपालयम गांव, कोयम्बतूर ।

लेख सं० 1603/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, हक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थातः

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🖫

हस्य बाह् छ द्वील पुरत् हुर लागान

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बचीन सुजना

शास्त सहकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

ग्रजैन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 162 ग्रौर 163 / रेंज-2 /मई, 1984 अत: मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ग्रार एस पुरम, पोन्नुरंगम रोड है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं 1937/84 ग्रीर 1938/84 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के बिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है बीह अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकाल, विश्वमित्रिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत्।, उनेत अधिनियम के अधीन कर देने खें अन्तरक खें दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) होती किसी बाय वा किसी भन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर वाँचीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाँचीनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्लीकिस्ति व्यक्तियों, जुनात ह— (1) श्री डी० एस० वैद्यनाथ प्रध्यर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० रामानाथन ग्रौर श्रीमती कें0 एम० वसन्ता।

'ान्तरिती)

की वह स्वार शारी करके पूर्वोक्त संवृत्ति के शबंद के हिन्दू कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की बनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की बनींच, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा:
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कटों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यथा है।

ग्रनुसूची

भूमि—कोयम्बतूर टाऊन लेख सं० 570/1936/84 ग्रीर 569/1937/84 की शुडूल में दी हुई सम्पत्ति, कोयम्बतूर। केल सं० 1938/84 ग्रीर 1937/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई..टी.एन..एस.;-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 180/मई, 1984/रेंज-2--अतः मुझे, श्रोमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7, II कास स्ट्रीट, सी० ए० टी० कालोनी तथा जो मद्रास-8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 503/84 में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधानियम की धारा 269-घ को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु—

(1) श्री एस० कृष्णस्वामी ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव नायक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

नियमित्रणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान--7, II कास स्ट्रोट, सो० ए० टी० कालोनी, मद्रास- 8।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 29-12-1984

मोहर 🛭

प्रस्त बाहु हो हो हुन हुए क्या कराय

बारकड वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वृधीन स्वान

मान सम्बद्ध

कार्यालय, सहायक आयक द आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 188/मई 84/रेंज-I —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से बिधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 20, गोपालपुरम्/ Π स्ट्रीट, मद्रास-86 है, जो मद्रास-86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमार प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रविफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उच्त बन्तरण किसित में बास्तिक रूप से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से बिधक रूप से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से किसित कर से किसित वहाँ किया ग्या है अन्तरीत कर से किसित कर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा खें सिए; आंद्र/का
- (क) ऐसी किसी जान या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बाह बाब , स्वयः विभिन्नियम की भारा 269-व के बनुबाद में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थाल् ह—

 श्री एस० बालसुब्रमणियन् ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री पी॰ प्रभाकर. ग्रौर अन्यों

(अन्तरितीः)

का वह सूचना बादी करके पृश्वांक्य संप्रीति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार क्योहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही वृषे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**यी**

भूमि श्रौर मकान -- 20, गोपालपुरम् II स्ट्रीट, मद्रास-86 मद्रास सेंद्रल। लेख सं० 540/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी ('सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ,अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

प्ररूप बार्ड ुटीं ु एन ु पुस्तु-------

नावफर निधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-भ (1) ने नधीन स्वता

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 192/मई 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं लेख सं 1618/84 की शेडुल में दी हुई संपत्ति है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं 1618/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया ग्या प्रतिक्ष का विश्वास से उसके मुनारण विश्वास में बास्तिवृक का सिए त्य पाया ग्या प्रतिक्ष की सम्मानिक बहुद स्व से उसके मुनारण विश्वास में बास्तिवृक की स्व

- (क) बन्तरण सं हुई किसी सास की सावत उसत स्थिन नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने था शहरी बचने में हुविधा के निए:
- (क) एसी किसी जाग या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथार्त्:— 1. श्री डी० नारायणन

(अन्तरक)

2. श्री आर० विजयराघवन

(अन्तरिती)

न्द्रों यह सूचना बाड़ी कर्के पृत्रों यह स्म्मृतित के मूर्चन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं i.

उक्द सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की सामील से 30 दिन की बनींस, को भी बनींस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहाः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यक्ति विस्ता अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिबित में किस्स दा सकारे।

स्वव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उपदा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभाय में दिया सवा है।

बन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान :--लेख सं० 1618/84 की शेंडूल में दी हुई संपत्ति। गांधीपुरम/लेख सं० 1618/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाइं. टी. एन । एस :----

बावकर ब्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

बारत हरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 193/मई 84/रेज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम्॰ सामुवेल, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० लेख सं० 1659/84 की शेंडूल में दी हुई
सम्पत्ति है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध
ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेखत सं० 1659/84 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मिविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिएनो में सविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती एन० शिवृगामी

(अन्तरक)

2. श्री ए० कार्तिगेयन

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धा जार पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

अनुस्ची

भूमि:—लेख सं० 1659/84 की शेडूल में दी हुई संपत्ति गांधीपुरम। लेख सं० 1659/84।

> एमः सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-12-1984

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के लधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 194/मई 84/रेंज-II--अतः मुझें, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डी॰ एस॰ नं० 12/129 पी॰ डी॰ नं॰ 1 है, जो संगन्र गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 1695/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी आप की बाबत, उक्त अधिनिक्स के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/?
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गृ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ह 1. श्री वी० के० आरुमुगम

(अन्तरक)

2. श्री शिरीष डी॰ षा
(2) श्रीमती मनीषा एस॰ षा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त संपत्ति के वर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजमत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर अवल स्थानर गंपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियर गया है।

मृग्स्**याँ**

भूमि श्रौर मकान:—-संगतूर गांव/गांधीपुरम लेख सं० 695/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-12-1984. मोहर: प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्व, सहायक वायकर वायकत (निर्देश्य)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 195/मई 84/रेंज-II--अतः मुझें, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० गांधीपुरम, संगनूर गांव है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगा है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 17/3/1984 में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई

को पर्वेक्त सम्प्रित के उचित बाजार मन्य में कम के स्वर्णमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके स्वयंबान प्रतिफल से, ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का धन्दह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. श्रीमती कस्तूरी सुभांकर

(बन्तरक)

2. श्री एम० नाय्यिमुत्तु श्रीर श्री वी० आर० नाय्यिमृत्तु

(अन्वरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

भूमि ग्रौर महान:—संगनूर गांव, जी० एस० नं० 388/1, गांवोपुरम, कोयंबतूर, गांवोपुरम, लेख सं० 1713/84।

एम० सामुबेस सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, महास

तारीख: 9-12-1984

क्रक प बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रस

मद्रास, दिलांच 29 दिराम्बर 1984

निदेश स० 196/गई 84,रेंज- --अतः मुझे, श्रीमत एम० स[ा]म्देल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन तक्षम प्रिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मृल्य 25.000/- रु. से बिधिक हैं

भीर जिसका संक जिल खेता संस्तूर गांग है, जो करेयम्यतूर तालु में स्थत है (और इसने एम बढ़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रियती अधिरारी के स्थलिय, गांधीपुत्म लेख संक 1710/84 में भारत य रिस्ट्रियरण व्यक्तिरम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारख र्माडि 984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रांतफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने ल सारग है कि यथापूर्वाक्त गम्मिन का उचित बाजार मृष्य उस हे दृष्यमान प्रतिकत में, एर दृष्यमान प्रतिकत का पण्यह प्रतिशत से प्रिषक है और सम्नरक (अन्तरकों) और सम्नरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे सम्तर्भ के लिए तय पाया नया प्रतिकत, जिल्ली सिचित रहें वास्तावक अप से सांचत नहीं किया यशा है —

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने मे तुबिधा के सिए; बार/या
- (का) एमे किसी आग गा किसी धन गा उन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रकायम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए; और/सा

संत: ब्रब: उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अनमरण रं, जी, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) को क्षीर, निम्नलिसित व्यक्ति में, वर्धात क्रू 1. श्र. ए० मस्धायलम् ।

(अन्तरः)

2. श्र. एउ० ृष्णराज ।

(अन्उद्ति.)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य स्थिक द्वारा, अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :—इस्मों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि खेतं :-संगतुर गांव, कोवम्बतूर तातुत गांधे पुरम लेख सं० 1710/84।

> एम० सामुबेल सज्जा प्राधिः रो सहाय ह आय हर आयुक्त (जिरक्षण) अर्जन रेंज्या, मद्रास

तारीख: 29-12-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अति रें:-II, मद्रास

मद्रात, दितां ३ 29 दिशम्बर 1984

ित्देश सं० 197/मई 84/रेंग-II-अतः मुझे, श्रमत एम० साम्रोल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.,000/- रह. से अधिक है

और जित्तक: सं० संगा: गता है, जो को स्वतूर में स्थित है और इत्ते उपाबद्ध अनूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है(, रि.स्ट्रांवर्ता अधिरारं के दार्यालय, गर्धापुम लेख सं० 1520/34 में रि.स्ट्रांटिण अधिरियम, 1908 (1903 म 16) के अवता, तरीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ग्रीतफल का लए अतारत का गइ है आर मफ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरिगियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/सा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथीत् क्र— श्रः एम० सोमसुन्यरम ।

- (अन्तर 🗸)

2. श्री पार केर अप्पृकुट्न

(अन्उरितः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पट्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभावित है, बही अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिवा वृंश हैं।

वन्यूपी

भूमि और म ान:--2175 स्क्वे॰ फिट संस्तू: गांव कोयम्बतू:, गांव पुरम। लेख सं॰ 1520/84।

> एम० सामुनेल सक्तान प्राधिकरो सहायक आयार आयुक्त (तिरक्षण) अर्जन रेज-II, महास

तरेख: 29-12-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-II, मद्रास

भद्रास, दिनांक 1 जनवरो 1985

निर्देश सं० 82/मई 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमतो एम० स⁻मुवेल,

बग्यकर क्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिल्ला सं० विश्व क्यापालयम् गांव है, जो पोल्लाय्याः सब डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचाः में और पूर्ण रूप से वित्त है), रिक्टिंग्ट्रिंग्ति अधिकार में क्यालय, पोल्लाय्यी लेख सं० 971/84 और 972/84 में रिजस्ट्र वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तरीख मई 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरितिका के सिक्त में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है रूप्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शांबल्य में कमा करने या उद्युख वचन में बूखिया के लिए; और/या
- ्व) एसी किसी बाय या किसी धम या अन्य बास्तियों का, चिन्ह भारतीय बाव-कर बीधीनयम, 1922 दूर्ग 1922 का 11) या उक्त बीधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में वृतिका के जिन्ह;

बद्धः बद, उक्त बधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण के बी, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), के बधीन, जिम्नीसृष्टित व्यक्तियों, अर्थात् श्रो सो० जगनणिकःम् चेटियार और श्रा हरिदास

(अन्तरक)

 श्री वी० एन० मृत्तुय्य मि और श्रा वा० एन० सुन्नमणियम्

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हैंबए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग र्डन भूमि:--र्ड प लपट्टि गांव, उड्मलपेठ तालुक, तिरुप्पुर डिस्ट्रिक्ट, उडूमलैपेट्ट, लेख सं० 1104/84, 1105 84, 1106/84।

> एम० सम्मूवेल सक्ष्म प्राधिः रो सहायक आयकर अयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारेख: 1-1-1985

मोहर 👙

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जनवरा 1985

निदेश स० 83 मई 84 रेंज-11--अतः मूझे, श्रीमती एम० सम्बेल,

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि खेती दीपपट्टी गांब है, जो उडमुलोठ, तिरुप्पुः में स्थत है और इसन उप बढ़ अनूसूत्रों में ओर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्र कर्ता अधि-कारों के, कार्यात्य, उडूमतपेठ लेख स० 1104, 1100, 1106,84 में भारतीत रजिल्हा तरण अधित्यम, 1908 (1908 त 16) के अञ्चल, तरीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) कन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनमरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्ट व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्र.मता व.० सरस्वता और अन्यों।

(अन्तरक)

श्री जोसफ पापिलल
 और अन्यों ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रय्क्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ग'र्डन लैंग्ड '-दीप तपट्टी गांव, उडूमलपेठ तालूर'; तिरुप्पुर डि.स्ट्रक्ट, उडूमलपेठ लेख स० 1104,84, 1105/84 1106,84।

> एम० स"मूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ"यूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 1-1-1985.

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिं-II, मद्रास

मद्राप, दितां र 1 जातवर 1985 तिदेश सं० 85/गई 84/रेंज⊸11⊸यतः **मुझे,** श्रीमत्र एम० सामूवे तः

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का क्षरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुप्त संजीधक हैं

अोर जितेका सं ाषि खेत है, जो गूडल्र गांव में स्थित है (अर इत्तत उपावड अनूत्र्या में और पूर्ण का से विणित है), रिवस्ट्रकर्री जिंदि र क कार्यात्व, पेरियनायः नप लयम् ले ब तं विश्व के पाराव रिवस्ट्रकर्रण अविवियम, 1908 (1908 ते 16) के अवात, तार ख मई 1984 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रविक्त से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलंखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्द्ध किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) तिसी किसी शय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

कत अब, उकत अधिनियम की धारा 269-म के, बनसरम कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के रधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रः अतर० वेंगडतेःमिनत्यूड् ।

(अन्तर र)

2, श्रो एस० आर० नांडा।

(अन्तरितं:)

का यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों बर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, दो और अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सचना के राजणव में पकाजन की नारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्हाक्षरों क पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरण:--इसम्भेषयकत शब्दों और पदों का, जो एकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि खेतो:- -मुडनुर, पेरियनाय जपालयम्। लेख सं० । 1114/84 ।

> श्री मती एम० स मूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मज्ञास

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1/ के अधीन सूचना

भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 86/मई 84/रेंज-11--अतः, मुझे, श्रीमता एम० साम्बेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिक्को सं० भूमि स्रौर महान—कुरुडुगालयम् गांव है, जो को मनतूर राजुक में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुपूर्वा में स्रौर पूर्ग रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के वार्यालय, पेरियनायवनपालयम् लेख सं० 1022/ 84 में भारताय रिजर्ट्रवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख मई, 1984

को पर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अथवत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) गिमी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तिशा करे जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अवः., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मे तर्स सावरीत इंजीनियर्स प्रा० लिनिटेड । (এনাকে)
- मेतर्स कास्टिन्स् ऐंड अजायड इन्डस्ट्रीज, के मैनेजिंग पार्टनर, श्री सी० नारायणस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष भे 45 दिन का अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पर्व्योकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि श्रौर महानः — कृष्डुम्पालयम् गाव, वर्कणाप (कास्मिम् ऐंड अलायड) बिल्डिंग्स्, कोयम्बतूर तालुक पेरि-यनायकनपालयम्। लेख सं० 1022/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् , टी. एव , एव , -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण्) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 92/मई 84/रेंज-11--अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० 21 वार्ड, दारापुरम् रोड़, तिरुप्पुर गांव है, जो पल्लंडम तालुक, तिरुप्पुर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इसेसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री हर्ती अधि हारी के कार्यालय, तिरुप्पुर लेख सं० 819/84 में भारतीय रिजस्ट्री हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को प्वॉक संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए त्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावस, उस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एंगी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट गदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के लिए;

1. श्री टी॰ जी॰ माणिकतम् श्रीर श्रीनती पाष्पात्तियम्माले ।

(अन्तरक)

2. मे उर्स कानरा निर्टिगं कम्पनी श्री ए० एस० पलनियामि ग्रीर ग्रन्थों बाई पार्टनर्स।

(अन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूवी

भूमि श्रौर महान: 21, वार्ड दारापुरम् रोड़, तिरुणुर गांव पत्नडम् ताल्लुह, तिरुणुर डिस्ट्रिक्ट तिरुणुर/लेख सं० 819/84।

> एम० सामुवेल सक्ष्म प्राधि शारो सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 1-1-1985

माहर 🙎

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के बचीन सूचना

भारत हरकारु

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 94/मई 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकी सं० 17 वार्ड करुम्पालयम् एरिया है, जो तिरुपुर में स्थित है (श्रीर इत्तसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रून से विगत है), रिनिस्ट्रीरुती अधिजारी के कार्यालय, तिरुपुर लेख सं० 783/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, णारीख मई, 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिञ्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण दिश्विद्यं में विश्व कर्य से क्विस क्या विश्वास है :---

- (क) बन्तरण से हुई किती बाब की वाबरा, उक्त बाधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाधिन्य में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किमी बाय या किमी धन वा अन्य अस्तियों को, बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. छिपाने में सुविधा को लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत नियान सिक्क व्यक्तियों अर्थाठ :---19--436GI/84 1. श्री म्रलमेलु अम्माल ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० कंदसामि गौंडर ।

(अन्तरिती)

कां यह नचना चारी करके पूर्वोक्त संस्थीत के वर्चन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाशंप :-- 🥞

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के रावपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास ति वा सकने।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष हागा, जो उस अध्याय में दिया दवा

लन्स् ची

भूमि ग्रौर मक्तान: वार्ड 17, करुम्पालयम् एरिया, तिरुपुर टाउन तिरुपुर/लेख सं० 783/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

शक्य बार्' टी एन . इंड -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक अगयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 1 जनवरी 1985

निशेग सं० 106/7 के $84/\tilde{c} = -11$ —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर बाधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठ्यान 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मध्यम पाधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिन्नों सं० लेब सं० 1765'84 की शेंडून में दी हुई संनित है, जो नुराम गंदुरें गांव में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के लायीलय, ई रोड़ लेख सं० 1765/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

करं परांकित संपरित के रिचट बाजार मत्य से कम के क्षणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित संपरित का उचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति गें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विमी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावधा के लिए; बार/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कब हव, उक्त किंगियम, कौ धारा 269-ग के अनसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ;—— श्री एलगगौंडर
 भौर अन्यों

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णमूर्ति ग्रौर अन्यों

(अन्तरिती)

की यह मचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यत्र में पकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्ध सचना की नामील स 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ६वारा;
- (व) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीयें।

स्यष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारभाषक् है, वहां अर्थ हागा. जो उस अध्याय में दिव स्था है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण : उत्तमपालयम गांव (दस० 511/84 व 154/84)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राप्त, दिनांक 1 जनवरी 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-अ के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिन्नि सं० डोर नं० 53, वार्ड नं० 4, प्लाट नं० सी० 12, टी० एउ० नं० 1007/1, चिस्वरम् है, जो कनग बैं नगर में स्थित है (ग्रार इससे उराबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ग रूप से विगित है), रिजिल्हों क्रिती अधिकारी के कार्यालय चिडवरम् लेख सं० 1093/84 में भारतीय रिजिल्ही रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ठारीख मई 1984

को पूर्व कित संगित्त के लियत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269-ए.बी. के अंगगत सक्षम अधिकारी के सम्मूख के पासे रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यथाप्वाक्त सपात्त का उचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल स एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत सं अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालीखत उद्दृश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (न) ्मेरी किसी आय या किसी धन या द्वन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, रिक्लिखित व्यक्तिरीं, अथांत् :— 1. श्री एप॰ राजशेररन

(अन्तरक)

2. श्रीमती एत० दीनता बीबी

(अन्तरितीं)

का यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दीं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सैं। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिस गया है।

वन्स्ची

भू नि प्रौर महान: डोर नं० 53, वर्ड नं० 4, ध्राप्ट नं० पो०-12, टो० ए ग० नं० 1097/1, कन उर्वे नगर, चिंदनरम्/बिदम्बरम्/ लेख सं० 1093/34।

श्रीमती एम० सामुबेल सञ्जम गाधिकारो सहयक ग्रायकर प्रायक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-II, महास

तारीख: 1-1-1985

मोहरः

प्ररूप बाई, टी. ६व. एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज $-I^I$, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 112/मई 84/रेंज-II--यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार गुल्य 25 000/- रु स अधिक है

भौर जि.की सं० 71ए, वार्ड नं० 4, टी० एस० 1152/3, कस्पी चिंदबरम् म्यूनिसिपल लिमिट है, जो वसूपा चिंदम्बरम् में स्थित है (ग्रौर इपसे उपात्रद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीरर्ता अधिवारी के कार्यालय चिंदरम् लेख सं० 1078/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख मई 1984

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय राजाजिनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अधिकारी के सम्मुख/के पास राजास्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ष अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक बं दायित्य में कमी करने या उससंबचन में सुविध के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्क्त अधिरियम की धारा 260-ग कं अनसर्थ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री वी० जे० हलींलुर रहमान

(अन्तरक)

 श्री कादर अली मुख्त्यार की पत्नी रिबयत्ल्लादालिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को टारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:——डोर सं० 71ए, वार्ड नं० 4, टी० एस० नं० 1152/3, १४० गो० हो१४ स्ट्राप्ट, हस्या विश्मबरम्, चिद-म्बरम् तालुक चिदवरम्/लेख सं० 1078/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🐞

त्रस्य बार्ड. टी. एन्. एस. = -- =

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज—II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 113/मई 84/रेज-11-अतः मुझे, श्रीमती एम० सेामुबेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० डोर सं० 119, वार्ड नं० 4, ब्लाक नं० 1, टी० एस० नं० 34, है जो वस्वा चिंदबरम म्यूनिस्पल लिमिटेड, की सर्व दी, की सचरगु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रा तां अधिकारी के कार्यालय, चिंदबरम् लेख सं० 979/84 में भारतीय रिजर्स्ट्रा करणा धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख मई 1984

को वर्गभत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्गालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहां किया गया है:---

- [क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय बायकर बांधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दर शा प्रकट नहीं किया गया था दा किया हारा चांहए वा, जियाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त वीधीनयम की धारा 269-व की अनुसरम मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृधीत्:— र्श्व(नर्ता के० कमला ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० कम्सला

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहिमां करता हो।

ब्बत सम्पत्ति के वर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी बन्य क्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के शस लिस्ति में किए बा सकारे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:—कीला विदि, कीस चरगु, नं० 119, वार्ड 4 ब्लाफ तं० 1, टो० एत० नं० 34 कस्बा चिंदबरम लिमिटेड चिंदबरम्/लेख सं० 979/84।

> श्रीमतो एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

मोहरं 🕄

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-ा, मद्रास

मद्राप्त, दिनां ए । जनवरी 1985

निदेश सं० 115/मई $84/रेंज<math>I^{I}$ —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल,

आयकर अभिनियमें, 1061 (1961 का 43) (िबसे इसमें इसके पश्चाप 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ही सं० भूमि अवरैषाक्यम है, जो कलवाडी गांव में स्थित हैं (प्रोर इपसे उताबद्ध अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजिन्ट्रं तो अधिमार्ग के वार्यालय, अवरैप्पा-कहम, लेख सं० 451/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

का पत्र का सार्गाल हे रिजर बागर मत्य में कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए. वी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबीक्य राम्बंदित का उचित वाजार मूल्य, उसके हरामान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीन एसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निल खत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित रूप में वास्तिवक रूप से किथत नहा किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कार दाने के अन्तरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/धा
- (क) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१६/२२ का ११) का जक्त अधिनियम, या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्याजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अक्न अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एत० मुहम्मद इब्राहीम

(अन्तरक)

2. श्री सुलेमान

(अन्तितिः)

की बह स्थना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाल में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में पीएभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि:—चलवाडी गांव, वरैवाक्तम सब डिस्ट्रिक्ट अवरैप्पाक्कम/लेख सं० 451/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधि ारी सहायक ह्यायमर श्राण्क्न (िर्दक्षण) अर्जन रेंज-11 नत्रास

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्गन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 1 जनवरी 1985
निदेश सं० 118/मई 84/रेंजा]---अतः मुझे,
श्चीनजो एम० साम्बेल,

बायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पत्रचात् उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 /-रा. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० वार्ड नं० 5, ब्लाक नं० 37 है, जो पुदुक्कोर्ड में स्थिन है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूर्चः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिलारी के नार्याख्य, पुदुक्कोर्ड लेख सं० 1215/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीलिंग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

का पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनसरण वे, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधी न. निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त श्री राजगोपाल तोंडैमान बै पावर एजेंध---श्री गोविन्दराजन्

(अन्तरक)

2. श्री ए० मेय्यप्पन।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीख के 45 दिन की अर्वाध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर मणित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनुसूची

भूमि ग्रौर मकान:—वार्ड नं० 5, ब्लाक 37, टी० एस० नं० 2429 (हिस्ता) 2430 (हिस्ता), 2432 (हिस्ता), 2433 (हिस्ता), 2434 (हिस्ता) पुदुक्कोठै/ लेख सं० 1215/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निर्दःक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ****

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1985

निदेश सं० 17/मई $84/\overline{t}$ ज I^{1} —अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 - रु में अधिक है

स्रीर जिनिकी सं० भूमि डोर नं० 10, पेरंभूर रोड़, अभी डोर नं० 15, जम। लिया नगर है, जो मद्रास-12 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में स्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्री ति अधिकारी के नार्यालय, पुरश-वाकम लेब सं० 745/84 में रिजिस्ट्री हरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उपित्र बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्दृष्ण में उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आध की गढत, उक्त बीधिनियत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के दांचित्र भी कमी करने या उससे बचने में भूविधा के लिए; और या/
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या बन-कर अधिनयम, या बन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औं कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— श्री सैयद शाहुल हमीद
 वै पावर एजेंट।

(अन्तरक)

2. श्री के० मुहम्मद सलीम

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार सर्पान्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस दृध्याय मा लिया गया है।

वन्स्ची

भूमि:—डोर नं० 15, जमालिया नगर, मद्रास-12, पुरशवानकम लेख सं० 745/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख: 8-1-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक $\stackrel{\cdot}{5}$ जनवरी 1985 निदेश सं० 30/मई 84/रेंज-II—अत: मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल, आयक्र अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयंकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 348/2, आफ के० डी० एम० गांव प्लांट नं० 11 है जो कोडम्बाक्कम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाकम/लेंख सं० 1130/84, 1131/84, 1132/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (190% का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ख/के पास रिज-स्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नही किया गया है .—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अपिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20-436GI/84

(1) श्री एम० के० मतिवदनन् ग्रौर श्रीमती कर्पगम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अम्माकलंजियम् ग्रौर श्रीमती के० सुन्दरम्माल ।

¹(अत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम के अध्याय 20 के मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस क्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 ग्रहैडस ग्रौर 135 वर्ग फुट, 111 कोडम्बाक्कम गांम मद्राप, एन० नं० 152/, बी० 4, 5 ए०, पार्ट कोडम्बाक्कम् लेख सं० 1130/84, 1131/84, 1132/84।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजंन रेंज-I^I, मद्रास-6.

तारी ख: 5-1-1985

प्रकप बाहां हो . एन . एस . -----

जावकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

शास्त्र सरकार

कार्यान्य, तहायक कायक र आयुक्त (निरोक्सक)

अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी, 1984

निदेश सं 39/मई 84/रेजा—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके परचीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक अन्डिवेडठ इटन्रैस्ट-5, ग्रींडस एण्ड 1200 वर्ग फुट सं० 80 है, जो तुंगम्डाकम है रोड़, मद्राम-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थोसंडलैण्ड् सलेख सं० 216/84 ग्रीर 217/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय बसवनगृडि में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मख/के पास रिजिस्वीकृत किया गया है मुफ्ते यह विश्वासा करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्क अधिनियम को अभीन कर कोई के बन्तरक के दायिल्थ को कभी करने का उससे अधने में सुविधा के लिए: बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आयं का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स पूनम इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महिलका नायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्च सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, से भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोच्या व्यक्ति में से किसी व्यक्ति बुवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तादीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए ना सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

भूमि—5, ग्रौंड्स एण्ड 1200 वर्ग फुट डोर नं.० 80, नुगम्बाकम है रोड़, मद्रास-34, थोसन्डलैण्ड (ले**ख** सं० 217/84, ग्रौर 216/84)।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 8-1-1985.

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं टी. एन् एस् ======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी, 1985

निदेशें सं० 46/मई 84/रेंज-II-- मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28, कोठस् रोड़ मद्रास-17 है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी०नगर लेख नं० 496/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए:

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री टी० आर० रामचन्द्रन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बाला विश्वनाथन ।

अन्तैरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वनस्यी

भूमि :--28, कोठस रोड़, टी० नगर, मद्रास-17 (2 प्राउन्ड) टी० नगर/लेख सं० 496/84)।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजंन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 7-1-1985

प्रस्य नार्षः टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी, 1985

निदेश सं० 48/मई 84/रेंज-II:--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन नशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर नं० 7, शिवशैलम् स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 510/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात्ः— (1) श्री ए० डी० राघवाचारी के पुत श्री ए० डी० वासुदेवन, पवर एजन्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वेंकटरासन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचन। को क्रियत्र में अफाशन की तारीख को 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कों ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स् भी

भूमि :—7 शिवशैलम् स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर, लेख सं० 510/84.

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

'तारीख: 8—1—1985.

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1984

निर्देश सं० 39/मई84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रामता एम०सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसको सं० 7, जो शिवसेलम स्ट्रीट, टा० नगर मद्रास— 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता अधिकार, वे कार्यालय, टा० नगर लेख स० 511,84 में भारताय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधान, दिनान मई 1984 । को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एरेनी, िकसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में खें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिधिस व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्रा ए० डा० राघवाचारी के पुत्र, ए० डी० वासुदेवन, पावर आफ अटानी एजेंट

(अन्तरकः)

(2) श्रोमतो उमा महेश्वरी कृष्णन

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नयाः

अनुसूची

भूमि— 7 शिवसेलम स्ट्रीट, टी॰ नगर, मद्रास-17 टी॰ नगर/ लेख स॰ 511/84।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मक्सस

दिनांक: 8-1-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांव ,5 जनवरो 1985

निर्देश सं० 51_l मई 84_l रंज-2—अतः मूझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 112, जर्मान है जो माम्बलम् गिंडी माम्बलम् तालुक टी० एस० न० 1730 और 1740 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टो० नगर लेख सं० 533/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमार पितफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बारार पूर्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अनंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्; आर्द्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनीयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए;

नतः अनः, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनूतरण मं, मं, उन्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन. निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा बीठ उस्मान् कुट्टी, 2. श्री केठ अईसा,

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पंचाटचरम्
 - 2. श्रो शटाचरम्
 - 3. रूत्राटचरम्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन सन्धी

भूमि और मकान---112, जमीन माम्बलम्, गिंडी माम्बलम् तालुक--टो० एस० नं० 14-ज्लाक नं० 11, टी० एस० नं० 1730, और 1740 टी० नगर-लेख सं० 533,84।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, मद्रास

दिनांक - 5--1--1985

मोहर 😲

प्रक्ष बाईं . टी , एन . एस .- - = ===

बाब्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० 55/मई 84/रेंज 2—अर्तः मुझे, श्रोमता एम० साम् बेल, अयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.,000/- रा. से अधिक है े

और जिसेकी सं० ब्लाक नं० 5, ट,० एस० न० 14 है तथा जो अडमार की भुमि में स्थित है (और इसमें 'उपावद्ध अनूसूची म और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय अह्यार-लेख सं० 1340/84 में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अर्ध न, दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कश्चित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, सक्तः - जिथानियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थें 'सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्रा डा० सिलवा कामत

(अन्बरक)

(2) श्रा डा० पलानेयप्पन और श्रा पा० दामोदरन्

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगतची .

भूमि--अडयार-टी० एस० नं० 14/2, ब्लाक नं० 5, अडयार-लेख स० 1340,84।

एम॰ सामुबेल, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

दिनांक: 5-1-1985

प्ररूप थाइं.दी. एन्. एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

हार्त् स्रकाड

भार्यात्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश स० 57/मई 84/रेज-2---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

्वायंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको स० भृमि है तथा जो शोलिंगनल्लुर गांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूचः में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अड्यार लेख सं० 1317, 84 में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरेरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-इन, मिम्बिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद/टा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात :—

- (I) श्र.मता एम० राजम अम्माल और अन्यों, (अन्तरक)
- (2) मेरार्स सित्र मोर, इंनानिथरिंग (प्राईवेट) लिमिटेड (स्नन्तिरती)

भी यह सूचना जारी करके प्वांकित सम्पन्ति के अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उप्त स्थायर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्सा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

बनसची

भूमि—-189, शीनिगान्त्त्र गांव/अडयार लेख सं० 1317/ 84।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बाह'. टॉ. एव. एव.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत लरकार

कार्यालय, सर्प्यक शायकर त्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5-1-85

निदेश सं० 62/मई-84/रेंज II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजोर म्र्ल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसको संख्या कस्तूरवा नगर, अडयार, मद्रास, डोर नं० 64, प्लाट नं० 123 ई है, जो कोठ्ठर गांव, कस्तूरवा नगर अडयार म ास में स्थित है-(स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार-लेख सं० 1476/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी इवारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सविधा के लिए:

जत: अब, उक्त आधानयम का पारा 209-ग क अन्सरण मो, मो उत्तर अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 21—4360ॉ84

(1) श्री एच० एम० राजगोपील राव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गांति बनरामन्

(अन्त रिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं,।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मुब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है

अनस ची

मूमि ग्रौर मकान—डोर नं० 64, प्लाट नं० 13 ई कोठ्ठूर गांव, एस० नं० 19/1, ग्रौर 18 (पार्ट) डी० एम० नं० 61 आफ बी०के० 38, कस्तूरका नगर, अडयार, मद्रास ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 5-1-85 मोहर : प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वासन, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5-1-85

ि निदेश सं० 69/मई–84/रेंज Ⅱ—ग्रतः मुझें,श्रीमती एम० वेलः

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के बधीन सक्षत्र प्रधिकारों को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाप्ट नं० 1/4 रोसरी चर्च रोड, फर्स्ट लेन अथवा मुत्तु ग्रामीण स्ट्रीट, है, जो मलापुर, मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर-लेख सं० 615/84 में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक महै, 1984

की प्राधित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खबजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उपस अधिनम्म के अधीन कर दोने के अन्तरक भी वासित्य में कमी करने या उससे उपने में सुविधा के दिन्तु: और/सा
- (क) होती किसी नाथ या किसी धर्म या जन्य नास्तियों करों, जिन्हों भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उन्त विचित्रम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका करें लिए:

बत: अब, उक्त बॉधनियम की धारा 269-व के बन्तरण हैं, कें, अन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० एस० मनकराज, मद्रास ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एन० थंगप्पन अलैयास थामस्, मद्रास-17 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रांत के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ननिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकी थे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्रवा है।

वनसङ्ख

भूमि—एलाट नं० 1, रोसरी चर्च रोड, फर्स्ट लेन, अथवा मुत्तु ग्रामीण स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-4, मैलापुर/लेख सं० 615/ 84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 5-1-85 मोहर द प्ररूप बार्ड ,टी. एने . एस . -----

बायकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5-1-85

निदेश स० 71/मई-84/रेंज II--अत. मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से नधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 5, III मेन रोड, आर० ए० पुरम है, जो मद्रास— 28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर—लेख स० 596/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिम्मीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाब वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिकृती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, डिजाने में सुविधा के लिए;

जतक जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री आर० कृष्णमूर्ति

(अतरक)

(2) मेसर्स मघन एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवीहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाख्ये :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् ची

भूमि स्रौर मकान--- 5, III मेन रोड, आर० ए० पुरम, मद्रास-28 लेख सं० 596/84/मैलापुर ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊣II, मद्रास–6

तारी**ख**: 5-1-85

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7-1-85

निदेश सं० 75/मई-84/रेंज $-I_{I}$ —अतः मुझे, श्रीमती एम**०** -सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 27, विग स्ट्रीट, ट्रिप्लिकेन, मद्रास है, जो मद्रास-5 में स्थित है (ग्रौर इतने उपावढ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लीकेन लेख सं० 297/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सी० रवान्द्र बाबू अलैयास सी रवी ग्रीर अन्य (अन्तरः,
- (2) श्री एस० मुस्तफा

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां न् करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी में पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

भूमि ग्रौर मकान-27, विग स्ट्रीट, ट्रिप्लीकेन, मेद्रास-5 ट्रिप्लीकेन लेख सं० 297/84।

एम० सामुवेल अक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप आई^६.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के न्भीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5-1-85

निदेश सं० 177/मई-84/रेज II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या आर० एस० नं० 1562 आफ वित्रयं तेनांपेठ डोर नं० 14, पोयस रोड है, जो III स्ट्रीट, मद्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेट्रल-लेख स० 485/ 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984:

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप स अधिक ही विषया प्रवाह .—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्त्यों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एन० रंगराजन् ग्रौर अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति सालतची अम्माल ग्रौर ग्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

मनसर्ची

भूमि श्रौर मकान—आर० एस० नं० 1562 आफ विश्वय तेनांपेठ, डोर नं • 14, पोयस रोड, III स्ट्रीट, मद्रास-18। मद्रास सेंट्रल-लेख सं० 485/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,II मद्रास-6 ।

तारीख: 5-1-85

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1985

निर्देश सं० 18/मई 84/रेंज I--- अतः मुझे, श्रीमती एम• सामवेल ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5, अपादुर रोड, तेनापेठ है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं० 512/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई

पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनत बिधीनयम के जधीन कर देने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बार्ड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत्र- (1) श्रीमती एस० ए० बषीरा

(अन्तरक)

(2) जी० कांचना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

भूमि श्रीर मकान डोर नं० 5 अप्पादुरै रोड तेंनांपेंठ मद्रास, मद्रास सेंट्रल लेख सं0.5/2/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधाकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, मद्रास-6।

दिनांक:- 5-1-1985 मोहर: प्ररूप बाई .टी .एन . एस . ======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$ मद्रास

मद्रास् दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० 182 /मई 84/रेंज II---अतः मुझे, श्रीमती एम सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 126/1, 8 एकर्स, एस० नं० 127-10.02 एकर्स, है, जो पांडूर, गांव में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेट्रल लेख सं० 513/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 मई 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं बंस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्रीमती कमला और अन्य :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोसिलिन मेरी पुष्यम्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अया है।

नन्त्र

भूमि एस० नं० 126/1-8एकर्स-एस नं० 127-10.02 एकर्स पांडूर गांव लेख सं० 513/84 मद्रास सेन्द्रल।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक: 7-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० 184/मई84/रेंजII--अत: मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास केरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर नं० 23, पुराना प्लाट नं० 3, डा सुब्बरायन् नगर, 5 स्ट्रीट है, जो मद्रास 27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 517/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध

(1) श्री टी० जार० जयरामन

(अन्तरक)

(2) श्री जीव बीव ईश्वरन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किनी व्यधित द्वारा;
- (स) इस भूचना के राज्यत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास किस्तुल में किस के पास किसी में

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रसृक्त अब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान होर नं० 23, प्लाट नं० 3, डा० मुब्बरायन नगर, 5 स्ट्रोट गदाम, 600027 मद्राम सेंट्रल लेख सं० 517/84।

> एम सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक : 7-1-85

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

मद्राम, दिनाक 7 जनवरी 1985

निर्देग सं० 200/मई 84 $\sqrt{3}$ II—अत. मुझे श्रीमती एम सामुवेल

बायकर कौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त किधीनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- स्त से अधिक है

श्रीर जिपकी स० 15 IV मेनरोड इद्र नगर है, जो मद्रास- 20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्री फर्ना अधिकारी के कार्यालय, शैदापे- II ,लेख स० 468/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 1984

को पक्षों कत संपत्ति के अचित बाजार माल्य से कम के स्वणमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों कत संस्पत्ति का उचित बुजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अगरक (अतरकों) और अतिरिती (अतिरितिगों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) इस्लारण ने हुए किमी आय की बावन, उनक् अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयाजनार्थ अन्तरिती दगरा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

(1) श्री एस ० एन० शर्मा

अन्तरक)

(2) श्री के० एम० कादर मोहिडीन श्री के० एम मोहिदान

अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अविध या तत्मवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहने अर्थ द्वागा जा उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान 15/4 मेन रोड इद्रा नगर मद्रास 20 शैदापेठ II / लेख स० 468/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेज II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभारा (1) के अधीन जिल्लिखत व्यक्तियों, अधात् :---22--436GI/84

दिनाक 7-1-1985

मोहर 🖓

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के अधीन सूचना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० 209 /मई 84 /रेंज II — अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 24 मैंले रंगनाथन स्ट्रीट है, जो टी० नगर मद्रान-17 में स्थित है (ग्रीर इनमे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ग का से बींगा है), रिजिप्ट्री उर्जा अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 657/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक मई 1984

का पर्वोकन मंगीन के तीयन बाजार मन्य में कम के क्षणमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापवाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि त्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद ज्य से उक्त अन्तरण लिखित सें बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्स अधिनियम के क्थीन कर दोने के बन्तरक कैं दायिला में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निए; बरि√वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव जन्म विधित्यम की धारा १६० न के अनसरण को, को उक्त अधिनियम की धारा १६० म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० वी० वें पट इंड्लान ग्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० वी० भास्कर रेड्डी

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी अलप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार ने की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए हा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इस्में प्रयक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गमा है।

बन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान टी० एस० नं० 637 3डी नं० 7 (पुरानः) न्यू 24, मैंते रंगानाथन स्ट्रीट टी, नगर मद्रास--17 टी नगर लिख सं० 657/84

> एम० सामृवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक: 7-1-85

प्रकृत वाह'. दी. एन. एव. -----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत संग्धार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज II, महास

मद्राप्त, दिनांक 7 जनवरा 1985

निर्देश सं० 211 /मई 84/रेंज ^{II}—-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

कायकर आधानसम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृस्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जितका सं० पलाट नं० 2 ए, इन० श्रार० एस० नं० 103/6 103/7, 7, कोऽस रोड है, जो टा० नगर महान-17 में स्थित है (श्रीर इतते उग्रबद्ध श्रनुसूना में श्रीर पूर्ष रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीध तर. के कार्यालय टो० नगर लेख सं० 810/84 में भारत य रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मई 1984

का प्वांक्स सपित्व के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करन का कारण हैं कि सभाव्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रितिफल स, एस दृश्यमान प्रितिफल का पदृष्ट प्रितिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरिता) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रितिक्त निम्निलिखित उद्दृश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जांधानयम के बधीन कर दन के जन्तरक वी दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के लिए, बर्दि/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, इस्त बिधिनियम की धारा 269-म के बनुबरण में, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ;—— (1) श्रो एस० वो० याकुर्डी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० म्रानंद मोहन राव कौर एम० कामाट्या

(भन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के कि कार्यात्राहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध सा तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध आ में अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड किसिसत में किए का सकेंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लाट नं० 2 ए II पत्रीर 7 को रून रोड, टी० नगर, मद्रात-17 टो नगर लिख सं० 810/84।

> एम॰ सामुनेज सक्षम प्राधितः रो सहायतः अध्यकर अधुका (निराक्षण) अर्जन रेज II मद्रास

दिनांक :- 7-1-1985

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1985

निर्देश सं० 213 मई 84 /रेंज II -- ग्रत: मुझे, श्रीमता एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जितको सं् 5, विजय राघव चरो रोड, है, जो टी॰ नगर महास -17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रिजिप्ट्रोकर्ता श्रधि हर के कार्यालय, टो॰ नगर लेख सं॰ 860/84 में भारत य रिजिप्ट्रो-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक मई 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिंगिसत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, 'उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रो डो० उदय कुमार

(ग्रन्तरक)

(2) स्रांद्रा सिविल कंस्ट्रवशन

(म्रन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया १२ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकों।

स्पष्टोकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्चा

भूमि ग्रौर मकान 5, विजय राधवाचारी रोड टी० नगर मद्रास-17 टो० नगर लेख सं०-860/84।

> एम० सामुवेल सञ्जम प्राधि हारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरःक्षण) स्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 7-1-1985

मोहर 🔅

प्रकृष् बाइं.टी.एन.एस. ------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर लायुक्त (निर्क्षिण)

धर्जन रेंज II, मद्रास

• मद्रास, दिनां ह अ जनवरी 1985

निर्देश सं० 42 /मई - 84 /रेंज II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उद्गित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जित्तको सं० लेख सं० 218, 219, 220, 221, 222, 230, 2321, 232, 233/84 का है, जो शेडुल में दः हुई सम्तीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूच श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, थौ न्डलैंट्न लेख सं० 218, 219, 220 221, 222, 230, 231, 232, 233/84 में भारत य रिजस्ट्राक ण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1984

को प्रांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकल में अधिक है और अनरक (अनरकों) और अत-रिती (अंतिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंधिनियम के सधीन कर दोने के सतरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः क्षतः द्वतः क्षाँभीनग्रमं की धारा २६०-ग के जनसम्भ माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के क्षीन्र निम्नीलांखत व्यक्तियो ब्रथात् ३(1) श्रो नवाब जादा रफोक मुहम्मद खान रिश्रेजेन्टेड बाई पावर आफ ग्रटारना नवाब अलोखान और अन्य ।

(अन्तर ह)

(2) मेसर्स सुब्बु रीयल एस्टेट्स बाई पार्टनर्स '

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्मबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित को किये जा सको।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में. दिया गुवा है।

श्रनुसूची

भूमि लेख सं० 218, 219, 220, 221, 222, 230 231, 232, 233/84 थॉंसडलैंट्स।

> एम० सामुनेल सन्नम प्राधि हारी सहायक आयकर अप्युक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज II, महास

दिनांक : 8-1-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत **॰**सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 दितम्बर 1984 निदेश सं० 62 /44198/84-85;-यतः मुझे ग्रार० भाकाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीत जिल्हा सं 572 है, तथा जो II ब्लाक मदहल्लि बंगलूर में स्थित है (श्रीत इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणय है), रिजास्ट्र कर्ता अधि पर के कार्यालय गांधिनगर में रिजास्ट्राकरण श्रीतियम 1908 (1908 वर्ष 16) के श्रध न दिनांक 11 मई 1984

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिस ग्रें वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सूबिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री सि० टो० कुशालण्या गरागन्ट्रविलेज और पोस्ट, मादापुर -572151

(भ्रन्तरक)

(2) गुलाबि देवो गार्ग,
 श्राः लो :राम गार्ग, नं० 84 ए
 I फ्लोर I क्रास, I मैन, गाविदेवि,
 पार्क एक्सटेंशन बेंगलूर -3

(ग्रन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 452/84 ता० 11-समाति है जित्रका सं० 572 जो II ब्लाक, मठद हल्लि एक्तरदेशन, रवेन्द्रिनाता ठागूर एक्तरदेशन, बेगलूर में स्थित है ।

> म्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारो . सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरक्षण) मर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक :- 27-12-1984

ब्ररूष बाइ'. टी. एन. एस.-----

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यन्य, सहारक कायकर काय्<mark>कतः (भिर्याक्षाः</mark> अर्जन रेंज बंगलूर

बरल् , दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62 43249 84-85—अतः मुझे आर० भारद्राज

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ क अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रु. से आवक है और जिनकी से 108/1 है, तथा जो मलेश्वारम, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुरूची में ग्रौर पूर्ण रूप से ववणत है), र्ज ट्री हर्ता अधकारी के कार्यालय गाधी गर में र्ज ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 4 मई 1984

का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रिक्ति के किया क्रम्सारत की गई ही छोर मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिष्टा) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब भाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निक्ति में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उच्छे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रांस्तियों का जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त 'अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ कर्रिनिय दिया प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा १६० न के अमेरियम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा १६० म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) राजल भी नारायण ,
नं० 95, XI क स रोड,
मल्लेश्वारम, बमशोर

(अन्तरक)

(2) मिसेप भगिरति बाई, न० 395, V ऋस, स्विमिगपूल एक्सटेशन, वेगज्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को मजध मं कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद म समाप्त हाती हा, क भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पंत में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में चित्र है बन्नी अर्थ हारा, के का का का किया गया है।

(दस्तावेज सं० 36/84 तारीख 4 5-84) सम्पत्ति है जिसक स० 108/1, जो ईस्ट पार्क रोड़, मंल्लेश्वारम, बेगलुर मे स्थित है।

> र० भारद्वाज सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बगजूर

दिनांक :- 27-12-1984 मोहर अ प्रस्य कार्ड. टी. एव. एव. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/44199/84-85-अत: मुझे आर० भ रद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी सं० 131 पुराना सं० 51, 51-ए, 51के) है तथ जो वीरा एट रें स्ट्रीट डिविशन नं० 54 न्यू नं० 68 सिवित्र स्टेशन, बालूर -1 में स्थित है (श्रीर इससे उपोबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजिनगर में रिज ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक मई, 1984

का प्वाबत सम्पन्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि संधापवांवत सम्पत्ति का उचित बाधार बृस्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकत से बीधक हैं बीर बंतरक (बंतरकाँ) बीर बतिरती (बतरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के मिए तब पादा गया प्रतिक का विद्यानिक तदनक्ष में उक्त बंतरण कि कि कि सारतिक कर विद्यानिक तदनक्ष में उक्त बंतरण कि कि कि सारतिक कर सारतिक वा सारतिक कर विद्यानिक तदनक्ष में उक्त बंतरण कि कि सित्त के सारतिक कर सारतिक क

- (क) क्लारण से हुई किसी बाय की बावत क्ला बिक-नियम के अधीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/शा
- (क) इंडी किसी बाब या किसी भन या जन्य वास्थियों को , चिन्हों बारतीय बायकर विभिनियम , 1922 (1922 का 1!) या उक्त विभिनियम , या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधायनार्थ बन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सी० एन० तांगडावा मूर्ति , नरेंद्र. कुमार, शिंश रेका ग्रौर वसंत कुमार बैंदेर जि० पी० ए० होलंडर श्री जि० सुन्दर राजन न० 70 आर० के मट रोड. अलसूर, बेंगलूर -8
- (2) श्री जनाब एम के० युसुफ साहेब न० 20, डिसपेनसरि रोड, बेंगजूर ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमुची

(दस्तावेज मं० 418/84 दिनांक मई, 1984) सम्पत्ति है जिसका न्यूंस० 131, पुराना सं० 51; ..-ए 51-के), जो वीरापिल्ने स्ट्रीट, डिव्यमन न० 54, न्यू न० 68, सिविल स्टेंग्रन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भ रद्व ज सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंलूगर

दिनांक :- 26-12-1984

मोहर :--

प्रकृप बाइ'. टी. एन. एस.

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/43728/84-85—अतः मुझे आर० **भारध्वा**ज ,

नायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमः प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1071 हैं, तथा जो वेस्ट आफ कार्ड रोड़ II, स्टेज बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम के रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 अगर्त 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिचत बाजार मूल्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित संपत्ति का उवित जागर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी ळरने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपार में मृजिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--23 —436GI|84

(1) श्री एच० महालिंगा गौडा, नं० 1017, I मैन रोड़, विजाया नगर, बगलूर-40

(अन्तरक

(2) मैंसर्सं किंग्रेटालोमिना डि॰ कोना, नं॰ 7/1, VI काम, मुबेदारपालया, एशवन्तपुर पोस्ट, बेगलूर-22

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से कि भी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थप्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

(दस्तावेज सं० 1954/84 दिनांक 6-8-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 1071, जो वेस्ट आफ कार्ड रोड़, Π स्टेज, बेंगलुर में स्थित है ।

आर० भारद्धाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बगलूर

दिनांक : 26-12-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज बंगलूर वंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1984 निदेश सं० सी० ग्राग्० 62/43338/84-85—यतः मुझे ग्रार. भारद्वाज ,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1/18 हैं ,तथा जो कोपहि गाव भागमंडलानाड, कोडागु में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भरकेरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम $1908 \ (1908 \ \text{का} \ 16)$ के श्रधीन दिनांक $11 \ \text{जुन} \ 1984$

को पृलेकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफ । के लिए जन्मिरत की गई हैं और अभे यह विश्वास करने जा कारण हैं कि यथापूर्वोक्त रंपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रांतरात से अध्या हैं को क्यारज (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण तं हुइ किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में भूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

ं बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अभी जिल्लीनिय अधिकार्यों, अर्थात् :— (1) श्रीमती विफातिमा, पि० ए० होल्डर
 श्री एस० इडिनाब्बा ग्रलियास उन्ही,
 मुबारक महल कन्तूर
 मंगलूर तालुक

(ग्रन्तरक

(2) श्रीमती पेरियार ग्रांर परीकन्नि रब्बार्स लि० पाल कोट्टायम डिस्ट्रिवट केराला । (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्यक्ति अपनि के अपनि के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्रिया गया है।

बन्स्फी

(दस्तावेज सं० 392/84 दिनांक 11-6-1984) प्लानटेशन लैन्ड है जिसका सर्वे नं० 1/18 ह कोपट्टि बिलेज, भागमंडलानाड कोडग् में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंग**ल्**र

दिनांक :- 20-12-1984 मोहर

प्रक्ष वार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज वंगलूर

बगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/45000/8 4-8 5-- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिक़ारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्रार0 एस0 9082, टी0 एस0 58072 बी, है तथा जो ग्रतावर गांव फलनीर वार्ड, मंगलूर सीटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण वर्णित है) रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, रूप से 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 20 जून 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रीरामपुरम में धारा ए.बी. के अंतर्गत अधिकारी सक्षम किया ग्या है मुभ्र करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पद्यि का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्स कांधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/ए।
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) परिस एम्मान्यूइल ब्रिट्टो,
 रिटायर्ड सुपरिटेंडेट ग्राफ सेंट्रल एक्ससैंज,
 नं० 13, मैगुनडादेवा मोदलयार रोड, फेजर टौन,
 बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रां बी० रवीन्द्रा, ब्रिट्टी लेन, फलनीर, मंगलूर सिटि

(ग्रन्तिरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए बासकेंगे।

स्थब्दीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 405/84 दिनांक 20-6-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० ग्रार० एस०908/2, टी० एस० नं० 580/2 बी, जो श्रतावर गांव फलनीर बार्ड, मंगलूर सीट में स्थित है ।

श्चारं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलुर

दिनाक: 15-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984 निदेश सं० सी० ग्रार०62/43578/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारध्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8 62 है, तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज एक्सटेंन्शन बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी ੜ**ੈ बि**श्वास रजिस्ट्रीकृत किया गया मभ्रे यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तो पाया गमः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंश्य में उकत अन्तरण लिखित बों बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा दा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खे लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्रीमती एस० ग्रचुतन
 नं० 13/2 स्टॉन्डेज रोड,
 फेजर टौन, बेंगलूर-5

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० राधाक्रुध्णन, नं० 15/7 ए, केमब्रिडंज रोड़ बेंगलूर-8

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्य।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया स्वा है।

बनसर्चे।

(दम्तावेज मं० 1072/84 दिनांक जुलाई 1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 862, जो एच० ए० एल० II स्टेज एक्सटेंन्शन, बेंगलूर में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 21-12-1984

प्ररूप बाइ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बय 1984

निदेश सं० 62/44196/84-85 ग्रंतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15 है, तथा जो गंगेनाहिल्ल, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 9 मई 1989

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रितिष्ठल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/रिजिस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते •यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रीत्फल के एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नितिषत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वत में बास्क- विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उच्छ बधि-निवय के ब्धीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वे कभी करने या उससे वचने वें स्विधा के लिये, और या/
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री एम० सी० शांतामूर्ति,74, ग्रपस्टेंरस, II मेंन रोड,वैद्यालिकावल, बेंगलूर-3

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० करूनाकर,587, V मैंन रोड़,वि० ग्रार० पुरम, बेंगलूर-3

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कर के पूबोक्त संपत्ति के अर्बन के निश् कायवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंग।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ब्वा है।

वन्स्पी

(दस्तावेज सं० 407/84 दिनोंक 9-5-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 15 जो गंगेनाहल्लि बेंगलूर, में स्थित है।

> ्रयार० भारद्वाज सक्षम प्र:धिका**री** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक 27-12-1984 मोहर: प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कत

काम्मलय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन ^{रें}ज, बंगलूर <mark>बंगलू</mark>र, दिलांक 27 दिसम्बर 19**84**

निदेश सं० 62/44190/84-85—-ग्रत मुझे, ग्रार० भारध्वाज

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ता अधिकारम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुक से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 37/8 हैं तथा जो बनाशंकरि III स्टेज ग्रावलाहिल, 24 डिविशन, बंगल्र, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय बसवनगृडि में धारा 2'69 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुः किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुगरा प्रकट नहीं किया गया जा ता किया जाना चाहिए था, व्यिपान में सविधा के सिए।

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एच० हनुमताय्या पटेल, ग्रावलाहल्वि, उत्तराहल्लि होबलि, बेंगलूर,दक्षिण तलुक ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० ृमान्ता कृमार (मैनर)
रेप्रासेन्टेड वै श्री सा० एच० धनान्जाया.
बडेराहिल्ल, बेंकटारायनादोडिड पोस्ट,
सातनूर होबिल, कनाकापुरा तालुक ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

(दस्तावेज सं० 407/84 दिनांक 8-5-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 37:8. जो बनाशंकरि III स्टेंज, ग्रावलाहत्लि 24 डिविशन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी खहारक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 27-12-1984

प्रकप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/43369/84-85---अत: मझे आर० भारद्वाज

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8/2 है, तथा जो क्लारक रोड, रिचारडस टाउन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-6-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी किया ਛਾੈ मुभ्हे रजिस्ट्रीकृत गया करने का कारण है कि यथापवा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24-436GI|84

 श्री ग्रार० कृष्णस्वामी, नं० 8/2, क्लारक रोड़, रिचारडसं टाउन, बेंगलूर-5

(अन्तरक)

 एम० ए० फरनान्डेस, मिसर्स एम० पी० फरनानडेस, नं० 80, मासक्यू रोड क्रास, बेंगलूर-5

'अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द कियी कर्य व्यक्ति प्रवास अयोहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

ग्रन्सूची

(दस्तावेज सं० 634/84, दिनांक 1-6-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 8/2, जो क्लारक रोड, रिचारडस टाउन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 21-12-84

भोहर ३

प्ररूप : बाह : ट्री : एन : एस : - - - -

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नास 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक **आयकर आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 27 दिसम्बर, 1984

निदेश सं०सीं० आर० 62/44212/84-85—अतः मुझे, आर० भारतःज,

अपयान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उनके प्रभात (उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 649 है, तथा जो VI ब्लाक, कोरामंगला, एक्सटेंगन, वेंक्लूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्थिर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्षणिल्य वेंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-5-1984 का पूर्ण कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वाम कर्म का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का अर्था है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्पार का उचित का उचित का उचित का सम्पत्ति का उचित का उचित का सम्पत्ति का उचित का उचित का सम्पत्ति का उचित का उचित का उचित का सम्पत्ति का उचित का उचित का सम्पत्ति का उचित का सम्पत्ति का सम्पत्ति का उचित का सम्पत्ति का सम्पत

- ्रो अन्तरण से । दुर्ग किसी बाय की बावत, उनस वाद्यानयम की अधीन कर दोने के बन्तरक औ श्रामित्व में कमी करने वा उससे बन्ने के सुविधा की विकार की राजा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रकोरनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के किया।

क्षतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कभीनः निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रो धर्मालियम,
 नं 6, XII, मैंन 14, क्रास,
 लक्कासन्द्रा, बेंगलूर-30

(अन्तरक)

श्री एस० एन० अनकाने रेड्डि.
 नं० 27, कोरामंगला, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन जी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्व व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1087/84, दिनांक 21-5-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 649, जो VI, ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंग्जर

दिनांक: 27-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह", टी ु एन् ु एस : --=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायक्त (निडीक्स) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/43268/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 301, न्यू नं० 25 है, तथा जो आर० बी० एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए और/सा
- (क) एसी किसी आय या हैंकसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविभा के लिए;

कतः कव, उक्त वार्धनियम कौ धारा 269-म कौ अनुसरण वै, वै, इक्त विधिनियम की धारा 269-म कौ उप्पारा (1) के भरीत, निम्मिनिसिस व्यक्तियों, वर्धात् [---

- 1. (1) मैसर्स एच० आर० ज्वालाक्ष्मान्मा,
 - (2) एस० रमेश,
 - (3) एन० एस० शशिकला,
 - (4) एन० एस० सुमंगला,
 - (5) एन० एस० सुरेश कुमार,
 - (6) एन० एस० दक्षाइनि,
 - (7) एन० एस० पुरुषोत्तम,
 - (8) एन० एस० नागवेणि,
 - (9) एन० एस० सविता,
 - (10) एन० एस० सहना ग्रौर
 - (11) एन० एस० सिद्धारना,

(अन्तरक)

- 2. मैसर्स रेप्रेसेन्टेड नं० 1, केर/आफ० सि० रामाकृष्ण, नं० 6, 1 कास, II, स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38 (अन्तरिती)
- श्री एच० एन० मुध्दाय्या,
 मेटल मरचेन्ट, 'नं० 424,
 अशोका रोड, मैसूर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख न 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कि स्वना की सामील से 30 दिन को अविधि, जो भी नविध नाद में समान्त हांती हो, के भीतर पृशींक्त व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर खबत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विश्वित में किए जा सकोंगे।

रक्कां कारण्डिकाण्डिका प्रमुक्त प्रस्ता और पूर्वी का, जो उनस विभिन्यम, के बृध्याय 20-क से परिवाधित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्स्यी

(दस्तावेज सं० 781/84, दिनांक 31-5-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 301, न्यू नं० 25, जो 13 मैन, राजामहल-विलास एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 27-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/43898/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 63 है, तथा जो । ब्लाक, कोरामंगला, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दिशण तालुक, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-8-1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात श्री सी० नर्रासहलु, चेट्टि, नं० 149 22, III मैन रोड, I ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

मिसर्स बीना संपत,
 नं० 287, I मैन,
 डिफेंस कालोनी, इंदिरा नगर,
 बेंगलूर-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्

बाल जगह है जिसका सं० 63 है, जो I ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 26-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ् (1) के अधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजँन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांकः 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/43300/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा यया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 43/1 है, तथा जो माधावाराया मोदलयार, स्ट्रीट, डिविजन नं० 48, नी, 84, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूर्वा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-वर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/था
- (का) एसं किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

- श्रीनतो उसा शंन्युगा सुन्दारम, नंदिनी, विग्नेश, विजयालक्ष्मो, सामिति, बै अटारनी नं० 1, सं० 147, प्रामल्लि, है, रोड, किलपाक, मद्रास-10 । (अन्तरक)
- श्री के० अङ्गबर भाषा ग्रौर
 (2) हसमात बि० नं० 16,
 कुपु स्वामी नायडु स्ट्रीट,
 सिविल स्टेशन, बेंगलूर ।

(ग्रन्तारता)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें गय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

वन्स्वी

(दस्तावेंज सं० 581/84, दिनांक 26-5-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 43/1, जो माधवा मोदलयार, स्ट्रीट, डिविजन, नं. 48, नौ 84, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बेंगलुर

दिनांक : 26-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचरह

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43271/84-85—अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 45, (स्रोपन स्पेस एबोव दि र्प फ्लोर) है, तथा जो रेसकोर्स रोड, बेंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांदा 15-5-1984

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- दि ग्वालियर रसायन सिल्क, मैन्युफक्चरिंग (वीविंग)
 कं लिमिटेड, बेंगलूर आफिस एट इंडस्ट्रिं। हाउस,
 45, रेसकोर्स रोड, बेंगलूर-1 रेप्रेजेन्टेड बाय:
 श्री वि० एन० पुरनमल का।

(अन्तरक)

- 2. मैसर्स भारत कैमिकल एजेंसी, एशिया बिल्डिंग, II प्लोर, रामजी बाई कमानि माग, भल्लारड, एस्टेंट, बम्बई-38 रेप्रेजेन्टेड बाय: पार्टनर: श्रवन कुमार, मनडेलिया, आफिस आफ:
 - (1) मैसूर सिमेन्ट्स लि०,
 - (2) हरिहर पोलिफैब्रिक्स,
 - (3) कें अार० मिल्स लि०
 - (4) हिन्दुस्तान अल्यूमिनियम कं० ग्रॉर कुछ लोग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

(दस्तावेज सं० 491/84, दिनांक 15/5/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 45 (स्रोपन स्पेस एबोव दि प फ्लोर), जो रेसकोर्स रोड, बेंगलूर-1 में स्थित है।

> कार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 26-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई .टी.एन.एस: -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

ब्रेंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/44217/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 0.5,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, सर्वे नं० 107 है, तथा जो कायम गुप्ता, बैदराहिल्ल, करिसपैन्डिंग, नं० 45/1, नंदिदुर्गा रोड, जयामहल, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिरकारी के कार्यालय गांधीनगर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

का प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिस् में बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- (का) अप्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 111 या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती पी० कलावती, नं०र 109, वीर रोड, फरेजर टाउन, रबेंगलूर-5

(अन्तरक)

 श्रीमती करीमा बाई, रनं० 30, हुरियन्स रोड,र रकाक्स टाउन, बेंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संगिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 724/84, दिनांक मई, 1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 7, सर्वे नं० 107, जो कायम गुत्ता बैदराहल्लि, करिस्पैन्डिंग, नं० 45/1, नंदिदुरेगा रोड, जयामहल, एक्सटेंशन, डिवीजन, नं० 46, बेंगलूर, में स्थित है

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्ट

दिनांक: 22-12-1984

प्रकृप आहें. टी. एन. एस. ---- =---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

🔩 कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/44203/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उल्ला अधिनियम' कहा भए हैं), की धारा 269-ख के अधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िलका अधित बाजार मन्य 25,000/- ए. में दायिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 120 है, तथा जो बि० एम० एल० ए०, एच० बि०, सि० एत० लि०, ं, स्टेज, होहनल्लि एवल्टेंशन, बेंगलूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण हा से बींगत है) रिजिन्द्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-5-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.वी. <u>a</u>; अंतर्गत सक्षम अधिकारी सम्मख ग्या है रजिस्टीकत किया सभ्दे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूयोंक्त रम्मांत का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे दरयमान प्रतिष्ठल का पन्छः प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्त्रक के बाब्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रगोजनाधि अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्विधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री पलिन,
 नं० एफ-44, ब्रम्हाप्रा,
 बेंगलूर-21 ।

(अन्तरक)

वि० रामय्या,
नं० 3, IX कास,
कब्बान पेट,
बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योचन व्यक्तियों में से दिक्षी व्यक्तिय दशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टिकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याग 20-क मों परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मों दिया गया है।

अन्सूची:

(तस्तावेजरसं० 590/84, दिनांक $21-5^{1/2}1984$) सम्पत्ति है जिसकी सं० 120, जो दि० एम० एन० ए०, एच० त्वि० सि० एस० लिमिटेड, II स्टेज, होसहित्ल, एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारहाज नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

दिनांक: 19-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप अहर् . टी. एत . एस

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंच, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आरं० 62/43299/84-85—अतः मुझे, आरं० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 44 (27) है, तथा जो एम० एम० रोड, फेजर धाउन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1984

को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक हुए से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(अन्तरक)

 श्री पी० अब्दुल्ला, बाबा, नं० 4, 'ई' 5 स्ट्रीट, दर्मराजा कोयल, स्ट्रीट, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाछन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकें में।

स्वव्यक्तिर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित की, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया या है।

वन्स्ची

'दस्तावेज सं० 555/84 दिनांक 24-5-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 44 (पुराना नं० 27), जो एम० एम० रोड, फ्रेजर टाउन, डिवीजन नं० 48, बेंगलूर-5, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
। सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 20-12-1984

मुक्त बार् हरी . वर . एक व

काशकार किंपियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व् (1) के व्योग स्वा

पारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत् (निर्वाक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/44165/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 33 है, तथा जो I, 'ए' कास, जे० सी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया ग्या प्रतिक का निम्निजिखत उद्देष से उच्त अन्तरण निम्निजिखत में बास्त- विश्व रूप से किमत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरक में हुई किसी बान की बावत , उपल जिलियम के स्थीप कर देने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने मा उससे वचने में श्रीवधा अंतिष्ठ; सौर/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन मा जन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, मा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के किए;

कतः अस, रक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :-- श्री के जनारधना, सेट्टि, नं० 53, I क्रास, सुधामानगर, बेंगलूर-27

(अन्तरक)

 श्रीमती पापम्मा, उरुफ लक्षम्मा, नं० 2, कालप्पा, ब्लाक, बसवनगुडि, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वों कत सम्मृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :--

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान ' लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वष्स्यी

(दस्तावेज सं० 560/84, दिनांक 19-5-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 33, जो I 'ए' क्रास जे० सी० रोड बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वार सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 20-12-1984

मोहर 😢

प्ररूप बाईं, टी. एन. एस. -----

वाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बांस् 269-म (1) के बधीन स्मा

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक नायकर नायक्स (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/44201/84-85—अतः मुझें, आर० भारद्वाज,

कायक र बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० 86 है, तथा जो गोकुल I स्टेज, I फेस, बेंगलूर-54 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (न्यन्तिसों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक स्पू से कथित नहीं किया गया है:—

- [क) बन्तरम् सं हुइं किसी नाय की वाबत उक्त निधिनयम के सभीन कार दोने के अन्तरक औं वायित्य में कमीं करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; औड़/वा
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्इं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि गया था किया जाना चाहिए था, डिपाने म स्विभा के सिए;

बतः बदः उत्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण के भैं, उत्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नीसित व्यक्तियों, वधीत :---

 श्री बी० एन० रामाचन्द्रन, नं० 1109, गीता रोड, भामाराजापुरम, मैसूर-4

(अन्तरक)

 श्रीमती आर० शान्ता, नं० 75/1, I क्रास, नागप्पा ब्लाक, बेंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह जुमना माडी करके पृशासित सम्मातित के वर्णन के तिस्य कार्यवाहियां करता हुं।

उवड सम्पृतित के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी बाधीरा--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्शिष्ठ से 45 दिन की जनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- १६८ गुंचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वयाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-के में प्रिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बना है।

मन्स्यी

(दस्तावेंज सं॰ 653/84, दिनांक 9-5-84) सम्पत्ति है, जिसका सं॰ 86, जो गोकुल I स्टेंज, I फेस, बेंगल्र-54 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 19-12-1984

मोहर 🕾

प्रस्य बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे अधीन शृचना

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

ौ नदेश सं० सि० आर० 62/45002/84-85--अतः मुझे, आर० भारदाज

नायंकर निर्माणकार, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्माणकार कहा गया है), की धारा 269-क में अधीन सम्भाग प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उनित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये से जीवक हैं

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० 35, टी० एस० नं० 132 है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर, तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

कः पृवांकत संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क निम्नतिबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की वावत उक्त बहिए-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने मं सुविभा के दिवये, क्षेत्र/वा
- (क) एंसी किसी बाध या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियल, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्विभा के तिरुप;

कक्षः अव, उक्त अर्डिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बनीन, हिनम्निसित व्यक्तियों, अर्थाद :---

 मिसर्स डालिफन हरि, बलमहा, मंगलूर ।

> . (अन्तरक) ·

2. श्री मती शालिनि देवादत्ता, बलमहा, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां काउता हूं।

उपने बम्बीता के बर्चन के सम्बन्ध में कीई भी बाबीय ह---

- (क) इस तुष्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिव की जबीब वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृष्या की तामील से 30 दिन की जबिंध, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस ब्र्चना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए हा सकों थे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्त्रची

(दस्तावेंज सं० 353/84, दिनांक 11-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 35, टि० एस० 132, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर, तालुका में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर्र

दिनांक: 15-12-1984

प्ररूप आई<u>.</u> टी. एन<u>. एस. वर्वत-कारकार</u>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहेकांड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बेंगलूर
बेंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/44294/84-85—-ग्रतः मुझे, ग्रार**ं** भारढांज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है, तथा जो I स्टेंज, कोंरमंगला, एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वाणत है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक, में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 3-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण वे हुई कि वी बाद की दावल उपन वाहि-निवृत्व के कदीन कई दोनें के ज़न्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्याद/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या कंप्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम् या धन कह निधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ क्निरीतियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ क्निरीतियम्, वा विध्या प्रकट नहीं किया नया था वा विध्या जीना चीहिए श्री छिपाने में सुविधा के खिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन में निम्नि अधित अधिनायों में अधीत है— श्री पी० के० जोसफ् नं० 9/2, स्वासित खंड, क्रास, शांतिनगर, बेंगलूर-27

(ग्रन्तरक)

 श्री सिं० बि० ग्रय्याप्पा, कर्ता, एच० यू० एफ०, नं० 15/2, हावडिन, रोड, बेंगलूर-42

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यी

(दस्तावेज सं० 1466/84, दिनांक 3-6-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 7, जो I स्टेज, I कोरामंगला, एक्सर्टेंशन, बेंगल्र में स्थत है।

> आर० भारद्वाज . सक्षम प्राधिकारी सहायक े भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 19-12-1984

मांहर 🛭

प्ररूप बार्षे . हूी . एव . एस . ------

ग्रायकर प्रधिनियमः 1961 (हूँ 961 का 43) की छारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिष्)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/44291/84-85—ग्रतः मुझे, आर० भारद्धाज,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावहर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 414 है, तथा जो सारक्की फेस, एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त म्नतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया दवा वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने में मुनिया के जिए।

 श्री टी० जी० शामन्ता, नं० 366, VIII, कास, I, ब्लाक, जयानगर, वेंगलूर-11

(भ्रन्तरक)

श्री एस० रामाकृष्ण,
 न० 38, ईस्ट एंड 'सी', मैन,
 क्लाक, जयानगर,
 बगलूर-69

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुनारा है
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ऋ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

ग्रन्सुची

(दस्तावेज सं० 2048/84, दिनोक 15-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 414, जो सारक्कि III फेस एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 19-12-1984

मोहर 😃

क्रकः क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण क्रमें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, बेगलूर

बेंगरल दिनांक 19 दिसम्बर 1984

ानदेश सं० सि० ग्रार० 62/44292/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 12612 है, तथा 'जो होरामाव, विलेज, कुष्णराजापुरम, होर्बाल, बेगलूर दक्षिण तालुक, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप से वीणत है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बेगलूर, दक्षिण तालुक में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रिकृत विलेख के अन्सार अंतरित की गई है मुफ्ते यह विश्वास करने का क्रारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ब्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् —

- 1. श्रीमती ग्रन्काम्मा,
 - (2) बेकटारमण रेड्डि, बाबू सहेबरा पाल्या, विलेज्यु के् ग्रार० पुरम, होबलि, बंगलूर दक्षिण तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० कमलानाभा रेड्डि, कम्मानाहिल्ल, विलेज, तामस टाउन, पोस्ट, बेंगलूर-84

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त · अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1809/84, दिनांक 7-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे न० 126.2, जो होरामानु विलेज, कृष्णराजापुरम, होर्बाल, बेगलूर दक्षिण तालुक मे स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेगलर

दिनाक: 19-12-1984

ं प्ररूप बार्ड, टी., एव., एव.,-------

बायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

. निदेश सं० 62 /43277/84-85-- ग्रतः मुझे आर० भारद्वाज.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी कौ, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 16 है, तथा जो कवाडि रेवंण्ण शेट्टिपेट, ग्रनदानाप्पा, स्ट्रीट, बेगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से विप्त है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधिनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण कहै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय काँ बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थी छिपाने में सुविधा के निग्न

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात :— श्रीमती बोरम्मा, एन० प्रकाश,
 श्रीमती सत्यार्वात,
 नं० 18, 6, मैन रोड, मार्घात लेथाउट,
 वेगलूर-21।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० बी० केन्याप्पा, ग्रीर श्री के० टी० श्रीनिवासा, न० 28, कृष्ण सिह स्ट्रीट, ग्रलसूरपेट, बेगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पृशींकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 638/84, दिनांक 17-5-84) सम्पति है जिसका सं० 16, जो कवांडि रेवण्ण शेट्टिपेट, ग्रनदानाप्पा, स्ट्रीट, डिवीजन, न० 41, बेगलुर, में स्थित है।

> ग्रार० भारहाज, नक्षम प्राधिकारो' महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेगलूर

दिनाक: 27-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप , बाई. टी. एन , एस ,-----

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड़

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

. निदेश सं० सि० ग्रार० 62/43305/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर् जिसकी सं० 41 है, तथा जो लिनडन स्ट्रिट, ग्रासटिन, टाउन, बंगलूर-47 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 31-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिश्वत से बंधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अष उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ते अधीर पम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-436GI 84

- 1. (1) श्रीमती श्रानन्दा योगेन्दर,
 - (2) श्री बैं० गोपोनाथ,
 - (3) श्रीमती जोशना,
 - (4) मिस्स ब्रिन्दा,
 - नं० 23, क्वासटल स्ट्रीट, ग्रशोक नगर, बंगलूर-25

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मुरैथ्या इनयातुल्ला, नं० 3, हाईस रोड, बंगलूर -25

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्ते सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

(दस्तावेज सं० 625/84, दिनांक 31-5-84) सम्पतिहै जिसका सं० 41, जो लिन्डन स्ट्रोट, म्रासटिन टाउन, बंगलुर,-47 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रा_थक्त (निरोक्षण) ग्राप्तेन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 26-12-1984

प्रका गाउ . ती. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर. दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश मं० मि० ग्रार० 62/ग्राप-1143/84-85---ग्रनः मृझे, ग्राप० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-व के अधीर मक्ष्म आधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उप्लिन जिसका पण्टित बाजाए मुख्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं एक्टाट नं 20 है. तथा जो मरगीवा टाउन, सलसेट्टे, गोवा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावढ़ ग्रन्सूची में और जो पूर्ण हुए से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय वेंग्लूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रार्थान दिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपक्ष को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के जीश एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अध्या है अधिक हमें किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत, शक्त अधिनियम के लधीन कर देने के अन्तरक के अधिनयम कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- को, जिन्हों आय गा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;
- अनः का, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 फीनेनेन रेबेल्लो छोर मेंसमं श्रलबर्शटना, रेबेल्लो, "रोगारा", छवा ए० वि०, लारेनको, पि०ग्रो० वाक्स नं० 103, मरगोवा, गोवा।

(ग्रन्तरक)

2. सैमन डेन्निंग पेरैरा और मैसर्स पेड्रिन्हा अनटोनेटा, पेरैरा, हाउस नं० 179, नियर रेलवे लेवेल, क्रासिंग कन्मोटिम, समसहे, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है ।

नम्स्यी

दस्तावेज मं० 954/84 दिनांक 28-5-84) प्लाट नं० 20 'श्रकोरामेंन्टो गगोता', मरगोवा टाउन, सलसेट्टे, गोवा. में स्थित है।

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रोज, बेंगलर

दिनांक: 3-12-1984

मो हर:

प्रकल नाही, टी. एन. एस.-----

अस्यकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सह्यक अध्यकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर वेंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पि० म्रार० 62/म्रार-1150/84-85--म्रतः मुझे, म्रार० भारहाज,

गायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के लिधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से लिधिक हैं

स्रौर जिसको सं० प्लाट नं. 3, है. तथा जो गोगल, मरगोबा गोबा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूचो में स्रौर जो पूर्ग इन मे बांगत है) राजस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में राजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापबेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण हो हुई किसी बाय की बाबए, उपल व्यक्तियम् के बचीन कर दोने के बन्तरक को क्रावित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए: बीट/वा
- (का) एंकी किसी आधु यो किसी धन या किसी जास्तिओं को, जिल्हें भारतीय बाव-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, वा धन-कर कीधनियम, 1957 (1957 का 27) के क्ष्में क्षांच बन्ति रिस्ती क्यांचा क्षांच किया गया वा विकास जाना साहिष्ट था, डिप्पाने में स्निव्धा के किए;

 श्री गित्रियल एम० गोड़िग्यूम, श्रीर मिसर्स डोना वि० गोड़िग्यूस, बेन्लिकन, बिल्डिंग, I फ्लोर, मरगोवा, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 भगवन्त गुलाव चन्द कोन, अवाडे, फरैया, रोड, मरगोवा, गोवा।

(ग्रन्त(रती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की बर्वीच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थु होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

Burend

् (दस्तावेज सं० 959/84, दिनांक 28-5-1984) प्लाट नं० एस० 3, 'सानिटमानो मानशन' जो गोगल, मरगोवा, गोवा में स्थित है।

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेगलूर

चर्तत क्रव, उपत क्रिजियम की धारा 269-ग के अनुपरण भी, मी, उपल विधिनवण की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ विधीन, निम्माविधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनाक: 3-12-1984

प्रस्य बाह्". दी. हर . एस . -----

बामकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं ् सि० ग्रार० 62/ग्रार-1148/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने का कारण है कि नथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

ग्रौरिजिसकी सं० प्लाट नं० 30 है, तथा जो मरगोवा टाउन, सलमेट्टे, गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के

कार्यालय बेंगलूर में राजिम्ट्राकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का क्लद प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्प से क्रीथत नहीं किया गया है:---

- हुँक) अन्तरक सं हुई किसी आय की बाबता, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सृथिधा क निष्, और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

बतः, बस, उक्त किंपिनियम, की धारा 269-ए के बनुसरक् कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री फेनेलन रेबेल्लो, श्रौर मैसर्स ग्रालबरिटना रेबेल्लो "रोसारा" रूवा, ए० वि० लौरेन्को, पी० श्रो० बाक्स, नं० 103, मरगोवा, गोवा।
- श्री कारलेस कलसैको श्रीर मैसर्स वेन्डि ग्रब्बैयर कनसैको, मटोडि, चन्द्रोर सलसेट्टे, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स् चीं

(दस्तावेज सं० 957/84, दिनांक 29-5-1984) प्लाट नं० 30, "ग्रफरमेन्टो गगोला" मरगोवा टाउन, सलसेट्टे, गोवा में स्थित है।

> र० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 3-12-1984

मोहर 1

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. - - 🚊

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/आर-1172/83-84—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, तथा जो बैना वासकोडिगामा, में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त जिथिनियम के बुभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी कुरने बा, उत्तर बुबने में सुनिधा के लिए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छियाने में सुविधा के लिए.

कत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कां, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा '!) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैसर्स जी० एक० बिल्डर्स, जाफ हाउस नं० 4,, एफ०आर० जोसफ वाज, रोड, वास्कोडिगामा (गोवा)-403802 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शेसि डि० सौजा, केअर /आफ हाउस नं० 212 विहाइंड स्कूल दीवार, पैडाडे, इलहास, गोवा ।

(अन्तरिती)

सा यह सूचना बारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए; कार्यवाहियां शुरुं करतां हुं।

उक्त सम्मित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पट्निकरणः -- इसमें प्रयुक्त कट्यों और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्धी

(दस्तावेज सं० 969/84, दिनांक 28-5-1984) प्लाट नं०] 3, I फ्लोर 'बी', विंग, बैना, वास्कोडिगामा, (गोवा)-403802, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 4-12-1984

प्ररूप बाई:टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनाक 4 दिसम्बर 1984

निदेण सं० सि०आर० 62/आर-1173/84-85---अतः मुझे आर० भारद्वाज

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाह करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं रागा न ० 5 है, तथा जो वामको ० म्युनि सिपल, कोन्सिल गोवा में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन दिनांक 28-5-1984

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया पितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई कि सी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उग्नसं ब्चने में मुविधा के बिए; बीर/पा
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जोधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया थाना याहिए था, कियाने में सृविधा के निष्ट:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्यिंग, अर्थात् :——

 मैंसर्म जि० एफ० बिल्डर्स, जे० ए० एफ० हाउस नं० 4 एफ० आर० जोहफ, वाज रोड, वासकोडिगामा (गोवा)-403802

(अन्तरक)

2. श्री मंजय वापू अरोलकार, कानकेम, बैना, वासकोडिगामा, गोवा-403802 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा स्कीगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, चां उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्वी

(दस्तावेज सं० 970/84, दिनांक 28-5-1984) णाप नं० 5, ग्राउंग्ड फ्लोर, 'बो' विंग. बैना. वासकोडिगामा, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 4-12-1984

माहर:

RET 371'. A. CH. CO. .---

बाषकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कायालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगल्र

वेगलूर, दिनाक 4 दिसम्बर 1984

निदेश म० सि० आर० 62/आर-1174/84-85--अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 11 है, तथा जो वासको म्युनिसिपल, काउन्सिल, मरगोवा (सव-डिस्ट्रिक्ट), गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय बेगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 28-5-1984

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 28-5-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक की निम्नितिषत उद्देश्य से उक्त बन्तरक जिल्लि के बाल्य- विकास की सामनित्र के सामनित्र कर के सामनित्र कर कर से बाधिक नहीं कि का स्था है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्विधा के लिए;

अत अव, उक्त निर्मायम की धारा 269-ग के अनुसरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैंसमं जि० एफ० बिल्टसं, जे० ए० एफ० हाउस न० 4, एफ० आर० जोमफ वाज रोड, वामकोडिगामा, गोवा-403802।

(अन्तरक)

 श्री उलहास बापू अरोलकर, कानटेम वासकोडिगामा, (गोवा)-403802। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

बक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में फोई भी बाक्षेद ६--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि शइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्याधित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 971/84-85 दिनांक 28-5-1984) णाप न० 11 ग्राउन्ड फ्लोर, 'वी' विग, "मिक्सटो बोरिन्टिंग्लो', वामको ० म्युनिमिपल, काउन्सिल टलुल्ला ग्रौर सर्ग्डिस्ट्रिक्ट, आफ मरमागोवा, डिस्ट्रिक्ट, आफ गोवा, में स्थिर है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगल्र

दिनांक 1-12-1984 मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक बायक र बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सि० आर० 62/आर-1188/84-85—-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जी-6 है, तथा जो अगउडा हालिडे, होम्स, कनडोलिम, गोवा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— मैनर्स आलकन रियल एस्टेट्म, प्रा० लिमिटेड, वेलहो बिल्डिंग , पिजम, गोवा ।

(अन्तरक)

2. मिसर्स ए० लोबो,
मैंसर्स ए० लोबो
श्री एफ० सि० लोबो, ग्रौर श्री एन० डब्ल्यू० लोबो,
नियर रेलवे स्टेशन, कनसालिम, सेलसेट्टे,
गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्यष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 983/84, दिनांक 28-5-1984) प्ताट नं० जि-6, एट "अगउडा हालिडे, होम्स", कनडोलिम विलेज, होम्स, एट, कनडोलिम, वारडेज, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी पड़ाबक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक: 7-12-84

महिर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/ग्रार-1126/37ईई/84-85-श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-1 है तथा जो बोरडा मरगोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित (है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकर्ग ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 1-5-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब्लार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिंह में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः—— 27—436GI 84

(1) मेसर्स ग्रालकन कन्स्ट्रक्शन्स वेलहो बिल्डिंग पनाजी गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लुइस गेमेस पेरैरा श्रीर मेसर्स संन्द्रा लिज्जे गोमस पेरैरा मैना करटोरिम सलसेहे गोलवा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1101/84 दिनांक 1-5-84) प्लाट नं० ए-1 "लास पालमास प्रपारमेंटस'बोरडा मरगोवाः में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज बेंगलुर

दिनांक 1 21-12-1984 मोहर 1 प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/म्रार-1127/37ईई/84-85-म्म्रतः मुझे म्रार० भारदाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एस-1 है तथा जो फाटरडा मरगोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा है लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरा में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा की के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) मेसर्स संतोश कन्स्ट्रक्शन्स कृज मानशन मरगोवा गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मरिया कानसिक्स फरनानडेस बेनारड डि कोस्टा रोड एच० नं० 71 मरगोवा गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जें. भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1100/84 दिनांक 1-5-84) प्लाट नं० एस०-1 ग्रान -II प्लोरविह्डिंग 'ई' ग्राफ नियोटैल हार्जीसंग काम्लेक्स नियरपो० डब्ल्यू० डी० फाटरडा मरगोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेंगलुर

दिनांक : 21-12-1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. - - - =-

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/म्रार-1197/84/37ईई-85--अतः मुझे भार० भारद्वाज

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० शाप नं० 4 है तथा जो नियर मारुति टेंम्पल मापुसा गोवा' में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वींणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर म रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 29-5-1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिख्ति में
वास्त्रिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी काप की बाबत, उक्त वृधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में शुनिधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री ग्रशोक मन्जुनान मांड्रेकर मेसर्स शुबर्नाज ग्रशोक मांड्रेकर, मांनड्रेम, पेरनम, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) लीना पि० पि० -वरलेकर, ड्यूलर हिल रोड, ग्रालटिन्हो, मापुसा, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकींगे।

-पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मका है,।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 988/84 दिनांक 29-5-84) शाप नं० 4 "शिर-सागर अपार्टमेंटस", नियर मारुति टेंपल, मापुसा, गोवा, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 26-12-1984

प्रकृष बाह्र . टी . एन . एस . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वधीन सुवना

भारत सर्काड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/म्रार-1169/37ईई/84-85--/म्रतः मुझे ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं प्लाट नं 8 है, तथा जो 21, ग्रांट रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, में रिजस्ट्रोकर्ता भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः जवत अधिनियम कौ धारा 269-व के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- सैमा एक्सपोर्टस प्रा० लि० 135, डाक्टर, ग्रन्ने बेसेंट रोड, वरलि, बम्बई-400018।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दारमेंद्रा जसवन्तलाल क्लाब रोड, दरगंद्रा (गुजरात),

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में खंड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

अन्त्या

(दस्तावेज सं० 968/84 दिनांक 24-5-84) ब्लाट नं० 8, पिलोर , रजनियन्दा, त० 21, ग्राण्ट रोड, बेंगलूर-1 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 🕴 21-12-1984 मोहर 🕯

प्रकृष बाह् . टी. एन्. एस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कहा धाड़ा 269-च (1) के अधीन स्चना

श्वारत सरकार

कार्यात्वर, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 62/ग्रार-1124/37ईई84-85/--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसको सं० प्लाट नं० ए/4 है तथा जो न्यू वड़डेम वास्कोडिंगामा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन दिनांक 2-5-1984

का पृवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया ग्या प्रति- किस निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिबक हप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अण्यारण से हुर्द किसी आय की बाबक, उक्त अर्द्धिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए; आहें द्वा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन-कड व्हींचिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहारी इचारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना कडीहर ना, कियाने में स्विका के किस्टा

कतः कव, उक्त विधितयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं,, उक्त विधितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन निम्मितिबित व्यक्तियों वर्षात् क्ष्म (1) मेसर्स रुक्मिनि कन्स्ट्रक्शनन्स श्रीधर बिल्डिंग रूम नं० 4 I-फ्लोर वास-को० डा-गामा गोवा-403802 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्लिन्टरन जोसेफ कारेया रिप्रसेंटेड बैं मिसर्स इसमें एच० डी'सौजा केयर/ग्राफ श्री वि० एम० डिसौजा । 104 मोहिउद्दीन बिल्डिग वडडेम वासको—डा-गामा गोवा --403802 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृवाँक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्पृतिक के नुर्वान के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बदृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मुधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों वृद्धि प्रयों का, जो सक्य अधिन्यम्, के वध्याय 20-क में प्रिसावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय के दिवा वया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1103/84 दिनांक 2-5-84) प्लाट नं० ए/4 ब्लाक 'ए' "तुप्ति ग्रपार्टमेंटस न्यू वडडेम वासको-डिगामा गोवा में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 21-12-1984

महिर् 🛭

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

मायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 62 ग्रार-1125/37ईई/84-85-ग्रतः मुझे, ग्रार० भारदाज

बायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/2 है तथा जो बोरडा मरगोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रोकरण श्राधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-5-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाव की वाबत, बक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिअपान में स्विधा की लिए;

मतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) मेसर्स म्रालकन कन्स्ट्रक्शन्स वेलहो बिल्डिंग पनाजि गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) लुइस गोमस पेरैरा मेसर्स सन्द्रा लिज्जे गोमस पेरैरा मैना करधोरिम सलसेहै गोवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्टिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1103/84 दिनांक 2-5-84) प्लाट नं० ए-2 "लास पालमास प्रपार्टमेंटस" बोरडा मरगोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 21-12-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

ज्ञाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 62/म्रार-1152/37ईई/84-85-म्प्रतः मुझे, मार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-13 है तथा जो सेंट इनेज, पनाजि गोवा में . स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिफल, निम्मीलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तरिक के बार का का पन्द्रह

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त बिधिनियुत्र के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थाक क्र--- (1) मेसर्स भ्रार० डब्ल्यू० चौहान केयर/भ्राफ 210 गोविन्दा बिल्डिंग एए रोड पनाजि—गोवा ।

(ग्रन्तरक)

2) श्री जो झो लारेंस पत्तिसिवो डि० मेनेजून ई० एस० श्रौर मेसर्स डाम्मियाना ग्रार० लोबो इएसरा मरसेस विड्ड पी० श्रो० सेंट कुज् इलहास, गोवा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

सन्सूची

(दस्तावेज सं० 1091/84 दिनांक 2-5-84)
प्लाट नं० दी-13 I पलोर जिल्डिंग नं० 2 ग्राफ सेक्टर
II एट सेंट इनेज पनाजि, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 21-12-1984

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निवेश सं० सी० भ्रार० 62/43237/84-85--- प्रतः मुझे, भ्रार० भारहाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 17 (के-162) है तथा जो सुन्नामण्यास्वाम टेम्पल स्ट्रीट वि० वि० पुरम बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रांधकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण ग्रांधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती टी० जी० जयालक्ष्मी नं० 17, सुक्रामण्यास्वामी टेंपल स्ट्रीट वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वि० एन० रुक्मिनो नं० 16, सुन्नामप्यास्वामी टेम्पल स्ट्रीट, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज स० 351/84 दिनांक 4-5-84) सम्पत्ति हैं जिसकी सं0 71 (पुराना सं० के०162), जो सुब्रामण्यस्वामी टेंपल स्ट्रीट, वि० वि० पुरम, बेंगलुर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 15-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. बाई. टी. एन्. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/44207/84-85—यतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्नीर जिनको सं० 17 है नया जो हाडिन रोड डिनोजन नं० 53 बेंगलर में स्थित है (स्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में स्नीर पूर्ण खप से निगन है) रिजस्ट्रो कर्ता अधिक री के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजिट्रो करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन दिनांक 28-5-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिज्ञियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28 --436GI84

(1) डाक्टर रंगस्वामी चन्द्रान नं० 8/30 राजुलु नायडू रोड, कोयम्बसूर-12 बै०-श्रो ए० जो० रामदास' श्रनामलै कोयम्बसूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एन० निर्मेला नं० 12, ज्वैलर्स स्ट्रीट, बेंगलूर-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** के 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभोषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिवा गया है।

मन्रू न

(दस्तावेज सं० 599/84 दिनांक 28-5-1984)

सम्गत्ति है जिपका कारपोरेणन नं० 17 (भाग) जो हारडिन रोड, डिविजन नं० 53, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्राप्कन (निरोक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15-12-84

प्ररूप बाइ . टा एन . एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगजूर, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सार अार०. 62/44254/84-85--यतः मुझे, स्रार० भारक्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हां अप मुक्त यह विक्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मन्पित का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्युष्ट से उच्त अन्तरण लिखित वे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय कर अस्तियाम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा े लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को की तकन की धीरणक की धारा 260-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा के० एम० जया भारतो डा-2, मैति श्रात्स्टमेंटत, 96, VI मैन रोड, मल्लेश्वारम, बेंगलूर ।

(ग्रन्तीरती)

(2) श्रो एन० श्रीनवासा नं० 11, ईस्ट पार्क रोड 17 कास, मल्लेश्वारम बेंगलूर ।

(प्रन्तरितो)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: --- इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है ।

नगुसुची

(दस्तात्रेज सं० 685/84 दिनां रु 17-5-84) सम्गत्ति है जित्रासां० 55/2 (पुराना नं० 55) जो IV मैन रोड, बिटवोन 13 श्रीर 15 कात मल्लेश्वारम बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सत्तर प्रा^टक्रहारो सहायक श्रायकर श्रापुक्त (तिराक्षण) अर्जन रेंज, बंगजूर

दिनांक: 13-12-1984

मोहर 🚁

प्रकृप बाद'.टी.एर एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

बारह हरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलर, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश स० सी० श्रार० 62/44218/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क क अर्धान सक्ष्म प्राधिकारों का यह चिक्तास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक है

श्रीर ज़ि कि: सं० 135 है तथा जो एयरकाफ्ट एमन्त ईर को० श्रापरेटिव सो: यट लि० गेड्डाल.हिल्ल बेंगलूर उत्तर तालु हमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रीसूब, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्र:करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनाक 28-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ,वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार वृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकृत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखत में वास्त्विक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धने वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधानवम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूदिधा के लिए;

अर्त अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९ न के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६० प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमता शिवमिनि
 नं० 25/1, श्रा रामामिनिरस्म रोड,
 बसवनगृडि,
 बेंगलूर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रो श्ररन्हा प्रेम जान 2. मेसर्स रोजमानि श्रन श्ररान्हा नं० 36 हाराचन्द लेश्चीट बेंगलूर ।

(भन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवा। ह्या श्रुक्त करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्याक्तयों पर स्वाना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया म स किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहों अर्थ हागा जो उसे अध्यान में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तात्रेज सं० 617/84 दिनांक 28-5-84) खाल जगर है जिनका सं० 135 जो एयरकापट एमल ईज को० ग्राप्तरेटिव सो एयटा लिमिटेड, गेड्डालाहल्लि, बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है।

> स्रार० भा द्वाज सक्षम प्राधि नारी सहत्यक स्रत्य कर स्रप्युक्त (निराक्षण) स्रर्गन रेंज, बेंगलर

दिनांक : 14-12-1984

श्रस्म बाइ. टी. एन. एस., -----

ज्ञांकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

मार्ल मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण)
भूजेन रेंज, बेंगलूर
बेंगलूर दिनांक 13 दिसम्बर 1984
निदेश सं० सी० घार० 62/43292/84-85--यतः मुझे

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.0007- रु. से अधिक हैं

भीर जितको सं० 10/2 है तथा जो VI कास हुचिन्त रोड बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के भवोन दिनांक 31-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा में धारा 269 ए.बी. के अंतगत सक्षम अधिकारी के सम्मृख रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त बन्तरण दिवित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- कियों अम्तरण से हुए किया आय की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिधा के हुंचए; अर्थ-/वा
- ्रैंच) एसे किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

नतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रे (1) श्रो एस० मह देवन, नं० 49/6 चार्लैन कामबेल रोड, काक्स थीन बेंगलूर-5 ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० ग्रम्ध्ता विल्ल मृतु रेप्रासेन्टेड बै मिससे डि० सि० पा० चन्द्रा मृत्तु नं० 11 ग्रब्दुल हफाज रोड, काक्स टीन बेंगलूर—5 ।

(अन्तरि ी)

को यह सृचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूवी

(दस्तावेज सं० 710/84 दिनांक 31-5-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 10/2, है जो VI कास, हुचिन्सरोड बेंगलूर-84 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिक री सहायक म्रायकर म्ब्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : , 13-12-1984

प्ररूप बाई .टी एत एख .----

बाब्कर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-बेगलूर

बेंगलूर, दिनोक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/44206/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्व जं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. स अधिक है

भीर जिन्हों सं० 17 है तथा जो हावडिन रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इतसे उनाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिना रू 28-5-1984

का पवाका सर्पात्त के उन्नित बाजार मृन्य में कम के छ्यमान प्रित्फल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269- ए. बी. के अंतर्गत स्थम अधकारी के सम्म्ख/के पास रिजस्ट्रीकृत िकया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त स्म्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्ट अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक, से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा औ । अध्, आदि/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् क्ष-

ड.क्टर रंगस्मानि चन्द्रान,
 नं० 8/30, राजलु नायडू रोड,
 कोयम्बतूर—12 ।

रेप्रसेटेड बैं श्रो ए० जी० रामदास, अनामल, कोयम्बतुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ एम॰ रंगदामा सेट्टि,
2. श्रीमती वासवि, नं॰ 336।
नं॰ 10 'ए' मैनरोड, III ब्लाक, जयानगर,
बेगल्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सजना के राज्यक में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सजना की नामाल से १० दिन का अविध जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तिया में साक्ती ब्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 600/84, दिनांक 28-5-84) समाति है, जिन्ना सं० 17 (भाग), जो हावडिन रोड, डिशीजन नं० 53, बेगनूर, में स्थित है ।

> श्राः भादाज सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 15-12-1984

मोहर 🕹

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (ोनरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 14 दितम्बर 1984

निदेग सं० सी० आर० 62/44991/84-85--यतः मुझे अगर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उचन अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.006/- रु से अधिक है

स्रीर जिनकी संव्यार० एस० 26, 27 है, तथा जो कनकानाडि विज्ञा, मंगजूर में स्थि। है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्थार पूर्ग रूप से जीगा है), रजिस्ट्रा हर्ती अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनाह 11-5-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१०22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाननाथं अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किन गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने । स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— (1) श्री लोविस पिन्टो, कारा, हरहानाडि, मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमला डिसीजा, कनपता, कनकानाडि, मंगलूर--2

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अवन का लए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बाध या तत्रम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामीन से 30 दिन की बर्बाध, आ भी अविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकेंगे।

स्थान्य किरणः — इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, तो तबल अधिनियम के अध्याय 20-क में गोरणावित हैं वहीं तर्भ हागा को उस अध्याय मां दिहा स्था हैं।

नुगुची

(दस्तात्रेज सं० 212/84 दिनांक (1-5-854) समाति है, जिसका सं० अगर० एउ० 26, 27, जो कन कानाडि 'बि' वितेज, मंगतूर, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधि तरी सहायक आयकर आयुक्तः(निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 14-12-1984

त्ररूप बाइ ै, टी. एन. एख्. ≈ ≥ ≈ + ≥∞

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43269/84-85-अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर ग्रीधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- का से अधिक हैं

भीर जिनकी सं० 404/7) है तथा जो VIII मैन रोड, सदाधिय नगर प्लेन अपार आरयर्डस, बेंगलूर-6 में स्थित है (भीर इससे उगाबद्ध अनुसूर्च में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्र वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्ध न, दिनांक 25-5-84, को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उक्ति बातार से कम के दृश्यमान प्रिकित के लिए रिजिस्ट्री क्या के नार्यालय, गांध नगर, में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीट्या किया गया है मुझे यह

विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृष्ट क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे, दशमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उदद श्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उक्त अधिश्रियम के अधीन कर, दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के दिसए; और/या
- (अ) लंबी किंगी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- .(1) श्रीनती बरानक्ष्मी भगवान, नं० 33, [फ्लीर, सौत एण्ड रोड, श्रोबाद्रिपुरम, बेंगलूर-20 ।

(अन्तरक्)

(2) 1. श्री कें वी० विश्वेश्वारन, 2. श्रीमतो वि० भवानी, नं 0 10 1/11, 11वां कास रोड, मल्लेश्वारम, बेंगलूर -3।

(प्राची रती)

का यह स्वना बारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्मित्त में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्रावेत्र सं० 784/84 दिनांक 25-5-84) सब नम्यति है जिस्तासं० 404 (न्यूनं० 7), जो -VIII मैन रोड, सद्गीयशनगर, प्लेन अप्यार आरयर्डत, डिव;जन०नं 45, बेंगलूर∸6 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक:(निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

दिनांक : 18-12-1984

सोहर 🖫

प्रह्मप बाह . टा . एन . एस . ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/44245/84-85--अतः मुझे, आर० भारहाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह में अधिक है

स्रोर जिन्ही सं० 22 है, तथा जो चिक्हा हिदाप्पा गार्डन सेंग्र नाम रटीन, बेंगलूर-5 में स्थि: है (स्रोर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विगः है), रिजस्ट्री होती अधिकारी के कार्याचय शिवाजी नगर में रिजिन्द्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधान, दिना ह मई, 1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिलिधा के लिख; बीर/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1002 को ।।। या रक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

वतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीग. निम्नीलाखत व्यक्तियों, अर्थात् ह— में उर्स लक्ष्माम्मा, नं० 94, पारले 1, कामबेल रोड, काक्स टौन, बेंगलूर ।

(अन्तरकः)

(2) श्री पी० धनराज नं० 7, VII कास 'बी', स्ट्रीट, जै भारातिनगर, बेंगसूर—33 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्वव्योकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्द विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 644/84 दिनांक मई, 1984) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 22, जो चिक्का टिप्पा गार्डन सेंट नामस टौन, डिविजन नं० 49, बेंगलूर-5, में स्थित है।

> आर० भा द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

दिनाँक: 17-12-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

चितदेश सं० सी० आर० 62/43257/84−85—अतः मुझें, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 96-2 ए हैं, तथा जो बेलनंगिड विलेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-5-1984 रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेलनंगीड में

को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध. के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29-436GI|84

(1) टी॰ ए॰ पी॰ सी॰ एस॰ लि॰ बेलनंगडि ।

(अन्तरक)

(2) दि सेंट्रल एरेकानट मारकेटिंग और प्रोसेसिंग को— आपरेटिव लि० मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 140/84 दिनांक 30-5-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 96-2ए, जो बेलनंगिंड विलेज, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 17-12-1984

प्रकप् आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/44242/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 691/20 ई, तथा जो मागिड रोट कार्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रीराम पुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-6-84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिश्वत उद्देश्यों से उच्त अन्तरण निश्वित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उत्तर अभिनिय्म के बभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; लौर/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों कि जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री चिक्कारंगय्या, बलागेरे ग्रामा, तूमकूर जिला,

(अन्तरक)

(1) श्रीमती एल० उमा, र्न० 692/18, 11 कास, मागडि रोड कार्ड रोड, विजायानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्यी

(दस्तावेज सं० 1444/84 दिनांक 22-6-1984) सम्पत्ति है, जिसका सं० 691, (न्यू नं०691/20), जो मार्गाड रोड कार्ड रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-बेंगल

दिनांक : 13-12-1984

प्रका बाइ 🕝 टी 🔉 एन 🕉 धुरा 🗵 🗠 🚎

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश र्सं० सी० आर० 62/44243/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 64 है, तथा जो वी ब्लाक, कोरार्मगला एक्स-टेंशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जे० प्रेमालीला,नं० 8, मुनिस्वामी गौलागर्डन,नीलासंन्द्रा, बेंगलूर-47 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वि० निलिन गोपालन
· नं० 461, IX मैन, II क्रास,
एच० ए० एल० II स्टेज,
बेंगलूर—38 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1437/84 दिनांक 2-6-84) खाली जगह है जिसका सं० 64, जो V ब्लाक, कोरामंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है $\left(40-60\right)$ ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज —बेंगलूर

दिनांक :- 17-12-1984 मोहर ॥स्य आर्च टी, एन. एस.,- - - ≥

बायुकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43241/84-85—यतः मुझे। आर० भारद्वाज,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 277/9 है, तथा जो XX मैन रोड मागिड याड रोड, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मूँ वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्वज की जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यन में सुविधा को सिए; बार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कड निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्तीड़ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जना, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिधित क्र्युक्तियों, अधात छ —

- (2) श्री ए० एस० शरानाप्पा, पी० बी० रोड, दावणगेरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्यांहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उ अधिनियम के अध्याय 20-क में पी हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में खबा हैं।

वन्स्पी

(दस्तावेज सं० 825, दिनांक 7-6-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 277/9, जो XX मैन रोड, मागिड यार्ड रोड एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलुर

दिनांक : 17-12-1984

प्ररूप बार्ड और प्रना प्रयूच ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बार्व बुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 523/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० $3787/48 \text{V}/1+3 \equiv 14 + 3787/48 \text{-V}/1 \text{V}/1 \text{V}/1 \text{V}/1 \text{V}/1 \text{V} = 9$ आफ है, तथा जो गदग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गदग, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुद्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री जगदगुरू टनटडस्वामी समस्तान मठ, स्टेशन रोड, गदग ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सिद्धालिङगेश्वारा चित्रा मन्दिर, कलयान मंटप रोड, गदग ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से जिल्ही व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस कूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

(दस्तावेज सं० 10/84-85 ता में, 84) सम्पत्ति है, जिसका सि० टि० एस० नं० 3787/+ 48ए/1,-3 से 14+3787/48ए/1ए/1ए/1ए/1एल, 1 से 9 आफ गदग, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलूर

दिनांक: 19-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43365/84-85--अत: मुझे, आर० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो मद्रास सप्पार आफिसर कालोनि बेंगलूर-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री के० सी० तामस,
 2. श्रीमती अन्नै तामस पलापुरा,
 न . 6, मद्रास सरपार, आफ्तिसरस कालोनि,
 बनसवाडि रोड़ ; बेंगलूर -33
- (अन्तरक) (2) श्री लेयनएल पि डिसौजा,
- (2) श्रा लयनएन पि डिसोजा, 2, श्रीमती जोसेफैन श्रीमल्ला मरिया, डिसौजा रेशासेंटेड श्री ए० जे० लसवाडी, न० 22, मापत रोड़, बेंगलूर —25 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबच मो काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 692/84 दिनांक 6-6-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 6 जो मद्रास सरपार आफिसरस कालोनि, डिविजन नं० 49, बानसवाडि कालोनी' बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगल्र

दिनांक : 17-12-1984

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62 /42395/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5(15) है, तथा जो गांधीबाजार, बसव-नगुडि बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जून 1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिमोगा में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत संक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया ग्या है, मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृत्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्घ'के अन्सरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात् :---

 श्रीमती एन० राजालक्ष्मी, मैनेजिंग ट्रस्टो, जयन्ति फौन्डशन्स, नं० 15, वस्ट पार्क रोड़, मल्लेश्वारम, बेंगलूर -3

(अन्तरक)

(2) श्री शिवामल्य्लेया, नं० 14 गांधीबाजार, बसवनगुडि बगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(दस्तावेज सं० 1094/84 दिनांक 25/6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 5 (पुराना सं० 15) जो गांधी बाजार, वसनवगुडि बेंगलूर 4 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज**, बेंग**लूर

दिनांक : 17-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप गाई.टी.एन,एस.-----

बायकर बीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० मी० 62/43381/84-85--अत: मझे. आर भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 842 (241) है तथा जो नगरतपेट मेन रोड़ बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार कार्यालय गाधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1903 का 16) के अधीन दिनांक 23 जून 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने वा उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

बतः मब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भं, मं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री एस० रजाक नं० 35, वेनमन रोड़, वेनसनटाउन, वंगलूर -46

(अन्तरक)

(2) डी० मुख्या राजु नं० 848 , नगरतवेट, बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्ष्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 952/84 दिनांक 23/6/84) सम्पत्ति है जिसका सं 848 (पुराना सं० 241), जो नगरतपेट मैन रोड़, बेंगलूर-2 में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

दिनांक:- 15-12-1984

प्रकप नाई.टी.एन.एस 2------

गाथकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलोर,

बंगलोर, दिनाक 15 दिसम्बर 1984

निदेश स० सो० आर० 62/45007/84-85--- श्रतः मुझे आर भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 68/2ए है तथा जो ऋद्रि 'बिलेज' मंगलोर में स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलोर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधीनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 30 जून 1984

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान र तफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण कों, की, इस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के बक्षीन, भिम्मिलि इत ध्यवित्यों, अर्थात -

(1) श्रीमती नोरीन सुन्दारम, पवर एजेन्ट, सी० पैस, एडवोकेट, शैट होस हिल, मंगलोर

(अन्तरक)

(2) श्री हेथ सुदरशन, पी० ए० होलंडर के० निदमबूर पूराना धर, स्वतकल, डी० के० डिस्ट्क्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविष्ट बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा/जो उस अध्याय में दिया गया

बन्स्**यी**

(दस्तावेज सं० 465/84 दिनांक 30-6-1984) सम्पति है जिसकी सं० आर० एस 68/2ए, जो कड़ि , 'बी' गाव नं० 3 कदिबार्ड, मंगलीर सीटी मे स्थित है।

> आर० भारद्वाज सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बंगलीर

दिनांक :-15-12-1984

मोहर :

30--436GI 84

त्रका बाइं, टी. एन. एड.-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में स्पीत स्पना

थारह सहकार

कार्यालय; सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलोर बंगलोर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/45004/84-85--अतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 1.1 है, तथा जो बोलूर विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 जून 1984

को वर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गइ ें हैं अन्तरित की और प्रतिभल के लिए विश्वास करने यह कि पथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान र्शतफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिष्; बरि/बा
- (व) एसी किसी नाय वा किसी वन या नन्य नास्त्यों करों, जिन्हों भारतीय श्रीय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था य किया जाना बाहिए था खिएाने को स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन किस्लिखित व्यक्तियों, जथाँच ह— (1) श्री एम॰ लक्ष्मी रायण भ कोडिकल, मंगलूर-6

(अन्तरक)

(2) श्री गाइफे पिनटी, उच्जोडि, कन्कानाडि, मंगशोर-2 पी० ए० होलडर श्री विन्सेट पिनटो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त संपृत्ति के बुर्चन के बिष्

उक्त संपृत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष है---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय यें दिया गवाः है।

गन्स्की

(दस्तावेज सं० 35 /84 दिनांक 11-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 1/1 जो बोलू अ विलेज मंगलूर तालूक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज कंगलर

दिनांक: 15-12-1984 .

मोहर .

वस्त्र वार्'्टी वर पर

भावकर वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकाह

कार्यासम्, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मंगलूर मंगलोर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० आर० सी० 62/45008 /84-85 अतः मुझे आर भारद्वाज

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ विधिन्न सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं आर एस 87/2, 97 1 सी 1ए है तथा जो किंद्र ए विलेज नं 3 किंद्र वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सीटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 जून 1984

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिश्वस के लिए जन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिश्वत से एसे द्रश्यमान प्रतिश्वत का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है जार जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिम्मियन के अभीन कर दोने के जन्तरक के बादिस्थ में कमी करने या उससे कुछने में सुविधा के द्विए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बता बब, उक्त विधिनयम की भारा 269-व को बनुसर्व कें, भी, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) जान सिसटसण्सबासटिन अरान्ह्या, कदि टोल गेट मंगलूर-2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तोरा डिसोजा बन्तूव गांव, पुत्तूर तालुका

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्णन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

क्या बुन्दरिय में बुर्धन के बुन्दन्य में बोर्ड मी लाक्षेप् --

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिध-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिया गया है।

गुनुसूची

(दस्तावेज सं. 323/84 दिनांक 4-6-84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर एम 97/2. 97/1 सी 1ए जो कद्रि विलेज नं० 3 कद्रि वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक: 15-12-1984

मोहर 🛭

प्रकल बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० मी आर०/62/45001/84-85-- अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० आर० एस ० 68-2 है तथा जो किंद्रि विलेज मंगलूर में स्थित है (और इरान उपावद्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण रूप स विणित ह), रिनस्ट्री-ति अधिकारों के कार्यलय मंगलूर सीटी में रिजस्ट्री-क्रियण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 30 जून 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के टश्यूगन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके अश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्मिलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण ते हुई किनी बाग् की बाबत, उथ्छ बीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे उपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं की अधा गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अत: अन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

 (1) श्रीमती नोकम सुन्दरम जी०पी० ए० होल्डर श्री क्लोरेन्स, पैस लैट हौस हिल, मंगलोर -।

(अन्तरक)

(2) श्री के० दवानन्दा शेट्टि
2. के० जयाशीला शेट्टि
कोडियलबैल, मंगलूर-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(वस्तावेज सं० 464/84 दिनांकः 30-6-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 68-2 जो केंद्रि गाव मंगलूर तालुक और कद्रि वार्ड मंगलूर सिटी में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15-12-1984

प्रस्थ बाई, टी. एनं, एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के ब्रंथीन सूचना

BISE TOUR

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० 62/43738/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाजः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 983/99 डोर नं० बी० 368 है तथा जो चन्नामल्लाप्पा स्ट्रीट श्रीरंगपटना टौन -571438 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरंगपढ़ना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908' (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25/6/84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण! के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबूत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वे दाविस्य में कनी करने या उससे वचने में दुविधा को निए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-क्कर क्षिणिवनक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (अन्तरक)

(2) श्री महाबीर चेरिटेबल ट्रस्ट प्रसिडेंट श्री शेशमल जैन, मैन रोड़, श्रीर गपटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उनते सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा नकोंगे।

स्पष्टीकरणं:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थं डोगा, जो उस अध्याय में दिया गयः

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 282/84 दिनांक 25/6/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 983/99 डोर नं० बि 368 जो चन्नामल्लात्पा, टीट ,श्रीरंगपटना टौन -571438 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज बंगलूर

मोहर:

दिनाँक : 1-1-85

प्ररूप बाइ्ं टी ् एन . एस .--=-==

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निर्देश सं सी० आर० सं० 62/43406/84-85—यतः मुझे, आर० भारक्काज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुप्त संअधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० है, तथा जो केगेरि सेटलैंटोन बंगल्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केंगेरि मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता॰ 25-7-1984

करे पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तद्रण ते हुई किसी जान की बादत, उपस जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बांद्र/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---

(1) श्री टी० सी० जयादेवन नं० 251, रेमको लेआउट बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० ए० नायर, नं० 1127, केगरि सेटलैंट टाउन, बेंगलूर-60

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिति) (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति /द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनियम, के बध्धाय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया हैं।

वन्सूची

(दस्तावेज सं० 1955/84 ता० 25-7-1984) सम्पत्ति जो केगरि सेटलैंट टौन, बेंगलूर में स्थित है। (206.86 स्क्वेर मीटरस)

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 28-12-84

प्रकृप बाई .टी . एवं . एक . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 25 दिसम्बर, 1984

नं ० 62/44293/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रू. में अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 126 हैं जो 3 स्टेंज, 3 फेस, 1 ब्लाक, बनशंकरी बंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अडिनियम 1908 (1908 का 16) के आंोन ता० 23-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंसवनगृडि में धारा 269 ए.बी. क्रे अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मख रजिस्ट्रीकृत गया मुभ्ते किया विश्वास यह विश्वास करने का कारण का कारण है कि मथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितं में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा दें सिए;

कत अब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मुनियापा
 - न० 12, 2 कास,
 नियर मिडवाला पोलिस स्टेशन,
 बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सीतारामा राव, नं० 639, 2 क्रास, 5 ब्लाक, राजाजिनगर बंगलूर-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की नविध या तत्सन्दन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविध, जो, भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूषी

(दस्तावेज सं० 1055/84 ता० 23-6-84) खाली जगह है जिसका सं० 126, जो 3 स्टेज, 3 फेस, 1 ब्लाक, बनशंकरी, बंगलूर, में स्थित है।

> आर**०** भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलर ।

तारीख 28-12-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

लाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चु (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्ज न रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर, 1984

निदेश नं० 62/43529/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 74 (वेस्ट्रान भाग) है, तथा जो बिल्नामंगला लेआउट, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इस से उपाद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-6-84

को प्वांक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम को स्वयान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से करियत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तहरण से हुई किसी जाम की बान्त, खनए बीधरिन्यम के बधीन कह दने के अन्तहरक के दिवस्य में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के सिष्ट; करिं/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए।
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन,

- (1) श्रीके०डी० भेहता
-) नं० 4, मिस्प्रि मनार, नपीन सी रोड, बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स जी० सुर्वी कुमारी, नं० 33/1, मीने अविन्यु, सिविल स्टेशन, वेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तन्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा उकोंगे!

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>सुची े

(दस्तावेज सं० 950/84ता० 29-6-84)

खाली जगह है जिसका सं० 74, (वेस्ट्रान पोरशन) जो बिन्नामंगला लेआउट, डिफेंस कालोनी, डिविजन नं० 51, बंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चंगलूर ।

तारीख: 28-12-84

मोहर : 🔧

प्ररूप बाइ टी एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (ि्नरीक्षण) अर्जन रेज, वगलूर वेगलूर, दिनाक 28 दिसम्बर 1984

न ० 62/43561/84-85-यत मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

ग्रौर जिमकी म० 20/1ग्रौर 2 है, तथा जो 1 काम, सम्पत्ति य्यॉग रोड बगलूर में स्थित है (गौर इमसे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 4-7-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बास की बादत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आर/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वर्षा के अधिनियम, 1957 (19 / कर 7) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में भूतिधा के लिए

अत अव, उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के, अनुसरण च, मैं, उक्त अधिनियम की गारा 263-व की उपनारा (1) अ अधीन भागतालाखन न्याक्तया अधार —— (1) मिसर्स जहारा खातून रहतः भाग, पुराना मद्राम रोड, बगलूर्।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म मुधा एन्टरप्राईसेस, न० 1/22, बुयगल राख रोड कालाप्पा, ब्लाक, वसवनगृडि, बेगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः क अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

And And Andrews Comment of Andrews Andrews and Andrews Andrews

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जंभी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में मिस्मिणत हैं, बही अर्थ होगा, जो उक्त तथ्याय में दिया क्या हैं।

ग्रन्यूची

(दस्नावेज म० 1064/84 ता० 4-7-84)

मव सम्यत्ति है जिनका म्युनि (पल कारपोरेशन स० 20/1 स्त्रौर 20 (भाग), जो 1 क्राम, सम्पत्ति गोहल्लि, सम्पीगिहाती रोड (नो नोन एस० राजा राममोहन राय रोड), बंगलूर, (2895 13 स्क्वेर मीटरम) में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर ।

तारीख 28-12-84 मोहर .

31-436GI|84

प्ररूप नाई .टी .एन .एस .. क-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश नं ० 62/44255/84-85—यतः मुझे, आर०भारद्वाज आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1174/ए है, तथा जो रेलवे लैन पैपलैन एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्तां अधिकारी के कार्यालयश्री राम पुरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 24-5-84

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के वृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निकात में बाम्तिक हम से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर देनेके बन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/क
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबून किशित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्तु:—— (1) श्रीमती पदमावित,नं० 171/5, किलारि रोड,बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुधापुदुपाकाम, जी०पी०ए० श्री बी०के० राघावन, ए-28, सी०ए०एल० लेआउट गेडडाहल्लि, बेंगलुर

(ग्रेन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

्र उत्तत तम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंग्सित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिवा गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 655/84 ता० 24-5-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 1174/ए, जो रेलवे पैप लैंन एक्स-टेंशन, बेंगलूर, में स्थित है। (60'-40')

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 1-1-85

प्ररूप बाहैं. टीं. एन. एस..----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शास्त्र राष्ट्रकार्

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्विक्रण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश सं० 62/43245/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाझर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० 6 (132) है, तथा जो सादर पत्नाप्पा रोड, में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यांलय गांधीनगर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 11-5-84

क्षान ती । 11-5-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तिबिक स्थ में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तह्रम् से हुई किसी नाम काँ बाब्त्, उक्स जिमिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दानित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा को निष्, और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,
- अधः, अभ, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ए के अनुसरक को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (१) हे अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) (1) श्रीमती एम० ई० सेलाहुद्दिन,
 - (2) एम० ई० इडरीस अहमद,
 - (3) एम० ई० इलयास अहमद,
 - (4) एम०ई० रिशक अहमद (अन्तरक)
 - (5) एम०ई० मसूद अहमद,
 - (6) श्रीमती बहुन्निसा,
 - (7) श्रीमती शमी हिन्तसा
 - (8) श्रीमती फ्तीमुन्नीसा,
 - (9) श्रीमती अमीरुन्निसा
 - (10) श्रीमती हबीदुन्नीसा,
 - (11) श्रीमती सिराजुन्नीसा,
 - (12) श्रीमती जहुदुन्नीसा, नं० 6, सादर पत्राम्ता रोड, बंगल्र

(अन्तरिती)

- (3) (1) श्री के० अनवर
 - (2) मिसर्स शाहीन
 - (3) मिस नसरीन नं० 7, गोडौन स्ट्रीट, सादर पताप्पा रोड, बेंगलूर-2

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उस्त विभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुबा हैं।

नन्स्या

(दस्तावेज सं० 455/84ता० 11-5-84)

सम्पत्ति है जिसेका सं० 6 (132), जो सादरपताप्पा रोड, डिवीजन नं० 40, बेंगलूर में स्थित है।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**ख**: 1-1-85

मोहर 🛚

CONTRACTOR OF THE SECOND PROPERTY OF THE SECOND SEC

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज,बेंगलूर

वंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निर्देश नं० 62/44210/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके प्रकार किया निर्मात कहा करा हों). की धारा 269-ख के अवस्था स्थान अधिकारों का, अब विकास करने का कारण हों कि स्थावर प्रकार किसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 29 (सर्वे न० 12/1, 12/3 आदि है, तथा जो गेडडालहिल, बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के क कार्यालय बेंगलूर उत्तरतालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान 23-5-84 को प्वोंक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मृन्य से कम के स्थान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बैंगलूर में धारा 269 ए, बी. के अन्तगत सक्षम अधिकारी के रम्मूक रोजस्ट्री किया गया है। मूक यह विश्वाभ करन का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उज्जित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधानियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओट्ट/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अब्, उक्त अधिनियम् की भाग् 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भाग् 269-घ की उपभाग (1) के अधीन : निम्निशिखत अधितयों. अधीत :--- (1) श्रींबी० सत्यानारायन नं० 250/ए, 60 फीट मैन रोड, शिवानाहल्लि, बेंगलूर-10

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० चन्द्राशेकर
 नं० 103/1, 8 कास
 टेंपल रोड,
 मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3

(ग्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूबोंबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि. जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूवाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

'अनुसूची

(दस्तावेज सं० 576/84 ता० 23-5-84) मम्पत्ति है जिसका सं० 29, सी० ऐ० टी० बी० नं० 1450, सर्वे नं० 12/1, 12/3, 24/3, जो गेंडडालाहल्लि, बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 28-12-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/आर० 1193/37ईई 84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० णाप नं० ए-2 स्रौर ए-3 है, तथा जो सरगोवा क्युवेस रोड, गोवा में स्थित है (स्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रुर्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, सबस शीक्षीनयम के दर्शन कर दोने के जन्तर्क की दायित्व में कमी करने या उससे बदने में सुविधा के काए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् क्र--

(1) मैसर्स ग्रुप कन्सट्राक्शन कं० बी-15, नेंनगिनगर, रुवा डी क्वारेम, पनजि, गोवा (इंडिया)-403001

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अज्ञा ट्रांसपोर्ट प्रा० लि० 1320, सि०-वार्ड, लक्षमिपुरि, कोलहापुर (महाराष्ट्र)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध नेकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 986/84 ता० 29-5-84)

शाप नं० ए-2 ग्रौर ए-3, स्वामि नारायण अपार्टमेंटस, आपोजिट टु राजेंद्रा प्रसाद स्टेडियम, मरगोवा, क्युमेम रोड, कलकोन्डेम नावेलिम, माडगुवम, गोवा, में स्थित है।

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगालूर

तारीख: 2-1-85

प्रस्थ बाह्र . टी. एव. एस.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बधीन सुचवा

पाडल स्रकाड

कार्याबय, बहायक वायुक्त वायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/37इइ---ग्रार-118 9/84-85---यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार म्ह्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं शाप नं 6 है तथा जो केडमार श्रपारटमेंट स्वामि विवेकानन्द रोड पनाजि गोवा में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद श्रनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता 28-5-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथा गया है :——

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उन्नल बिध-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जेंस सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरणः मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीत, न्यिनियम विवयों, अर्थात् :--- (1) श्री सान्वुल सिम्पलिसिवी कारवालहो पनाजि—गोवा

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स दामोदर श्रौर कं० पनाजि—गोवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिशः गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 984/84 मा० 25-5-84) शाप नं०6, सेडमार श्रपार्टमेंट, स्वामी विवेकानन्द रोड पनाजि गोवा में स्थित है।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-1-85

मोहर 🔅

प्ररूप धाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना '

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० सो० ग्रार० 62/ग्रार-1204/37इइ०--84-85--यतः मझे, ग्रार० भारद्वाज

जागन्तर शिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,060/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसको मं० प्लाट नं० ए/5 है तथा जो वृष्ति ग्रपार्टमेंटस
न्यु वर्डम वासको गागामा में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध
ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बंगवूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन ता० 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्षति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे कि पान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स. जुला किसा अत्य या किसी घर या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ट्रमधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैसर्स रुकमिति कन्सट्राक्शन्स श्रीधर बिल्डिंग रूम नं० 4 1 फ्लोर वासकोडागामा गोवा-2

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ मरिया—डो—कारनो मिश्रा बैंक ग्राफ इंडिया वासकोडागामा—403802

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

(दस्तावेज सं० 995/84 ता० 29-5-84)

प्लाट नं॰ ए/5 ब्लाक 'ए' "र्त्वाप्त ग्रागारटमेंटस'' न्यु वाड्डेयम वासकोडागामा गोवा में स्थित है।

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलर

तारीख: 2-1-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निवास, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्धीन स्मृता

बारत बरकाइ

कार्यात्व, सहायक जावकर जायकर (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० नं० 62/ग्रार-1185/37इइ०-84-85-यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का ८३) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाटनं० विजि है तथा जो मापुसा बारडेज गोवा में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन ता० 28+5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का विम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निधित में बास्तिक क्य से किचन नहीं किया म्या है.....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त बीधनियब के वधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कनी कहने या उन्हों वचने भें सुविधा के बिए: और/या
- (क) एती किसी बाँग या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स प्रगति बिल्डिंगस स्रन्जुना बारडेज, गोवा

(ग्रन्तरक)

(2) मिसस म्रज्ले पेरैरा ग्रीर श्री स्काविचर पेरैरा ग्राल्टा फैरा दत्ता वाडि मापुसा बारढेज गोवा

∳श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्कों ब्रिट पर्वों का, जो उक्क बिधिन्यम, के बध्याय 20-क में प्रिशाषिष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 980/84 ता० 28-5-84)

प्लाट नं० बी० जी० ग्रोन्ड फ्लोर ''कासपोयाटो'' जो मापुसा बारडेज, गोवा में स्थित है।

> रः भारद्वाज सक्षप प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्र्योत रेंज, बंगलूर

तारीख: 2-1-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/ग्रार-1205/37-इइ०-84-85--यतः मझे ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रान्ड फ्लोर "किवता हाउसिंग काम्पलैक्स में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा औं लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 32—436GI/84 (1) श्रीमती प्रवाकर वासुदेव जोशी बैंक श्राफ इंडिया तलेगीवन गोवा

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स कविता एन्टरप्रासेस 23/41 मगनलाल सदन एम० वी० रोड, पनजि, गोवा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं]।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में डिया गया हैं।

श्रन्सूची ।

(दस्तावेज सं० 996/84 ता० 29-5-84)

सम्पत्ति है जो कारनजालेम गोवा हियर इन श्राफ्टर कालड "कविता हाउसिंग काम्प्लैक्स" में स्थित है।

> र॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारीसे सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 2-1-85

प्ररूप अहं . टी. एत. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८८५ (४) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आस्कर प्राध्यस्त (निरक्षिण)

पर्जन रंज, बेंगलूर

रेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1985

নিবিল শৃত লীত স্নাত্ত শৃত 62/স্নাত্ত-1056/37 ইई০/ 83-84-স্ব: নৃজী, স্নাত্ত নাংৱাল

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम करिकारी को, यह विश्वास करने का तारण है कि स्थावर सूर्योत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आर० एस० 173 ए-2, टी० एस० नं० 15 ए-2 है तथा जो अतावर विलेख अतावर वाई, मंगलूर में स्थित है (और ध्रमें उधावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 मई, 1984

की पूजाकत सम्प्रित के उचित बाजार मूख्य हो कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं हो और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पेस दश्यमान प्रतिफल का पेदह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उबत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी कियी आब या जिसी पत्र या अन्य अस्तियों को, जिस्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिला

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिय व्यक्तियों, अर्थात :-- मै० कुडां। श्रो निवासा भेनाय श्रोर कम्पनी, 12-305, न्यू फोल्डस स्ट्रीट, मंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ए० जे० सेट्टी और कम्पनी प्राइवेट पेमिटेड, रिप्रेजेंटेड बाई: श्री ए० जे० सेट्टा, जी० जी० रोड, काडियल वैल, मंगलूर-3।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां के करता हूं।

उक्त संपात के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनू**सूची**

(दस्तावेज सं० 1027, ता० 28-5-84)।

सम्पत्ति जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 173 ए-2, टी० एस० 15 ए-2, मोर्ता महल विल्डिंग, मधुवन रेस्टोरेंट श्रौर स्विमिंग पूल जो क्लानीर रोड, मंगलूर में स्थित है ।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी ृसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-1-1985

शस्य बार्ड टी. प्रमान प्रस्

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व-(1) के नभीन स्वना

STEE REAL

कार्यां तथ, स**हायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर ,दिनांक 2 जनवरी 1985 ,

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/43619/84-85—ग्रत: मुझे, ग्रार० भारहाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसकें पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारीं की वह निक्राल करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 39/ए प्लाट सं० 5 है तथा जो 6 मेन रोड, मलेश्वरम, बेंगलूर-3 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में र्राजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तार्राख 27 जून, 1984

को पूर्जिक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रिक्रिक्स के स्थिए जन्ति रित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने व्या कराण है कि अधापृत्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उनके द्श्यमान प्रतिफल सं, एसे द्श्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिक्ष के निम्नितियां उद्देश्य से नक्त वन्तरण जिवित में पास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—-

- (का) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त औधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त वीपनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया नवा या किया वाना पाहिए या, ज्याने में सहिया के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमर्नालिकत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डो० वी० पटनकर,
 नं० 39, 13 कास,
 11 मेन रोड,
 म लेश्वरम,
 बेंगजुर-3।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रो के० रामाकृष्ण प्रभु,
2. श्रो सुन्द्रा ग्रार० प्रभु,
3. श्रो गोगीनाथ ग्रार० प्रभू,
नं० 31, 11 मेन रोड,
मलेश्वरम,
बेंगलूर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्जन के निष् कार्यवित्रकां कंद्रता हो।

उक्त स्वादित से कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष्ठ---

- (क) इस सूचना के प्राचमत में प्रकाशन की तारीय से
 45 दिन की अवधि न तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि जो भी
 सुसूरिय नाय में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकेंगे।

स्कटोकरण:—इसमं प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

ग्रन्युची

(दस्तावेज सं० 1366/84, ता० 27-6-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० 39/ए (प्लाट नं० 5), जो 6 मेन रोड, मलेश्वरम, बेंगलूर-3 में स्थित है।

> ग्रार० भारदाज सज्जन जाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; बेंगलूर

तारीख: 2-1-1985

प्ररूप बाई ही . एव . एस . ======

नायक दू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अथीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/43557/84-85--ग्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रारं एसं 1288/2 टीं एसं सं 278/2 है तथा जो कस्बा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय मंगलूर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अलिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण बिखित में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुए किसी बाय की बाबब , उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अरेर/शः
- [ख] एसी किसी भाव या किसी भन्न या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार व्यिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ब्रिपाने में सुहैंबचा के शैंसए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधादा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रो ए० मगन लाल मेहता ' मै० ए० मगन लाल मेहता कं० नियर श्रजाऊद्दीन रोड कास मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वी० शा भागस्त मैसर्स परिमाला ब्रदर्स नियर म्रजाउद्दीन रोड कास मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़को पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अवेन के संबंध में कोई भी सक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए का सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिस्आपित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस्र अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 457/84 ता० 29-6-84) \hat{i} सम्पत्ति जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 1288/2, टी० एस० सं० 278/84 जो कस्बा वाजार विलेज मंगलूर में स्थित है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 2-1-1985

प्ररूप बाइ^९. टी. एन. एस.======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/45013/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० 42/2 ए 2 बी 42/2 ए 1 बी है तथा जो डेरेबैल विलेज मंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रोकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 14 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अविनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्रो के० चन्द्राहासा शेट्टी एस० बी० टेंपल गार्डन बलाल भाग, मंगलूर-3।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० के० लो. ग्पाँ केयर ग्राफ बम्बई टेयर्स कुलूर मंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 373/84 ता० 14-6-1984)। सम्पत्ति जिसकी सं० एस० 42/2 ए 2 बी० 42/2ए 1बी जो डेरेबैल विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

स्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन[ो] रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-1-1985

श्रुक्ष्य बाईं.टी.एर्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहामक आयकार जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगल्र

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरो 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/44244/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 1920 है तथा जो श्रार० पी० सी० ले लैशाउट बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन तारीख 6 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रंजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, श्रीरामपुरम में धारा 269 ए. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के सम्मुख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान शति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अधिनयभ के अधीन कर दोने के लन्तरण ले दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) एंगी फिटी जाय या शिक्षी धर या अन्त आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या या-कर अधिनियम, या या-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवांचनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का विका धावा चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए:

ज्राः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री डी: दयानन्दा
नं० 383/3 III क्रास
IX मेन रोड
विजया नगर
बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० पुट्टास्त्रामी सं० 114 नंजाणा ब्लाक कम्पेगौड़ नगर बेंगलूर-19

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रीम, जो भी वर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संपत्ति में दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हुनारा अधोहस्ताक्षरी क पास निक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पत्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उपस् अधिनिवम को अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होंगा जो उस स्ध्याम जो दिका गया है।

नम्स्पी

(दस्तावेज सं० 794/84 ता० 6-6-1984)। खाली जगह है जिसकी सं० 1920 है तथा जो ग्रार० पी० सी० ले ग्राउट बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-1-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/43638/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2416 है तथा जो 1 क्रास होसावंडिकेरी के० ग्रार० मोहल्ला मैसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रोंकर्ता के कार्यालय मैसूर में धारा 269-ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रोंकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्द, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिग्; और/अ
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीमती जसावाराजम्मा नं० 2416 I क्रास होझाबंडिकेरी के० ग्रार० मोहल्ला मैसूर।

(अन्तरक)

(2) एम० नंजुन्डा स्वामी सं० 2354/1 I मैन चामुन्डीपुरम के० ग्रार० मोहल्ला मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1374/84 ता० 22-6-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० 24/6 जो 1 क्रांस होसाबंडीकेरी के० श्रार० मोहल्ला मैसूर में स्थित है। (60/-40/)।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी - सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज़, बेंगलुर

तारीख : 1-1-1985

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. =====

काय ब.र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/43339/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० 233/3, 232/12 एक्सेट्रा है तथा जो हेरावानाड विलेज कुरग में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रयोन तारीख 11 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मिडकीर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया ही

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धनकर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) 1. श्री भन्त्रान्डा कृन्जाणा
 - 2. श्री जब्बान्डा पी० गंगव्वा
 - 3. श्री जब्बान्डा ए० ग्रोपाम्मा श्रलियास नगव्ना
 - श्रो जे० पी० बजाको म्रलियाम पहु हेरावनाड

कोलागदाल और कालोकेरो विलेज ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० वी० वोगेंद्रानात महादेवापेट मडिकेरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंकत व्यक्तियों में में दिल्ल व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

वनस्पी

(दस्तावेज सं० 399/84 ता० 11-6-84)। सम्पत्ति जिसका सर्वे मं० 233/3, 232/12, 229 232/7, 232/13, तथा जो है रावानाड विलेज कूरग में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 1-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सो० ग्रार० सं० 62/43668/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जाक सं० 101 है तथा जो सौंदर्य रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णितहै) राजस्टाकरण श्रीधानियम 1998 (1908 का 16) के प्रधान ताराख 16 जुलाई 1984

को प्वींक्त संपित्त के उचित बाजार मल्य से कर्म के इश्यमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्शा कार्यालय शिवाजि नगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ल/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया बाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिएके

बत: बन, अक्त अधिनियम की धारा 269-मं के बन्सरक भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के कथीन नियमिलिखित व्यक्तियों, अधात :----33 --436 GI/84 (1) 1 श्रोमतो मरिबुशण वितयाम्मा
2. श्री एस० तरे तराज
3. श्री डो० सत्य राज
नं० 10 सौंदर्थ रोड
क्लिबेल्यांड टाउन
बेंगलूर-5 ।

(म्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके वृद्यों का सम्मेरित के अवन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , सो सी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रश्निकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारुष्टि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

(दस्तावेज सं० 1136/84 ता० 16-7-84)। समाति जिल्ला सं० 10/1 है तथा जा सींदर्थ रोड सिविल स्टेशन बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सञ्जम प्राधि हारो सहायक आयकर आपुक्त (निराक्षण) स्रजैत रेंज, बेंगजूर

तारीख : 28-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

भ्राजेन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां हा जनवरी 1985

निदेश सं० सा० ग्रार० सं० 62/44271/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिज्ञकः सं० प्लाट सं० 10 है तथा जो वेलर रोड एकार्टेशन ताम उटाउन बेंगलूर डिर्व जन नं० 74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है) राजिन्द्रः करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख 27 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालग शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह । था पूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसक् बाधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 (1) डा० तामत जे० डि ौजा सं० 8/8 V क्राज हुथिन्त रोड त.म. टाऊन बेंगलूर-5 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो ए० बी० डिसौजा ।
2. मिसर्स फिलोमेना डिसौजा
न० 8/8 V कास
हथिन्त रोड
बेंगलूर-5 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कायवाहिया करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्घी

(दस्तावेज सं० 899/84 ता० 27-6-84)। सम्पत्ति जिसका सं० प्लाट नं० 10 है तथा जो बीलर रोड एक ग्टेंशन तामत टाउन, बेंगलूर डिविजन नं 74 में स्थित है।

> स्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर त्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन् रेंज, बेंगलूर

तरीख : 1-1-1

मोहर 🗓

त्रस्य बार्ड. टी. एन्. एस.-----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्थाजय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 1 जात्ररो 1985

निदेग सं० प्रा.र० सं० 62/44246/34-35--प्रतः मुझे आर० भार द्वाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब क बधान सक्षम प्राधिकारा का, यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जि.क: सं० 1102 (दक्षिण भाग) है तथा जो II ब्लाक 1 स्टेज बनाणं हरा बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धः श्रनुसूत्र: में श्रीर पूर्ग का से बिणत है) राजस्त्रा करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16(के श्रश्रान ताराख 2 जून 1984 का प्बाबत सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवन गुडि में धारा 269 ए. बी. के अंतगंत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के

प्रतिफल के लिए रिपस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवन गुडि में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गा है मुफे विशास करने का कारण है कि यह पूर्वावित सम्गोत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृशमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशा से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिएता में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) कल्लरण से हुई किसी आय की वाबत, इक्स विभिन्यम क बधीन कर दन के अन्तरक की दायित्व में कमी करन या उसस वचन में सुविधा क निए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हा भारतीय आय-कर बांधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंधानयम, या धन-कर आंधानयम, या धन-कर आंधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

कत कब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्राटो० एस० नंन्जुन्डेय्या नं० 157
 19 मेत रोड श्रामगर बेंगलूर-50 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो के० सो० नन्दा कुमार नं० 43/3 कनाकापुरा रोड बसवन गुडा बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को बह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिए कायवाहिया शुरू करता हूं।

हक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ हु:गण को उस अध्याय में दिया मुखा है।

अनूसूची

(रस्ताति सं. 761/34 ता० 2 न्त 1934)। समाति है जिक्ता सं० 1103 (रिज्ञण भाग) जी II बतात, I स्टेन बनायं हारा बेंग्यूर डिशाना तं० 31 में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सञ्जम प्राधिकारो सहत्यक स्रायकर म्रायुक्त (निरक्षण) स्रर्जन रेंज बेंगलूर

तारीख: 1-1-1985

मक्य बाहं टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 जनवरो 1985

निवेश सं॰ 62 /44256/84-85-म्ब्रतः मुझे, म्रार॰ भारहाज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिप्तको सं० 10/1 है तथा जो क्लैन रोड बंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधान ताराख 8 जुन 1984

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्त के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के सम्मृख/के पास राजिस्ट्रीकृत क्कया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्तिए, सूडि/सा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर 'अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) कुमारा सन्ध्या एम० श्रानिवासा नं० 2 I सा० मेन रोड ग्रार०पो० सो० ले ग्राउट बेंगलूर-40 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० एम० ग्रनवरनं० 15, डकोस्टा स्केयरबेंगलूर-5।

(ग्रन्तरक)

 (3) श्री केनेन पोत्रेल नं 10/1 क्लैन रोड बेंगलूर-5 ।

> (वह व्यक्ति जितके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह भूचना बारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहिया करता है।

उक्द इम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1676/84 ला०. 8-6-84)। सम् ति जित्ताो सं० 10/1 है तथा जो क्लैन रोड, कुक टाउन बेंगलूर -5 में स्थित है ।

> न्नारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख: 1-1-1985

मोहर 🕄

मतः जब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर. दिनांक 1 जनवरो 1985

निदेश सं० स्रो० म्रार० सं० 62/43335/84-85-- म्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. स अधिक है

कीर जि.का सं० एस० 2-1 सो बो है तथा जो मुदु तानसे विलेज उड्डार तालुक डो० के० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्था करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख 14 जून 1984 का प्वास्त सम्पत्त के जीचत बाजार मृत्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्त के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतगत सक्षम अधिकारों के सम्म्ख/के पास राप्त है के अंतगत सक्षम अधिकारों के सम्म्ख/के पास राप्त है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से आधिक है और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्दर्श से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहों किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारताय आयकर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त आधीनयम, या धन-कर आधीनयम, 1957 1957 का 27) के श्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा (कट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए ता, छिपान में सुविधा के लिए।

बात अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधानयम का धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्राबो० एम० पांडुरंग कामत कल्याण पुर मुदु तानसे विलेज उडुनि तालुक पोस्ट कल्याण पुर ग्रालफान्सो पेरैरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिलेन बी० पेरैरा
मुदु कुर्दु मुदु तानसे विलेज.
उडुपि तालुक
पोस्ट कल्याणपुर ।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियः करतः हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्कों के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह।

जनत ची

(दस्तावेज सं० 410/84 ता० 14-6-84), सब सम्पात जिजका सर्वे नं० 2-1 सा० बो० जो मुदु तानसेन विलेज उर्द्धा तालुह डो० के० डिस्ट्रिक्ट में स्थित है ।

> त्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज बेंगलूर

तारीख: 1-1-1985

माहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ११ (1) के अभान स्वना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज वेंगलूर

बेंगनूर, दिनां ह । जात्ररी 1985

निदेण सं० सी० आर० 62/43515/84-85--- ग्रत: मुझे, ग्रार० भारद्वाज.

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से इधिक है

श्री जिनक सं 10 है तथा जो भौदरस रोड़ क्लिबेलांड टाउन बेंगभूर में स्थित है (और इतते उगबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), राज द्वाता श्रीधकारा के कार्यालय शिवाजा नगर में राजद्वारण श्राधितयम 1908 (1908 का 16)

राब 18 जून 1984 को पूर्वाक्त सम्पान्त क उन्तत काजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पन्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल स, एस द्श्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रातशत स आधक ह आर अतरक (अतरका) और अतरिती (अन्तारातया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नोलीखत उद्दश्य स उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आयाको बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दान के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हा भारताय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधीनयम, बा धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उवत आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त

- (1) 1. श्रोमतो मरिय वृशनावतयाम्मा,
 - 2. श्रा एतः नेरेनाराज
 - श्रा बो० सत्याराज
 नं० 10, सौंदरस रोड़,
 क्लिंग्लयांड टाउन,
 सिविल स्टेशन,
 बेंगलूर-5 ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती मेत्तेकर तहेरूनिसा नं० 35/1 मःडेल कालोनो I स्ट्राट, एशवन्तापुर, बेंगलुर-22।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर रक्त स्थाना मणान्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लाखत में किए जो सक्ताः

स्प्रक्तिर्ण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों की, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अधे होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं: मया है।

मनुसुधी

(दस्तावेज सं० 800/84 ता० 18-6-84)। सम्जीत जिल्हा सं० 10 जो सौदरस रोड़ क्लिनेयांड टाउन बेंगलूर-5 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वान सक्षम जाविकारा सहायक प्रायकर प्रापुता (तराक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-1-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० सो० आर० 62/45014/84-85-आतः मुझे आर० भारक्षाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह जिश्वास करने का कारण हैं कि रथावर संपत्ति, जिसका अचित थाजार मूल्य 25 000/- रा. सं अधिक हैं

स्रोर जितको सं० 76 है तथा जो बगड बेड़ विलेज उड़िप तालुक द० क० में स्थित है (ग्रीर इससे उगबद्ध अनुसूचः में श्रीर जो पूर्ण रूप से विण्त है), जिल्द्रीर ति श्रीधवार के कार्यालये उड़िप में रिजिन्द्र करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधन तर ख 22 जून 1984

को प्रवीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थ्यमान प्रोतफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह भविष्यस करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य , उसके दृश्यमान अतिफान से एसे दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफान, निम्निनियन उद्दृश्य के उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लए, और/वा
- (क) ऐसी किसा आय या किसा धन या अन्य आस्तर्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा इक नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, । छपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) मिसेज ग्राजिजा,
 किन्निमुलिक ग्राफ उडुपि टाउन,
 पोस्ट उडुपि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो जान्सी लौरा कारकडा, बैलूर, नं० 76, वंडंगबेहू विलेज उडुिंग तालुक पोस्ट उडुिंग ।

(अन्तरक)

कां यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि के जिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकागः

स्यष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 520/84 ता० 22-6-84)। सब समात्ति जिनका सं० 76 है. जो वडगबेड़ विलेज उडुपि तालुक दक्षिण कन्ना में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/45017/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रार० भारढाज,

त्रायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० ग्रार० एस० 5-1 है तथा जो कदि बीठ विलेज मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्री: ग्रो पूर्ग रूप से बिगा है) रिजा द्रो कर्ता ग्रीध कार, के कार्यालय प्र मंगलूर जिटा में रिजा द्रो करण ग्रीध नियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ताराख 20 जून 1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उत्त्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन न्यूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ केनियने नगरा एकत नगीं किया गया **था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृ**विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री चारलेस पिटो

(अन्तरक)

- श्री क्लिटर रीको,
 रिप्रेजेंटेड बाई :
 मिसेज एरेने रोको,
 किंपकाड बिजै,
 मंगलूर-4 ।
 डा० सो० मितवास रोड,
 विजय मंगलूर-4।
- 2. मैंसर्स अलैस, लोबो, बिजै, मेगलूर-4

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजणत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्यी

(दम्नावेज सं० 403/84 ता० 20-6-84)। सम्गति जिकाः सं० श्राप्त एप० 5-1 है तथा जो कदि बो विलेज मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 3-1-1985

प्ररूप वार्ष टी. एन्. एस. ----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, हेन्डलूम हाउस. अ $\overline{\nu}$ श्रम रोड, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पो० म्रार० नं० 3215/II—म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीरजसको सं० श्राफिस नं० 328 है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुवत श्रीधकारा के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 37ईई० के श्रा धीन तारीख 17 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कः पन्तृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय एया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अंतरण से हुइं किसी नाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

(1) मैसर्स शांति बिल्डर्भ रिंग रोड, सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मणी देवी राधेश्याम हालू बाजार, भिवानी (हरियाणा) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लहरील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शिला पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वातः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिङ्गद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में स्थित गया है।

अन्स्की

श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 37 ई०ई० का श्रनुसार का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 17 मई 1984 को पेश किया ग्या है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-12-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भाग 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, हेन्डलूम हाउस, आश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3216/II—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अिश्वियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 428 है तथा जो रिंग रोड सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 37 ई०ई० के ग्रधीन तारीख 17 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, %क्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बरिश्वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कवारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना पारिस्था की निर्मा के स्वित्या के स्वित्या के स्वत्या के स्वत

कतः गावः, उक्त करिः नयमः, को धारा 269-ग के बन्धरः में. में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की स्पधारा (१) के बधीनः, निस्निनिकत व्यक्तियों, अधीतः — (1) मैं० शांति बिल्डर्स भ्रजन्ता शांपिंग एण्ड टेक्सटाइल भ्ररेकेड रिंग रोड सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ॰ भोलाराम एण्ड संस बी 3326 सूरत टेक्सटाइल मार्केट रिंग रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त -अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

म्रायकर म्राधिनियम की धारा 37 ईई के म्रनुसार के फार्म यह कार्यालय में मई 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-12-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, होन्डलूम हाउस, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3217 ,—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 225 है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ई०ई० के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास इंदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रविशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षक, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निश्वित में वास्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किसा गया है ध-

- (क) अन्तरण पंहुइं किसी बाग की बावस्, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्य में कमी करने वा उससे बसने में सुविधा खे के लिए; और/का
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्या को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना वाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरक मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० शांति बिल्डर्स,
 रिंग रोड,
 सूरत।

(अन्तरक)

 मै० न्यू विटेक्स इन्डस्ट्रीज, प्रा० लि०, भाटुंगा, सम्सई।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निक्ष कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्ति. " पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

आयकर अधिनियम की धारा 37ईई के अनुसरण में फार्म यह कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 10-12-1984 माहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, हेन्डलूम हाऊस, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3218 II,—अतः मुझे-जी०के० पंडया,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 227, है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, '37 ई ई, के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमत प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण हो कि अथापवोक्त सम्पत्ति का उत्तिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिकों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एएएएट विवास स्वाप्त प्रकट नहीं जिल्हा तथा आया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

मैसर्स शांति बिल्डर्स,
 रिंग रोड,
 सूरत ।

(अन्तरक)

 मैससं सन इन्डस्ट्रीयल प्रोडक्टस, चखली रोड, बिलीमारो।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समान्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों मों से फिस्सी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ क 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्भीत्त में हित-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षिकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

आयकर अधिनियम, की धारा 37-ईई के अनुसार का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक 10-12-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, हेन्डलुम हाउस, आश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3219/II — अतः मुझे जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं आफिस नं 241 है, तथा जो अजंता शोपिंग सेन्टर, सूरत में स्थित है स्रौर (इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती सहायुक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 मैसर्स शांति बिल्डर्स, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

रमेश कुमार, सिडावटका,
 केअर आफ धीसालाल श्रीराम,
 सीकर (राजस्थान) ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गमा है।

आयकर अधिनियम की धारा 37-ईई, के अनुसार का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्रकप् बाइं., टी. एन. एस्. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3220/II—अतः मुझे, जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० आफिस नं० 638, ई तथा जो अजन्ता शोपिंग सेन्टर है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त के कार्याजय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1984

भ्रो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, ऐसे कश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक कप से लही किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गप्ता था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः उक्त जीवनियम की धारा 269-ग की 'जनसरक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्मितिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् ह

 मैसर्स शांति बिल्डर्स रिंग रोड़, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री विपुल कुमार जे० गांधी गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

आयकर अधिनियम, की धारा 37-ईई के अनुसार का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 11-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्बाबय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज,-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश र्सं॰ पी॰ आर॰ र्नं॰ 3221/II — अतः मुझे जी कं॰ पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 634, रिंग रोड, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, औड/बा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धन- कर बिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मैसर्स शांति बिल्डर्स,
 रिंग रोड,
 सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री चेतन कुमार, मोहनलाल गांधी, श्रीर अन्य गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगितत में हित वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निक्षित में किए था मकतें।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अन् सूची

आयकर अधिनियम, की धारा 37-ईई के अनुसार का फार्म दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 11-12-84 मोहर: प्ररूप सार्च.टी. यून. एस. -----

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमद ।द अहमदाबाद दिनांक 11 दिसम्ब 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3222/ ---अतः मुझे जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका एकिन अखार मूंच्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 832 'ए' है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्ट्रीकर्ता के सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरण है जिए तय पाया नया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्त विक स्प से कियत नहीं किया यस हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्स बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयभ, या धन कर अधिनयभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स शांति बिल्डर्स रिंग रोड, सुरत ।

(अन्तरक)

 ए० पी० लल्लू भाई, सेटलीवाला, ईन्दरपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अर्वाध या तःसम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त दांती हो, के भीतर पूर्वो के व्यक्तियों में में बिसी करिकत द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आयकर अधिनियम, की धारा 37 ईई के अनुसार का फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 11-12-1984 मोहर ू

प्ररूप बाई. टी. इन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक कायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984 निदेश सें० पी० आर० नं० 3223/ —अतः मुझे जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 622, रिंग रोड है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
35—436GI|84

 मैसर्स शांति बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

श्री नारायण दास, हरमान सिंह, जुनेजा,
 रिंग रोड,
 सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा 37-ईई के अनुसार का फार्म] पर कार्योलय में दिनांक 1,7-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

दिनांक: 11-12-1984 -

ब्रस्य बाह्ये हो । एन । एस .==----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984

निदेश स० पी० आर० नं० 3224/II — अतः मुझे जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 226 है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन दिनांक 17-5-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दा अन्तरण किखा में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है डि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कुट देने के बन्तरक के दायित्य में कमी करूपे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 मैंसर्स शांति बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

 मैसर्स न्यू विटेक्स इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड, माटुंगा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा 37 ईई के अनुसार का फाम पर कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 11-12-1984 मोहर 🖫 प्ररूप आई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3225-II —अतः मुझे जी०के० पंडया,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रीर जिसकी सं अाफिस नं 312 है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर दक्षिण में भारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

क्तः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — मैसर्स शान्ति बिल्डर्स रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री हेमन्त के॰ जरीवाला, सूरत ।

(अन्तरिंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

आयकर अधिनियम, की धारा 37 ईई के अनुसार का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 17-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 11-12-1984 मोहर :

प्ररूप बा**र्**ु टी_ं एन्. एस_ु-----

बायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3226/II — अतः मुझे जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट , सुनील अपार्टमेन्ट है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार आधिनियम या धनकार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री निनाद कुमार जी० शाह, सुनिज अपार्टमेंट, सूरत
- श्री नदिनचन्द्र लक्ष्मी चन्द सवामी, काजी, मर्दान, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पस्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्प

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 2480, नम्बर पर दिनांक 11-5-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबद

दिनांक 12-12-1984 मोहर 3 प्ररूप नाई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश र्स० पी० आर० नं० 3227/II — अतः मुझे जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3343 है, तथा जो रिंग रोड,] सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
रेती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित
के बास्तिक इप से कथित महीं किया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रॉट्र/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निविचयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण -, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) । अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अधीत है—

1. श्री अमृतलाल मकनजी, 461, गोपालक गली, मुलजी जंगे मारकेट, सम्सई ।

(अन्तरक)

 मसर्स राजेश सिल्क मिल्स, जगन्नाथ दिवान जी, मजूरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 3881 नम्बर पर दिनांक 3-5-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबा

दिनांक 12-12-1984 मोहर :

प्रसम बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3228/II—अतः मुझे जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नार्थ नं० 1435, वार्ड नं०, 1, टी० पी० एस० नं० 2, है तथा जो अपार्टमेन्ट, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-1984

की पूर्णेक्स संपित्त के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को हित्ए; बीर/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित अधिनतयों, अर्थात् ु— अरिटंन, कोरपोरेशन,
 रिद्धि सिद्धि अपार्टमेन्ट,
 सोना फलिया,
 सुरत ।

(अन्तरक)

 श्रीमती वरुणासरन, दिनेशचन्द्र महेता, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं में शिकाशन की तारीख पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि हो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्युक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिक्यतं जो सूरतं में स्थितं है। सब रिजस्ट्रार सूरतं में 2670 नम्बर, पर दिनांक 14-5-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 12-12-1984 मोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984
निर्देश नं० पी० आर० नं० 3229/II ——अतः मुझे
जी० के० पांड्याः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

्यौर जिसकी सं० फ्लेप्ट अरिटंल अपार्टमेन्ट है तथा जो नागपुर स्रदः में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।
तिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ।
तिपति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ।
या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्तं अन्तरण लखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्िती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हैं—

- (1) मैसर्स ग्रोरिटल कोर्पोरेशन सोनी फलाया, सूरत। (अन्तरक)
- 2. श्री धीरजलाल खतेरनभाई वापीयाशेटी, महिधरपुरार, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स परि

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3532 नंबर पर दिनांक 14-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 12-12-1984

मोहर 🦫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

् निर्देश सं० पी० आर० नं० 3230/II — अतः मुझे जी०के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट ग्रोरिटल अपार्टमेंट नानपुरा-सूरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स ग्रोरिंटल कोर्पोरेशन सोनीकलीया सूरत । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जयवंतिसरन जयन्तीलाल कदम्पली के सामने नानपूरा, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर गम्पीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची)

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार ,सुरत में 3533 नंबर पर दिनांक 14-5-1984 को रिजस्टिंड की गई

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणड् अर्जन रेज 2, अहमदाबाद

तारीख: 1.2-12-1984

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी एन एस. - - -

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3231/II-- अतः मुझे जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाविकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट स्रोरिटन सरेस्परी है तथा जो नानपूरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यीलय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 मई 1984

को पृत्रों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पिद्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक कं वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बौर/या '
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बीय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाह्मि था छिपाने गाँ स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) कें के अधी , निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36-436 GI/84

(1) डा॰ मीनाक्षीसरन भरतकुमार शाह ग्रोरिटल अपार्टमेंट, सूरत।

(अन्तरक)

 मैसर्स झोरिटन कोर्पोरेशन सोनी फलीया, सुरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेतित सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया हो ने विभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुनन के राज्यत्र म प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास

स्पष्टीकरण: इसम पत्रव शाहा और पढों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वह शिश्य हागा जा उस अयाय में दिया गवा हो।

वन्स्यी

मिलकत जो नानपुरा सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 3534 नंबर पर दिनांक 14-5-1984 को रिजस्टडं की गई है।

जी**ं कें ० पंडया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 14-5-1984

प्रस्प बाइ .टी.एन.एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3232/II/—अतः मुझे जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 2-2171, सूरत टेक्सटाईल पार्केट में है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- शुंक) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता. उनल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे स्वनं में लुजिया के सिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तित को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनिवृत्त , 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छित्राने में उतिबंधा के बिएक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उणत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पूनमचंद देवचंद केसरीमल दलीचंद शाह लल्लु-भाई चकला मरुचि।

(अन्तरक)

2. श्री किशनचंद फलेरचंद नंदपाली चरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिसा करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था बत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीखर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उटत स्थायर सम्बक्ति में हितबस्य कि भी अन्य व्यक्ति त्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ता सकती।

स्माब्दीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

मनुस्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिज़्स्ट्रार, सूरत में 4392 नंबर पर दिनांक 29-5-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 12-12-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० पी० आर० नं० 3233/2—अत: मुझे, पी० के०

पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० ए०-3341 है तथा जो सूरत टेक्सटाईल मारर्केट सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक, है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्तविक रूप से कथित, नहीं किया गया है :—

- (क) बन्ताहम से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त बुधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन दा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने ये मुविधा के लिए;

कतः नव, उक्त निर्मानयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त निर्मायम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, कक्षित क्रे-

- 1. श्री लखीराम केसरीलाल पिल्टी गेट, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (1) राजशेकुमार केसरीलाल शाह।
 (2) भरतकुमार दीपचंद कजीरपुरा भरुच।
 (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के बर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्चीं

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4393 नंबर पर दिनांक 20-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी यहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख: 14-12-84

मोहर 🖰

हरूव बाह्र . टी. एप. एवं .

अधिकार लांधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) की अधीन सूचना

HULL HERE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद
अहमादाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1984
निर्देश सं० पी० आर०नं० 3234/2—अतः मुझे पी० के०
पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह दिक्तास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी पं० दुस्त नं० 1-2300, रींगरोड है तथा जो सूरत में स्थित है (और इन्हें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगित्र है); रिजिस्ट्रोकियों अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रोकिरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत् हि— 1. श्रीमती लीलावतीसरन जगजीवनदास 15, जवाहर नगर, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री राजेशकुमार केसरीलाल केसीरमल, भरुच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया एया हैं।

बत्स्वी

मिलकत जो सूरत में स्थित है जिसका रिजस्ट्रेशन 4396 नंबर पर मई 1984 में सूरत खब रिजस्ट्रिशर, कार्यालय में हुआ है।

> पी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 14-12-1984

प्रक्रम कार्. ही. एव . एव . - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अरथ 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत रहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 3235/2 84-85-अतः मझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 82 है तथा जो उधना श्रौद्योग नगर, उधना में स्थित है श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मई 1984

फो पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है जारे मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से एसे दृश्यमान अतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया यया प्रतिकल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त य वास्तिक हम में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उसके स्थने में सृविधा के सिम्ह सार्ट,/शा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियानी में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थत :-- श्री लक्ष्मीचंद भागाजी वी० के० हीरालाल जवेरचंद रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री रिमलाबेन अमूर्तलाल गांधी पार्क 'यू' उधना रोड, नं० 3 उधना, सूरत।

(अन्तरिती)

कां यह स्था बारी करके द्वाँबत संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों अधिनियम, के अध्य है, वहीं अर्थ होगा। मया है। जो उ**यत** परिभा**षित** व सं दिया

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2989 नंबर पर दिनांक 22-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडयाः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्मक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 14-12-84

मोहर 🛭

प्रकार बाद'.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के अधीन सुज्

HER ESTE

कार्यानय. .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमादाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3236/2/84-85--यतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बोजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संबद्धकान नंव क्यूव 2146 है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है) श्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है); रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विज्ञान, तारीख 21 मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यश्रम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स विभवनदास आत्माराम चौकसी भागीदार—श्री गमनलाल चम्मकलाल चौक्सी। 3/781, नवापुरा, कारवा रोड सूरत।

(अन्तरक)

 श्री भगवानदास वालचंद शाह 10/1142 हवादिया चकला, गोपीपुरा, सुरत ।

(अन्तरितीः)

कां यह सूचना बारी करके पृशाँक्त सम्प्रित की अर्जन के शिक्स कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकयत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 4240 नंबर पर दिनांक 21-5-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

वारीख: 14-12-1984

अरूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० पी० आर्र० नं० 3237/2—अतः मुझे,पी०के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० आर० एस० न० 214 वांज है तथा जो, ब्लाक नं० 86—संचीन, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात क्रिक्त

- (1) श्री भगभाई कालाभाई।
 - (2) श्री ढाकोरभाई भावजीभाई।
 - (3) श्री भामाभाई भाणाभाई, ग्रौर अन्य सूरत। (अन्तरक)
- मैसर्स सचीन उद्योग विकास सहकारी संघ लि० प्रमुखश्री बी० एस० कान्द्रेक्टर सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्को।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मिलकत जो वांज और सची में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3918 से 3928 नंबर पर दिनांक 4-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 14-12-84

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाच 15 दिसम्बर 1984 विर्देश स० पी० आर०न० 3238/2—अत मुझे, पी०के० पंडया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम महा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास दारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/ रु से अधिक है.

श्रीर जिसकी स० प्लाट बडीदा है तथा जो बडीदा में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध अनस्व में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना अग्निमार के पार्यालय, बटदा में रिजस्ट्रीकरण अग्निनयम, 1908 (1908 का 16) के अग्नीन, तारीख मई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुश्ते यह विश्वयम करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें स्थ्यमान प्रतिफल के ज्लूह प्रौत्वत में अग्निक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कर्यन्ती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया स्था प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/या
- (का) गामी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्मियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यी उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्ध अनारिती द्यारा प्रकट नहीं किया गंधा था या जाना का राशित था कियाने में सिनिधः में लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात है—

- (1) भी बाभाई भूलाभाई गाह श्री मधुकान्ता भीखा भर्क्ड गाह तारावाग—चर्नी रोड, बम्बई। (अन्तरक)
- 2 महेशकुमार चेलाराम अन्द। मेसायटी बडोदा। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के निष्

रकत रम्पनि हे अजन के सम्बन्ध में काई भी ताक्षण —

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से विश्व का ना भूगा राज के बद्देश को विश्व का स्थान के एक

स्पस्ट किर

पदों का, जो उक्त क में परिभाषित हैं ।प्याय में दिया गया

सम्बद्धी

फ्लेट जो बडौदा सिटी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बडौदा में 8284 नबर प्र मई 1984 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> भी० के० पडया नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, अहमदाबाद

तारीख 15-12-1984 मोहर प्रस्य बार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अध्यान स्थान

बारत स्ट्रकाड

कार्यालय सहायक आयकर आकर्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3239/2—अत: मुझे जी० के०

पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 651, 1033 चौरस फुट है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति- कस निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण निस्वित में बास्तिबक ख्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम संहुई किसी शाय की बाबत, उक्त बिधनियुक के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कभी करने वा उत्तर्थ बचने में सुविधा मो सिष्; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपानी में अविभा की सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---37---436 GI/84 1. श्री भीखाभाई भूलाभाई शाह, ताराबाग्र चरानी रोड, बम्बई-4 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जमीबेन चेलाराम निहालानी शारदा सोसायटी बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोंपू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीयत जो वडौदा में स्थित है । सब रजिस्ट्रार वंडौदा में 8283 नंबर पर मई 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख: 15-12-84

प्रकृष वार्ड. ती एन एस . -----

आयकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत गाकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि १, अठमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 15 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 3240——अतः मुझे पी० के० पंडया

शायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायक सम्पत्ति, जिक्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट स्याजीगंज है तथा जो वडौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) में रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय वडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मई 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पनुदृ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पात्र गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किश्त नहीं किया गुरा है:—-

- (क) अतरण संहुई किसी अप की बाबता, तक्त अधिनियम के अपील कार दोने के अंतरक के दासित्व गांकमी अपने या समसे दचने में मिविधा के सिंग; अपील प्रांचा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था √ स्थितने में साबधा के लिए;

कर बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसाण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) श्रुंबधीन, निस्तिनिधित राज्यित्यों, अर्थात १०.

- 1. फादर ग्रोस्केर बेरोटो अलकापुरी, बढ़ौदा। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती टी० मोदी एन्टनी डिलिमा गोधरा, सिविल लाईन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी 'बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट जो सयाजीगंज बडौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बढ़ौदा नं० 3685 नंबर पर 14-5-84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2,अहमदाबाद

तारीख: 15-12-84

माहर :

प्रक्रम बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के बधीन सूचना /

भारत तरकार

कार्यालय स्टाप्ट कार्याक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज किंदिन सम्बाबाद

अहमदाबाद दिनांक दिसम्बर, 1984

निदेश सं०पी० आर० न० 3241——अतः मुझे जी० के० पंडाय,

अविकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो सयामागंज, बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है);

रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसा आय ये। किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिआने में स्विधा के लिए,

(1) हरि एन्टर प्राईसेस हरिलाल मोहनलाल डलक्का पीडा, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) श्री कलासरन वल्लभभाई पटेल लक्कड़ पीडा, बड़ौदा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रशिक्त सपित्त के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट न्यिन्तयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्ी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्याध्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा जा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सालामीपुरा, बडौदा में स्थित है सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 2684 नम्बर पर मई-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1,2, अहमदाबाद

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 15-12-84

मोहर :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर, 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3242/2---अतः मुझे, जी० के० पंडयाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जमीन कोठी के पीछे है तथा जो बडौदा में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, जायकर बधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री आत्याराम एन्ड सदीप सयाजीगंज, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीरग अपार्टमेन्टस् प्रमुखश्री आई० सैयद 204, श्री नाराया कि० ओ० हा० सोसायटी बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। -

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसुची

जमीन जो कोठी बिल्डिंग के पीछे, बड़ौदा में स्थित है। सब-रिजिस्ट्रार बडौदा में 3864 नम्बर पर दिनांक 25-5-84 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-/2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अब अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 15-12-84

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-क (1) को सभीन सूचना

BILLE STEEL

कार्यतम्, सञ्चयक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन् रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3243/H—अतः मुझे, जी० के०

पंडया

नायकार निषितियम: 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त निषितियम' कहा नवा हैं), की धारा 269- व के लधीन सक्तम न्रजीयकारी कों, यह निष्नास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उ विवत नामार मृत्य 25,000/- रा. से निष्क हैं

(ग्रौर जिसकी सं० जमीन निसामपुरा, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-84

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वस्त्रज्ञान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई और मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके क्रयज्ञान प्रतिकल से एसे क्रयमान प्रतिकल कम्मान्द्रह प्रतिकृत से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दिश्ल में कभी करने वा उससे ब्याने में सुविधा के निष्; बौर/वा
- (स) एसी किसी जान ना किसी धन ना अन्य आस्तियों स्रोत, जिन्हों मास्तीय सामका सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रका नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निस्;

क्ट: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) विन, निम्नीलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शोमनाषरन मनुभाई पटेल —-रमणभाई मनुभाई पटेल मयेदूल रूपाटरी बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) अशोकपार्क अपार्टमेन्टस प्रमुख्यक्षी के० एम० पटेल नगरोलीसला, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के विष्

उनक सम्मरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:-

- (क) इब सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तहरीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ६६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो ही अविध सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किस्क व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे

लाक्टीकरण है—इसमें प्रयुक्त शब्दों करि पदों कर, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नवृत्त्वी

जमीन जो निसामपुरा बड़ौदा में स्थित है सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 3721 नम्बर पर दिनांक 19-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-२, अइमदानाद

तारीख: 15-12-84 मोहर प्ररूप बाई. टी., एन. एस..----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत'सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-[, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 15 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 324 4II/---यत. मुझे, जी० कें० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जमीन अकीय हे तथा जो बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसुन्। में ग्राप्त पूर्ण कर से व्हांत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से काम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सपात्त का उचित काजर मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिकात रे अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरको) और अतरिती (अन्तरित याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता प्रधा ग्री प्रधा श्रीकरत, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मिकत में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया ग्रा है ---

- (क) अन्तरण मं हुइं किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक क बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, वन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री ईक्त्वालसात्र परसदयाल सीधा गुलाटी श्री स्वराज नरमेराम पाजेडी ईनोरापार्क, बडादा।

(अन्तरक)

(2) मैं ० एम० आर० जे० बिल्डर्स० प्रा० लि० उमाकिरण बिल्डिंग रामपूरा, बडोता।

(अन्तरिता)

को यह स्चना जारो करके प्रदेश सम्पाद के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की त्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो 'भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीख से 45 दिन क भीतर उपा स्थावर सम्पत्ति माँ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाइस्ताक्षरी के पास निर्मित में उपा जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- उसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो जुम अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

जमीन जो अकोटा, बजार में स्थित है, सब रिजस्ट्रार, वडौदा में 3659 नवर पर दिनाक 16-5-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II/, अहमदाबाद

तारीख : 15-12-84

माहर:

प्रक्य काईं , टी. एत् . एस्. = = == = =

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिना: 18 दिसम्बर, 1984

निर्देश स० पी० आर० न० 3245/2—अत्ः मुझे जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रः से कि धिक हैं

और जिसकी स० नारवाझाड हैतथा जो नडीयाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अन्सूर्च में आर पूर्ण रप से बणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के नार्यालय नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) दे अधीन 24-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, दिम्मिलित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) बंतरण संहुइं क्षेत्रशी बाय की वायत., उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा है निए; और/बा
- (म) परी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर सिधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया गया था या किया खाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

(1) श्री अरिपदमाई इन्दुभाई पटेल सतराम मंदिर, नवीयाद

(अन्तरक)

(2) कातासरन रावजीभाई पटेल और अन्य नडीयाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पार सिस्सित में किए वा सकांगे।

स्थाब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन जो नडीयाद में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नजीयाद में 2423नम्बरपरदिनाक 24-5-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 18-12-84

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एत.----

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद्ध, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निदेशनं० पी० आर० नं० 3246/2——अतः मुझे जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है जोर जिसकी संव विश्वा है और

अरेजिसकी स० नडीयाद हतथा जो नडायाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्री-रुत्ती अधिकारी के दार्यालय नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-84

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री ओच्छवलाल हीरा नाल और दूसरे पादापोल, नडीयाद

(अन्तरक)

(2) श्री गुजाममोहम्मद असुमोसी मेमण नडीयाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति ौ अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

्री स्

भवन जो नडीयाद में स्थित है। यब रिजस्ट्रार नडीयाद में 1007 नम्बर पर दिनांक 8-5-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पड़ंया सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, अहमदाबाद

तारीख: 18-12-84

मोहर .

प्ररूप बाई ुटी. एन. एड.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3247/2—अतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं बिरा है तथा जो तह-वडीयाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुद दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 38—436 GI/84 (2) श्री अंसालाल आर० पटेल ग्राम--डट्रेस ता० नडीयाद

(अन्तरक)

(2) श्री गुलामशामी ईस्लामशाही वोरा उंदरा ता० नडीयाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वारं के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध गाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

जमीन जो उंदरा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 2207 नम्बर परदिनांक 2-5-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया है सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 18-12-84

प्ररूप आई.टी.एन:एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांयः 18दिसम्बर, 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० $3248/I_1$ —अतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० राडगुड, ता० आतन्द हैतथा जो आणदे में स्थत है और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप दे विषय है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणदे में रिजस्ट्री इरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्य्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति १त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापधोंकत संपत्ति का उचित पातार मूल्य, उपके द्व्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पातार प्रतिकत में अधिक है वौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि कि विदेश के बास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1: के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

(1) अभीसीसी को सस्मार्था फब्लुद्दीन की विरासत और अन्य हाडगुड़ ता---भानन्द

(अन्तरक)

(2) श्री धरतीनगर को० ओ० हा० सोसायटी ु प्रहलादभाई भगदानभाई हाडगुड़ ता० आनन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के । अर्जन के िलए कार्यशाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध-, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना को राजपत्र सो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतार एकन स्थापर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिख्य में किए का समीचे।

स्पध्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो राडगुड,ता० अन्तन्दमें स्थित है। सब रिजस्ट्रार आनन्द में 2110 नम्बर पर दिनांक 14-5-84 को रिजस की गई है।

> जा० क० पड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 18-12-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शास्त्र विधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज II, श्रहमदावाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3249/II—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० संगीत है तथा जी खंगात सें स्थित है स्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुस्वों में स्रीर पूर्ण रूप से विगत है), र्राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय खंगात में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 7-5-84

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रशिश्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उवत अन्तरण हिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ६(1) स्तंभतीर्थ नपगच्छ ग्रदर जैनशाला ट्रस्ट श्री रमणलाल दलसुखभाई टिकरो, खमान

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयाभोई मगनभाई वृन्दावन सीयापदी खंभात

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति होता हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के
 पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

जमीन जो खंभात सीटी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, खंभात में 285 नम्बर पर दिनांक 7-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी ० के ० पंडंया समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज 1/II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-12-84

मोहर:

प्ररूप बाह्री, टी. एन., एस. ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निर्देश नं० पी० श्रार० नं० 3250/II—श्रतः मुझे जी० के० . पंडया

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० कंलोल है तथा जो जि० हसोजा में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलोल में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 28-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिकल के लिए अल्लारित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तमें अस्तिक रूप स किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जिला कर सिए;

(1) श्री द्वारकादास उमेददास, कलोल, जि० महसोजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीरामाई खोडीदास प्रजापति ग्रीर सासुलाल शीपलाल प्रजापति कलोल, सरदारसाग जिला महसोजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत् सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के षात्र विखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिका स्वा है।

बन्स्ची

जंगीन जो कलोल में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कलोल में 537 नम्बर पर दिनांक 28-5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेंज 1/II, ग्रहमदाबाद

अतः इत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अभात :—

वारीख: 18-12-84

मोहर ः

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज 2, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3251/II—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रः से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० कलील है तथा जो कलील जि० माहसीजा
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है) रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलील में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-84
की पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों) के औच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक इन स अधिन नहीं किया पना है:--

- (क) प्रस्तरम से हुई किसी मान की बाबत क्षेत्र छिन-निवय के प्रश्नीन करदन के प्रस्तरक के व्यक्तित में कमी क्षतन या क्षत्रे नचन में सुविधा के किए। मीए/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविधा के लिए;

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में. मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीकु :--- (1) पटेल अजमेरो एंड कं० रहमान जावाभाई अजमेरो फिरदोस फ्लैट, खानपुर अहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गायती लैन्ड कारपीरेशन महेन्द्र केशवलाल पटेल कलील

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिरायों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति (द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जमीन जो कलील में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कलील में 546 नम्बर पर दिनांक 17-5-84 रकी रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/II, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-12-84

प्ररूप आई.टी.धुन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर **धायुक्त (निरीक्षण**) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3252/II—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं 'के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहत से अधिक हैं

और जिसकी मंद्र नागलपुर है तथा जो महसोजा में स्थित है और इसमे उनाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप मे विणत है); राजस्ट्रीकर्त अधिवार्गः के वायिलिय महसोजा में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधन्रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो माधवलाल मगनलाल प्रजापति राजेन्द्रकुमार पंचवटी रूपमतो महसीजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो वालीनाथ को० ग्रो० हा० सोसाईटी खारी गाँडाभाई लीलाभाई गीतायार्क सौ. महसाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दां आर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जो महसोजा में स्थित है। सब रजिस्टर्ड महसोजा में 1752 नम्बर पर दिनांक 29-5-84 को राजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-12-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायधार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-ध (1) कि वधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3253/2—श्रतः मुझे जी० केठ पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 134 है तथा जो पारवाडी नकसारी में स्थित है) और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नवसारी में रिंस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नुलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिक्ति वे वास्तिक के बास्तिक करण से कियत नहीं किया गया है तिक से किया नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उसत विश्वभ को सभीव काद वेले के अन्तरक के बादित्य में कभी करने का उससे दभने में सूबिशा के किए; जोर/ा
- (क) हार्ड (यारी आव का कार्य वास्तवाँ का, जिन्ह भारतीय जानकर जिन्ह भारतीय जानकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए या, छियाचे के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री किशोरभाई छोटामाई पटेल द्वारा नवसारी

(अन्तरक)

(2) श्री जिपन्द्र ठाकर लाल मोटासार नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्त संपत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां कन्ता हो।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, का भीतर प्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकों हो !

स्थब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वन्स्ची

मिलकत जो घरवाड़ी ता० नवसारी में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार, नवसारी में 1451 नसर पर दिनांक 31-5-84 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> (जी०के० पंडया) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-12-84

प्रकृष बाह्". ठो .. एव. एव. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन स्चना

शारत स्रकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बम्म्बर, 1984 निङ्शासं० पी० ग्रार० नं० 3254/2—ग्रत: मुझे पी० के० पंडया

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, 2321 पी है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध शनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता सक्षम आयकर ग्रायुक्त ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 37 ईई का 16) के ग्रधीन मई 1984

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मण प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निश्वित में बास्तिश्वक कप से किशन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अभिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक शे वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः बर, उन्त अधिनियम की बाए 269-व के बनुबरण में, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित स्यिवतयों, अर्थातः :—— (1) न्यू महालक्ष्मी बिल्डसं 'उदय', ग्रादर्श सोसाईटी के पास सूरत

(प्रन्तरक)

(2) निलायसरन सी कोडारी गुरुकुपा सोसायटी सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त संप्रित के वर्जन के निश् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गंडा

वन्स्वी

भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 37ईई का भ्रनुसार का फार्मे पर कार्यालय में मई 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज 1/II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-12-84

मोहर:

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984 निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3255—ग्रतः मुझे जी० के० पंडय्ना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य. 25,000/- रु. से अधिक है ;

स्रोर जिसकी सं० 193 ए है तथा जो विजालपुर रोड नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विज्ञत है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िम्हिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

कतः बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनमरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 39-436 GI/84

(1) श्री ठाकु'रभाई खुशालभाई पटेल टारोटा बाजार नवसारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरीशभाई बी० देसाई स्टेशन रोड, नवसारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🏻 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति कैशरा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा ककेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन् सची

जमीन जो दिजालपुर रोड, नवसारी में स्थित है। सब - रजिस्ट्रार, नवसारी में 1437, 1438, 1402 से 1404 नम्बर पर दिनांक 29-5-84को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-12-84

मोहर 🗓

حسستوست بالما

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के अधीन युचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984 निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3256/2—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रका 'टक्का अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 260-क के लधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्तिः, जिसका उदिन शबार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 345/बी है तथा जो कतारगाम सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण गिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1984

- (क) जन्सरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधन के लिए; और/या
- (ख) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या लख्त की बिल्पम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उधत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, शिम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमतो लिलता वेन गोविदजी पटेल गाँधीशेरी सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंगूभाई कनसारा महीधारपुरा सूरत

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना चारी करके प्यॉक्त सम्मिति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजभन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिय की जनिंध या तत्सम्बन्धी म्बिक्सियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अपिंध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत म्बिक्सियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर प्रयत स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक दिख्ति में किए जा प्रकेंगे।

स्पष्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

ग्रनुसूची

मिलकत जो सुरत में स्थित है। स्रायकर स्रधिनियम की 37ईई की धारा अनुसार का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 17-5-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-12-84 मोहर: ग्रहमदाबाद प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3257/ए०——ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हील सोसायटी, नवसारी है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसे किसी काद का किसी धन यां अन्य अंस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) एस० बी० गार्डी कालेज ट्रस्ट रुस्तम बहरमशा नवसारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विठल भाई भीखाभाई देसाई कारवाड नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन जो नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 1349 नंबर पर दिनांक 16⊸5-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1/2, स्रहमदाबाक

तारीख: 26-12-84 मोहर: ग्रहमदाबाद THE ST. P. ST. ST. A. MANNESS

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा **269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक औंधिकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर, 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3258/2—अतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 46, भीलाड़ है तथा जो हा० उमेरग्राम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्री- करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कराः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

(1) श्री अनिल वामन वसावकर विनोद आर० पंचाल एस०टी०सी०रोड बम्बई

(अन्तरक)

(2) मै॰ डागा ईम्पैक्श प्रा॰ लि॰ बम्बई-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पीत में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनसची

मिलकत जो भोलाड ता० परडी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार पारडी में 739 नम्बर पर दिनांक 5-5-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 28-12-84

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर, 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3259/2—अतः मुझे जी० के० पंडया

शायकर शौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000 - रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 322 हिस्सा-2 है तथा जो असामा जी० बलसाड में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सुमंत्राद हरिभाई देसाई अस्रामा

(अन्तरक)

(2) श्री अमुलभाई आर० नायक अतुल जि० बलसाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यंक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो अस्रामा गांव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड़ में 408 नम्बर पर दिनांक 21-5-84 में रजिहटर्ड की गई है।

> जी० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 28-12-84

मोहर:

प्रख्य बाई.टी.एन.एत.

बायबद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

श्रारत क्रकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निर्देश नं०पी० आर० नं० 3260/2—अतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 94 और 110/2, परनेरा है तथा जो ता० परड़ी में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय पारड़ी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविश्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावतः, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/शा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 21 धनकर अधिनियम, 21 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चारेहए वा डिप्पाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री भूपत राय नारनजी देसाई शान्तावैन नारनजी बी० देसाई बम्बई-21

(अन्तरक)

(2) दौलतराय भीमाभाई देसाई इन्दिरावैन डी० देसाई बम्बई-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त उम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में भकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्नय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुस्ची

जमीन जो पारनेरा ता० पारडी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, पारडी में 3119 नम्बर पर दिनांक 16-5-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1/2, अहमदाबाद

दिनांक : 28-1-1985

मोहर :

When I have the second the second that the second territory of the second terr

प्रस्प बार्ड टी. हुन ह एस .-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

शारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 28दिसम्बर 1984 निदेश नं० पीं० आर० नं० 3261/II—अत: मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार बृब्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 313 ए प्लाट नं० 5 है तथा जो वापी ता० पारडी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधी 8-5-84

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नि निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या से कांचत मुझी किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की अअत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिस्हें पारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित यिक्तियों, अधीत् :— (1) श्री गिरधारीलाल नवरंग मिस्त्री वापी, सा०पारडी

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मेल्टैन्स प्रा० लि० वापी वां० पारडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत रुम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यकाहियां करता हूं।

तकत सम्पति के बर्चन के मन्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनः की नामील में 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यान अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मित्रकृत जो वापी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, पारडी में 755 नम्बर पर दिनांक 8-5-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेज-II, अहमदाबाद ।

दिनांक : 28-12-84

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3262/II——अतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसका सं० 41-2 प्लाप्ट नं० 4 है तथा जो उमरा सूरत में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 22-5-84

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गइ है अन्तरित की प्रतिफल के लिए विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपीति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री दिपत्तचनद्र मंगलदास चोखावाला नवापुरा जि० धुलिया (महाराष्ट्र)

(अन्तरक)

(2) श्री हतमुखवैन नानालाल चोखवाला दालीया शेरी, नवापुरा, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारः
- (ख) इस स्वना कं राजपत्र में प्रकाशन को नारीय म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यार गधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पर्कः करण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युवी

मिलकत जो उमरामें स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 4255 नम्बर पर दिनांक 25-5-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें.. कें, उक्त अधिनियम की धगरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 29-12-84

मोहर :

प्ररूप गाइ टी, एन एस .-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जनरें ज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3263/II—अतः मुझें जी० के०

पंडया

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्ति बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 5 नार्थ नं० 105 है तथा जो सूरत में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके इत्यमान प्रतिफाल से एसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुण सिद्धित वों बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ह-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करुने या उससे बच्ने में स्विधा के निए: नीर/ना
- (ब) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नाहिस्तवाँ को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने सें स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा [1] 📽 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🍽 🗕 40-436 GI/84

(1) श्री सीमाभाई खंडुभाई ग्रीर अन्य 301, सीवा अपार्टमेन्ट नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री आशीत रंजन इन्दरलाल रेलवे क्वाटर्सं, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सामना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- '(क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टकेरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याद मे दिया गया है।

जन्सूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब राजिस्ट्रार, सूरत में 1429 नम्बर पर मई, 84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

हारीख: 1-1-85

मोहूर ;

प्ररूप बाई. टी. एन : एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 1 जनवरी 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3264/2—अतः **मुझे; जी०** के० पंडया

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कार्य नं 549, वार्ड नं 1 है तथा जो सूरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरा अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरा अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी जाव की बाबत, उत्तक अधिनियम के अधीन कर दोने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकेर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृया था या किया जाना चाहिए था, ख्विनाने में जुनिया के लिए;

(2) श्री तेर्रामन धनजी शाहा शेरडीवाला ब्लाक, शाहपारे, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीसूरीकिशनचन्द आहुजा आरवा लाइन्स, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विद्या क्यों हस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो ज्यस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनूसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 4422 नम्बरपर दिनांक 31-5-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आ**युक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

वत. वब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के बनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यथारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियमी, वर्षीत न

तारीख: 1-1-85 मोहर 🖁 प्ररूप बार्ड .टी. एन . एस 🖫 🗷 🗷 🗷 🗷

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सुजना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3265/2---अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नार्थ नं० 1103, हैतथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से व्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोचल सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफन के जिए अन्तरित की गृद्ध है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री नाथुमाई रामजीभाई पटेल, नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र मोहनलाल चोखावाला, हरिपुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांध से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब र्राजस्ट्रार भूरत में 3953 नम्बरपरदिनांक 7-5-84 में र्राजस्टर्ड की गई है।

जी ० के ० पंडरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेज २, अहमजाबाद

तारीख: 1-1-85

मोहर :

प्रस्य मार्च हो दी पुन व पुस्कारण

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय,, सहायक बायकर बायकत (निर्द्वीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 1 जनवरी 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3266/2——अतः मुझे जी० के०पंडया

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबाह मृन्य 25.000/- रा. से बिधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नोंघ नं० 1339, 1394 और 1395 हैतथा जो टी॰ पी॰ एस॰ नं० 2 सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 3-5-84

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित् वाचार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाचार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक स्प से कृतिक वहीं किया यथा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत , उक्त बिधिनयम् के अधीन कह देने के बन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे क्षने में सुविधा के निए; बार/या
- (वा) एसी किसी नाव या किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किशीनयम, या भन-कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया नाम चाहिए वा, स्थितने में सुविधा की स्वए;

ब्तः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म् कें अनुसरण कें, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कें बभीग, निम्निविक्त व्यक्तियों, वर्षांक् क्र--- (1) श्री कनकप्रभा जयंत मोदी मजूरा, "सूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीअजयकुमार मनेकलाल रेशमवाला मुख्य मार्ग, सूरत

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पाड़ विश्वत में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 3894 नम्बर पर दिनांक 3-5-84 में रिजस्ट्री की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 1-1-85 मोहर्:

प्रस्य बाह्र टी. एन. एक .-----

नाथकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्चना

मारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3267/2—अतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बंगला नं० 31, सर्जन को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिडस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मई, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचत में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त बीधीपवर/ के बधीन कह देने के बन्तरक के खुरित्व में कमी कर्ति या उससे बचने में सुविधा से निय: बीर/वा
- [क] एसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए।

बता बद, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्यों, अर्थात् :--

(1) श्री सतीश चन्द्र मृरारी लाल कलकत्ता वांला, सर्जन को० आपरेटिब हार्ऊसिंग सोसाइटी, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीला बहन हरी सिंह सोलंकी, नानपुरा, सरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्वी

मिलिक्यत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में सं० 3837 नं० पर दिनांक 2 मई, 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 2-1-1985

मोहर :

प्रस्प बाहु .टी .पुर पुर विकास

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत तर्कार

कार्यालयः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निर्देशिक अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० जी० आर० सं० 3268/2—अतः मुझे, जी०के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रक्त पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 6, सिटी सर्वे नं० 12/3 है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई कि की बाव की बावतः उक्त ब्रिशिनयम के अधीन कर देने के बन्तरुक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा बूँ बिए; ब्रीट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए?

(1) श्री बालकृष्ण जे० भट्ट, 102, मोटी पंडया खडकी, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दन बहन ग्रोम प्रकाश विरला ग्रीर अन्य, टरोटा बाजार, नवसारी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रि से 45 दिन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

मिलिकयत जो नवसारी में स्थित है । सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 1181 नं०पर दिनांक 5 मई, 1984 में रिजस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें। वर्षात् —

तारीख: 2-1-1985

मोहरु 🗓

प्रक्ष बाईं ही, एन हुन हुन ---

बायकर बर्डिंशनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ड (1) के बशीन ब्याना

HIZE ESTIMA

कार्यालय, सहायक बायकह बायुक्त ([नद्वीक्रक]

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० जी० आर०नं० 3269/2-अतः मुझें, जी० के० पंडया,

वायकर विधिनियम्म्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित विसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फतेह गंज, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिन् नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा मबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिर्विद्या में वास्तिक रूप से क्षित्र मुद्दी किया गया है हिन्स

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-विवय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कवी करने वा उच्छे बचने में सुनिधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिसित व्यक्तियों, अर्थार :---- (1) श्री सोराबजी बहरम जी मिस्त्री, फतेहगंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एच० ठक्कर, प्रताप नगर, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट् कर्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकासन की ताड़ीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सर्वीभ, को भी जबिंद याद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए का सकों ने ।

. स्वव्यक्तिर ज्ह ह—-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्क वर्षिट्रियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वीपा जो उस अध्याय में दिया व्याह हैं हैं।

वव्यक्त

फ्लैंट जौ फतेहगंज, बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 2097 नं० पर दिनांक 19 मई, 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाट

तारीख: 2-1-1985

ं प्ररूपः आर्दः टी. एनः एस्. - - - -

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० जी० आर० सं० 3270/2-अतः मुझे, जी० कै० पंडया

कायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भून्व 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्रताप गंज, बड़ौदा है तथा जो वड़ौदा में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिखत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एचे अन्तरण के जिए तक पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्देश्य हो उक्त अन्तरण निम्निविचत उद्देश्य हो उक्त अन्तरण निम्निविचत अवस्थित में वास्तविक स्म से कियत नहीं किया गया है अन्तर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के अपीन कर दोने के अन्तरक के बार्विस्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इयार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्षिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कनुभाई धीरज लाल शाह, प्रताप गंज, बड़ौदा।

(अन्सरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार आर० काकोड़िया, सावली, जिला बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्डन के सिष्ट कार्यवाहियां कदला हुन्।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाद्येप:--

- (क) इस स्वान के रावपत्र के प्रकावन की ठारींब के 45 दिन की जनित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वान की तामील से 30 दिन की जनित्र, जो भी अनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

वर्त्याँ

जमीन जो बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 3248 नं पर दिनांक 24 अप्रैल, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> दी • कै ॰ पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 3-1-1985

सांस्य 🖫

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की[®]

धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० जी० आर० सं० 3271/2—अत: मुझें, जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हरिदर्शन फ्लैंट, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का आएण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
41—436 GI/84

(1) श्री महेश भाई प्राण लाल, जेतल पुर रोड, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दक्षा बहन एस० अमीन, हरिदर्शन ,फ्लैंट बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

बन्द्रची

फ्लोर जो हरिदर्शन बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 2506 नं० पर दिनांक 24 मई, 1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्ते (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदावाद

तारीख: 3-1-1985

मोद्रर 🕾

प्ररूप बाहे . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3272/2—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के द्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000./- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बारेली बाग है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजर मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है नौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: आहु/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृथिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— , 1. श्रीमती विमलाबहन आर० पटेल, नाडीयाड, जिला खेंडा।

(अन्तरक)

 श्री कासीबहन सी० पटेल, कारेली बाग, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं [i]

ंउक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 😹

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

मकान जो बारेली बाग, वड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 3537 नंबर पर दिनांक 9–5–84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 3-1-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई ु टी ु एन ु एस ... =======

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के न्धीन सूचना

भारत बदकाड

सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3273/2—अतः मुझें, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट रेसकोर्स सर्कल, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिएमुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— श्री महेशभाई प्राणलाल, जेतलपुर, चीक्वाडी, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री शशिकान्त तिभोननदास स्रौर अन्य, हरिदर्शन अपार्टमेंट, रेसंकोर्स रोड़, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के शास्त्र जिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अन्स्यो

मलैट जो हिर दर्शन, रेस कोर्स बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में नं 2471 नम्बर पर दिनांक 24 मई, 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 3-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3274/2—अतः मुझें, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् (उनत अधिनियम कहा गया है) की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० बास्का है तथा जो ता० हालोल, जिला पंच महल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री कृष्णन सुमान्त भाई पटेल, कृष्णा दीप, फतेह गंज, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश अच्छवलाल मार्फत ओच्छवलाल, सी० शाह फेमिली ट्रस्ट, बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवार गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव बास्को, ता० हालोल जिला पंचमहाल में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, हलोल में 1727 नम्बर पर दिनांक 28 मई, 1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 4-1-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3275/2—अतः मुझे, जी० के ० पंडया,

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकीं सं० फ्लैंट तथा जो बढ़ौदा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मई, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 , (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अते अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ध्—

(1) श्री मधु सूदन भोगी लाल तलाटी, मार्फत पंकज कारपोरेशन, खारीवाव रोड, जम्बूसर, जिला बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर के॰ देशपांडें, लाल बाग, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

पर्नैट जो बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8693 नं० पर दिनांक 5 मई, 1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 4-1-1985

प्रकष् नार्ड्ः, टी. एत्, एवं , वर्ण्यान

नायकड निम्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्थान

शारुत स्ट्कार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायका (निर्तीकर्ण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3507—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन गांव श्रसलाली में ब्लाक नं० 1708 क्षेत्रफल 4355 वर्ग यार्ड है तथा जो गांव असलाली ता० देसकरोई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएकों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) क्लरण से हुन्द किसी कात्र की बावर उत्तक्ष क्रिंपित्यम् वे क्षीच क्ष्य वाने के वन्त्रहक के वावरच में कमीं कुरने या उससे बुलने में हुनिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री रिष्मि कान्त धीरज बिाल पटेल, 'धीरज' ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री भीखा भाई उमेद भाई पटेल ग्रीर ग्रन्य, केयर ग्राफ : ज्योति इस्टेट, गांव ग्रसलाली तालुका दसकोई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारोख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो , के मीलर पूजा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवातः;
- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के नास तिरिष्ट में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन गांव ग्रसलाली में तालुका दसक्रोई पुराना सर्वे नं 0.1543/2 ब्लाक नं 0.1708 क्षेत्रफल 0.4355 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं 0.5842 मई, 0.1984 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीखें: 12-12-1984

प्ररूप बाई टी एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अनयुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3508—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी 13 पारस बाग सोसाइटी संस्कार केन्द्र के नजदीक 625 वर्ग यार्ड जमीन 224—50 वर्ग यार्ड मकान है तथा जो पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री— कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि— नियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारी ख 2 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती जफरूनिसा जलाउद्दीन कादरी, समीर विहार सोसाइटी, सरखेज रोड, गुजरात एग्रो के पीछे, श्रहदाबाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम मोरी युद्दीत; ए० रोशनी वाला, 13, पारस बाग सोसाइटी, संस्कार केन्द्र रोड, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्अवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है गि

नन्स्ची

बी० नं० 13, पारस बाग सोसाइटी संस्कार केन्द्र रोड, जमीन क्षेत्रफल 625 वर्ग यार्ड ——मकान ग्राउण्ड फ्लोर, 224 यार्ड 50 वर्ग यार्ड फर्स्ट फ्लोर र्जिस्ट्रेशन; नं० 6834 तारीख 2 मई, 1984।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेच रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-12-1984

मोहर 🖁

प्रकष बाह्रं, टी. एन. एस. -----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3509—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संर्ं फ्लैट रस राजेश्वर को॰ ग्रापरेटिव सोसाइटी में पालडी है तथा जो कोचरब नं॰ 20 क्षेत्रफल 90 वर्ग यार्ड श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निष्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निष्नियम को नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा को लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्कितिस्त व्यक्तियों, नर्भात है— (1) श्री सूर्यकांत लालगाई गाह, 14, श्रजीत सोगाइटी, पंचरत्न; फ्लैट के सामने, महालक्ष्मो पंचरास्ता के नजदीक, पालडो, श्रहमदाबाद-7।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किर्ती कुमार मफतलाल बखारिया,
20, रस रमजेश्वर फ्लैट्स को०
ग्रापरेटिव सोसाइटी,
ग्रीतम नगर सेकन्ड धल,
ह्वाईट हाऊस के सामने,
एलिस ब्रिज,
ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 20 रस राजेश्वर फ्लैंट को० ग्रापरेटिव सोसाइटी प्रीतम नगर, एलिस त्रिज, सीम टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० नं० 831-834-847 रिजस्ट्रेशन नं० 6939 तारीख 4 मई, 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1्ग्रहमदाबाद

तारीख : 12-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3510—ग्रतः मुझे, जी०के० पंडमा

शायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिमीन — कन्स्ट्रिक्शन प्लींथ तक ग्रहमदाबाद में है तथा जो कालूपुर योर्ड 1 सी एस विच्या तथा कालूपुर योर्ड 1 सी एस विच्या विच्या ग्रिस्ट्री से स्थान है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत है कत अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिन्नमा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा १६९-ग के अनुसरण जें, में. तक्त अधिनियम की भारा १६९-य की लपधारा (1) के कथीन निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—— 42—436 GI/84 (1) श्रीमती रुक्मणी बेन सोमचन्द भाई जवेरी श्रौर श्रन्य, स्वप्न सिद्ध सोसाइटी, शांति बस स्टाफ के नजदीक, पालडी, श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरक)

('2) मै॰ वर्धमान इन्टरप्राइजेस, एम 15/165, बिद्या नगर कालोनी, हिम्मत लाल पार्क के नजदीक, अहमदाबाद-15।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

अनुसूची

जमीन व कन्द्रक्शन प्लींथ तक ग्रहमदाबाद से कालूपुर बोर्ड । सी० एस० नं० 706, मनु नायक की पोल में कालूपुर टंकशाल क्षेत्रफल 108 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 5204 तारीख मई, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-12-1984

मोहर ः

प्रकार बार्ड । टी त एक व एक .------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की वधीन कुना

भारत सरकार

कार्यां लय, संहायक अायकर बायुक्त (निरासक)

म्रहमदाबाद, दिनाँक 12 दिसम्बय/1989

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3511—ग्रत: मुझे, जो० के० पंडया

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार्थर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० वेजलपुय सीम में सर्वे नं० 1122, सत्याग्रह् यार्ड तथा जो छावनी सेक्टर प्लोट नं० 45, क्षेत्रफल 615 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच) में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2 मई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल ते, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए? और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी थन वा बन्व बारिसवाँ की जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ४—— (1) श्रो चन्द्र भाई किशोर भाई पटेल, महादेव नगर, विश्वनाथ फ्लैट के नजदीक, पांजरा पोल, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक

(2) श्रीमती प्रभा बेन चन्दू भाई पटेल, महादेव नगर, विश्वनाथ फ्लैट के नजदोक, पांचरा पोल, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारों करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हैं--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

क्षच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमोन वैजलपुर में सर्वे नं 1122 सत्याग्रह छावनो, सेक्टर नं 6, फ्लोर नं 45, क्षेत्रफल 615 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन मं 5754 तारीख 2 मई, 1984 ।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारोख: 12-12-1984

प्ररूप बाइ'.टी.एन.एस.-----

क्षायुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-वृ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3512—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन बंजरी (चकला में) चोक में है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्म्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री कामन राय प्रेमराय मजुमदार की ग्रोर से कुल मुख्तयार: श्री सुमन राय पीं० मजुमदार, मजुमदार डकेली, बंजरी चौक, जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमाबेन सुमन राय मजुमदार (चेयरमेन : श्री प्रेम लक्ष्मी श्रपाटमेंट को०-आपरेटिव सोसाइटी, मजुमदार डकेली, बंजरी चौंक, जूनागढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्दाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिश में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः विधिनयम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ध होगा जो उस कथ्याय में विधा गया है।

मनसर्थ

जमोन जूनागढ़ में बंजरी चौक, सर्व नं० 301, क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर = 300 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 1147 दिनांक 28 मई, 1984 ।

> जी० के० पंडवा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1. ग्रहम्म्टाटाट

तारीख: 12-12-1984

प्रमृत नार्ंत टीत एक्त एकत ----

लायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सडायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार०सं० 3513—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टेनामेंट गुरुशीखर को०-ग्रापरेटिव सोसाइटी है तथा जो सर्वे न० 65, वासना, ग्रहमदाबाद में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारं, ख मई, 1984

को प्रांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित, बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्तिक इप से किथत नहीं पाया गया है :--

- (क) बंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम, के ब्रुभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे केलने में सुविधा के निक्त कार्य गा
- (ख) एसी कियो जाय था किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिष्

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, कें, तक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री धरमशी भाई बिलोचन दास मिस्त्री, बी० नं० 177 सर्वोदय सोसाइटी, शाहपुर दरवाजा बाहर, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद चन्द्र भोजी लाल शाह, बीठ नंठ 3-ए, गुरु शिखर को०-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, वासना, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिता)

को मह स्चना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पास के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्घी

टेनामेंट नं० 3-ए, गुरुशीखर को०-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी वासना सर्वे नं० 65, जमीन क्षेत्रफल 330 वर्ग यार्ड ग्रौर टेनामेंट रजिस्ट्रेशन सं० 6061 दिनांक मई, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार०सं० 3514—ग्रतः मुझे, जी० के०

पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन—कस्ट्रक्शन्स प्लीथ तक वस्तापुर सीममें में है तथा जो सर्वे नं० 125/1/2 क्षेत्रफल 639 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीं—करण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंदिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किती जाब की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों हो अर्थात् हि— (1) श्रो नैलेष कुमार भ्रानन्द भाई भ्रौर श्रीमतोः गीराबेन ग्रानन्द भाई, दौलत खाना सारंगपुर, भ्रह्मदाबाद-2।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती डीं॰ रानीबेन एस॰ शीस,
कुंज कोयरेशन के नजदीक;
कुंज फोमैशन के ग्रागेनाइजर,
10/57, प्रगतिनगर
नारन पुरा,
ग्रहमदाबाद-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के क्यू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, सो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्वी

जमीन व कन्स्ट्रवशन प्लींथ तक वस्त्रापुर सीममे सर्वे नं० 125/1/2 सब•प्लाट नं० 17 जमीन क्षेत्रफल 639 वर्ग यार्ड —कन्स्ट्रवशन 255 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

तारंख : 13-12-1984

मोहर

प्रकम जार्ह्य हो । प्रमान प्रकार

नायक्ष्य निधिनयम, 1961 (1961 का 43) कर्जी भारा 269-भ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद,दिनांक 13दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० 3515—ग्रतः मुझे, जी० के० पडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट टी० पी० एस० नं० 14, एफ० पी० नं० 224 ए पर है तथा जो विहार ग्रपांटमेंट सेकन्ड फ्लोर, शाही बाग ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10 मई 1984

को प्वोंधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया निया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी कहने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ग्रभिनय राम प्रसाद शुफल्ड 9 नूतन सोसाइटो पालडो ग्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबेन भेरूलाल जैन फ्लैट नं० डी-3, विहार ग्रपार्टसेंट, नवरोजो होल के नजदोक, शाही बाग, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरितीः)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पड़ स्था की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेगा

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० डी-3 सेकन्ड फ्लोर विहार ग्रपार्टमेंट, नवरोजी होल, नजदीक ग्रहमदाबाद-14 पर स्थित है। क्षेत्रफल 167 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन नं० 7107 दिनांक 10 मई, 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-12-1984

योहर 🦻

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

यायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के वधीन स्वना

बारत हरका

न्त्रयालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3516—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके वक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की पाछ 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मृज्य 25000 द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मिल्कत सर्वे नं० 401/4 पर है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) यिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3 मई: 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षक श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भवा प्रोहफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त कलारण विविद्य में शिस्तिक क्य से किंशन नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उन्तर जिथिनियस के जभीन कह दाने के जन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए: जॉर्-बा
- (व) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा खें सिद्ध;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत हुन्न

(1) मानव सेवा ट्रस्ट ट्रस्टी : देवजी भीम जी भाई फुलवाड़ी जेतपुर जिला राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रजबग्रली कचरा भाई मावानी युसूफ ग्रली कचरा भाई मावानी 31 जगन्नाथ फ्लोर, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती).

को सह सुचना चारी करके पूर्वोक्त स्व्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बासोप ह-

- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

ग्रनुसूची

मिल्कत सर्वे नं० 401/4 पर राजकोट में रिजस्ट्रेशन नं० 2863 तारीख 3 मई, 1984 ।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख 17-12-1984 मोहर इ प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांचय, तहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3517—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के तथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजीर मृल्य 25.000/- राजा संस्थित हो

ग्रीर जिसकी सं मिलिकियत स्वास्तिक सोसाइटो में है तथा जो सर्वे नं 76/2 फ्लोर 7-बी/1, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री— कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, तारीख 3 फरवरी,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त गंपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल, चिम्मिजिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक हुए में किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिश्निलियन व्यक्तियों. अर्थात (1) श्रो सूर्यकांत शांति लाल, को ग्राफ: भाटिया नावल्टी स्टोर्स, जनवा नाका रोड, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो प्रवोन चन्द्र रती लाल शाह, स्वास्तिक सोसाइटो, रेस कोर्स रोड, रैंया रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिक्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

मिल्कट स्वास्तिक सोसाइटी में सर्वे नं० 476/2, राजकोट रजिस्ट्रेशन सं० 689 37 जी० में 1984 में मिला।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सैँहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारोख: 17-12-1984

प्रक्ष बाह . टी. एन. एवं -----

बाब्कर बीधीनयम, 1961 (1961 क्य 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) ग्रजन रेज-1 ग्रहमदाबाद

ग्रहम शबाद, दिनांक 17 दिसम्बय 1984

निदेश सं० पां० म्रार० सं० 3518—म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जितक: सं० जनीन सौराष्ट्र कला केन्द्र, सोपाइटी में है तथा जो प्लोट नं० 29-सी, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध स्रापुर्गी में गौर पूर्ण का से निगा है), र जिप्ट्री हर्जा ग्रीवकारी के कार्याज्ञ, राज होट में र जिस्ट्रीकरण ग्रीवनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रांग, तार्राख 8 मई, 1984

को प्रबंबित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुदूरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वा वत संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का वन्तरह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितिणों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ना निका उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कर्मित हों किया गया है ——

- (क्क) बन्तरक ६ हुई किसी बाय की बावत, उक्क बाधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी कर्रने या उससे युवने में सूबि्धा के बिए; ब्यूट/या
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था; छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्रीमतं: कुंदनवेन प्रकाशचन्द्र राजानी, "कैं नाश", । ग्रमर नाथ फ्लोर, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमतो हेमाबेन हेमेन्द्र कुमार मोदी, हरोश चमन लाल मोदी, गोपाल नगर मुख्य रास्ता, 'खोड यार कृपा', राजकोट ।

(अन्तिरती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर, पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

.सन् स्**प**रे

जमान सौराष्ट्र कला केन्द्र, राजकोन में प्लोट नं० 29-बी, ्र.जस्ट्रेशन नं० 2940, दिनाक 8 मई, 1984 ।

> जी० के० पंडया |सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, महमदाबाद

तारोख: 17-12-1994

प्ररूप बार्ड. टी. एत्. एख.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत तरकार

*धार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3519—अदः मुझे, जी० के० पडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 26५-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मण्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिपकी सं । शाप नं । 5, जिलेन्ट 'वी' विलिंडम है तथा जो रेग के से रोड, जाकोए में थि है जर इससे उपावद्ध क सूती में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रा तो अधिकार्र के कायालय, (37 ईई० फाइल किया) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारिख 11 मई, 1984

को पवाक्त सम्पत्ति के औं देत का का सल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण निस्तिषत में वास्तिवक रूप सं किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर ब्रेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- . (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ० जे ० एस० कारपोरेशन, 48, इन्द्र नारायण रोड, साताकुश वेस्ट बम्बई-54।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर शाहि लाल चन्दाराना, श्री दिनेश हीराचन्द सघवी, श्री अहमद हाजी जिन्दानी, वैशाल। नगर, शेरी नम्बर 6, राजकोए-1।

(अन्तरितो)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति दर्गांत, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकों।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जो अस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

शाप किमेन्ट की बिल्डिंग शाप नं० 5, वोर्ड न० 15, सी० टो० एन० न० 1010, ग्राउण्ड फ्लोर पर 37 ईई० दिनांक 11 मई, 1984 को फाइल किया है ।

जी० के० पडवा सक्षम राखे हारो सहायक श्रायकर श्राप्कन (निरक्षण) अर्जन रेंज−2,अहमदाब त्र

अप्तः अवः उत्रत अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, मैं, उत्रत अधिनियम की धारा-260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :---

तारीख: 15-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर् धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज-1, अहम्हाबाद

अहमराबाद, दिनां ह 15 दितम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० सं० 5520—अतः मुझे, जी० के० पंडया

ं बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. स अधिक हैं

ग्रीर जिनकी मं० पर्नेष्ट नं० 601, छठी मंजिल पर किसेन्ट ए है तथा जो बिल्डिंग रेन कोर्स रोड, राजकोष्ट में स्थि: है (ग्रीर इस मे उसबद्ध अनुपूच: में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अवितारों के तथिलिय, 37 ईई में रिजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 मई, 1984 को फाइल किया है।

को पवावत सम्पात्त- क उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) अर प्रतिरती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में बास्तावक रूप स कथित नहीं किया राजा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त जीपीनयम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व संकमी करन ये। उससे अचन से सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. में इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० जे ० एस० कारपोरेशन, 48, इन्द्र नारायण रोड, सांकाकुण न्स्ट, बम्बई-54 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० एस० मानक,
श्रा सा० एस० मानक,
73, वैभव अपार्टमेंट,
2, रामा अष्णा नगर, राजकोट,
पलैट नं० 601,
छठा मंजला,
ऋतेन्ट ए बिल्डिंग,
रेस कोर्स रोड,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन का लए कायवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविधि या तत्मम्बन्धी त्यित्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भातर पूर्वाक्त व्यक्तियों में स किसी ध्यक्ति दवारा:
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षर) व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इगमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 601, किसेन्ट 'ए' बिल्डिंग में 37 ईई० दिनांक 11 मई, 1984 को फाइल किया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 15-12-1984

मोहर 🔏

प्रस्य बार्ड, टी. ५न. एस.,- - :: ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के ब्धीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
अर्जनरेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3521—अतः मुझे, जी० के० पंडया

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

े और जिज्ञकी संविभित्तियह डीव और सी ब्लाक पर थर्ड फ्लोर है तथ जो अव्यक्तिया चेग्डसं में केव पाव रोड, है जाम नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्रृचं में अंपपूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रें कर्ता अधिवारी के कार्यालय, 37 ईई जामनगर में रिजिद्धा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख 30 अप्रैल, 1984

का प्रांचित सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्ताबक रूप स काथत नहां किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [ल्ए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैं ० श्रंजारिया इस्टेट प्रा० लिमिटेड, काशः विश्वनाथ रोड, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैं० जानकी गेस्ट हाउस, श्रंजारिया चेम्बर्स, थर्ड फ्लोर, ब्लाक 'डो' श्रौर 'सी', के० पी० रोड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अजन के स्तर कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों रि स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूदी

मिनिक्यत के० बी० रोड पर थर्ड फ्लोर, ग्रंजारिया चेम्बर्ज, 37 ईई० दिनांक 30 अप्रैल, 1984 को फाइल किया '

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

कत: अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 15-12-1984

मोहर 🖰

प्ररूप बाई ुटी. एन. एस. -----

नापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के ब्योन सूचना

हारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जहै रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर०नं० 3522—अतः मुझे, जी०के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिते बाजार मृल्य 25.000/-रा. सं अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं मलिकियत के बी रोड, परे संजारिया चेम्बर्स् है तथा जो जामनगर में स्थित है (स्रौर इससेउपाबद्ध अनुसूचे में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रं के का बोल्य जामनगर में रिजस्ट्रं के लाबोल्य जामनगर में रिजस्ट्रं के राजस्ट्रं के विश्व का 16) के अधान, ताराख 25 मई, 1984

का प्वाक्त सपत्ति के उचित बाजार मृन्य स कम क क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिश्व स व्यथ्व है और अतरक (अन्तरका) कार अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एस अन्तरण के निए देव बाया गया भातफल निम्नानासत उद्देश्य स उक्त अवरण कार्य साम्बादक क्ष्य स काथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अवान कर दन के अन्तरक के दा। यत्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया अल्ला चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

बतः जब उन्त जिथिनियमं की धारा 269-व के जन्सरण में, में, उन्त जिथिनियमें की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मै० म्रजा। रया एस्टेट, प्राइवेट लिमिटेड, के० वी० रोड, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैं० होटल जानकी डायनिंग हाल, रित ताल गोतर्जन दात विठलाना । लक्ष्मा दास जमना दास, स्रंजारिया चेम्बर्स, के० वा० रोड, जाम नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह मचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

चक्त सम्बन्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 4 45 दिन की अवधि या तत्मवधी व्यक्तियों प्रदु सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खों की अवधि वाद में समाप्त होती हो, के नीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्व्यक्ति रणः --- इसमें प्रयक्त प्रक्ति पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहा व्यक्तिया वा उस व्यास में दिवा स्वाही

अनुसूची

मन ोत्रयत अंजारिया चेम्बर्स के० बी० रोड, जामनगर रजिस्ट्रेशन नं० 1753 दिनांक 25 मई, 1984।

जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 15-12-1984

मोहर 🛭

entrettere impopular and principle proposed and the principle recommend to the principle recommendation of the principle recom

प्ररूप बाइ'.टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3523—ग्रतः मुझे, जा० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मनिकयत टी॰ डी॰ एक्स 0, स्रो० स्रार० एस० बोर्ड नं० 1ए है तथा जो स्राधीपुर कच्छ पर स्थित है (स्रौर इतसे उपाबद्ध सनुपूर्वी में पूर्ण रूप से विणत है) राजिल्ट्रीकर्ता स्रिशिकारों के कार्यातय कच्छ (गांधीधाम) में रिजल्ट्रोकरण स्रिशित्यमा 1908 (1908 का 16) के स्रधीत दिवाक 9-5-1984

का प्वाक्त सम्पत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है। क यथाए बाबत सम्पत्ति का जाचत बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखते में शस्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बांधानयम के अधीन कर दान के अंतरक के द्यायत्व में कमी करने या उससे बच्न में सूबिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण ों, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कैंप्टन (रण्डि), सरदार सुरजीत तिह,
 1 सिंधु हाउतिंग सो तायटी,
 ग्रादीपुर (कच्छ) ।

(ग्रन्तरक)

2 हीरो शीतलदास तीरथानी, डी० बी० जैड०, हाउथ 136, गांधीयाम , कच्छ ।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को गर्जन को संबंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्याक्तयों में स किसी व्यक्ति सुरारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसा अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरा के पास् सिखित में किय जा सकोगे।

स्यष्टीकरण : इपमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनु पूची

मलकियत वार्ड नं० 1ए, टी० डी० एक्स०-ग्रो० ग्रार० एस० ग्रादीपुर, कच्छ में स्थित है रजिस्ट्रेशन, नं० 386/9-5-84

> जी० के० पंडया सञ्जय प्राधि हारो सहायक ग्राय हर ग्रापुक्त (निराक्षण) . श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिन^क: 17-12-1984

मोहर 🔅

प्ररूप बाह् .टी . एन् . एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-', ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, निांक 16 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3524—अतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मलिकयत रूवापारी रोड, भावनगर है, तथा जो सुर्वे नं० 30/ए स्रौर 30/बी, भावनगर, में स्थित है (स्रौर इपर्से उपावद्ध स्रतुपूची में स्रौर जो पूर्ग रूप से विणित है) रिजिन्द्रो हती स्रिधिक रो के कार्यात्रम, 37-ईई, स्रिप्नैत, 1984 में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन दिनाक 2-4-84

कां प्वांक्त सपित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल है, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतरितिष्टी) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया प्रया प्रातफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तर्ग लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम, अरू अधीन कर दने के अस्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, तक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक भी, भी उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1 उल्हास ग्रोरल एण्ड कैमिकल, इन्डस्ट्रीज, प्राइवेट लि० नानावता महालय, 18, होमी मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, बोम्बे-23।
(ग्रन्तरक)

2 प्रशान्त प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड, कनकीया, प्लाट, स्टैन्ड, चौफ जेतपुर (जिला राजकोट)।

(अन्तरितो)

को यह मचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबिध या तत्म बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील म 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मचना के राजपण में धकाछन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा संधाहस्ताक्षरी के शृख सिंखत में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षांभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, बहा अर्थ हागा, को उस अध्याय में विद्या गुया है।

अन्सची

4

भावनगर में सर्वे नं० 30/ए, ग्रौर 30/बो, 37-ईई, दिनांक 2-4-1984 को फाइन किया।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 16-12-84

मोहर 🕹

प्रकार कार टो . ११ . १व

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 20 टिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3525—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बांधनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बाधन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

भीर जित्तकी सं० जमीत क्षेत्रफल 400 वर्ग गज—कंस्ट्रक्शन प्लीन्य तक है, तथा जो टी० पी० एप० 19, एफ० पी० 225, सब प्लाट नं० 5, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप कि बँगत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याजय ग्रहन साबाद में रिजिस्ट्रीकर्रा ग्रधितियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-1984

कर्ग पर्नोकन मण्णित के रिचर बाजर मत्य म कम क क्षणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपीति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति गें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्ति। किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एमी किनी बाय या किनी धन या बन्य बास्नियों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

कर हम, उक्न अधिनियम, की भाग २६०-ग के सनसम्ब में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के सधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अथात :--- श्री रमनलाल मोतीभाई पटेल, गिरिराज सोजायटी, पंचारटी सेकाड लेन, श्रंवावाडो, श्रहनदाबाद, ।

(ग्रन्तरक)

 हसमुख भाई केशवलाल पटेल, प्रफुत सो तायटी, नव जीवन, श्रहमदाबाद-14

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ु-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्ध सचना का तामील म 30 दिन की अविधि, ज भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस म्यना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सके वें।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा न्या है।

नन्स्ची

अहमदाबाद, शेबहुर—खानहुर टी० पी० एस० 19, एफ० पी० नं० 225, सब प्लाट नं० 5, जमीत क्षेत्रकल 400 वर्ग गज, + कंस्ट्रस्यन, प्लोन्य तक।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रापुक्त (निरोज्जण) स्रर्जनरेंज-1, स्रहमदाबाद

दिनों ह : 20-12-1984

मोहर 🖫

प्रका बाह . ही. एव. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्मर महायक **नायकर नाय्**यत (जि**रक्षिण)** ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3526--- मृतः मुझे जी० के० पंडया

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० धहमदाबाद, सरदार नगर, सी० एप० नं० 4110 श्रौर 4117 जमीन का 427+448 वर्ग मीटर स्रौर कंस्ट्रकशन, तथा जो अहमदाबादमें स्थित है (श्रौर इससे उपाबय अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्बलिखित कावितयों, अर्थात :---44 ---436 GI/84 श्री मोटुमल परमानन्द, भगवानदास बंसी मल श्रीर श्रन्य 163, ठक्कर बापानगर, निकोल रोड, ग्रहमदाबाद-24

(भ्रन्तरक)

 श्री ज्योति प्रसाद सूरजमल, भीलवास, ग्रसारवा त्रीज, कुबेरपुरा, ग्रसारवा, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्षन के किंदि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ध सम्मत्ति के नाजन के मम्बन्ध में कोई भी बालंप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी के क्षेत्र की 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियीं देश स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अभाह्रस्ताक्षरी हैं पास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त रुख्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

ग्रनुसूची

ग्रहमदाबाद, सरदार नगर सी० एस० नं० 4110. जमीन 427-14 वर्ग मीटर ग्रौर सी० एस० नं० 4117 जमीन 448 वर्ग मीटर + कंस्ट्रवरेन, 280 वर्ग मीटर।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिस्सी

तारीख: 20-12-1985

मोह्द :

and the same of th

प्रस्प कार्य . ती. एत एस .-----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

आयांतिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1984
निदेश सं० पी० आर० नं० 3527—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख दें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-3, नीरांत अपार्टमेन्ट, टाउन हाल के सामने, एलीसकीज, अहमदाबाद, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राक्तिय में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के स्पिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री दीनावेन, महेन्द्र कुमार गनाता, ढी-3, नीरांत एपार्टमेन्ट, टाउन हाल के सामने, एलीसब्रीज,, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री महालक्ष्मी बेन, विदुल भाई अमीन, बी-3, नीरांत एपार्टमेन्ट, टाउन हाल के सामने, एलीसब्रीज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उच्नत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विश्वीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में सिया गवा है।

अनुसूची

प्लैट नं॰ बी-3, नीरांत एपार्टमेन्ट, टाउन हाल के सामने, एलीसब्रीज, क्षेत्रफल 109 वर्ग गज (90.87 वर्ग मीटर), रजिस्ट्रेशन, नं॰ 7251/15-5-84 ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 20-12-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंजं-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3528—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,003/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० एम०-7/41, प्रगती नगर, है, तथा तथा जो नारनपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (क्रूर इससे च्पाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट-विक इस्य से किथित नहीं किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्तत अधि स्थित के बधीन कर देने के बन्तरफ के दायित्य में क्जी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बार/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अगृतर्भ में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री अशोक भाई शान्तीलाल संघवी, एम 7/41, दूसरी मंजिल नारनपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कोकिलाबेन, किरीट भाई शाह, किरीत भाई ताजीलाल शाह, फ्लैट नं० एम 7/41, दूसरी मंजिल प्रगतिनगर, नारनपुरा, अमहदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रे---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो नी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंघ्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं॰ एम-7/41, प्रगतिनगर, दूसरी में जिल, क्षेत्रफल 105, वर्ग यार्ड, नारनपुरा, अहमदाबाद, रिजस्ट्रेशन नं॰ 6930 दिनांक 4-5-1984

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 22-12-1984 मोहर:

प्रकृष काद्द³. टी. एन्., एस_{.,}-------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

शरद सरकार

कार्यासर, सहायक बायकर वाय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3529—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रक पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-3, बंकिम को-आप० हाउ० सोसायटी, है, तथा जो टी०पी० एस०-21, एफ०पी० नं० 50, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजरट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य सं कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रिपफल का पन्द्रह प्रिपश्चत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निधित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (तर) अस्तरण से हुई किसी अस्त की पावत, तक्थ अधिनियम के अधीत कर टीने के असरक क दायित्व में कभी अस्त्री मा तसके अधने में मृतिधा वे सिए। बीड/बा

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- श्री नीराबेन, हर्षद राय जोशी,
 25, हीमतलाल पार्क,
 सहजानन्द कालेज, के पीछे,
 अंवावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री हरीण भाई इन्दुप्रसाद तिवेदी, पर्लंट नं० 3, बंकिम को-आप० सोसायटी, वस्त्रापुर रोड, श्रंवावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरो करके प्यानित सर्पातत के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रशासन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयोज्त द्वारा अथोहस्ताक्षरी के गस विक्रित में लिए वर सकी .

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० सी-3, बंकिम को-आप० हाउ० सोसायटी, टी०पी० एस० 21, एफ० पी० नं० 21, क्षेत्रफल 61 वर्ग गज, अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन, नं० 7228/14-5-84

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 22-12-1984 मोहर: प्ररूप बाइं.दी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धालक)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदावाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3530—अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राध्ये से अधिक है

पलैट नं यू-11, विकम एपार्टमेन्टस है, जो को-आप हाउसिंग सोसायटी पालडी, अहमदाबाद में स्थित है ं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते उमोजनाथ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने जें स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ख्वमुस्य में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

इंदिराबेन, अम्बालाल शाह,
 ग्रंबालाल माथुरदास की पुत्री,
 कल्पना, कालोनी,
 नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती निरन्जना बेन, हरीप्रसाद, भट्ट, पलैट नं प्र-11 विक्रम अपार्टमेन्ट, को-आप० हाउसिंग सोसायटी, पालाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० यू-11, सेकण्ड फ्लोर, विक्रम अपार्टमेन्टस, को-आप० हार्जीसग सोसायटी, मालडी, अहमदाबाद, क्षेत्रफल, 62 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेशन, नं०7132 दिनांक: 10-5-1984

> जी० कै० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमसाव

सारीख : 22-12-1984

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3531---अतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० आफिस सैकण्ड फ्लोर पर क्षेत्रप्फल 312 वर्ग फीट है, तथा जो टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 154, हाईकोई कार्तिन, के नजदो हा, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनिस्ट्रों कि अधि हारों के कार्यालय अहमदाबाद रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रिनांक 3-5-1984

को पूर्वेदित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गरत की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उ सके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति कत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (रण्निरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि निम्तिलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तर% सं हुई कितीं आयं की बाबत, उक्त अधित्यम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सृतिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स अमीता कार्पोरेशन, भागीदार— राजेश, शान्तीलाल पारीख श्रौर अन्य 'अमीबेला', हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा —अहमदाबाद।
- 2 मैसर्स मीलन एच० दलाल, 43, सरदार पटेल कालोनी, नवरंगपुरा, अहमदावाद ।

(प्रसिंदग्रे)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त हाती हो, के भीतर प्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

आफित सेकण्ड फ्लोर पर स्थित । क्षेत्रकल 312 वर्ग फीट, हाईकोर्ट रेलवे कार्सिंग के नजदीक, टी० पो० एस० 3, एफ० पी० नं० 154, रजिस्ट्रेशन नं० 6881/3-5-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- I, अहमदाबाद

दिनांक : 26-12-1984

प्ररूप वार्डं दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यात्तद, सहायक बायकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) ैं अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3532—अत: मुझे, जी॰ के० पंडया,

कायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमें आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आफिस सेकन्ड फ्लोर पर हाईकोर्ट रेलवे कार्सिंग के नजदीक, टी०पी० एस० 3, एफ० पी०नं० 154, 182 वर्ग फीट, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर प्रगंरून से वर्गिन है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक स्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) एंसी किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय एप्य-वार अपनियम 12. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, िपान में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारौ 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्लिस व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्म

अभीता कारपोरेशन, भागीदार: श्री राजेश शान्तीलाल परीख, श्रीर अम्म हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपूरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

2 श्री केमिकल्स, भागीदार: दीपक वाडीलाल पटेल, धान्धल रोड, बावला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शक:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे ।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

आफिस सेकण्ड फ्लोर पर स्थित हाईकोर्ट रेलवे कासिंग के नजदीक, टी०पी० एस०-3, एफ० पी० नं० 154, क्षेत्र फल 182, वर्ग फीट, रजिस्ट्रेशन, नं० 6879/3-5-84.

> जी० के० पं**डया,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज ^I-, अ**ह**मदाबाद

दिनांक: 26-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई' दी एन एस ---

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3533—अतः मुझे, जी० के०पंड्या.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रू. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट टी० पी० एस० 22, एफ० पी० नं० 71, तथा नो फ्लैंट न॰ 3, एक० एक० 120 वर्ग यार्ड में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1984

को पुर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान क्रिक्तल के रिग्छ बंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य समके द्रियमान प्रतिफल में एमें द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती उवारा प्रकट नहीं किया स्टार्श या किया जाना नाहिए था. खिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री चन्दुलाल अमरत लाल नगाडीया,
 39, दिपावली सोसायटी,
 नारायन नगर, रोड,
 पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री भरतकुमार, विठल दास शाह 13, डुगरशी नगर, सोसायटी, विभाग नं० 2, भटा नजदीक, पालडी, अहमदाबाद-7.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त शाक्तियाँ में से दिसी शाक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबदध किमें अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 3, फर्स्ट फ्लोर, पर । क्षेत्रफल 120 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० 22, एफ० फी० नं० 71, सी० एस० नं० 34-40, पैकी, रिजस्ट्रेशन, नं० 2537/15-5-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 22-12-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार '

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3534—अतः मुझें, जी० के० पंडया,

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अहमदाबाद, अधीर सीम सर्वे नं० 191, जमीन, क्षेंन फल 864 कंस्ट्रक्शन प्लीन्थ तक हिस्सा नं० 7 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्परिन की गई है और सभे यह निष्वास करने का कारण है कि यथानवींकत संपत्ति का उचित बाजार सस्य असलें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरितीं (अन्तरितीं) के बीग एसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निष्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में लिखत में सम्बद्ध हम से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत लव. लवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::——
45 —436 GI/84

 श्रीमती लाजवन्ती देवकीनन्दन अरोरा, अमर भारत सोसायटी, ुरामनगर, सावरमती, असमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अमुलखचन्द मोनमल जैन,
श्री मिसरी मल जुगराज जैन,
श्री जयन्ती लाल नेशवलाल जैन,
(ग्रोरगानाइजर्स: जीन दर्शन को० आप० हा० सोसयटी
जालोराज पोल, घनासुधाजी पोल,
रिलीफ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्के वह सूचना बारी करके प्यान्त सम्मित्त के वर्धन के दिस्ए कार्यवाहियां शूरु करता है।

उन्त स्मात्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रवृक्त शब्दों और न्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**की**

अस्मदावाद, अचीर सीम सर्वे नं० 191, हिस्सा, नं० 7, जमीन क्षेत्र फल 864 वर्ग यार्ड, कंस्ट्रक्णन, प्लीन्थ तक रिजस्ट्रेशन, नं० 6631/17-5-84

जा० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 31-12-1984

मोहरं ः

प्ररूप बाई ुट्डिः एन. एस.-----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश स० पी० आर० नं० 3535—आतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० वी-11 टी०पी० एस० 22 हैं तथ जो एफ०पी०नं० 352 वायना ग्रहमदावाद में स्थित है (शौ इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 17-5-84

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर रोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 खीं :!) या उच्च अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1057 (1957 को 27) के प्राचनार्थ अपनियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मीनियन व्यक्तियों. अर्थात ह—

 कोकिला बेन बीनुभाई ठक्कर सर्कालत नगर सोसायटी जुहापुरा वासना अहमदाबाद।

(ग्रन्तः

2. श्री प्रदीपभाई कान्तीलाल चोकसी (2) सुरसंगम सोसायटी ठक्कर कालेज सामने पालडी, श्रहमदाबाद ।

(अन्तिरती)

को बह सूचना चारी करके पर्वोक्त अंपरित को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्जान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों जें से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से Ar दिन के भीतर जन्मत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस निश्चित में किए जा मकाने।

स्पक्तीकरण:----इत्तर्गे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० बी-11 टी० पी० एस० 22 एफ० पी० नं० 352 क्षेत्र फल 70 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेन नं० 7382/ 17-5-1984

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकाी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 31-12-1984 मोहर : प्ररूप बाइं .टी.एन.एस .-----

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीर प्राप्त 269-च (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद: दिनांक 31 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3536—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 25 फीफ्थ फ्लोर टी०पी० एस० 19 एफ० पी० नं० 180 है तथा जो 100 वर्ग यार्ड (पल्लवी) दी ग्रमोल सीतादेल को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी ग्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 23-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में वास्तुबिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई हिकसी आय की बाबत, उपद अधित्यम को बचीन कर देने के बन्दरक की रादित्य में कभी करने वा समसे सचने में मृश्विधा में निए;
- की देशी किसी जाव या किसी धन या अन्य आहिसवीं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा की विका;

कता बाब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत्:— श्री ग्रतुल कुमार चन्दुलाल राव
फलेट नं 25 (टावर नं 2)
फिक्थ फलोर अमोल सीताडले (पल्लवी)
को ओ हा सोसाइटी
पल्लवी अपार्टमेन्ड, इन्धर भूवन के नजदीक,
मेमनगर, फायर स्टेशन, के सामने,
नवरंग पुरा, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्ररन्दि मनसुखलाल बोटादरा, रुचिता हरदराय बोटादरा, के/ग्राफ लक्ष्मीचन्द एड कम्पनी, 236/38, सेम्युल स्ट्रीट, बम्बई-3।

(भ्रन्तरितो

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति वह अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

बनत संपत्ति के क्यान के संबंध में कोई भी बाध्येप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों धक्क स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, को की वविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (बं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की करीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, मही अर्थ होगा जो उस्सू अध्याय में किना गया है।

श्रम् स्ची

फ्लैंट नं० 25, फीफ्थ फ्लोर, टायर नं० 2, दी स्रमोल, सीताडेल, (फ्लबीन को-स्राप० हा० सोसायटी शेखपुर-खानपुर टी०पी० एस० 19, एफ० पी० नं० 180 क्षेत्र फल, 100 वर्ग यार्ड, राजस्ट्रेशन, नं० 7600/23-5-84

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रक्षिण) ग्रर्जन रेंल पहमदाबाद

दिनांक: 31-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जाबकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3537—ग्रतः, मुझे, जी० के० पेंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8 ए जनहवी एपार्टमेन्ट, टी० पी० एस० 29, एफ० पी० 196, है तथा जी 96 वर्ग यार्ड, श्रार० नं० 7632, श्रीर 7633/23-5-84 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद प्रनुस्वित्में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन दिनांक 23-5-84

को पूर्णिक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ ले के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविवा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमतो ग्रलकाबेन, मुकेशभाई
 7-कृष्णनगर, सोसायटी,
 धोलाका, जिला ग्रहमदावाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती नयनाबेन देवेन्द्र भाई पटेल, हरीकुपा सोक्षायटो, श्रंकुर रोड, नारनपुरा, श्रमहदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वनः के राजपक्ष में बकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सक्यो।

स्पड़ीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8-ए, जुनहवी ग्रपार्टमेन्ट, ए० पी० नं० 196, ग्रहमदाबाद, क्षेत्र फल, 96 वर्ग याईं, दो दस्तावेज प्रत्येक का ग्राधार शेयर बिन वरेचणी किया हुग्रा फ्लैट नं० 8 ए, र्जिस्ट्रोट्रेशन, नं० 7632 ग्रीर 7633/ दिनांक 23-5-1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

दिनांक : 31-12-1984

प्ररूप बाइ 👵 टी., एन., एस ,-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अभीन सूचना

शाहत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3538--ग्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मिलकियत वालावाड है तथा जो रोड, नूतन सोसायटा राजकोट में स्थित है (स्रोर इससे उपाबढ़ स्रनुसूच में स्रोर पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रोकर्ता स्रधिकारों के कार्यालय के स्रधीन दिनांक 9-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अनके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रति- क्या, जिम्मिलिश्त स्वयम से उक्त कन्तरण कि बितु के बाक्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में सिष्ट; बौद्ध/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया यया था या किया आना काहिए जा डिपाने में सुविधा के निहां

ब्रुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री प्रभुदास प्रानजीवनदास संघवी महावीर ज्योति, बल्लभवाग, लेन, घाटकोपर (ईस्ट), बम्बई-77

(ग्रन्तरक)

 श्री हैमन्त कुमार, जगमोहन दास शेठ, 35, श्रवधपुरो, को-श्राप० सोसायटी श्रार० बी० मार्ग, घाटकोपर (ईस्ट), बम्बई-77

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के गचपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् निक्ति में किए न सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत नुतननरगर में काषावाडी, रोड, राजकोट। रजिस्ट्रेशन, नं० 2961/9-5-1984

जी० के० पंडयाः
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 31-12-1984

अस्य बार्' . टी . एष . एष्ट्र------

बाक्कर क्षिणियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) से अभीन स्थता

SING ROOM

कार्घालय, सह्ययक आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार०नं० 3539—श्रतः, मुझे जी०, के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विशे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्त्म प्राधिकारी को बहु विश्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित नायार म्ल्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० विल्डिंग सर्वे नं० 457 है तथा जो वार्ड नं० 15, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण इस से विश्वत है) रिजर्स्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजर्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रघोन दिनांक 29-5-1984

को पूर्वां कर कम्पित क उचित्त बाबार मूख्य से इक को क्यान प्रितिफ स के लिए अनिरित की कहाँ हाँ और बुक्त यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके क्यामान ग्रीतिफ स वो, गृस्त क्यामान ग्रीतिफ स का पनद्रह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तरितियों) व्य सम्ब ग्रीतिक सम्बग्ध के प्रतिकात कि प्रतिकात कि प्रविक्त के विश्व में इतन प्रतिकात कि विश्व से क्यामान ग्रीतिका स्वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तपण सं सुई किसी नाय औं तल्यत उपत अधिनियम वो अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के निष्, और/ः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा के सिष्ट;

कराः इव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- श्री प्रवीन चन्द्र नरोत्तम दास शाह, पंचवटी सोत्तायटी, राजकोट ।

(अन्तरक)

श्री बनोद्राय पोपटलाल लाठिया,
 श्रीमती हेमलाबेन, बनोद्राय लाठिया,
 के/आफ श्री पोपटलाल हंसराज लाठीया.
 "राहुल", ग्रमरनाथ प्लाट,
 राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन की हिनाए कार्यकहियां करता है।

उनका सम्मरिता के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स :---

- (क) इस सूचना के द्रायपत्र में प्रशासन की तारीस से 45 दिन की संवीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की ताजीन से 30 दिन की जनीध, जो भी संबीध बाद में कमानत होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तिता में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मित में दितन्त्रकृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिंगिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिप्रयम्, में कार्यात 20-क में परिभाषित हैं, उन्हीं वर्ष होगा, को उस अञ्चल में दिया कृषा हो।

मन्स्पन

बिल्डिंग नर्वे नं० 457, ष्लाट नं० 3ए बी-1, राजकोट, रजिस्ट्रेशन, नं० 3386/2-5-84

> जी ० के० पंडया **सक्षय श्राधिका**री सहायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निर्दोक्षण)** ग्रर्जन रेंज-¹, ग्रहमदाबाद

दिनांकः : 31-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-आ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकाड

सार्यन्य, सहायक नायकर नायकर (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3540—म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बावकर कींधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राण्यिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से शिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन मेमनगर, सीम सर्वे नं० 48/51, एफ० पी० नं० 95, क्षेत्र फल, 349.5 वर्ग मीटर, तीरथनगर को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-5-84

को पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार सून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाक गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य में उक्त जंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (का एंसी किसी लाग या किसी धन रा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिणने में सीवधा के लिए:

बतः जन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती रमाबेन, शांतीलाल मेहता, लित जुहु स्कीप, नार्थ साउथ, रोड नं० 1, यिले पारले (वेस्ट), भाईदास हाल के सामने, यस्वई-56

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रवीण भाई साकरलाल शाह, के/ग्राफ प्रवीण ए० वखारीया, वखारिया कालोनी, उस्मानपुरा, ग्रहमदाबाद-13

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिया बारु करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के
 पास लिखित में किए का सकेंगे।

 स्मध्यीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

ऋषु सुची

जमीन मेमनगय में सर्वे नं० 48/51, एफ० पी० नं० 95, तीरथनगर, को-म्राप० हा० सोसायटी, विभाग-1, सब प्लाट नं० 27, क्षेत्रफल, 349.50 वर्ग मीटर, 420 वर्ग गज, रिजस्ट्रेशन, नं० 8055/31-5-1984।

जी० के० पंडया स**क्षम प्रा**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष**ण**) ग्रर्जन रेंज-^I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 2-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ टी एन. एस. ----

अध्यक्तर शिधिनिक्षम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3541—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन कंस्ट्रकशन, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 702, सब प्लाट नं० 2 ए, जमीन क्षेत्रफल 1786 वर्ग गज में है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान 17-5-84

का प्वांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्यंसे कम के दश्यमान प्रितफल के तिए बन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्यं, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीज ऐसे अन्तरण के तिए तब पाया ग्या प्रतिफल, निम्नुनिसित उद्धारेश से उक्त बन्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है डि—

- (क) बन्तपूज ते हुए किवी नाव की वावत उन्त निष्-विवस के अपीन कर देने के बन्तपूक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में तृतिभा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, बिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

मैसर्स नानावती पारिख एण्ड एसोसिएट्स, नं० 2, भागीदार: श्री बंसीधर, प्रमृतलाल पारिख ग्रौर ग्रन्य लण बंगला, सहकार निकेतन सोसायटी के सामने, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री अरुण कुमार, कान्तीलाल शाह, चीफ आर्गेनाइजर, आफ श्रमित को-म्राप० हा० सोसायटी, (प्रोपोज्ड), ए2-9, गोशवरी फ्लैट्स, वासना, श्रहमदावाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्येई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजान है प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्स्ववंधी व्यक्तियां पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर एवाँकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वाराः
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

बनसर्च

जमीन क्षेत्रफल, 1786 वर्ग गज, ग्रौर पुराना, कंस्ट्रक्शन टी० पी० एस० 3 एफ०पी० नं० 702 सव प्लाट नं 20 अहमदाबाट छडापड सर्वे नं० 103/1 रजिस्ट्रेशन नं० /6615/17-5-84

> जी. के. पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 3-1-1985

मोहर 🖫

. प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म(1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदबाद, दिनांक 2 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3542—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर की भीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिविषम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मिलकियत घोघा सर्कल में प्लाट नं० 1227-1221-ए-1 भावनगर, है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-5-84

को प्वांक्त सम्बन्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्यवमान प्रीक्षणल को लिए अन्तरित की नई हैं बाँच मुख्ये कह विक्यास करने का कारण हैं कि यथाय्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्तके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिसत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उन्दर्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अक्तरक के दावित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अन अव. जक्त आधीनयम की धारा 269-ग के जनुस्रण में, में उन्नत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

46—436GI/84

धनलक्ष्मी कंस्ट्रक्शन कंपनी,
 प्रो० भोगीलाल देवशीभाई शाह,
 प्लाट नं० 1541,
 घोघा सर्कल,
 भावनगर।

(न्प्रन्तरक)

2. कुनाल को-म्राप० सोसायटी (प्रपोज्ड), के/आफ निरंजन मधुभाई मुशानी, मनी भुवन, प्लाट नं० 881, महिला कालेज के पीछे, भावनगर।

(ग्रन्तरिती)

की यह श्चवा जारी करके वृजीवत सम्बक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामीज से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्परित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्दाम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकियत प्लाट नं० 1227-1221-ए, घोघा सर्कल, किल्लोल बाल मंदिर के पीछे, भावनगर, रिजस्ट्रेशन नं० 1663/2-5-84 ।

जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त, (निर्दाक्षण) ग्रर्जन देंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 2-1-1985

मोहर 🕃

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहगदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं०पें ग्रार० नं० 3543—यत मुझे, जी० के० पंडयां श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रुपार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीत चाचरावाडी वासना सीम ब्लाक नं० 138, तालुका सानंद है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से बणित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सानंद (जिला ग्रहमदाबाद) में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1998 का 16) के ग्रधीन 29-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमः के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में अम्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधिक कर दोने के अन्तरक के कायित्य भी अभी राग्य ए उससे बचने में स्विधा के लि:

(1) श्री महीर्जाभाई रूपाभाई भरवाड, ग्ररजनभाई छोटाभाई भरवाड, वाचरावाडी वासना, तालुका सानंद, जिला ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमनीकलाल वालर्जःभाई मेहता, मी-8, रंजन ग्रपार्टमेंट, नारायननगर रोड, पालडी, श्रहमदावाद-17।

(अन्तिरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि जविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेमिल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्सूची

जमीन चाचरावाडी में वासना सीम तालुका सानंद ब्लाक नं० 138 रजिस्ट्रेशन नं० 736/84

> जी. के. पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् ——

तारीख: 21-1-1985

इस्प् बार्'. टाँ पुर्व पुर्व व्यवस्थान

बायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वनः

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षणं)

ग्रर्जन रें ज—I, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांक 4 जनवरो 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3544—ग्रत, मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमी . कंस्ट्रक्शर बेजलपुर में है तथा जो सर्वे नं० 1258 क्षेत्रफल 771. 70 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन 23-5-84

की प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य है कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त आँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः नव, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग कै, बनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कनुभाई गोकाजी और अन्य स्व० गोकाजी रामजीके वारसनर के आफ एन०एच० पटेल 3 वी हाइ लेन्ड पार्क, श्रोल्ड सचिवालय के पीछे, श्रहमदाबाद-15

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० एच० पटेल चेयरमेन-नीराली को० श्रो० हा० सोसाइटी, 3-बी, हाइ लेन्ड पार्क; ओल्ड सिचवालय के पीछे, ग्रहमदाबाद-15।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चाडी करके पृशांकत सम्पत्ति के वर्जन के हिन्ए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित दवान.
- (क) इस ब्रुपना के राज्यन को प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्ची

जमीन कंस्ट्रक्शन बेजलपुर में सर्वे नं० 1258 क्षेत्रफल 771.70 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 5563/23-5-841

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सड़ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-1-1985

मोहर :

प्रकल बाइं. टी. एव. एक्.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक वायकर वाम्कत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रें ज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० पा० ग्रार० नं० 3545—ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जमीन लेख पर नं० 47 है तथा जो राना-वाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, यरवाल जिला जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन 25-5-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विस्; और/या
- (थ) एसी किसी क्षाय वा किसी भन वा बन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पना था वा किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, पें, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् हु— (1) श्री पटेल सोमाभाई दहिया भाई मिसेस पटेल सेरस्वती सोमाभाई ग्रांजाद सोसाइटी, ग्रम्वावाड़ी, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स तारा केमीकल्स लिमिटेड,
मीटापुर गुजरात स्टेट, 361345
रिजस्ट्रर्ड ग्राफिस-तार केमिकल्स लिमिटेड
24, होमी मोदो स्ट्रीट फीर्ट-बम्बे-23
क्वेरी मेनेजर-तारा केमिकल्स लिमिटेड
रानावाब-क्वेरी ग्राफिस
जूनागढ़-जिला, गुजरात

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनशिया हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध की में समान होती हो. के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजवत्र में प्रकारत की तार्रीय हं 45 विन के बीतर स्वाद स्वादर स्वादर स्वादर के हितकपूर्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम, के क्थाय 20-क में परिभाषित है वहीं सर्थं होगा जो उस मध्याय में विचा क्या की कि

अनुसूची

जमीन रानावाव में लेख नं० 47 रिजस्ट्रेशन नं० 1967/ 25-5-1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-1-1985

मोहर :

प्ररूप बाई . टी. एन. एस. -----

्**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्ग्रन रें ज, श्रॅहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 जनवरो, 1984

निदेश सं० पी०म्रार०नं० 3546—ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रौर जिसका सं को लिकत टो को का एसक उपर एफ को कि 933 है तथा जो सब प्लाट 6, पालडी सीम ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रौर (इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 16-5-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है हिन्स

- ·(क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या नससे वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सृविभा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात है—

(1) श्री भ्रष्त कुमार पोपटलाल शाह दोपकुंज सोसाइटो, भगपाननगय टेफरा नजदीक, पालडी, भ्रहमदाबाद-7

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संघवी अंबालाल रतनचन्द जैन धार्मिक ट्रस्ट ट्रस्टी-धरेन्द्र ग्रंबालाल शाह. मानक चौक, संभात

(अन्तरिती)

को मह बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख के 45 दिन की जबीध वा तत्संत्रेमी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील हे 30 दिन की जबीध, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितक्र्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्षिरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, वो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसह मया है।

वन्स्यी

मील्कत टी॰पी॰एस॰-3, एफ॰पी॰ 933 सब प्लाट-6 रजिस्ट्रेशन नं॰ 7300/16-5-1984

> जीं० के० पंडया सक्तम प्राणिकारी सहायक अमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद[्]

तारोख: 4-1-1985

मोहर 🚁

प्ररूप. अरहा. टी. एन. एस्. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 4 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3547—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी मं० जमीन दिल्ली दरवाजा बाहर सर्वे नं० 41 42 43 44 है तथा जो माधुपुरा वार्ड सो पैकी जमीन में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूचो में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारो के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-5-1984

को पूर्गेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफन के जिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से ब्रिथक है बाँर अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण संहुई किसी बाव की बाबत, सबस विधिनयम के तभीन कर देने के जन्तरक के बादित्व में कभी करने मा सससे ब्चने में मृद्धि। के निष्; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिलाने में स्विमा के सिक्स

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीतः, निम्दिलिसित व्यक्तियों, अंधीत् उ--- 1 श्री हरी प्रहाद दुर्गा प्रसाद लक्करं शाही बाग श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री भगवत चेम्बर्स श्रानर्स एसोसीयेशन प्रमुख दायाभाई सोमाभाई पटेल फस्ट्र फ्लोर महेश्वरी श्रपार्टमेन्ट सुभाषत्रीज नजदीक ग्रहमदबादाद

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

दमत सम्मति के बर्चन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस मुख्या क राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृब्ध किसी जन्म स्थित व्यारा, अभोहस्ताअरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नन्स्ची

जमीन माधुपुरा में वार्ड सी दिल्ली दरवाजा बाहर सर्वे नं० 41 42 43 44 पैकी जमीन रिजस्ट्रेशन नं० 7698/24-5-1984

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 4-1-85 मोहर प्ररूप बाई, टी. एन्. एस.-----

कायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-म् (1) के वधीन सूचना

भारत बरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1985

नि**देश सं० पी० ग्रार० नं० 3548—ग्र**तः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मिलकियत टो०पी० एस० 3 पर एफ० पी० 84 बी है तथा जो एलीस कीज स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रंजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 30-5-1984

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय की अखत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कवं, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— इन्दिराबेन मनीलाल पटेल रत्नकुंज नवरंग टेलोफीन एक्सचेंज के सामने एलीसक्रीज अहमदाबाद-6 नया पता : सूरत अपार्टमेन्ट लीवर्टी होटल नजदीक नवरंग पुरा अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स श्राटलाटिस मेम्बर्स एसोशिएशन के०/ग्राफ फौरीक, मनुभाई पाठक,
 १७, शारदा सोसायटी,
 पालडी, श्रहमदाबाद-७

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया युवा हीं।

श्रनुसूची

भील्कत टी॰ पी॰ एस 3 एलीसब्रीज में एफ॰ पी॰ 384-बी, र्राजस्ट्रेशन, नं॰ 8017 / 30-5-84

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 4-1-85

मोहर :

प्ररूप **बाइ**ं, टी., एत., एस्.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० 3549——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, चिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से सिषक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन जाम खंभालीया में जिला, जामनगर है तथा जो बोर्ड नं० 4, टीका नं० 1, प्लाट नं० 126 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामखंभालीया, जिला जामनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-84

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पर्द हैं और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्छ प्रतिक्रत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नितिश्वत उप्देशों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए; बीर/वा
- (स) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बन, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के बनुसरण कें. में, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, किन्नियम व्यक्तियम, अर्थात् क्ष्म

श्री भगवती स्पोनिग, एण्ड, बोविग, वर्कस
 स्टेशन, रोड, जामखंभालिया,
 जिला जामनगर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) रुफ्पुद्दीन, युसुफ अली,
 - (2) राधाबेन रतनशी
 - (3) के० जी० बच्छ,
 - (4) हरकान्त माथुरदास, रापडा, जामखंभालिया जिला जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकान।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज्मृत्यः

मिलिकयत जाम खंभालिया में वार्ड, नं० 4, टीका नं० प्लाट नं० 126 र्राजस्ट्रेशन, नं० 487/19-5-84

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-1-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

जानकर जिमिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

काश्रांलय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 5 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3550/I/——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/=रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी०पी० एस० नं० 26, वासना, है, तथा जो श्रहमदाबाद, -7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्परित का अचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसे किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वन, उक्त बिधिनयम की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के इपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
47—436 GI/84

- श्री शारदासरन , श्री बिरचान्दभाई शाह,
 तवद्या बिहार कालोनी,
 उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद
 (ग्रन्तरक)
- श्रो बन्भाई भागूभाई, सुतारीया, 664/1, पंचवटी, श्रासावाडी, श्रहमदाबाद-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्थन के कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्त्रपा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये जा सकर्ण।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्डों और वहां का, जो उनस अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिला गया हैं।

वन्स्ची

मिलिकियत जो लादमय सोसायटी, वासणा ग्रहमदाबाद में स्थित है जिसका टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 26 है, ग्रौर फाईनल प्लाट नं॰ 37-ई एण्ड 37/1 ग्रौर सब-प्लाट नं॰ 10 है।

जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-1-85

महिर 🗓

त्रकृष् कार्यः हो. यम् एतः -----

वायकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायकतं (निरक्षिण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3551/I/—अतः मुझें जी० के० पंडया,

कारकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसने परवात् 'उसते निर्मित्यम' कहा नया हैं), की बारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्मत्ति, जिसका सचित बाजार मृज्य 25,000/~ रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, 125 ची० है, तथा जो इाईव-ईन-रोड, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-84

पत्रे प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (या) अस्तरण ने हुई किसी नाय की बाबत, उनस् वीधीनवन के बाधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कहने या उससे व्यन में स्वीवधा के सिए: वीडि/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी वन या अन्य अगुस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वि बा वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

क्ष्मः इत्र, उक्त विधिनियम की बार 269-म के बजुक्तरम में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् इ— दक्शासदन, अमृतलाल श्रीमाली, ए/9, गोल्ड कोईने, फ्लैटस, निवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

 बरशीभाई बाछमी भाई पटेंल, ृ8, स्मृतिकुंज, सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष हाना

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर १ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किनी व्यक्ति हताताता.
- (क) इस मृत्रा के राजपत्र में एकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र विकास किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी है पास लिखित में किए का मुखेंगे।

अनुसूची

फ्लैट जो कादम्स, अपार्टमेन्ट्स, ड्राईव-ईन-रोड, अहमदाबाद में स्थित है जिसका 'कुल क्षेत्र फल', 125 चौ० है। 37-ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 4-5-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 7-1-85

मोहर 🗵

श्ररूप बाईं.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कारालय, सहायक आयकरु आयुक्त (निर्दाशक)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3552/I—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 15, 270 चौरस फुट है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन दिनांक 3-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रिशत नहीं किया गया है :—

- (का) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के जन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए भार/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमस्त्यां का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री प्रणीण कुमार, टीमन लाल शाह, लिना अपार्ट मेन्ट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

मै० आर० एम० कुमार एण्ड सन्स,
 15, स्वस्तिक सुपर मारकेट,
 आश्रम रोड,
 अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के हिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए हा सकोगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षर्य होगा जो अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसू ची

आफिस नं० 15, जिसका कुल क्षेत्रफल 270 चौ० फुट है जो स्वास्तिक सुपर मारकेट, अहमदाबाद, में रिथत है। आयकर अधिनियम, अनुसार का 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 3-5-1984 को षेश किया गया है।

> जी के विवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अइमदाबाद

दिनांक: 7-1-19:85

मोहर 🖫

क्षण बाह[े]ं टी_ं एत_ं हुन्_{ं व} व व व व्यव्ह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

ब्राह्म बहुकार्

कार्यालय, बहायक नायकर वायकत (निर्माक्त)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3553/ ---अतः मुझ^{*}, जी०के**०** पंडया,

बाबकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन मक्षप्र प्राधिकारी को, यह विवतास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 25, 270 चौ० फुट है, तथा जो आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-5-1984

- (क) अन्तर से हुई किसी बाय की बाबत उवस अधिनियम के लधीन कर दोनें के अम्तरक के दासिख में कमी कड़ने वा बससे बचने में सुविधा औं तिए; अरेर/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया नयां बा किया अभि वाहिए था स्थिति में इविधा से

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों हु अर्थात् ;—— श्री अश्विन कुमार गणपतराम जोशी, हर्रिसह करूप सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद, ।

(अन्तरक)

 श्री जयन्तो लाल मलुकचन्द शाह, प्रभुषार्क सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप छ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीर्भाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

दुकान नं० 25, जो स्वस्तिक सुपर मारकेट, आश्रम रोड, अहमदाबाद, में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्र फल, 270 चौ० फुट है। आयकर अधिनियम, के अनुसार का फार्म नं० 37-ईई, यह कार्यालय में दिनांक 16-5-84 को पेश किया गया है।

जी के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 7-1-85 **मोहर** ध प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3554 --- अतः मुझे जी० के० पंडया,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा र है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ओढव, 1111, चौपार है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बेन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत समत अधि-मिन्दम के बधीन कर दीने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निये; और/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा औं जिस्सा

ब्द्धः वय, उपत वर्षित्वव, की धारा 269-व के बन्सर्थः वे, ते, उद्भत वर्षित्विव की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— राजनगर सोशल वक्स, गीतामंदिर, रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 कीरित कुमार, रमणलाल परीख, ए/4, न्यू गार्डन फ्लैट्स, अलिस ब्रिज, अहमदाबाद-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो म्रोढव अहमदाबाद में स्थित है। आयकर अधि-नियम, का अनुसार का फार्म नं० 37-ईई पर कार्यालय में दिनांक 16-5-84 को पेंश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जब रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 7-1-85 मोहर 🛭

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 7 जनवरी 1985 निदेश सं०पी०आर०नं०3555/I—अतः मुझे, पी०के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संब्ग्रोडव-11/21 चौरव वाट है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया गया है :——

- (क)। अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मे॰ प्तास्टेक्ट राजकृपा फ्लेट के पीछे श्रीमाली सोसाइटी, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल शनाभाई के०/आ० मे० प्लास्टेक्ट श्री माली सोसाइटी के पीछे, अहमदाबाद

(अन्तरिया)

को यह सूचना बारो करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्जन के तिब् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के बध्याथ 20-क में पश्चिमाणित हो, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याथ में दिया नवा है।

न्नस्थी

जमीन जो ग्रोढव में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1111 चौ०फु० है। आयकर अधिनियम के अनुसार फार्म नं० 37 ईई पर कार्यालय में दिनांक 3-5-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज--I, अहमदाबाद

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🗓

प्रस्प बाइ' .टी .एन .एट .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं०पी०आर०नं०3556/I— यतः मुझे, जी० के० पंडया,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1875—बी—सी० है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 15-3-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से दृश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 हा 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था ए किया राजा काजिए था, फ़ियाने में पुणिक रे विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री नरेश भाई रतीलाल मंकीवाला, 1282, गार्डन मार्ग, महाराष्ट्र सोसायटी के पीछे, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) महालक्ष्मी कारपोरेशन कालूपुर टावर अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणत की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सुबता की तामील से 30 दिन की ग्रवित को मी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीता पूर्णित व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 विन के भीतर उपन स्थावर मम्पन्ति में हिरबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरू लक्ष्य के गण्य निखित में किये जा सकेंगे '

स्वक्ती हरण:--इसर्ने प्रयुक्त विकास परि वर्तन कर जा हा उपत प्रधि-नियम के अध्यात के किही सर्थ होता, को उन्न संविद्यान स्वाहै।

मन्त्याँ

मिल्कत जो कालूपुर बार्ड नं० 2 में स्थित है। सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद में 3878 नं० पर मई, 8,4 को रजिस्टर्ड की गई है?

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖺

प्ररूप बाइ टी.एन.एस ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-], अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985 निदेश सं० पी० आर० नं० 3557/1—यतः मुझे, जी०के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बारेजा-2267, समाफक नं-2094 है तथा जो ता० दसकोई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 22-5-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण कों. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रावजीभाई गोपालभाई पटेल, बारेजा ता० दसकोई

(अन्तरक)

(2) वन्दावन को०आ०हा० सोसाइटी के०/आफ० मयूर प्रिन्टिंग प्रेंस, बारेजा ता० दसकोई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के वास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविश इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रमुस्षी

जमीन जो बारेजा में स्थित है जिसका सं० नं० 2267, ब्लाक नं० 2094 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-! अहमदाबाद

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🛭

प्रक्य बाइ. टी. एन. एस. .----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं० पी॰ आर० नं० 3558/I—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

अग्रयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगित जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० बारेजा—सं० नं० 2818/1,2,3 है तथा जो ता० दसकोई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहम-दाबाद में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 22-5-84

को प्वोंकत सम्पित्त के उचित बाजोर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपित्त का उचित बाजार बुक्य. उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के निए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः आग, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चन्दुभाई शिवाभाई मोदी बन्सीभाई शिवाभाई मोदी डाइयाभाई शिवाभाई मोदी बारेजा ता० दसकोई ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवती साँ० मिल्स बारेजा जि० अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्नेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

क्षभागायां

्मीन जो बरेजा, ता० दसकोई में स्थित है। जिसका सर्वे न ० 2818/1/2/3 है। सब रिजस्ट्रार अहमद बाद में 7587 न ० पर दिनांक 22-5-84 को रिजस्ट्राई की गई है।

जी. के. पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक, आयकर आयुदत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबोद

तारीख: 7-1-1985

मोहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

. कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1985

निदेश सं०पी०आर०नं०3559/I— अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 125/1/2/3—639 चौ० वाट 1/2 भाग है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मन्दे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले, एसे क्रयमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवा रूप में कथित नहीं फिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिव्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एकंजनार्थ अपार्शनी द्वारा प्राप्त नहीं किया गया का या किया जाना कर्तां प्राप्त के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हससुखलाल फ्रान्तीलाल पटेल, 1561/1 मोटी खतीवाड, सरसपुर, अहमदाबाद-18

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डा० रानीबेन एस० सिक्ख 10/57, प्रगतिनगर, नारणपुरा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्मान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यख्टीकरणः—इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

अनुसूची

प्लाप्ट जो वस्त्रापुर में प्बींथ लेवल तक का कार्यक्रम किया हुआ है जिसका सर्वे नं० 129/1/2/3, सब प्लाप्ट नं० 17 है। कुल क्षेत्रफल 639 चौ० वा० है। सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद में 7599 नं० पर दिनांक 23-5-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी. के. पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरक्षिण) अर्जनरेंज-I; अहमदाबाद

दिनांक : 7-1-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 जनवरी 1985

निदश सं० III-966/अर्जन/84-85 अतः मुझे प्रबोध कुमार, दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तौजो नं 524 सिंकल सं० 6 वार्ड नं०-2, होलिंडिंग नं० 397 ए/2 एस०पी०सं० 782 (पी) 783 (पी), 784(पीं) है तथा जो एकजीविसिन रोड़ पटना में है, तथा जो स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियाम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-5-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरित्री (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर वोने के जन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूतिभा के लिये; बीर/वा
- (स') एसी किसी जाय या किसी धन जन्म जास्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे॰ याब्री ट्रेवलर्स प्रा॰ लिमिटेड, एक्जिविसन रोड, पटना द्वारा डायरेक्टर श्री सुरेन्द्र आहूजा, एस॰के॰नगर, पटना

(अन्तरक)

(2) मे॰ असियाना इन्जीनियर्स प्रा॰ लिमिटेड, विशवा सदन आफ एकजिविसन रोड, पटना द्वारा-डाइरेक्टर श्री श्रोंकारमल पटवारी, कावेरी अपाट० बंदर बगीचा पटना ।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जर के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर समास्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। /

बन सर्च

जिसन मय एक मंजिला पनका मकान जिसका रकवा करीब 78 कठा है तथा जो एकजिविसन रोड, पटना में स्थित है तथा पूर्णक्प से विस्का स० 3205 डिदनांक 24-5-84 में विणित है जिसका निवंधन जिला अवसर निवंधव पदाधिकारी प्रूटना के द्वारा सम्पन्न हुआ।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम पदाधिकारी सहायक आयकर अधिकारी आयुक्त, अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 11-1-1985

मोहर ६

संघ लोक सेवा श्रायोग

नोटिस

भारतीय वन सेवा परोक्षा, 1985

ं • एफ • 13/2/84-प • I (ख)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 फरवरी, 1985

भारत के राजपल दिनाक 2 फरवरी, 1985 गृह मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के श्रनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ग्रगरतला, परमदाबाद, इलाहाबाद, एजल, बंग-लौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्म, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, भद्रास, नागपुर, पणजी (गोजा), पटना, पोट्टब्लेयर, रायपुर शिलांग, श्रिमला, श्रीनगर, तिस्पति, लिडेन्द्रम, उदयपुर तथा विशाखापत्तनम में 28 जुलाई, 1985 से एक प्रतियोगिना परोक्षा नी जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो उनन परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा वारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उनन परीक्षा के लिए उनके पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी श्रायोग स्थितिवश किसी उम्मीदवार को श्रपनी विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उनन परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (श्रनुबन्ध 1, परी 11 देखिए)।

- 3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले, उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्न पर सिंख, संघ लोक सेवा ध्रायोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भ्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित श्रावेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये (रु० 2.00) भेज कर श्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं, यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीभ्राइंर या सचिब, सघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल भ्राईर द्वारा भजी जानी चाहिए। मनीभ्राईर पोस्टल भाईर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जायंगे। ये भावेदन प्रपत्न भ्रायोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किएजा सकते हैं। दो रुपए (रु० 2.00) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

दिप्पणी: --- उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि वे भ्रपने धावेदनपत्न भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1985 के लिए निर्धारित
मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा,
1985 के लिए निर्धारित धावेदन-प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर
भरे हुए भ्रावेदन-पत्नो पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. उम्मीदवार उक्त सेवा के लिए जिस राज्य/संयुक्त संवर्ग में भावंटन हेतु विचारण का इच्छुक है उसे उसके बारे में भावेदन-प्रपन्न के कांसम 24 में भ्रपना वरीयता कम लिखना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा म्रावेदन-प्रपन्न में निर्दिष्ट राज्य/संयुक्त संवर्ग हेतु बरीयता क्रम में परिवर्तन के भ्रमुरोध पर कोई व्यान तब तक नहीं दिवा जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का ग्रनुरोध भ्रायोग के कार्यालय में उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन को नारी खा से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है । आयोग या भारत सरकार उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्न नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके प्रावेदत-पत्न प्रस्तुन कर देने के बाद विभिन्न राज्य/संयुक्त सवगी के लिए परिशोधित वरीयता, यदि कोई है निदिष्ट करने को कहा जाए।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 को 1 अप्रैल, 1985 (1 अप्रैल 1985 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोशर द्वीगनमूह, लक्षद्वीप, प्रसम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्विपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और कश्मीर के लद्दाख डिबोजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पागी उपमडल में रहने वाले उम्मीदवारों और जिनके आवेदन-प्रपत्न उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा आप्त होते हैं उनके मामले मे 15 अप्रैल 1985) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्तय आयोग के काउन्टर पर आकर जमा करा दिया जाए । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसो भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समह, लक्षद्वीप, ग्रमम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, त्निपुरा, सिकिक्म ग्रीर जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लहाख डिवीजन।हिमाचल प्रदेश के लाहौल ग्रीर स्पीति जिले तथा चम्वा जिले के पाजी उपमंडल में रहने वाले उम्मीद-वारों से ग्रायोग यदि चाहे नो इम बान का निखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 1 ग्रप्रैल, 1985 से पहले की किसी तारीख से जिदेशों में या ग्रंडमान एव निकोबार द्वीप समह, लक्षद्वीप, ग्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्विपुरा, सिकिक्म ग्रीर जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लहाख डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौल ग्रीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल में रह रहा था।

- टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले धारेदन की प्रस्तुनि हेतु प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें भ्रावेदन-पत्न के मंगत कालम में भ्रपने पतों में भ्रतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (भ्रयति भ्रसम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाख क्षेत्र भ्रादि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए भ्रन्यया हो सकता है कि उन्हें भ्रतिरिक्त समय का जाभ न मिले।
 - (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रपने भावेदन-पत्नों को स्वयं सं० लो० मे० भ्रा० के काउन्टर पर जमा करायें भ्रथवा रजिस्टड डाक द्वारा भेजें। भ्रायोग के किसी भ्रन्य कर्मचारी को दिए गए भ्रावेदन-पत्नों के लिए भ्रायोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6 परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्न के माथ आयोग को ६० 48.00 (६० अड़तालीस) [अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ६० 12.00 (६० बारह)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टन आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में।

विदेश में रहते वाले उम्मीदवारों की निर्धारित शुल्क भारत के उम्म आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में यह प्रनुरोध करते हुए जमा करना होगा नाकि वह "051 लोक सेवा प्रायोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्थ में जमा हो जाए और उम्मीदवार को प्रावेदन-ग्रव के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन स्रावेदन-पत्नो में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम स्रस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के स्रंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

- 7. ग्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुक्क से छूट है सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि ग्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 माचं, 1971 के बीच की ग्रविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से भारत ग्राया हुग्रा वास्तविक विस्था-पित व्यक्ति है था जर्भा से वास्तविक रूप में प्रत्यावित म्लतः भारतीय व्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1963 को या उनके बाद भारत में ग्राया है या बह एक वस्तुतः प्रत्याविति मृलतः भारतीय व्यक्ति है, जो ग्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के ग्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या ग्राने वाला है या भृतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की ग्रविध के दौरान भारत प्रवजन कर चुका या ग्रीर निर्धारित शुक्क देने की स्थित में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्घारित गुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे इठ 30/- (इपये तोस) [अनुसूचित जातियों ग्रीर धनुसूचित जन जातियों के मामले में इ० 8 00 (इपये थ्राठ)] की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त एवं नीचे पैरा 9 में उपबन्धित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी न्यिति में आयोग को भुगतान किए गए श्रुटक की वायसी के किसी दावे परन तो विचार किया जाएगा और नहीं श्रुटक को किसी अन्य परोक्षा याचयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

- 9 यदि कोई उम्मीदवार 1984 में भारतीय वन सेवा परीक्षा में बैठा है और वह अब इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा पिरणाम अध्यवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन- एक निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालग्र में प्रस्तुन कर दें। यदि 1984 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, जो 1985 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुक्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रहें करने तथा शुक्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के काइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 किन के अन्दर अवश्य पहुंच जाए।
- 10. भावेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. जसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उल्लिक्कित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्न में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे । नमूने के प्रश्न सहित वस्तु पूरक परीक्षण सम्बन्धी अयौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के भ्रनुबन्ध II का भवलीकन करें।

मा० बालाकृष्णन, उप सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

भनुबंध [उम्मीदवारों को धनुदेश

- 1. उम्मीदवार को धावेदन पत्न भरने से पहले धपनी पावता समझ लेने के लिए नीटिस ग्रीर नियमावली को ध्यान से पढ़ लेने चाहिए। निर्धारित शतों में कोई छट नहीं दी जा सकती है।
- ग्रावेदन-पत्न भरने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पराग्राफ 1 मैं दिए गए केन्द्रों में से किसी 1 की, त्रहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, श्रंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मादवारों का ध्यान रखना चाहिए कि कन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को गामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहना है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया या तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की इस बात का पूरा औवित्य बनाते हुए एक पत्न रिजस्टडं डाक से अवक्थ भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 23 जून, 1985 के ब्रुट्ट प्राप्त अनुरोधों को किसो भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को भ्रावेशन-पत्न तथा पावती-कार्ड भ्रपने हाथ से ही स्याही से या बाल प्वाइण्ट पेन से भरने चाहिए। भ्रध्या या गलत भरा हुआ भावेदन पत्न श्रस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि ग्रावेशन पत्र भरते समय उन्हें भार-तीय अंकों के केवल ग्रंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है । चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी ग्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिष्चित कर ले कि वे ग्रावेशन-प्रश्त में प्रविष्टि करते समय--इसको भारतीय ग्रंकों के केवल ग्रन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें वे इस बारे में विशेष मावधानी बरतें कि ग्रावेशन-पत्र में की यई प्रविष्टियां स्पष्ट ग्रीर सुपाठ्य हों । यदि येप्रविष्टियां ग्रागठ्य या भ्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रांति या संदेह के लिए उम्मोदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि ब्रायोग घावेदत-पत्र में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से सम्बद्ध किसो भी पत्र ध्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें प्रावेदत-पत्र सहो रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें किसी भी परिस्थिति में उस विषय को बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो उन्होंने उक्त परोक्षा हेतु अपने आवेदन-पत्न में निर्दिष्ट किया था।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी ग्रौग्रोगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने ग्रावेदन-पत्न ग्रायोग को सीधे भेजने चाहिएं। अगर किसो उम्मीदवार ने अपना ग्रावेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा ग्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस ग्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा भने ही यह नियोक्ता को ग्राविरो तारोख से पहने प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से हो सरकारो नौकरों में प्राकित्मक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हिस्तित से या कार्य प्रमारित कर्म-चारियों की हैसियत में काम कर रहे हैं या जो लोक उद्यमों के अन्तगत सेवा कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि भ्रायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परोक्षा के लिए भ्रावेदन करने/परोक्षा में बैठने से सम्बद्ध श्रृन्मित रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका भ्रावेदन-पत्त भ्रस्वोक्कत कर दिया जाएगा/उनको उम्मीदवारो रह कर दो जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को अपने भावेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र भ्रवश्य भेजने चाहिए :---
 - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या बैंक ड्राप्ट या शुल्क भेजने के ग्रपने दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की प्रमाणित/ग्रनुप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 ग्रीर नोचे पैरा 6)।
 - (2) म्रायु के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (3) शक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की श्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।

- (4) उम्मीदवार का थपन हाल हा क पानपाट धाकार (लगमन 5 से ० मी ० × 7 से ० मी ०) के फाटा का दो एक जैसी प्रतिया भजनी चाहिए। इतन न एक प्रति प्रावेदन-पत्र के पहले पष्ट पर चिपका देनी चाहिए और द्मरो प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।
- (5) लगभग 11.5 सें॰ मी॰ × 27.5 सें॰ मी॰ श्राकार के बिना टिकट लगे दूए दो लिफाफो जिन पर श्रापका पना लिखा हो।
- (6) जहा लागू हो वहा श्रनुसूचित जाति/श्रत्सूक्कचित जन जाति का ोने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्क की श्रन्प्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां लागृ हो वहा स्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की श्रन्प्रपाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्नक (प्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुम्रा है।

टिप्पणी (I) उम्मीदवारों को भ्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (2) (3), (6) ग्रौर (7) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतिया ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपत श्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हो श्रथवास्वय उम्मीद-बार द्वारा मही रूप में सत्यापित हो। जा उम्मोदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के प्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये भ्रह ता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नो की मल प्रतिया प्रस्तुत करनी होगी। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर, 1985 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नो को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए।जो उम्मीदवार उस समय प्रपे-क्षित प्रमाण-पत्नो को मूल रूप मे प्रस्तुत नही करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और उनका ग्राग विचार किए जाने का दावा स्वीकार नही होगा।

टिप्पणी (II) भ्रावेदन पत्नों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की भ्रनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (1) से (4) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और पैरा 6 में दिए गए हैं, और मद (5) और (7) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिये गये हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ब्रार्डर।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर प्रनिवार्यतः रेखांकित किया जःए तथा उस पर "सचिव" संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय" जिखा जाना चाहिए।

किसी भ्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल द्यार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टर भ्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर स्रोर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह ग्रवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल भार्डर न तो रेखाकित किए गए हो श्रोरन ही सचिव, संघ लोक सेवा भायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हो, उन्हें भेजना सुरक्षित वहीं है। (ब) तियोरित शुक्त की निए रखाकि। ने क ड्राफ्ट.

वैत ड्राफ्ट स्टेट बैत आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जान चाहिए और सचित्र, सघ लोक सेवा आयाग को स्टेट बैंक आफ इण्डिय मुख्य शाखा नई दिल्लो मे देय होता चाहिए तथा विधिवन रेखाकित होना चाहिए।

किसी भ्रत्य बैंह के नाम देर किए गए वैक ड्राफ्ट किसी भी हालत मैं स्वोहार तही किए बाएने विक्तित पा कट-छटे वैक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए बाएने।

टिप्पणी:---उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्न श्रस्तुत करते समय बैक ड्राफ्ट की पित्रशी श्रोर सिरे पर श्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल श्रार्डरो के मामले मे उम्मोदवारा को पोस्टल श्रार्डर के पिछली श्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर श्रपना नाम पता लिखें।

(11) श्रायु का प्रमाण-पत्न :—श्रायोग जन्म की वह तारीख स्वी-कार करता है जो मैट्रि हुनेशन या माध्यिमक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा म्रनुरक्षित मैट्रिकुलेटो के रिजस्टर में दज को गई हा म्रांग्य व उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारो द्वारा प्रमाणित हो। जा उम्मीश्वार फिन्वतर माध्यिमक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यिमक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न को म्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत कर सकता है।

ग्रापु ६ सम्बन्ध में कोई श्रस्य दस्तावेज जैसे जन्मकुन्डली, शपथपत्न, नगर निगन से ग्रौर सेवा ग्राभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाग स्वीकार नहीं किए जाएगे।

भ्रनुदेशों के इस भाग में भ्राए हुए "मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पत्न" वाक्याश के भ्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यितिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होतो या प्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष प्रीर महीने ही दिए होते हैं। ऐस मामलों में उम्मोदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यितिक परीक्षा/प्रमाण-पत्न की प्रमुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्त उस सस्या के हैंडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रानुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यितिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस सस्था के दिखला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक प्रायु लिखी होनो चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जातो है कि यदि प्रविदन्यत्न के साथ इन प्रनुदेशों में यथा निर्धारित प्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो प्रविदन-पत्न प्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:--जिम उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल श्राय से सम्बद्ध प्रविष्टि बाले पृष्ठ की श्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

िष्पणो 2 . — उम्मीदवार। को ध्यान रखना चाहिए कि श्रायोग जन्म की उसी ताराख को स्वीकार करेगा जो कि श्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न म दर्ज है श्रोर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी श्रानुरीव पर न तो विचार किया जाएगा श्रीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: -- उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने ग्रीर ग्रायीग द्वारा उसे अपने ग्रामिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमित नहीं दी जाएगी।

(iii) शैंक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्न:— उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्न की ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (श्रयांत् विश्वविद्यालय या किसी श्रम्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विश्वष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाणपत्न न भेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण श्रवश्य बताना चाहिए और अविक्षत योग्यता से सम्बद्ध श्रपने दावे के प्रमाण में कोई श्रन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। श्रायोग इस साक्ष्य की गुणवता पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नही है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा श्रपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में डग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की श्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गये हों,तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की श्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाणपत्र लेकर उसकी एक श्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि श्रवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्दिब्द विषयों में श्रहंक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

टिप्पणी: -- उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हो जिसे

- उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए
शैक्षिक दृष्टि के पान हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का
परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों
को भी जो ऐसी ग्रहुंक परीक्षा में बैठना चाहते हों,
श्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) फोटोग्राफ :— उम्मीदवार को श्रपने हाल हो के पासपोर्ट भाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति धावेदन-प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पन्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि भ्रावेदन-पत्न के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(2), 3(3) श्रीर 3(4) के ग्रन्तगित उल्लिखित प्रमाण-पत्न में से कोई एक संलग्न न होगा श्रीर उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो श्रावेदन पत्न श्रस्वीकार किया जाएगा तथा इस श्रस्वीकृति के विरुद्ध किसी श्रपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी श्रनुस्चित जाति या श्रन्स्चित जनजाति का होने का दावा करें तो उसे श्रपने दावे के समर्थन में उस जिले
के, जिसमें उनके माता पिता (या जीवित माता या पिता) श्रामतौर से
रहते हों, जिला श्रिष्ठकारी या उप मण्डल श्रिष्ठकारी या निम्नलिखित
किसी श्रन्य ऐसे श्रिष्ठकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपत्न जारी करने के लिए सक्षम श्रिष्ठकारी के रूप में नामित किया हो,
नीचे दिए गए फामं में प्रमाण प्त्न लेकर उसकी एक श्रिष्प्रमाणित/प्रमाणित
श्रितिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माना श्रीर पिता
दोनो की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिला के श्रिष्ठकारी से
लिया जाना चाहिए जहा उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी श्रन्य
प्रयोजन से श्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए श्रावेदन करने वाले श्रन-सूचित जातियों ग्रीर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मोदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फामं :--

17/	Ç 911-1 41-							
	प्रमाणित	किया	जाता	है कि	श्री/श्रीमती			
			जो	गांव/व	 हस्वा*/जिल		- सुपुत्र/मु	•
					ज्य/सघ*/रा			
-			वे	ः/की	निवासीं है	₹	 	

जात/जन जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के ग्रधीन धनुसूचित जाति भ्रनुसूचिन जन जाति * के रूप में मान्यता दी गई है। संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) ग्रादेश, 1950 संविधान (धनुसूचित जन जातियां) धादेण, 1950 † संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश, 1951 † संविधान (भ्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भ्रादेश, 1951 🕇 [अनुसूचित जातियां भ्रौर अनुसूचित जन जातियां सूची (श्राशोधन) म्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन म्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन म्रधि-् नियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रधिनियम, 1970 ग्रीर उत्तरी पूर्वी क्षेत्र पुनगंठन प्रधिनियम 1971 ग्रीर श्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुमूचित जन जातियां म्रादेश (संशोधन) म्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू श्रीर कश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956† संविधान (ग्रंडमान ग्रौर निकोबार द्वीप समृह) श्रनुसुचित जन जातिया श्रादेश, 1959† श्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश (संशोधन) भ्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित। संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रन्यूचित जातियां ग्रादेश 1962† संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातिया ग्रादेश 1962 संविधान (पांडिचेरी) ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेश 1964† संविधान (ग्रन्सुचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश, 1964† संविधान (गोवा, दमन तथा दिया) धनसूचित जातियां धादेश, 1968† संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1968† संविधान (नागालैण्ड) श्रनसूचित जातियां श्रादेश, 1970† संविधान (सिक्किम) भ्रनुसूचित जातियां म्रादेश, 1978 संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1978 @ 2. प्रनुसूचित जातियों/प्रनुसूचित जनजातियों के उन उम्मीदवारों के मामलो में लागु जो एक राज्य/सघ राज्य क्षेत्र से प्रव्रजन कर चुके हैं। यह प्रमाण पत्न श्री/श्रीमती/क्मारी*-----के पिता/माता * श्री/श्रीमती * -गांव/कस्बा* -जिला/मडल ---राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* -----को जारी धनुसूचित जाति/धनुसूचिन जनजाति *प्रमाणपत्न के श्राधार पर जारी किया गया है जो---भ्रनुमूचिन जानि/जनजानि* के हैं जिसे-----राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता 3 श्री/श्रीमती/कृमारी* -----ग्रीर/या* उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्वा*-----में जिला/मंडल * ---------- राज्य क्षेत्र------रहते/रहती* है । -----हस्ताक्षर* पदनाम** (कार्यालय की मोहर) स्थान--तारीख----राज्य*/संघ राज्य क्षेत्र *जो शब्द लाग न हो उन्हें कृपया काट दें। †कृपया राष्ट्रपति का विभिष्ट ग्रादेश निदिष्ट करें।

@जो परा ग्राफ लागून हो उसे कृपया काट दें।

- मोट:--यहा "ग्रामतोर से रहतं/रहती है" का ग्रर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेन्टेशन ग्राफ पीपुल एक्ट, 1950" की. श्रारा 20 में है।
- **ग्रनुमूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम ग्रिष्ठिकारियों की सूची :
- (1) जिला मजिस्ट्रेट/श्रितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/डिप्टो किम-इनर/एडिशनल डिप्टी किमश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/मव†/डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एकजी-क्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रिमिस्टेंट किमश्नर।

†प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम श्रोहरे का नहीं।

- (2) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एटीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
 - (3) रेवेन्थ् भ्रफसर, जिनका स्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिविजनल ध्रकसर जहां उम्मीदवार भौर/ या उसका परिवार भ्रामतौर से रहता हो।
- (5) ऐ**ड**िमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपर्मेंट ग्रफसर सकद्वीप ।
- 5. (1) (क) नियम 5(ख)(2) प्रयवा 5(ख)(3) के प्रक्तांत प्रायु में छूट भीर/या नोटिस के पैरा 7 के प्रनुसार शक्त से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) के विस्थापित अपित को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिशि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुन करनी चाहिए कि वह भतपूत्र पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) के वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भीर ! जनवरी, 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की भ्रवधि में प्रवजन कर भारत प्राया है।
 - (1) दंडाकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों ग्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरो के कैम्म कमाइँट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां यह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) संबद्ध जिलों में शरगार्थी पुनर्वान कार्य के प्रभारी ग्रातिरिक्त जिला मैजिस्ट्रट।
 - (4) ग्रापने ही कार्यभार के ग्रधीन, संबद्ध सब-डिबीजन का सब-डिबीजनस ग्रफसर ।
 - (5) उप क्ररणार्घी पुनर्वाम. ग्रायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पून-बंसि), कलकत्ता ।
- (2) नियम 4(ख) (5) धयवा 5(ख) 3 के घन्तांत पायु में खूब घौर/या मोटस के पैरा 7 के घनुसार णुरूक से छूट का दावा करने वाले भीतंका से प्रत्यावितत या प्रत्यावितत होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीमंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्यालय से लिये गए इस घाषाय के प्रमाणपत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुन करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो प्रश्तुवर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के धन्तांत 1 नवम्बर, 1964 की या उसके बाद भारत ग्राया है या ग्राने वाला है।
- (3) नियम 5(ख) (6) प्रयम 5(ख) (7) के प्रन्तगत प्रायु सीमा में छूट ग्रीर/या नोटिस के पैरा 7 के प्रनुसार शुक्त में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावितन मूलत भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-यन की ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिये प्रस्तुन करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागिरे है है जा 1 नृत, 1963 का या उसके बाद भारत ग्राया है, ग्रयवा जिम क्षेत्र का वह निवासो है उनके जिला मैजिस्ट्रट से लिये गए प्रमाण-पत्र को ग्रमिप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिप यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह बर्मा से ग्राया हुग्रा वास्तिवक प्रत्यावितित व्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1963 को या उनके बाद भारत ग्राया

(4) नियम 5(ख) (8) प्रयवा ५(ख) (9) के ग्रन्तगंत ग्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुग्रा है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये गये निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पन्न की एक भ्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाग्रों में कार्य करते हुए, विदेशो मन्नु देश के साथ संवर्ष भ्रयवा भ्रशांतिग्रस्त केन्न में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुग्रा ग्रीर परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुग्रा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैंक में परिणामस्वरूप निर्मुत हुए।

पक्षा सेवामों में कार्य करते हुए विदेशी शब्रु देश के साथ संघष में/
स्रशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए स्रोर उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

*जो भाव्य लागू न हो उसे कृत्या अट दें।

- (5) नियम 5 (ख) (x) रा 5 (ख) (xi) के ग्रन्तगंत भ्रायु में छुट का दावा करने वाले विस्तानाम में प्रत्यावितत मूलतः भरतीय व्यक्तित को, फिलहाल, जिस क्षेत्र का वह विवासी है, उसके जिला मैं जिस्ट्रट में लिय गये प्रमाण-यत की भ्रमिश्रमणिन/प्रणाणित प्रतिनिधि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह विस्तानात में जाता हुपा वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है और विस्तानाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं भ्राया है।
- (6) नियम 5 (ख) (xii) या 5 (ख) (xiii) के भ्रन्तगंत क्षायु में छूट बाहने वाले कीनिया, उनाड़ा तथा समुक्त गणराज्य संजानिया (भ्रमूर्व टामानीका तथा जजीवार) मे प्रवजन कर भ्राये हुय या जाम्बिया, मनावी, जैरे तथा इयीयोपिया से प्रत्याविता हुए उम्मीदवार को उस केंब्र के जिला मैजिस्ट्रट ने जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाग-पत्र की एक यिम्बनियाज्ञ प्रमाग-पत्र की एक यिम्बनियाज्ञ प्रमाग-पत्र की एक यिम्बनियाज्ञ प्रेतिलियि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिय कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवजन कर भाषा है।
- (7) जो मूतपूर्व सैतिक तथा कमांगत प्राप्त ग्रष्टिकारी (धापात-कालीन सेवा कमीशत प्राप्त ग्रष्टिकारियों/ग्रन्थक्तानीन सेवा कमीशत प्राप्त ग्रष्टिकारियों सिहन) नियम 5 (ख) (प्रांप) या 5 (ख) ((प्रप) की कर्जों के ग्राप्टीन प्राप्त सीमाप्तों में खुढ का दावा करते है उन्हें सबक ग्राप्टिकारियों से जिम्मिवासित जिल्लीका प्राप्त में प्रमुख स्थाप्त करता पाहिए।

(क) कार्यमुक्तिवा जिल्ला कार्यस्था गर जात् प्रमाणित किया जाता है कि सक रिक नाम की तारीख है से तक सेना/नौसेना/वायु सेनो में सेबा की है भीर वे निम्निजिस्त में मे एक कर्त पूरी करते हैं :--

- (क) उन्होंने पाल या पान से प्रतिक नशी तक सैनिक सेना की है भीर कार्यकान से समापन पर कदाचार या अध्यमता के कारण बर्जास्त या कार्यनुकत होने के अलावा अन्य आवार पर कार्य-मुक्त हुए हैं।
- (ख) वे सैनिक सेना के कारण हुई शारीरिक अयंगता या अक्षमता के कारणको कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम

मृहर

स्यान । तारीख, (श्व) सेवारत कांमको पं लाग प्रभाणित किया जाता है कि सक्ष्म राज्य निधा स्थाप किया जाता है कि सक्ष्म जिल्ला निधा स्थाप से सेवा कर रहे

2. उन्हें से कार्य विवानिवन्त अनका पाच वर्ष का कार्यकाल से कार्यका

क्षा-निकल होना है। क्षा होने की सभावना है। सक्षम प्राधिकारी का नाम

न्या पदनाम

मृहर

'स्थान । वारीम :

प्रमाण-पन जारी करने वाने मन्त्रा प्रशिकारी निस्ति धन ह:--

(क) कमीशन प्राप्त ध्रविकारियों (छापास्कामीन कमीशन प्राप्त ध्रविकारियो/बल्पकारिक सेवा कमीजन प्राप्त ध्रविकारियों सहित) के मामले थे ——

बलमेना—मिनिटरी मेर्केटरी की शाखा, यलमेना मृख्यालय नई दिन्ली। नौसेना—काम्बि निदेशालय नौसेना महयालय नई दिन्ली।

वायुसेना-कार्मिक निदेशालय ग्राधिकारी, वायुसेना मरूपालय नई दिल्ली।

(ख) नौसेना/वायुसेना के ज्नियर कमाशन प्राप्त ग्राधिकारियों/ ग्रन्थ रैको नधा समकक्ष ग्राधिकारियों के मामले में .—

थलसेता—विभिन्न रेजीमेटल रिकार्ड कार्यालयो द्वारा । नौसेना—बी० ए० वी० एस०, बम्बई ।

बायुसेना-वायुसेना रिकार्ड, एन० ई० ग्रार० डब्ल्यू०, नई दिल्ली।

- (viii) नियम 5 (ख) (xvi) या नियम 5(ख) (xvii) वे झन्तर्गत आयु में छूट और या नाटिस के पैरा 7 के झन्तर्गत सहन्त में भाफी चाहने बाले भूतपूर्व पिचमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारी से इन झांशय के प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पिचमी पाकिस्तान का बास्नविक विस्थापित व्यक्ति है जा जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था.—
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्राजिट केन्द्रों या राहत श्वीवरी में शिविर कमाइंट:
 - (2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जिसमें वह फिलहाल रहता हो.
 - (3) ग्रपने-ग्रपने जिलो में शरणार्थी पुनर्वान के प्रमारी ग्रतिरिक्त जिला गैजिस्ट्रेट;
 - (4) प्रपने प्रभारान्त्रगंत स्त्र डिवीजन के ग्रन्दर प्रव-डिवीजनल ग्रफसर,,
 - (5) शरणार्थी पुनर्वास का उपायुक्त ।
- 6 जा उम्मीदवार उत्पर परा 5(1), (2), (3) और (vi11) में से किसी भी वर्ग के ग्रन्तगंत नाटिस के परा 7 के ग्रनुसार शुन्क से छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला ग्रधिकारी या सरकार के राजपित ग्रधिकारी या ससद सदस्य यो राज्य विधान मडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति मे नहीं है, इस ग्राजय का एक ग्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित ग्रितिलिप भी प्रस्तुत करनी हागा।
- 7 जिस व्यक्ति के लिये पालना प्रमाण-पत्न ग्रावन्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्थाव भारन सरकार, कृषि मलालय (कृषि भीर सहकारिता विभाग) (कार्मिक तथा प्रशासिक सुभाग दिभाग) हारा ग्रावक्यक पालना प्रमाण-पत्न जारी कर दिय जाने के बाद ही दिया जाएगा। 49—436GI/84

उम्मोदवार को चेतावना दी जातो है कि वे धावेदन-नक भरते
 समय कोई सुठा ब्योरान वें और नहीं किसी महत्वपूर्ण सुचना को छिपायं।

उम्मीदवारों को यह भी नेनावनी दी जाती है कि वे अपने हारा प्रस्तृत किये गय प्रलेख भयवा उसकी प्रतिलिप की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करे न उसमे परिवर्तन करें भौर न कोई फर-बदल करें भौर न ही फर-बदल किये गये/झृठा प्रमाण-पद्म प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या प्रधिक प्रमाण-पद्मों या उनकी प्रतियों में कोई भ्रणिक अथवा विसर्गा हो तो विसर्गति के सबध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया खाए।

9 प्रावेदन-पत्न देर से प्रम्मुन किय जाने पर देरी के कारण के कप में एह तर्ज स्वीकार नहीं किया जायेगा कि प्रावेदन-प्रथम ही प्रमुख तारीक को क्षेत्रा शया था। धायेदन-प्रपत्न का क्षेत्रा जाना ही स्वन इस बान का मुणक न होगा कि जरब पाने नाला परीक्षा में बैठने छा शक्क हो गया है।

10 धार्णम के सार्यादय में प्राप्त प्रश्वेक प्रातेवक वर्ष किंद्रभें देर से प्राप्त प्रश्वेकत-पत्न की सिक्ष्मित है वावती दो जाती है तथा सानेवत-पत्न की प्राप्ति से प्रतोक के रूप में उम्मीदवार का पायेवत-पत्नीकरण मह्या सूचित कर दो जातो है। यदि किमी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के प्रावेदत पन्न प्राप्त करने के लिये निर्वारित प्रतिम नारील से एक माम के प्रन्वर पावती नहीं मिनती है तो उसे तन्काल भाषांग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इम नग्य का कि उम्मीदवार को धावेदन-विजोकरण संख्या सूचि कर दी गई है धपने भाष यह धर्य नहीं है कि धावेदन-पद्ध सभी प्रकार पूर्ण है भीर ग्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गर्या है।

- 11. इस परीक्षा के प्रयेक उम्मीदवार को उसके भावेदन-पत्न के परि-णाम की सूचना यथाशी घ्र दें दी जाएगी। किंग्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचिन किया जाएगा। यदि परीक्षा के भारम्भ होनें की तारीख से एक महीने पहले नक उम्मीदवार को भ्रपने भावेदन-पत्न की परि-णाम के बारे में सच लोक सेवा भ्रायोग से कोई सूचना न मिले ती परिणाम की जानकारी के लिए उसे भायोग से तत्काल सभ्पकं स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह भ्रपने मामले मे विचार कियं आने के दावे से विचन हो जाएगा।
- 12 संघ लोक सेवा घायोग ने सघ लाक सवा आयाग का वस्त्यरक प्ररीक्षाच्यो हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समृत्य पुस्तिका छापी है। इसका डिजाइन एसा है जिससे सठ लोठ सेठ ग्रा॰ की परीक्षाची या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली परीक्षाओं की नियमावली तथा पारंपिक प्रकार के प्रश्न-पत्नी का उल्लेख करने व ले पैम्प्नटों को प्रतिया प्रकाशन नियलक सिविल लाइ में देहली—110054 के पास बिकी के लिए सुन्तर्भ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल प्रार्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा मकता है। इन्हें केवल नकद भुगतन पर (I) किताब महल, रिवौषी सिनेमा के सामने एम्पोरिया विल्डिंग, "सी' ब्लाक, बाबा खड़क मिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (II) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउटर और (III) गवर्नमेट प्राप्त इंडिया बुक डिपो-8, के एस ए राय रोड कलकत्ता-70000। से भी लिया जा सकता है। मैनम्रल/पैम्पलेट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मफसिल शहरों में स्थित एजेंटो से भी उपलब्ध हैं।

13 धावेदन-पत्र में सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :--- धावेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्र धादि सचिव सब लाक सेवा धायाग धौतप्र हा उस नई दिल्ली-110011 को भने जाए तथा उनमें नीचे लिखा न्यौरा धानिवार्य रूप छे दिया जाए ---

- (1) परीक्षाकानाम ।
- (2) परीक्षा का महाना ग्रीर वर्ष।

- (3) धावेदन पजाकरण संं/राल नः ग्रंथवा उम्माददार की जन्म तिथि यदि भ्रावेदन पंजीकरण संं/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बडे ग्रक्षरों में।
- (5) भावेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।
- इसान वें (1):--जिन पत्नों भ्रादि में यह ब्यौरा नही होगा संभव है उन पर ध्यान नही दिया जाएगा।

विशेष ज्यान (2):—यदि किसी उम्मीदवार से कोई/पत्र मंग्रेषण परीक्षा हो बुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ज्यान न देते हुए कोई कार्रवार्ड नहीं की जाएगी।

14 पने में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर किनी चाहिए कि उसके घावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भज गये पत्न धादि धावश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर धायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशी घ्रदी जानी चाहिए। यद्यापि धायोग एसे परिवर्तनो पर ध्यान देने का पूरा-पूरा ध्रयत्न करता है कि बु इस विषय में वह को ई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

ग्रन्बः धा | _______ उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

फ. वस्तुपरक परीक्षण :

• ग्राप जिस परीक्षा में बठने वाले हैं उस परीक्षा के सामा व्य ज्ञान का प्रश्नपत्न "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में ग्रापको उत्तर लिखने नहीं होग। प्रत्येक प्रश्न (जिसको ग्रागे प्रश्नाण कहा आराएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको ग्रागे प्रत्युत्तर कहा आराएगा) दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नाण के लिय ग्रापको एक ज्ञार चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको काई हानि न हो।

🗨 परीक्षण कास्वरूप:

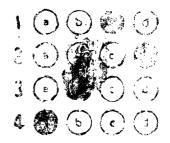
प्रश्न पत्न "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंग। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3—शादि के कम से प्रश्नाश होंगे। हर प्रश्नाश के नीचे a. b. c. d. चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्यत्तर लिखे होंगे। ग्रापका काम एक मही या यदि ग्रापको एक से ग्रविक प्रत्युक्तर मही लगे तो उनमें से मर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (ग्रश्न में दिये गये नम्ने के प्रश्नाश देख ले)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नाश के लिये ग्रापको एक मही प्रत्युक्तर का चुनाव करना होगा। यदि ग्राप एक से ग्रविक चुन लेते हैं तो ग्रापका प्रत्युक्तर गलत माना जाएगा।

ब. उत्तर देने की विधि:

परीक्षा वन में म्रापको प्रवेण प्रमाण पत्न के साथ म्रलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। जिसकी एक नमना प्रति म्रापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ मेजी जागगी। म्रापको म्रपने प्रत्यूत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। म्राप्क पूर्वितका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर म्रव्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाकों की मंख्याय 1 से 160 तक चार खण्डों में ख्रामी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने a, b, c, d चिह्न वाले इत्त्वाका रूप का प्रश्नाका के अध्यक प्रश्नाक को पह लोगे होंने हैं। प्रश्न पृथ्तिका के अध्यक प्रश्नाक को पह लोगे यह निर्णय करने के बाद कि कीन मा प्रत्यक्तर मही का सर्वोक्तम है सापको उस अध्युक्तर के सक्षर वाले वृक्त को पेसिख के

्यूरा तरह काला बना कर उम्प्रशाकन कर इसा है जैमा कि धाएक। उत्तर दर्शान के लिये) नोचे दिखारा व्या है। उत्तर पत्रक के वृतों की काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहां करना चाहिए।



यह जरूरी है कि--

- 1 प्रश्नामों के उत्तरों के लिखे केट इस उच्छी किस्स की एच बी सिल (प्रसिल) हो लाए घौर उव्हीं का प्रयोग करें।
- 2 गलन निषान को बदलने के लिये उसे पूरा सिटाकर फिर से सही उत्तर पर निष्ठान खबा दें। इसके लिय घाप ग्रपने साथ एक रबड़ की लाएं।
- 3. उक्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी धमावधानी न हो जिसमे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलवट झादि पड़ ज ए या वह खराब हो जाए।

ष. कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

- 1. धापको परीक्षा धारम्म करने के लिय निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुचना होगा और पहुचते ही श्रपना स्थान यहण करना होगा।
- 2 परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की ग्रनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका ग्रीर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। ग्रापका परोक्षण पुस्तिका परोक्षा सबन से बाहर ले जाने को ग्रनमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. ग्रापको, उत्तर पत्नक पर कृष्ठ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा। ग्रापको कृष्ठ विवरण उत्तर पत्नक पर कृटबद्ध भी करने होगे। इसके बारे में ग्रापके नाम श्रन्देश प्रवेश प्रमाग-प्रवक्त नाथ सज जायग।
- 6 प्रश्न-पुस्तिका में दिये गय मभी अन्देश आपको माबधानो से पढ़िने हैं। इन अनदेशो का माबधानो से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्नक प्रकोई प्रविष्टि मदिग्ध है, तो उस अश्नांश के प्रत्यूत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अन्देशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी आग को आरम्भ या समाप्त करने का कहें तो उनके अनुदेशों का तस्काल पालन करें।
- 7. ग्राप ग्रपना प्रदेश प्रमाग-पत्र माथ लायें ग्रापको प्रपने साथ एक एवं बी ं पेंमिल, एक रबंड एक पिन शांपेनर ग्रीं नीलो या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। ग्रापको मलाह दी जाती है कि ग्राप ग्रपने माथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हाउँ बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाये जिस पर कुछ लिखा न हो। ग्रापका प्रक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टकडा या पमाना या ग्रारखण उपकरण नहीं लाने हैं स्योंकि उनकी जरूरन नहीं होगी। मागने पर कच्चे काम के लिग्ने ग्रापको एक भ्रापक कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम या शरू करने के पहल उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर ग्रीर परीक्षण की नारीख लिखें भीर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पढ़क के साथ पर्यवेक्षक हो बापस कर हो बापस कर हा

बिशव प्रनुदेश

परीक्षा भवन मे धपन स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक धापको उत्तर पत्नक देग। उत्तर पत्नक पर ग्रापेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भ्रापको प्रश्न पुस्तिका देगे । परीक्षण पुस्तिका मिलने पर ग्राप यह भ्रावक्य देखाले कि उस पर पुस्तिका की सक्ष्यालिखी हुई है अध्यथा उसे बदलवा वें। प्रश्न पुस्तिका खालने से पहले परीक्षण पुँस्तिका के पहले पर पर प्रप्रता धनुकमाक लिख । ग्रापका, परीक्षण पुस्तिका तब तक खालने की अनमति नहीं है जब तक पय वेश्वक ऐसा करने के लियन कहा 🥦 . दुछ उपयागी सुझाब

यद्यपि इस परोक्षण का उन्नेश्य ग्रापकी गति की भ्रपेक्षा- शुद्धता की आचिना है फिर भायह जरूरो है कि झाप श्रपने समय का यदासमय दक्षता से उपयाग करें। सत्लन के साथ ग्राप ज़ितनो जल्दी काम कर सकते है, करे पर लापरवाहा न हो। ग्राप सभा प्रश्नो का उत्तर नहीं ⁴दैपाते हो तो चिता न करे। ग्रापको जो **प्र**श्न ग्रन्थश्त कठिन मालूम पड़ छन पर समयं अयर्थ न करे। दूसरे प्रश्नो की झोर बढ़ झीर उन कांठन प्रशोपर बाद मे विचार करे।

सभी प्रश्नाणो के श्रक समान होंगें। उनु सभी के उत्तर वें। धापके द्वारा प्रकित सभी प्रत्युत्तरों की संख्या के भ्राधार पर ही भ्रापको धक दिय जायेगे। गलत उत्तरों के लिय प्रक नहीं काट जायेगे।

छ. परीक्षण का समापन :

जैसे हो पर्यवक्षक ग्रापको लिखना बंद करने को कहें, ग्राप लिखना अबंद कर दे। ग्राप ग्रपने स्थान पर तक्ष तक बैठ रहें जब तक निराक्षक द्मापके पास म्राकर भ्रापसे सभी मावश्यक वस्तुए ल जाये मीर म्रापको हाल छाडने का अनुमति दें। आपकी पराक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर-पक्षक कच्च कार्य का कागज पराक्षा भवन से बाहर ले जोने की अनुमति नही है।

ममूने के प्रश्नाश (प्रश्न)

(टिप्पणी-- श्सहा/सर्वातम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य ग्रध्ययन

बहुत ऊचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित मेसे किस कारण से रक्त स्राव ोता है?

- (a) रक्त का दाब वायमडल के दाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाब वायुमङल के दाब स ग्रधिक हाता है।
 - (c) रक्त वाहिकामा का मन्दरूना तथा बाहरा शिरामी पर दाव समान हाता है।
- (d) रक्त का दाब वायुमवल के दाब के धनकप बटता बढ़ता है।

2 (Engush)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnous of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered (c) very large
- *(d) largest so far
- 3. (£14)

घरहर में, फूनों का शहना निम्नखि**खित में से शिस एक उपाय** 🛢 कम कियाजासकता है।

- *(a) वृद्धि नियत्रक द्वारा दकाव ।
- (b) दूर-दूर पीध लगाना । (c) सहा ऋतु में पीध लगाना ।
- (d) थाड़-थाड़ फासल पर पीचे लगाना ।

(रसायन विज्ञान)

H. VO4 का पनहाइडाइड निम्नलिखित में से क्या होता है।

- (a) V_3
- (b) VO.
- (c) V₂O, *(d) V2O5

8. (मुबशास्त्र)

बर्न का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

*(३) सीमात राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।

- (b) मजदूरी तथा सामात राजस्व उत्पादन दोनौ बराबर ही।
- (C) मजदूरा सीमात राजस्व उत्पाद से ग्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमात भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत् इजानियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षिक परावैद्यनांक 9 के पैरावैद्यत से सम्प्रित किया गया है। यदि C मुक्त ग्रन्तराल मे सचरण देग दर्शाता है तो लाइन में सचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3c
- (b) c
- *(c) c/3
- (4) 4/9 (भू-विशान)

बंसाल्ट मे प्लजियोक्लेस क्या होता है?

- (ध) ग्राल्याक्लज
- (b) लब्टेडाराइट
- (८) एल्बाइट
- (d) एनायाईट

8. (गणित)

$$dy^2$$
 dy
मूल बिन्दु से गुजरने वाला झौर — — dx^2 dx

समीकरण को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस क्षे निविष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c) $y = a_{ex} + b_{c-x}$
- $*(d) y=ac^*-a$
- 9. (भौतका)

एक ग्रादर्श ऊष्मा इजन 400°K भीर 300°K तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसका क्षमता निम्नलिखित में से क्या हागा?

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
 - (c) 4/(3+4)
 - (d) 3/(3+4)
- 10. (सांख्यिकी)

विवि दिपद विवार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या श्वामा रे

- (8) 42
- °(0) 3
- (c) a
- (d) =
- 11. (बूगाख)

बर्मा के दिवारी बाग की प्रत्यविक सब्दि का कारण निम्नविचित

- (a) यहां पर खनिज मान्नमों का विपूल बण्डार है।
- *(b) बर्मा की ग्रिषिकांश नदियों का डल्टाई भाग है।
- (C) यहा श्रष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकाश तेल क्षत इसी भाग में 🖁 ।

2. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्षकाल में भी बाह्यणवाद के अनुयायियों की सख्या बहुत ग्रधिक थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और झाइंबर से पूर्ण खर्म
- (c) ब्राह्मणवाद के सभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कम का महत्व कम ही गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास सी विभिन्न दलायाँ की प्रकट करने के लिय धामिक संस्कार विद्यारित थे।

13. (दशन)

निम्नलिखित में से निरीध्वरवादी दर्शन नमूह कौन-सा है ?

- (a) बीद्ध, न्याय, चाडाक, मीमासा
- (b) न्याय, क्षीषक, जैन !ीर बीद्ध, चार्चाक
- (८) प्रदेत, बेदात, साख्य, चार्वाक वाग
- *(d) बाढ, साख्य, मामासा, चार्वाक

14 (राजनीति विकान)

"ब्लिगत प्रतिनिवान" का प्रयं निम्नलिखित में से क्या है?

- *(a) व्यवसाय के ब्राष्टार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों छाः निवासनः
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक सम्दाय के पात का सम्यंत ।
- (८) किमी राजगार सबकी सगठन में निनिधियों का नुनाव।
- (व) श्रीमक सर्वो द्वारा भन्नत्यक्त प्रतिनिधित्व।

15. (मनाविज्ञान)

लक्य का प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निदेशित करती है?

(व) सभ्य संबंधी भावस्थकता में वृद्धि

- *(b) भावात्मक अवस्था में न्यूनता
 - (c) व्यावहारिक प्रश्निमन
- (त) ण्डापात पूर्ण ग्राध्यम

16. (स्माजशास्त्र) -

भारत में पचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी ह ?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों की भौपन्नारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त तुआ है।
 - (b) क्याकृत कम हुई है।
- (c) विचत वर्धी क लागों को ्रम्यामित्व का लाम किला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

हिष्पणी:-- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपयुक्त क्रमूने के प्रश्नाण (प्रश्न) कवल उदाहरण के लिए दिय गय हैं ग्रीर यह अरूरो नहीं है कि ये इस परोक्षा का पाठ्यच्या के ग्रानुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 27th November 1984

No. A-19014/10/84-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shr. Roop Chand an officer of Cen ral Water Engineering Service as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 24th November, 1984, until further, orders.

The 13th December 1984

No. A. 32014/1/84-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Section O fibers of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Conmission to perform the duties of Desk Officers on ad-noc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name		1		Period of ad-hoc appointment as Desk Officer
S/Sh	ri				y
1. N. M	1. L. Bhatnag	gar			28-8-84 to 11-10-84
2. Ram	Autar .				28-8-84 to 11-10-84
3. Sude	sh Kumar				28-3-84 to 11-10-84
4. D. S.	ivarajan .				13-8-84 to 26-9-84
5. Kris	han Lal-II				21-8-84 to 5-10-84 (F.N.)
6. Y. P	. Dabas .	,	•	•	28-8-84 to 11-10-84

2. They shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Department of Personnel and A.Rs. O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11th December, 1975.

S. BANERJEE Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st December 1984

No. A.38013/5/84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shr. Bhagwati Charan, a permanent Assistant and officialing Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the alternation of the plantage of the plantag

The 1st January 1985

No. A.19013/2/83-Adm.I.—Consequent on his selection for appoinment as Director in the scale of Rs. 2000—2250 in the Department of Industrial Development, Shri S. Talwar an officer of IRS (II), presently on depulation with the Union Public Service Commission as Deputy Secretary is hereby relieved of his dulies in the office of the Union Public Service Commission with effect from 1.1.85 (FN) with the instruction to report in the Department of Industrial Development, New Delhi.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.), Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th January 1985

No. A-19019/2/80-AD V.—The services of Shri B. M Saighal, IP\$ (MP: 1953), Joint Director/Central Bureau of Investigat on and Special Inspector General of Police/Special Police Establishment are placed at the disposal of Govt. of M love. For dish with reject from the afternoon of 3rd January, 1985, on repatriation.

K. CHAKRAVARTHI, Deputy Director (Admn.) CBI.

New Delhi, the 11th January 1985

No. A.22020/71/80-AD.III.—Consequent upon his promotion on ad-hoc basis to the post of Stenographer—Grade 'B'/ Sr.P.A. in the scale of pay of Rs. 650—1040/+ v de H.ad Office Order No. 1025/84 dated 15.12.84, Shri R. K. Bajaj, PA has taken over charge of the post of Sr.P.A. (Stenographer Gr. 'B') in C.B.I. with effect from 1.1.1985 (FN).

DWARKA NATH Supdt. of Police (HQ) CBI(HQ)

New Delhi, the 8th January 1985

No. A.19023/8/84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri I. J. Mansharamani as Public Prosecutor in C.B.I. on deputation with effect from the forenoon of 20.12.84 and until further orders.

Shri I.-J. Mansharamani is posted in CBI GOW Bombay.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-100 003, the 10th January 1985

No. O.II-116/70-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri P. Prasad, Assistant Commandan., C.R.P.F., w.e.f. 2.3.84 consequent upon his appointment for the post of Chief Security Officer in H.M.T. Ltd. under Article 67 of Chaudhri's compilation of the CSR Vol.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st January 1985

No. E-28017/10/84-Pers.II.—Consequent on his retirement from Govt. Service on attaining the age of superannuation, Sm. B C Gnosh relinquished energe of the post of Assistant Commandant in the office of the DIG (EZ), CISF, Calcutta on the afternoon of 30.h November, 1984.

The 5th January 1985

No. E-32015(3)/13/84-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri A. S. Shekhawat, as Commandant 1st Reserve Battalion CISF Barwaha with effect from the forenoon of 24th December 1984 on purely ad-hoc basis posted upto 26-3-85 of till such time are made, which ever is earlier.

No. E-32015(3)/19/84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri John Chauhan, as Commandant CISF Unit FBP Farakka with effect from the forenoon of 17th December 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 26.3.85 or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

The 14th January 1985

No. E-16013(2)/2/82-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri Kali Charan, IPS (SPS: HP) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit IOC (R) goods with effect from the afternoon of 27th October, 1984.

No. E-32015(3)/24/84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri M. K. Chopra, on promotion as Doputy Commandant CISF Unit, CPT Calcu'ta with effect from the forenoon of 31st December 1984 or purely ad-hoc basis temporary for a period upto 26.3.85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

A. K. SAYFNA Asstt. Inspector General (Pers.)

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 23rd January 1985

No. D(6)/AII(Vol. III).—On attaining the age of superannuation, our B. IN. Data, Manager, Covernment of India Press, Korany will stand refried from Government service wan effect from the afternoon of 31-1-1985.

H. R. GROVER. Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS.

PANK NOTE PRESS

Dewas, the 6th January 1985

F. No. BNP/G/7/84.—Shri P. R. Sharma a permanent Inspector Control is appointed to Officiate as Deputy Control Officer in the scale of pay Ks. 650—1200 (Group B. Gazetter) on all not basis in rank indic Press Dewas in Short term leave vacancy with enect from 1-1-85 to 31-1-85.

M. V. CHAR

General Manager

SECURITY PAPER MILL ESTABLISHMENT OFFICE ORDER NO. 2171

ESTABLISHMENT OFFICE ORDER NO. 2177

No. Est 24 Link 1999.—Whiteas Shri Ramesh Kumar Kalosia, Shriawala was served with a chargesneet vide Memorandum No. EST/24/Link/113 dated 1-5-1984 for the misconduct of his remaining continuously absent with enect from 2-003 except the period of his carrier absence on various occasions, which was sent by Registered Post at his last known he he deduces and which has been returned by the Post office with the remarks that "refused to take".

And whereas an Inquiry Officer was appointed vide order No. EST/24/LINK/4+3 uaucd 25.7.1984 to inquiry into the charges against Shit Kantesh Kumar Kaiosia and this order has also often feutitied by Fost office underlivered with the remarks that the "addressee was not available in the house". The said Shiri Ramesh Kumar Kaiosia did not attend the linguity proceedings inspire of providing than several opportunities. All the correspondence sent by the Inquiry Officer by Kegistered Post at his nome address have also been returned by the Post Office underlivered.

And whereas the Inquiry Officer conducted the inquiry exparte and submitted his report dated 18.10.84 holding Shri Ramesh Kumar Kalosia gunty of the charges.

And whereas the undersigned after carefully considering the inquity report and an me documents connected with the case has agreed with the result of the inquity and has come to the conclusion that the said Ramesh Kumar Kalosia, Safaiwala is not a nt person to be retained in Government Service.

Therefore vide Memorandum No. Estt/24/Link/813 dated 13.11.84 the undersigned had given a chance to Shri Kalosia to represent against the proposed punishment but above morandum has also been returned by Post Office with the remarks that the "addressee is not here". Now the undersigned in exercise of powers conferred on him under Rule 19 of C.C.S. (CCA) Rule 1965 hereby removes Shri Ramesh Kumar Kalosia from service of Security Paper Mill, Hoshangabad with immediate effects.

S. R. PATHAK General Manager

Copy to:---

 Shri Ramesh Kumar Kalosia, Safaiwala, C/o Shri Dharamraj Kalosiya, Post—Misarod. Dist. Hoshangabad (MP).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE, WORKS & MISC.

New Delhi, the 18th December 1984

OFFICE ORDER

O. O. No. Admn. III/73.—The following Officers of this organisation are appointed in a substantive capacity as Audit Officers with effect from the dates shown against each:—

S. 1	No. Name						Date of Confir- mation
	S/Shri						
1.	Surinder Pal .						1-4-83
2.	Smt. Sujata Gupta					•	1-4-83
	V. P. Verma .					•	1-4-83
4.	O. P. Bhatia .						1-5-84
5.	H. C. Jain .						1-5-84
6.	B. D. Sambwani						1-5-84
7.	S. R. Nangia .						1-5-84
8.	Satpal Singh-II						1-8-84
	M. S. Chawla .						1-8-84
10.	K. R. Burman				•	•	1-8-84
11.	S. S. Jessra .	• •	•	•	•	•	1-8-84

S. P. JOSHI Director of A udi

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 9th January 1985

No. Admn.I/8-132/84-85/153.—Shri N. Chandr Sri V. A. Ekambaram, Audit Officers, Office of the Accountant General (Audit) A dhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-12-1984 A.N

The 10th January 1985

No. Admn. I/A&E/8-88/84-85/504.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to pro note the following section officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders:—

S. No. Name			Date of assum- ption of charge
S/Shri	 -	٠,	
1. C. V. S. R. Krishna Sarma			21-7-84
			(F.N.)
2. M. Mallikarjuna Sastry		•	29-12-84
			(F.N.)
3. P. Nagabhushanam			29-12-84
•			(F.N.)
4. P. Narayana Rao	• '	. '	29-12-84
•			(F.N.)

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their Seniors, if any, and are also subject to the result of the Writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

N. RAMASWAMY Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 9th January 1985

G. N. No. 1/G/85.—On attaining the age of superannuaion (58 years) Shri R. G. Deolalikar, Addl. DGOF/Memer. Ordnance Factory Board retired from service with effect rom 31st Dec., 1984/AN.

> V. K. MEHTA, DDGOF/Estt,

DEPARTMENT OF LABOUR

IRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE

& LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 9th January 1985

No. 15/14/84-Estt.—The Deputy Director General, Factory dvice service and Labour Institutes, Bombay is pleased to point Shri Bindeshwariprasad Dayaram Dubey as Assistant frector (Industrial Hygiene) in the Directorate-General of actory Advice Service and Labour Institutes in an officating capacity with effect from the forenoon of 1.1.85, until rher orders.

S. B. HEGDE PATIL, Dv. Director General

MINISTRY OF COMMERCE

FFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 5th January 1985

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT).

No. 6/1258/78-ADMN(G)/310.—On attaining the age of perannuation, Sh H. L. Sharma, Controller of Imports & coorts in this office retired from Government service with ect from the afternoon of the 31-12-1984.

The 11th January 1985

No. 6/1028/74-ADMN(G)/385.—On attaining the age of perannuation. Shri J. S. Tiagi Controller of Imports and morts in the office of Ioint Chief Controller of Imports & norts (Central Licensing Area), New Delhi has refired om Government service with effect from the afternoon of 12-84.

SHANKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports

for Chief Controller of Imports & Exports

FICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-66, the 8th January 1985

CORRIGENDUM

No. 36/1/83-Admn.I.—In the Gazette Notification of this ice even number dated 12th December, 19°4 (English vern) at Sl. No. 4 against the name of Shri T. Lokanadha

Sarma for "De-uty Director, DCMI, Madras" read "Director, DCMI, Madras".

S. K. CHAKRABARTI Section Officer (Admn I) for Development Commissioner for Handicrafts

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-I10001, the 14th December 1984

No. A-1/2(353).—Shri N. D. Jog, Assistant Dicertor of Supplies (Gr. I) (Gr. III of Indian Supply Service) is promoted as Deputy Director of Supplies (Gr. 'I of 'ndian Supply Service) on regular basis with effect from 25-11-1978.

The 5th January 1985

No. A-1/42 (42) III.—The President is pleased to appoint the following officers of the Directorate General of Supplies & Disposals, substantively in the Permanent post of Director of Supplies (Gr.I of the Indian Supply Service) with effect from the dates mentioned against each:—

Name of the Officer	Officiating post held at present	Date of Confirma- tion
S/Shri		
1. Amar Lal	Deputy Director General of Supplies and Disposals	27-3-1980
2. R. N. Ghosh .	Director of Supplies	27-3-1980
3. Devki Mohan	Additional Director (S&P), O.N.G.C. Bombay.	27-3-1980
4. A. K. Kalyanarama	n Director of Supplies	27-3-1930
5. M. Sund raraman	. Director of Supplies	27-3-1930
6. R. G. Badlani	. Director of Supplies	1-4-1981
7. R. C. Chhabra	. Director of Supplies	1-12-1982
8. H. L. Aneja .	Director of Supplies& Disposals,Kanpur.	1-4-1983
9. N. Shankar	Director of Purchase, Supply Wing, High Commission of India, London.	1-6-1983
10. S. C. Kumar	Deputy Director General, Supply Wing, Embassy of India, Washington.	1-8-1983

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 9th January 1985

No. 154B/A-19012(1-AL)/83/19A.—Shri Amitava Lahiri is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on init al pay of Rs. 650/per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-1000-ER-40-1200/- in an efficiating capacity with effect from the forenoon of 26-11-84, until further orders.

" A. KUSHARI Director (Personnel) Calcutta 700 016, the 9th January 1985

No. 177B/A-19012(SM)/84-19A.—Shri Siromoni Mallik Senior Technical Assistant (Photo), Geological curvey of India, has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th November, 1984, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

IND'AN BUREAU OF MINES

Nagour, the 10th January 1985

No. A.19012(143)/81-Fstt A.—Shri S. Ramamoorthy Publication Officer (on ad-hoc basis) of Indian Pureau of Mines has been reverted to substantive bost of Senior Technical Assistant (Publication) w.c.f. 29th December, 1984 afternoon.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-15, the 2nd January 1985

No. 4-207/84-Fstt.—Shri Vaityaranian Chaltraborti, Statistical Assistent in the Anthropological Survey of India, is promoted to officiate in the post of Statistician. Croup-P (G.z.) in the scale of Rs. 652—1200 at North West Regional Office, Dehra Dun, with effect from the forenoon of the 6th December, 1984.

The 3rd January 1985

No 18-107/84/Estt.—Shri Sunil Ranian Ma'tra. Research Associate (Cul) in the Anthronological Survey of India is promoted to officiate in the post of Assistant Anthronologist (Cul), Group-B (Goz) in the scale of Rs 650—1200 at Western Regional Office, Udainut with effect from the foremon of the 31st October, 1984.

A. K. DASGUPTA Administrative Officer

DIFECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

BENEFIT AND SOUR SAME A LINE OF THE OWNER OF THE A CONTRACTOR OF THE OWNER OWNER OF THE OWNER OW

New Delhi, the 7th January 1985

No. 29/3/83-SM.—The Director General, All India Radio is please I to appoint Sh. L. S. Gombra, FRR, AIR Simila to the post of Farm Radio Officer, AIR on ah ad-hoc basis in the scale of pay of Fig. 650-30-740-35-810-FR-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 19-12-84 until further orders.

2. Sh. L. S. Gombra assumed charge as Farm Radio Officer at AIR, Indoe on the same date.

The 9th January 1985

No. 4/9/83-SH.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's Notification No. 4/0/83-SH dated 16-1-84. Director General, All India Radio is pleased to extend the appointment of Sh. D. P. Sharma. Seinor Hindi Translator Ministry of Finance, Department of Foonomic Affairs (Ranking Division) New Delhi and at present working as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740, 35-810-FR-35-880-40-1000-FR-40-1200 on ad her basis for a further period of one year beyond 26-12-84 until further orders.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director Administration
for Director General

New Delhi-1, the 5th January 1985

No. 4(43)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. B. Patil as Programme Executive at All India Radio, Mangalore in a temporary capacity with effect from 17th December, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1290.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th January 1985

No. A-17025/23 '82-Admn.I(Vol. II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Lata Arun Dupare to the post of Dental Surgeon at the Central Government Health Scheme. Magnur with effect from the forenoon of 5th December, 1984, in a temporary capacity and until further or ters.

P. N. THAKTIR Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)
DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION,

QUARANTINE AND STORAGE Faridabad, the 11th January 1985

Mo F7 11/81-Adm I—The Plant Protection Adviser to the Government of India has accepted the resignation tendered by Shri S. K. Gupta, from the post of Assis'ant Statistician in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics.

S. P. KUTAR, Chief Administrative Officer for Plant Protection Ad icer to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

収刷性の例で、 7年 17 2007まで、1987 1997

Hyderabad-762, the 7th January 1985

No. PAR 10204 46.—Firther to this office notification No. NFC/PAR/0704/2791 dated 23.11.1984, the appointment of Sri N. Bharathan, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Offic 7. in the scale of pry of Rs. 650—30—740—25. 820. FB 40. 060 on ad hoc basis is extended upto 29.1.1985 or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0704/47.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/2792 dated 23.11.1984, the appointment of Sri J. Suryanaravana Rao. Asstt. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II. in the scale of pay of Rs 840—40.1000 FB. 40.1200 on ad hos basic is extended upto 29.1.1985 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 15th January 1985

No. A 32014/8/84-F I.—The Director General of Meteorology hereby appoints Shri I. B Sutradhar, Professional Assistant, India Meteorological Department, as an Assistant

Meteorologist in an officiating capacity on regular basis w.e.f. 10-12-1984 and until further orders. Shri Sutradhar was already officiating as Assistant Meteorologist on short term basis w.e.f. 19-11-1984.

K. MUKHERJEE,

Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st December, 1984

No. A. 38013/3/84-E.C.—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their post on retirement from Government service on attaining the age of superannuation on the date indicated against each:—

S. No. Name & Designation	Station of posting	Date of retirement
« S/Shri		-
1. B. Ramakrishna,	ACS, Madras	30-6-84
Sr. Tech. Officer		(A.N.)
2. T. C. S. Moosad,	ACS, Madras	Do.
Sr. Comm. Officer		
3. D. Krishnamurthy,	ACS, Madras	31-7-84
Tech. Officer	,	(A.N.)
4. S. N. Sen,	ACS, Calcutta	Do.
Comm. Officer (ad-hoc)	•	
5. C. R. Dasgupta,	ACS, Calcutta	Do.
Tech. Officer	•	
6. J. S. Augustus,	ACS, Madras	31-8-84
Comm. Officer (ad-hoc)	,	(A.N.)
7. M. P. Kulkarni,	ACS, Bombay	Do.
Comm. Officer (ad-hoc)	,	
8. L. D. Khera,	ACS, Delhi	30-9-84
CO (adhoc)	•	(A.N.)
9. N. Muniandy,	ACS, Madras	Do.
Sr. Comm. Officer	•	
0. T. S. Prakasam,	ACS, Bombay	Do.
SCO (ad hoc)		•
1. J. R. Sharma,	ACS, Jodhpur	31-10-84
Tech. Officer (ad-hoc)	,	(A.N.)

The 8th January 1985

-No. A.35018/16/83-E.I. (Pt.)—In continuation of this ffice Notification No. A. 35018/16/83-E.I.(Pt) dated the th July, 1984, the Director General of Civil Aviation is leased to continue the appointment of Shri Ajit Singh Bajwa the grade of Accounts Officer on adhoc basis for the period om 2.1.1985 to 1.7.1985 or till the date, the post is filled a regular basis, whichever is earlier.

The 9th January 1985

No. A.32013/2/84-EC(.)—In continuation of this Departent's Notification No. A.32013/2/84-EC dated the 7th July, 384, the President is pleased to continue the ad-hoc appointent of Shri R. K. Sood in the grade of Assistant Director Communication in the Civil Aviation Department for a griod of six months beyond 30-11-1984 or till the post is led on a regular basis, whichever is earlier.

V. JAYACHANDRAN, Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th January, 1985

No. 1/268/84-EST.—The Director General, Overseas Comnunications Service, hereby appoints the following Technical —436GI/84 Assistants as Assistant Engineers, in an officiating capacity with effect from the date and at the Branch shown against each, until further orders:—

Sl. Name No.	Present . Branch of posting	Branch of posting upon appointment as Offg. Assistant Engineer	Date on which appointed as Asstt. Engineer
S/Shri			
1. V. C. Sharma .	Lachhiwala Dehradun	Lachhiwala Dehradun	10-10-1984
2. V. Ganga Raju .	Arvi	Arvi	10-10-1984
3. C. K. Jayarajan .	SWC, Bombay	SWC, Bombay	10-10-1984
4. A. S. Pandharipande	Arvi	Arvi	10-10-1984
5. Yash Pal Chhabra	New Delhi	Srinagar	26-11-1984
6. Amarnath Khand- pur	New Delhi	New Delhi	10-10-1984
B. K. Vaidya- nathan	Madras	SWC, Bombay	10-11-1984
8. D. Desikan .	SWC, Bombay	SWC, Bombay	10-10-1984
9. A. K. Joshi	New Delhi	SWC, Bombay	30-10-1984
			THAKKER
			tor (Admn.) tor General.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th January, 1985

No. 12/2/84-EC-IX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to confirm the following Officers of this Department in the grade of Assistant Director of Horticulture with effect from the dates noted against each:—

S. Name No.			Present officiating post	Date from which confirmed as Asstt. Dir. of Horticulture
S/Shri				
1. P.N. Saxena .	٠	٠	Dy. Director of Hort.	15-9-79
2. P. P. Chablaney			Do. *	Do.
3. T.A. John .	•	•	Asstt. Director of Hort.	Do.
4. P. C. Khurana .			Do.	Do.
5. Brij Raj Singh .			Do.	Do.
6. H. C. Ballaney			Do.	Do.
7. D. K. Gupta .			Do.	Do.
8. R.N.S. Tyagi .			Do.	Do.
9. R. K. Bhalla .			Do.	Do.
10. V. K. Verma (SC)			Do.	Do.
11. Chottey Singh (SC)		•	Dy. Director of Hort.	1-11-81

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

, DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta, the 7th January 1985

No. G-318/A — The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri P. K. Dutta, Store & Purchase Officer, National Test House, Calcutta for a further period of 6 months from 1-6-84 i.e. upto 30.11.84.

J. M. BHATTACHARJEE,

Dy. Director (Admn.)

for Director General,
National Test House. Calcutta.

MINISTRY OF INDUSTRIES & CCMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M s. Bakul Feeds & Extractions Private Ltd.

Bangalore, the 7th January 1985

No. 3445/560/84.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bakul Feeds Extractions Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Mana Electronics Private Ltd.

Bangalore, the 7th January 1985

No. 2846/560/84—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mana Electronics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Safar Engineers Private Limited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 29567/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Safar Engineers Private Limited, has this day been struck off the Registrar and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Engineers & Planners Private Limited

West Bengal, the 4th January 1985

No. 23950/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Fugineers & Planners Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jadee Company Private Limited

West Bengal, the 4th January 1985

No. 28/80/560(5) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 5560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jadee Company Private Limited, has this

day been struck off the Register and the said Company is dis-

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Horn Bill Elevator & Envincering Co. Private Limited

West Bengal, the 4th January 1985

No. 30799/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Horn Bill Elevator & Engineering Co. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Eastern Fibre Glass Private Limited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 29193/560/(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 5560 of Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Fastern Fibre Glass Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Fine Walk Private Limited

West Bengal, the 4th January 1985

No. 22082/560(5) — Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Fine Walk Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Loke Nath Minerals Co. Private Ltd.

West Bengal, the 4th January 1985

No 28863/560(5) —Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of Loke Nath Minerals Co. (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company it dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Indian Synthetic Pharmaceuticals Limited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 23520/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Indian Synthetic Pharmaceuticals Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bovic Fibre Glass Plastics Privatte Ltd.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 27326/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bovic Fibre Glass Plastics Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Alis Press & Printers Private Ltd.

West Bengal, the 4th January 1985

No 27458/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Alis Press & Printers Private Limited has this day been staruck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Allied Metallurgical Industries Ltd.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 26825/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Allied Metallurgical Industries Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of D.B. & Company (India) Private Limited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 23110/560(3).—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of D.B. & Co. (India) (Pvt.) Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Power Materials Private Limited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 20452/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Power Materials Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Regiser and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Techno-crat Publications Private Iimited.

West Bengal, the 4th January 1985

No. 28848/560(5).—Notice is hereby given pursuant sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Techno-craft Publications Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

H. BANERIFE Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Indian Mechanisation & Allied Products Ltd.

Calcutta, the 7th January 1985

No. L/26191/H-D/2075.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 2.4.84 and the Official Liquidator/Court liquidator, High Court, Calcutta been appointed the Official Liquidator.

MAHESH PRASAD

Additional Registrar of Companies West Bengal. Calcutta

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chemo Tan Industries (P) Limited.

Gwalior, the 14th January 1985

No. 1413/PS/CP/146.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chemo Tan Industries (Private) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> S. KARMAKAR, Registrar of Companies, - Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lala's South Barora Colliery Company Private Limited.

Patna, the 14th January 1985

No. (941)560/5193.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Lala's South Barora Colliery Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

> A. W. ANSARI, Registrar of Conspanies, Bihar, Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kiran Steel Products Private Limited

Kanpur, the 14th January 1985

No. 341/3147.-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kiran Steel Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Super Tannery Private Limied.

Kanpur, the 14th January 1985

No. 339/3304-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Super Tannery Private Limited, unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> V. P. KAPOOR, Registrar of Companies, Kanpur (U.P.)

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 10th January 1985

No. F.48-Ad(AT)/1984.—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st January, 1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hec and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for reghlar appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

> T. D. SUGLA, President.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 2nd November 1984

No. IAC/Acq/38/18/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 24, C. No. 14, Wd. No. 28 at Nikalas Mandir Rd. Itwari Nagpur & House No. 24-A, C. No. 9/14, Wd. No. 28 ar Nikalas Mandir Rd. Itwari Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Nagpur on 7-5-84 and 7-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. In respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sollowing persons, namely:-

- (1) 1. Shri Kishore Moreshwar Thakre, R/o C. No. 9/14 Ward No. 28 Nikalas Mandir Road, Itwari Nagpur.
 - 2. Smt. Kurdabai Liladhar Maske, R/o Nikalas Mandir Road, Itwari Nagpur. (Transteror)
- (2) 1. Shri Tansukhdas Rangraj Raka.
 2. Smt. Lilawati Rangraj Raka,
 R/o Buprao Galli, Itwari Nagpur,

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24, C. No. 9/14, Ward No. 28 at Nikalas Mandir Rd. Itwari Nagpur.

House No. 24-C, C. No. 9/14, Ward No. 28 at Nikalas Mandir Rd. Itwari Nagpur.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 2-11-84

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 21st November 1984

No. IAC/Acq/39/18/84-85.—Whereas, I, M. C. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 80/2 situated at Mouza, Arni Tah. Digras Distt.

Yeotmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Digras on 2-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jagananth Shriram Shivsagar r/o Mouza Arni Tah. Digras Distt. Yeotmal. (Transferor)

(2) 1. Shii Kondappa Bapuappa Chintawar.2. Shri Vishwanath Kondappa Chintawar.

Dr. Romesh Kondappa Chintawar.
 Shri Subhash Kondappa Chintawar.

all R/o Mouza Arni Tah. Digras Distt. Yeotmal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Acres 10 Gunthas of agricultural land vide 5. No. 80/2 situated at Mouza Arni Tah. Digras Distt. Yeotmal.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 21-11-84

Seal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Kusumarati Krishnarao Awachar Dhamangaon Rly., Distt. Amraoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Umadevi Ramchand Bhakre, Rajapeth, Amraoti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NACPUR

Nagpur, the 21st November 1984

No. IAC Acq |40| 18|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 182, situated at Dhamangaon Rly., Distt. Amaraoti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Amraoti on 28-5-84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subesotion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A house on plot No 182 vide street No, 17-D admeasuring 791 sq. ft. situated at Dhamangaon Rly., Distt. Amrosti.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 21-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SAKAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 22nd November 1984

No. IAC/Acq/41/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing Plot No. 22 of C.E. Coop. Hsg. Society Ltd. situated at Ring

Road Mouza Ajni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Kulbir Kaur Dhesi w/o Harcharansingh

2. Master Jaspal Singh Dhesi 3. Miss Manprit Kaur Dhesi

R/o H. No. 3394 19-D, Chandigarh (Punjab). (Transferor)

(2) M/s Indranil Enterprises, 2nd Floor Gupta Bhawan, West High Court Road, Dharampeth, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever a significant the service of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 admeasuring 5700 sq. ft. C.E. Co-op. Hsg. Society Ltd., situated at Ring Road, Mouza Ajni Tah, & Distt. Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. P. Sankunni Vaidyan, "Dwaraka" Avalukunnu Ward, Alleppey.

(Transferor)

 Smt. Lalithamma, D/o Eswarikutty Amma, Laju Nivas, Sanathanam Ward, Alleppey.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662016, the 19th December 1984

Ref. L. C. 720/84-85.—Whereas, I, B. RAVINDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Aryad South (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

25 cents of land in Sy. No. 279/12/2 and 279/17/1 of Arvad South Village, registered in SRO, Alleppey, vide door ment No. 1444 dt. 23-5-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 28th December 1984

Ref. L. C. No. 703|84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the rncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per scheduled situated at Calicut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, - 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely":-51--436GI/84

(1) Smt. Susheela, D/o Kunjilaxmi Amma, Vengalil House, Tali, Calicut-2.

(Transferors)

(2) Shri E. Kuttappan, Managing Partner: Mis. Mythri Constructions, 23|9, Kannacherry Road, Calicut-3.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land in Re-survey No. 18-7-265 of Calicut Corporation registered in the SRO, Kozhikode, as per document No. 483, dt. 23-5-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 28-12-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER S.:CTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMEDAX

ACQUISITION RANGE, KALATHIFARAMBH ROAD, COCHEN 662 616

Cochin-662 016 one 28th December 1984

Ref. L. C. 70-54-85. -Whateas I B RAVIBALAN. being the Competent Anthorny under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation

at Calicut Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode or 24-5 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitted per sent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not because it is said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Birth and Vixod Kumar (Minors), Bioth and victor Sumo Cottagos, Represented by M. Kesavidas, Vengalil Vilakkumadathil, Vengalil House, Tally, Calicut-2, (Transferor)

(2) Shri F. Kattappan, Managing Partner: Mls. Mysn.: Constructions, 2319, Konnancherty Road. Calicut-3,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 cents of land in Re-survey No. 18-7-265 of Calicut Corporation registered in SRO. Kozhikode as per document No. 485 dt. 24-5-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-12-1984

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th January 1985

Ref. No. AC-48Acq. R-IV|Cal|84-85.--Whereas. I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. 293 situated at Apcar Garden, Asansole (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Asansole on 3-5-1984

at Asansole on 3-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Smt. Chinmoyee Mukheriee,

Apcar Garden, Asansole, Burdwan.

(2) Shri Durgapada Roy Choudhury. 87|2-A. Apear Garden, Asansole Burdwan.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

- ta) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

TH SCHEDULE

Land: 'share of 3.42 co.tahs with building.
 Address: 293, Apcar Garden, Asansole, Burdwan.Deed No.: 2639 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 4th January 1985

Ref. No. AC-49|Acq.R-IV|Cal|84-85.--Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 293 situated at Apcar Garden (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Asansole on 3-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chinmovee Mukheriee. Apcar Garden, Asansole, Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Bilwa Basini Roy Choudhury, 87/2-A. Apcar Garden, Asansole, Burdwan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: ½ share of 3.42 cottahs with Building.
Address: 293, Apcar Garden, Asansole, Burdwan.
Deed No.: 2640 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. AC-73|Acq. R-I|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10|1|E, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Greenwich Holdings (P) Ltd. of 160 C, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700007.

(Transferor)

(2) 1. Banwarilal Gupta

Shashi Kant Gupta
 Rajesh Kumar Gupta

3. Rajesh Kumar Gupta 4. Raj Kumar Gupta

5. Madhusudan Gupta

Rakesh Kumar Gupta
 Shyam Behari Gupta.

All of Flat No. 3-B, at 10|1|E, Diamond Harbour Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH SCHEDULE

One Flat No. 3-B, measuring area 2153 sft. situated at 10|1|E. Diamond Harbour Road, P. S. Alipore, Calcutta. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 30 dated 16-5-1984.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

of Manager with the American State of the Control o

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. AC-78/Acq. R.II/Cal/84-85.—Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immotable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Dr. Ashutosh Sastri Road, Calcutta-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Auhority on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any chouseys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mohan Lal Ganguli
 - 2. Sukumar Ganguli3. Sanat Ganguli

 - Biswanath Ganguli
 Narayan Chandra Ganguli
 All of 8, Dr. Ashutosh Sastri Road, Calcutta-10. (Transferor)
- (2) 1. Ashutosh Mukhopadhyay of 9. Nabalia Para Road, Calcutta-8.
 - 2. Ranut Kumar Bose of 16, Sil Para Lane, Calcutta-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

TH SCHEDULE

15 Cottahs 13 Chittacks and with building situated at 8 Dr. Ashntosh Shastri Road. Calcutta-10, F. S. Belaghata. Registered below the Chapeten; Authority vide Sl. No. 29, dated 14-5-1984

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rati Ahmed Kidwai Road. Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1984

Ref. No. AC-97|R-II|Cal(84-85, ---Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 9A 1B situated at Chetla Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at R. A. Cal. on 30-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Renu Dutta of 14-B, Sabji Bagan Lane, Chetla, Calcutta.

(Transferor)

(2) The Bank of Rajasahan Ltd. of 51. Chowringhee Road, Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

990! sft. ilat on 1st floor of Northern side of Premises No. 9A|1B, Chetla Road, Calcutta. More articularly described in Deed No. I-6123 of R A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Acquistion Range-II, Calcutta.

Date : 29-12-1984

(1) Mr. Karan, Daulatsingh Madan, 6|86, Guruprasad Co-op. Housing Society Ltd., Bund Garden Road, Pune-411001.

(Transferor)

(2) Mr. Gulkumar K. Raheia, 309, Kalpana, 388-A Bhawani peth, Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th December 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|4666|84-85|1001.-Whereas, I,
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 514, Gulmohar Apartment, 2420 Gen. Thi-mayya Road situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper.y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 514, Gulmohar Apartment, 2420 Gen. Thimayya Road, Pune-1. (Area: 1083 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4666/83-84 in the month of May, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Acquisition Range, Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following presents parally: ing persons, namely :-

Date: 29-12-1984

(1) Mr. Kumar Pritamdas Gera, 8|352 Boat Club Road, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. Rajender Kumar Seth, 29, Salisbury Park, C/o B. D. Sarin, Poona-411 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th December 1984

Ref. No., IAC ACQ/CA-5/37EE-7296/84-85/1002.— Whereas, L.

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 11. Gera Terace-I, Lohogaon, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Reqn. Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and|er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—436GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Gera Terraces-I, S. No. 199 Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5A, 5B, 5-C, 6, 7, & 8 S. No. 204. Hissa No. 1, 2, 4, 3-A Survey No. 205, Village Lohogaon, Final Plot No. 107, Viman Nagar Colony, Pune. (Area—880 Sq. ft.).

(Property a_S described in the agreemens to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7296 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park,
Acquisition Range, Pune-411 001.

Date v: 29-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second secon

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411-001, the 29th December 1984

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37EE/7321/84-85/1003.— Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 13, Bldg. No. 8, Plot No. 8, C-Type, Chinchwad,

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on September. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Urban Land and Housing Pvt. Ltd., 'Nirankar' 1st floor, 1133/5, F. C. Road, Shivaji Nagar, Pune-16. (Transferor)
- Shri Anthony D'souza, Smt. Margaret A. D'souza, Tangwala Bldg., No. 2, Opp. St. Joseph High School, Dongri, Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

· EXPLANATION: -The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Premlok Park, Flat No. 13, Building No. 8, Plot No. 4, C-Type, Chinchwad, Akurdi Road, Chinchwad. (Area—785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 7321 in the month of September, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan, 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 29-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411-001, the 29th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10391 of 84-85/1004.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-D Bombay Market, Station Road Bhayander (W) situated at District Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mormukut Construction Co., Station Road, Bhayandar (W), District Thane.

(Transferor)

(2) Dr. Shiv Bhagawan N. Agrwal, Dr. Mrs. Leela Shiv Bhagwan Agrwal, A-1 & A-2 Bombay Market, Bhayandar (W). District Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 1st floor, Building D—Flat No. 12, Bombay Market Station Road, Bhavandar (W), District Thane. (Area—555 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 10391 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 29-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411-001, the 29th December 1984

IAC ACQ/CA-5/37EE/8704/84-85/1000.-Ref. No. Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Apartment No. 3, 2nd floor. Bldg. E-4, Sector-I, Vashi situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely —

- (1) Shri Dilip Kumar Das Gupta, Sector-6, Sinhagadh Co-op. Hsg. Society, Ground floor, Vashi, New Bombay-400 703. (Transferor)
- (2) Shri Narsingh Rao Rukmanna Jinde. 10-A Riddhi Siddhi Apartments, Ground floor, R. A. Kidwai Marg, King's Circle, Bombay-400 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 3, 2nd floor, Bldg., E-4, Sector-I, Vashi, New Bombay-400 703, (Area—51.34 sq. mt.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 8704 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 29-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411001, the 29th December 1984

Ref., No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/6626/999.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. III, 3rd floor, Mukund Apartment, Shivajinagar.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune on August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ofteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shirish Mahadeo Thatte, partner in M/s. M. L. Thatte. 2002, Anant Laxmi, Tilak Road, Pune-411 030. (Transferor)
- (2) Dr. (Smt.) Suman Ranganath Kulkarni, Yogeswari Hospital, Daund. District Pune.

(Transferee)

4073

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. III, 3rd floor, Mukund Apartments, Sub-Plot No. 2-C Final Plot No. 561, T. P. Scheme, Shivajinagar, Pune. (Area—780.20 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6626 in the month of August 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan, 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN
106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411001, the 29th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6208/998.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. II, Sub-Plot No. 2-C F.P. No. 561, Shivajinagar,
situated at Pune
(and more fully described in the schedule annexed heroto).
has been transferred
under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the registering Officer
at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent cc
than fifteen per cent of such:
the consideration for such tra
parties has not been truly st
transfer with the objbect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sirish Mahadeo Thatte, Partner of M/s. M. L. Thatte, 2002, Tilak Road. Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Genubhau Thakuji Takalkar, 1195/2-C Shivajinagar, Pune-411 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. II, sub-plot No. 2-C. final plot No. 561. T. P. Scheme (Bhamburda) Shivajinagar, Pune.

(Area-780 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 6208/84-85 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan.
106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 29-11-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4503/997|83-84.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 5 in Building No. "D" in Kalpanamati Housing Society, S. No. 152/18+3 Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Angal & Co., "Anujit" 775/2 Deccan Gymkhawa. Opp. Kamala Nehru Park, Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Sadanand Vijay Gote, R. No. 17, Anand Chambers, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Building No. 'D' in Kalpanamati Housing Society, S. No. 152/18--3, Aundh, Pune-7. (Area 466 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4503/83-84 in the month of May, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan,
106/107, Koregoan Park, Pune-411 001.

Date: 22-12-1984

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4268/83-84/996.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 9, C.S. No. 48/4A, Welesly Road, Shivajinagar Pune-5 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Deejay Builders, 1271 Deecan Gmykhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mulraj Jethanand Gesota, 1243/Apte Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official. Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, C.S. No. 48/4\, Welesly Road, Shivajinagar, Pune. (Area—892 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4268/83-84 inthe month of May, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 22-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

IAC ACQ/CA-5/37EE/4761/83-84/995.-Ref. No

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/3/EE/4/61/83-84/995.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Apartment No. 4 on Second Floor south side on plot No. 73/3/3 Erandwana, Pune-4 C.T.S. No. 50/27 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer ut I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 53-436GI/84

(1) 1. Shri Harihar Chintaman Natu, 2. Shri Raghunath Chintaman Natu. both residing at Chaitanya Apartments, 50-1-5-A Erandwana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Vasant Bapat, and Shri N. V. Bapat, both residing at B/3 Dwarka Apartments. Harekrishna Mandir Path, Pune-16.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 4 on Second Floor south side on plot No. 73/3/3 Erandwana, Pune-4 C.T.S. No. 50/27.

(Area 990 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4761/83-84 in the month of May, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan.

Date: 22-12-1984

(1) M/s. Chhadva Construction Co., 2/4 Jay Mahavir, R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E). Bombay-77.

(Transferor)

(2) Shri Bhimrao Anantrao Desai, Chapsi Building, Pradhanwadi, Near Railway Station, Thane (W).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, ACQUISITION RANGE PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/8937/37EE/84-85/994.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|and bearing

flat No. D-1, on the ground floor in the Gunsagar Nagar, Near Kalwe Railway Station, Station Road Kalwe (W), Dist.

Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/era
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-1, on the ground floor in the Gunsagar Nagar. Near Kalwe Railway Station, Station Road, Kalwe (W). Dist. Thane.

(Area 580 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 8937/84-85 in the month of September. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan. 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4758/83-84/993.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 996/A F.P. No. 394A, Flat No. 3, Shivajinagar,

Pune-16 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (s) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rajaram Shirole & Associates, Plot No. 394/A Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Anuradha Anil Sant, A-1 Ajay Apartments, 401 Senapati Bapat Road, Pune-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, C.T.S. No. 966/A F.P. No. 394A, Shiyajinagar, Pune-16.

(Area—883 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4758 in the month of May, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan,
106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 22-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 22nd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4364/83-84/992.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6 Second floor, 638 sq. ft. Built up 1098/1 Model

Flat No. 6 Second floor, 638 sq. ft. Built up 1098/1 Model Colony, Pune-5 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) D. S. Kulkarni & Co. Ravi Building, Block No. 12, Near Alka Talkies, 8/2 Sadashiv Peth. Pune-30.

(Transferor)

(1) Mrs Vinodini Yeshwant Gosavi, Mr. Yeshwant R. Gosavi, 1098/1 Model Colony, Pune-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Second Floor, 638 Sq. ft. Built up, 1098/1 Model Colony, Pune-5.

(Area 638 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 4364/83-84 in the month of May. 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan. 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Date: 22-12-1984

Scal:

(1) M/s. Kataria Associates. 1365 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajashri Rajendra Gugale. C/o 245 Market Yard, Pune-37.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/7566/84-85/991.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No. exceeding Flat of 810 sq. ft. on first floor at S. No. 694/2E/Parasnis Colony, Bibwewadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been trasferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reas believe that the fair market value of the property as a said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said instrume transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein . 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat of 810 sq. ft. on first floor at S. No. 694/2E. Parasnis Colony, Bibwewadi, Pune-37.

(Area 931 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 7566/84-85 in the month of November, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan, 106/107, Koregaon Park, Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:---

Date: 18-12-1984

(1) M/s. Arvis Enterprises, 720 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
SAKSERIA BHAVAN
106/107, KOREGOAN PARK
PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.Acq/CA-5/37EE/6925|84-85|990.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing

Flat No. 17, in Mahalaxmi Apartment on Plot No. 3, S. No. 167A, Hissa No. 2/4, Happy Colony, Kothrud, Pune-29. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

(2) Mr. Jayant Madhukar Raste & Mrs. K. J. Raste, 123 Trimoorti Society, Erandwana, Pune-4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable Property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Flat No. 17 in Mahalaxmi Apartment on plot No. 3, S. No. 167A, Hissa No. 2/4, Happy Colony, Kothrud, Pune-29. (Area 950 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6925/84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Nirmala Narayan Bhide, Moreshwar Housing Society, Baner Road, Aundh, Pune-7.

(Transferor)

(2) Mrs. Gauri C Punjabi, 3 Samudra Gaurav, 6-A Worli, Seaface Road, Bombay-25.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37EE|6812|84-85|989,— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Vacant plot No. A-48, in Abhiman Shree Co-operative Housing Society Ltd. Ntar N.C.L. Pashan Road, Aundh. Pune

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than use market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Area of plot 4,466 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6812/1984-85 in the month of October 1984)

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. A-48, in Abhiman Shree Co-operative Housing Society Ltd. Near N.C.L. Pashan Road, Aundh,

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/5135|988|84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 6 on the first floor in proposed Chintamani Apartments at F.P. No. 51-A CTS No. 100A Dr. Ketkar Marg,

Erandwana, Pune-4 situated at Pune for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :at I.A.C. Acqn. Range, Pune on June 1984

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Chintamani Enterprises through its Managing partner Shri Dattatraya C. Khandkar, "Chintamani" 51-A Dr. Ketkar Marg, Erandwana, Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Aneel Bapurao Chowkar, 301 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the first floor in proposed Chintamani Apartments at F.P. No. 51-A C.T.S. No. 100-A Dr. Ketkar Marg, Erandwana, Pune-4. (Area 1190 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5136/1984-85 in the month of June 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-12-1984

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 19th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4343/84-85/987.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-10, III floor, Vishnu Saraswati Apartments, 1465 Sadashiv Peth, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparen, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

54-436GI/84

(1) S. H. Patwardhan, partner Metropolitan Builders, 611 Sadasniv Petn, Pune-30.

(Transeror)

(2) S. L. Bhavsar, (493) New Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, IIIrd floor Vishnu Saraswati Apartments, 1465 Sadashiv Peth, Pune. (Area 621 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pun., under document No. 4343/1983-84 in the month of May 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
Sakseria Bhavan 106/107, Ko egoan Park Pune-411 001.

Date: 19-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQU.SITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18:h December 1984 Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7314/84-85/986.— Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 6 on 2nd floor Bldg. "A" at CTS No. 1144 Sadashiv Peth. Near Perugate Police Chowky, situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—

(1) Shri Shashikant M Gathani, partner M/s. Ga hani Enterprises, 612-B/1 Nana Peth, Pun-2.

(Transferor)

(2) Shri Shrikrishna Atmaram Joshi, 375 (New) Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 2nd Floor Bldg. "A" at C.T.S. No. 1144 Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune-30. (Area 690 sq. f'.)

(Proper y as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 7314/1984-85 in the month of November 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Ranne
S. kseria Bhavan
106/107, Koregoan Fark
Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Gate Associates, Plot No. 712 C.T.S. 380 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Shri Sheikh Saheblal Mardan, 482 Sh.vajinagar, Pun.-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME-1AX.

> ACQUISITION RANGE SANDLAIA BHAVAN 106/107, MUNEOUAN FARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37LE/6003/84-83/985.— Whoseas, I, ANIL AUMAN,

being the Competent statuothy under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (herematter reteried to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a rair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Apartment No. 501 (524 sq. ft.) Shivalaya Apartments-

300 Salvaj n.gar, Pune-3 situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrang Officer at LA.C. Acqn. kange, Pune in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the translet; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 501 Shivalaya Apartments, 380 Shivaji-nagar, Pune-5.
(Area 524 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., A quision Range, Pun., unler document No. 6603/84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range
Sakseria Bhavan
106/107, Kolegoan Park
Pune-411 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afresaid property by the issue of this notice under surpression 447 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AA AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE SANSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6780/84-85/984.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Right to construct Apartment No. 4 situated on the East side of Second Floor together with Car Park No. 4 totally admeasuring 209.68 sqq. mtrs, m the proposed

residential building to be constituted on R.S. No. 350/A/2 and bearing final plot No. 239/1/A and 239/1/B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Oct 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Farhat Francis, 14-B Boat Club Road, Pune. Now temporarny residing at New Apsara Apis. C-19 259 Bund Garden Road, Pune-1.

 (Transeror)
- (2) Mr. I.P. Gopaliam and Radha Gopaliam, 303 River view Apartment, Koregaon Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days troms the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right to construct Apartment No. 4 situated on the East side of Second Floor toge herwith Car Park No. 4 totally admea uring 209.68 sq. Mrs. in the proposed residential building to be constructed on R.S. No. 350/A/2 and bearing final pot No. 239/1/A and 239/1/B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1.

(Proper y as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqui ition Range, Punz, under document No. 6780/1984-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisi ion Range
Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN 106/107, KOREGOAN PARK

Pune-411 001, the 18th December 1984

PUNE-411 001

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6793/84-85/983.-Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

Right to construct Apartment No. 3 situated on the West side of Second Floor 'oge-her with Car Park No. 3 totally adm asuring 214.82 sq. mtrs. in the prop sed residential building to be constructed on R. S. No. 239/1/A and 239/1B/B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pure on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more th n fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Farhat Francis, 14-B Boat Club Road, Pune-1. Now temporarily residing at New Apsara Apts. C-19, 259, Bund Garden Road, Pune-1. (Transferor)

(2) Mrs. Surabhi Nag, 3 Boat Club Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right to construct Apartment No. 3 situated on the West side of Second Floor together with Car Pa k No. 3 totally admeasuring 214.82 sq. Mtrs. in the proposed residutial building to be constructed on R.S. No. 239/1/A and 239/1/B known as 14-B Boat Club Road, Pun-1.

(Properly as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6793/1984-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Sekseria Bhavan 106/107, Koregoan Park Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME IAX ACI 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION KANGE
SAMBERIA BHAVAN
106/107, KUKEGGAN PARK
PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6795,84-85/982.—Wher.as, I, ANTL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Right to construct Apartment No. 5 situated on West side of third floor Car Park No. 5 admeasuring total of 214.82 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R.S. No. 350/A/2 and bearing 259/1/A and 259/1/B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has bear transferred under the Registering Officer at

I.A.c., A.qn. Pune on Oct. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Farhat Francis, 14-B Boat Club Road, Pune-1. Now imporability residing at New Apsara Apariments, C-19, 259 bund Garden Road, Pung-1.

(Transferor)

(2) Mr. Rohinton D Aga and Mrs. A.navaz R Aga 12 Boat Club Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immos. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda \times A$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right to construct Apartment No. 5 situated on West side of third floor Car Park No. 5 adm asuring total of 214.82 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R.S. No. 350/A/2 and baring 239/1/A and 239/1/B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1.

(Proper y as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqui i on Range, Pun., unler document No. 6795/84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Sakseria Bhavan
Acquiri on Renge
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JABJEKIA BHAVAN
106/107, KOREJOAN PARK
PUNE-411 001

Pune-411 001, the 18th December 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4643/84-85/980.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 53, Survey No. 121, 122 Rambag Colony, Kothrud, Punc-29 situaed at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration of the

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Atul Enterprises, 31 Sheeta mar Colony, Ruturaj Paud Phata, Erandwana, Pune-38.

(Transferor)

(2) Mr. Jayant Devidas Visal, 12 Budawar Peth, Near N. M. V. School, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 53, Survey No. 121, 122 Rambag Colony, Kothrud. Pune-29. (Area 4200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pun., under document No. 4643/1983-84 in the month of May 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Sckseria Bhavan
106/107, Koregoan Park
Pune-411 001.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA·5/37EE/7357/981/84-85.—Whereas, I, AN'L KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Competent Authority under Section 269

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing is 6. Right to construct Apartment No. 1 situated on the west side of the 1st floor and car park No. 1 admeasuring total 214 82 sq. Mtrs. in the proposed situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of 'he Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Farhat Francis,
 14-B Boat Club Road, Pune-1.
 Now temporarily residing at New Apsara Apartments,
 C-19, 259 Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Amar Singh, 404 Olympus Apartments, Altamoung Road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoverable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right to construct Apartment No. 1 situated on the west side of the 1ts floor and car park No. 1 admeasuring total 214 82 sq. Mtrs. in the proposed building to be constructed on R.S. No. 350/A/2 and bearing 239/1/A and 239/1|B known as 14-B Boat Club Road, Pune-1.

(Proper'y as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 7357/1984-85 in the month of November 1984)

ANIL KUMAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madanlal K. Munot, At Dalmandaı, Ahmednagar.

(1) Shri Narayan, B. Koke,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1280/84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S No. 90A and 43B, FP. No. 187 at station Road, Chahurana Budiuk, situated at Ahmedn gar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

55-436GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

At Buludgaon Road, Ahmednagar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires bater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at survey No. 90A and 43B. F.P. No. 187 at Station Road, Chahurana Budruk, Ahmednagar. (Area-10,724 sq. mt.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Abmedages and the sale deed registered in the of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 1766 in the month of May, 1984).

> ANIL KUMAR, Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Incometix Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/84-85/1209.— Whereas, I, AN.L KOMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to b lieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bear ng No. Property at No. 11 Moled na Road,

Cantonment, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Mrs. Khorshed Jehangir Hormasji,

Mrs. Shirin Nariman Masters
 Mr. Nariman Nusse wanji Masters, and

4. Mrs. Frence Jashed Bharucha 129, Nagar Road, Pune-411 006.

(Transferor)

(2) M/s. H. J. Enterprises, at Vikas, 11, Bank Street, Fort, Bombay-400 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Property at No. 11, Moledina Road, Cantonment, Pune, (Area-3597 09 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 494/ dated 11-5-1984).

> ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Poona.

Now., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons namely:--

Pate: 4-12-1984

Thana—4

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th November 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE|8150|84-85|886.-Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala Unit No. 4 at Mod lla Industrial Estate, Wagel Industrial Estate, Thana-400 604 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfe red under the Regis ration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquisition Range, Pune on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market slue of the property as aforesaid exceeds the apparent consit sation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Modella Textile Industries Pvt. Ltd., 4 C Vulcan Insurance Building, Veer Nariman koad, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) M/s. S. D. Shah & Co. Unit No. 30 K. K. Gupta Industrial Estate, Muund West, Bombay-400 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other preson interested in the said immovable propert within 45 days from the date of the publication of thi notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Unit No. 4 at Modella Industrial Estate, Wagle Industrial Estate, Thana-400 604.

(Area: 636 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune under decument No. 37EE/8150/84-85 in the month of August, 1984).

> ANTL KUMMAR, Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Incom - ax, Acquisition Range, Poona.

Date: 19-11-1984

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th November 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE|7976|84-85|883.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 18
bearing No. Units No. 11-12-15 & 16 of Dewan & Sons
Estate No. 6 Vasai Road (E), Dist. Thane
situated at Thanna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Aug 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 8. 14 /OEL
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922; or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bassem Industrial Development Corporation, Dewan Tower, Navchar, Bassein Road, Dist. Thana.

(Transferor)

(1) M/s. Apollo Pharmaceuticals 345, Kaliandas Udyog Bhavan Behind Century Fazar Worli, Bombay-400 025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Units No. 11-12-15 & 16 of Dewan & Sons Estate No. 6 Vasai Road (E), Dist: Thane. (Area: 208.6 Sq. mtrs.). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under ent No. 37EE/7976/84-85 in the month of August, 1984).

> ANIL KUMAR, Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Poona.

Pate: 19-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Tej Corporation, Gokhale Bunglow, Shasiri Nagar, Kopar Road, Dombivali (W), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Sh. Mohanbabu Dharmraj Boga, 48. Vinayak Sadan, N. M. Joshi Marg, Bombay-400 013.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expues later:

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th November 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE|8266|84-85|887.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-eax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,600anđ

baring No. Flat of 2 rooms, 4th Floor of R.C.C. Construction Koper Road, Shastri Nagar. Dombivali (W), si uated at Dombivali (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Aug 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat of 2 rooms, 4th Floor of R.C.C. Construction, Koper Road, Shastri Nagar, Dombilivali (W), Thane. (Area: 610 Sq. ft.). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/8266/84-85 in the month of August, 1984).

ANIL KUMAR, Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:-

Date: 19-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Km. Nargis R. Khodaiji Km. Mehru R. Khodanji.

(Transferor)

(2) 1. Shri R. J. Khodaiji2. Dr. (Smt.) J. R. Khodaiji3. Sari Behram R. Khodaiji

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-236 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax \(\cdot\)ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the saic \(Act\), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House property situated at Mchalla-Purdilpur, Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Rigistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of he Registering Officer

at Gorakhpur in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of ans notice in the Officia. Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property with land measuring 7040 sq. ft. situated in Mohalla-Purdilpur, Gorakhpur, reg ste ed by the Registering Authority at Gorakhpur in May, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-1-1985

(1) Shri K. C. Bhattacharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nirmal Kumar Pandey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-89 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No A part of premises situated at 122, Tagore Town, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the airresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect on any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzate of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of premises with land measuring 566 67 Sq. vds. situa ed at 122. Tagore Town, Allahabad registered by the Registering Authority, Allahabad in May, 1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-1-1985

(1) Shri Ravi Pratap Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mazdoor Kissan Sahkari Grih Nirman Samiti, Lucknow. Through Secretary, Shri H. K. Misra. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-208 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.00/- and bearing

Rs. 25,00/- and bearing No. Khasra No. 257 situated at Vill. Kamta. Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which output to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

A the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 257, measuring 4 Bighas 19 Biswa and 14 Biswansi, situated at Vill. Kamta, Pargana, Tehsil and Dist. Lucknow, registered by the Registering Authority, Lucknow, in May 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985

(1) Smt. Geeta Mehrotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Krishna Lata Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX
ACUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. K-145/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

No. House property situated at 27/1. C. Y. Chintamani Road, Allahabd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—436GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 2711, C. Y. Chintamani Road, Allahabad (as mentioned in 37-G Form No. 2650) registered by the Registering Authortiy at Allahabad on May, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-1-1985

- (1) Shri Mushtag Ahmad.
 - (Transferor)
 - (2) 1. Shri Abdul Rehman Hashmi. 2. Shri Shabir Ahmad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, 1.UCKNOW

Lucknow, the 10th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. A-161 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ladapur, Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bijnog in May, 1984

at Bijnor in May. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxxx Act, 1922 (71 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2136 sq. mtrs. situated at Ladapur, Bijnor (as mentioned in 37-G Form No. 2502) registered by the Registering Authority, Bombay, on May, 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 10-1-1985

(1) Smt. Lata Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Anil Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. A-160|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 459 situated at South Housing Scheme, Allaha-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the between the instrument of ta

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 459, measuring 310.54 sq. mtrs. situated at South Housing Scheme, Allahabad (as mentioned in 37-G Form No. 3025) registered by the Registering Authority, Allahabad in May, 1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smt. Meera Kesarwani.

Hazartganj, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 39/37EE. Acq. - Wheteas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. Office No. 12 .Half portion) situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, I ucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered US. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Latsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chanter

THE SCHEDULE

Office No. 12 (Half portion) on the V floor measuring 195 Sq. ft. in the "Commerce House", situated at 11, M.G. Marg. Habibullah Compound. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 54 dated 11-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Halwasiva Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(2) Shri Arun Kumar, Gupta,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 40|37EE|Acq --Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Office No. 12 (Half portion) situated at 11, M. G. Marg. Habibullah Compound. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U|S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Office No. 12 (Half portion) on the V floor, measuring 195 Sq. ft. in the "Commerce House", situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 55 dated 11-5-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 41|37EE|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office No. 11 (Half portion) on V floor situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered U|S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Kesarwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11 (Half portion) on the V floor measuring 190 Sq. ft. in the "Commerce House", situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 56 dated 11-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

4107

FORM ITNS

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 42|37EE|Acg.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing office No 11 (Half portion) situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexxed hereto), has been transferred and the agreement is registered U|S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any taoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mls. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgan Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath Kesarwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11, (half portion) on the V floor, measuring 190 Sq. ft in the 'Commerce House', situated at 11, M. G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 57 dated 11-5-1984.

> A. PRASAD Competent Amhority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

Marie 6 15 15 15 15

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M.s. Halwas'va Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1 Miss Alka Kumai 2. Miss Deepika Kumar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 43 3/EE/Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Office No. 13 on the III floor situated at 11, M. G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered USS. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the ordice of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 13, on the III-Poor measuring 275 Sq. ft. on the "Commerce House", situated at 11 M. G. Marg, Habibuliah Compound, Lucknow. The agreement has been regis-

tered by the Competent Authority. I ucknow under Sl. No. 58,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Comm sioner of Income-tax.

Date: 8-1-1985

dated 11-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Col. P. N. Chopra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 44/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing

No. 18 and 19 on the IV-floor situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered U/S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 18 and 19 on the IV floor measuring 550 Sq. ft. in the "Commerce House", situated at 11 M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 59 dated 11-5-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-57-436GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(2) Mrs. Lakshmi Nigam.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 45|37EE|Acq.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 10 on the IV floor situated at 11, M.G. Marg,
Habibullah Compound, Lucknow

Habibullah Compound, Lucknow (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U|S. 269-AB of the I.T. Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on I1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 10 on the IV floor measuring 275 sq. ft. in the "Commerce House", situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 60 dated 11-5-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-्री हिं।

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

Scal:

(1) Ms. Halwasiya Properties (P) Ltd.. Halwasiya Court. Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMBE-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. G.I.R. No. 46|37EE|Acq.-Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 12 on IV floor situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule anexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered U/S. 269-AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Amar Singh Bisen.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12, on the IV floor measuring 390 Sq. ft. in the "Comerce House", situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 61. dated 11-5-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. 47/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Office No. 12 on the Illrd floor situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of hte I. T. Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Lucknow on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed she apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(1) Lt. Col Sudhir Kumar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12 on the HIrd floor measuring 385 sq. ft. in the "Commerce House", situated at M. G. Marg Habibullah Compound, Lucknow. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 62, dated 11-5-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
57, Ram Tirth Marg.
Lucknow

Date: 8-1-1985

(1) 1. Shri Vinay Kumar Kapoor 2. Miss Santosh Kumari Kapoor

(Transferor)

(2) 1. Dr Sudhir Kumar Saxena 2. Dr. (Mrs.) Sarojini Saxena

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-353/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 55-B situated at Singar Nagar, Alambagh,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is rgeistered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55-B with land measuring 4050 sq. ft. situated at Singar Nagar, Alambagh, Lucknow (as mentioned in Form 37G No. 5800) registered by the Registering Authority, Lucknow, on May, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-1-1985

Scal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vijai Laxmi Goel

(1) Smt. Ela Dattatreva

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57. RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. V-75/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double storeyed house situated at 20, Jagat Narain Road, Golaganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house situated at 20, Jagat Narain Road, Golagani. Lucknow (as mentioned in Form No. 6265), registerered by the Registering Authority, Lucknow, on May, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
57, Ram Tirth Marg,
Lucknow

Date: 15-1-1985

(1) Shri Kunwarjit Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlesh Rani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1985.

Ref. No. G.I.R. No. K-146/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 68/B situated at Singar Nagar, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Authority at

Lucknow on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 68/B, situated at Singar Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 6415) registered by the Registering Authority, Lucknow on May, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg,

Lucknow

Date: 15-1-1985 Seal:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhajjan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jan Kalyan Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Moradabad Through Secretary Shri B. K. Bose

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th January 1985

Ref. o. G.I.R. N.o J-77/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Khasra Nos. 857-A, 858-B & 858-A situated at Mauza-

Shahpur Tigri, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Moradabad on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 857-A, measuring 0.75 decimals, Khasra No. 857-B, measuring 1.63 decimals and Khasra No. 858-A, measuring 1.11 decimals (total 3.48 decimals) situated at Mauza-Shahpur Tigri, Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad, on 14-6-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. . RAM TIRTH MARG, UUGKNOW

Lucknow, the 4th January 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-352/Acq.—Wheeras; I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Village—Bharwara, Pargana, Tehsil & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Autocrity at

Lucknow on June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not'ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-58-436GI/84

(1) Smt. Dharmraji

(Transferor)

(2) M/s. Sumac International Company Pvt. Ltd., Lucknow

Through Attorney, Shri Rajneesh.

(Transferred)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas 17 Biswas and 4 Biswansi situated at Village—Bharwara, Pargana, Tehsil and Distt. Lucknow (as mentioned in Form 37G No. 7139) registered by the Registering Authority, Lucknow on June, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date : 4-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **NEW DELHI**

New Delhi, the 14th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/813.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Author'ty under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-

and bearing

No. S-387, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the register'no Officer at

IAC/Acq. Range-I on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. A D. Taneja, S-387, Greater Kailash-II, New Delni-48 (G.F.).

(Transferor)

(2) Mrs. Jayalakshmi Srinivasan, First Floor, S-455, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Entire first floor construction and one mazzanine servants room access to which is from the sta rease landing between first and second floor of S-387 Greater Kailash-II New D lhi 48, with plinth area of 1620 sq. ft. and 1/3rd share in plot of 300 square yards.

> SUDHIR CHANDRA Competent Au herity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (45 UF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

N (1) Skipper Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Ritika Narang d/o Sn. S. P. Na. ang, R/o A-43, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCUME-LAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84|876.—Whereas, I, SUZING CHONDRA,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Flat No. 1303-A, 98 Nehru Place situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), h is a tan introducer the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. kange-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor market that the consideration for such apparent as agreed that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(á) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facouse arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303-A, area 352 sq. ft. in 89, Skipper Tower, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/875.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

the Competent Authority under Section 269B of the Lispome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing
That No. 16 & 17, 22, Flat No. Barakhamba Road, situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

whas been transferred under the Income tax Act, 1961 in the office

of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range-I, in May 1984 for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to felieve that the fair market value of the property as atoresuid *exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-taix Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Skipper Sales Pvt. Ltd 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Ram Lal, Raj Rani & Deepak Arora, C/o Sh. Mast Ram, R/o A/15, Vishal Enclave, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ? whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 17 at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Area 500 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

PORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/873.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. LB-12, 7, Tolstoy Marg, situated at New Delhi
fand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fishility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any message arrang from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe not the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. I. P. Singh & Mrs. Rani Arora, 18, Haney Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Master Gentle Dhawan & Master Jatin Dhawan, s/o Sh. J. K. Dhawan, B-123, Double storey, Ramesh Nagar, N. Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the middenlifted....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or supersod of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said insinevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"LB-12, Measuring 363 sq. ft. in 7, Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1985

Ref No IAC/Acq.I/37EE/5-84/871.—Whereas, I, SUDHIR (H)NDRA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a law market value exceeding

Flat No. 418, Completent House, F-14, situated at Connaught Pacc, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq .Range-I in May 1984

for in consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. silrespect of any sncome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough, to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Competent Builders, 101-Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Chadha and Mr. Multani Lal Chadha, R/o B-1/21, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 418, in Competent House F-14, Connaught Place, New Delhi. mg. 748,96 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competen Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ronge-I,
New Delhi

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

NEW DELHI New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/870.—Whereas, I,

SU_HIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.
Flat No. 306 & 307, Pratap House, N-1, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) ha been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transand /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) M/s. Competent Builders, 101-Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Duhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Apar Private Limited, Maker Chambers No. III, Jamnala Bajaj Marg. Bombay-400027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 306 and 307 in Pratap House, N-1, Connaught Circus, New Delhi, area 1545.5 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inco e-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-'IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Savitri Devi, W-56, G eater Kailash-II, New Delhi.

(Transferoz)

(2) Chaman Lal Yadav, 133. Ganga Ram Street, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. CUMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

MRS. M. SAMUEL,

Ref. No. 1AC/Acq.1/37EE/5-84/869.—Whereas, I. being the Competent Authority under sec. 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov. $\rho = \rho$. $\rho = \frac{\alpha}{25,000}$ and bearing

No. F.at UB-23, 22, Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in May 1984

fe an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betteve that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. UB-23 of 475 sq. ft, in 22. Barakhamba Road, New Dlehi (U.C.).

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-1-1985

Sea! :

Savitri Devi,
 W-56, Greater Kailash-II,
 New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ghanshyam Bhatia, 855, G. T. Road, Welcome House, Seelampur Delhi-53.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NFW DELFI

New Delhi, the 1st January 1985.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/868.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000) and bearing

No. UB-23, at 22, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. UB-22, in 22, Barakhamba Road, New Delhi (Under Construction) mg. 475 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—436GI/84

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/863.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No.

Flat No. 1413, 89, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Ravi Puri, M 13/13, Depak Building, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs Amarjit Kaur Uppal, A-135, Gujra Walan Town, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1413 in under construction building 89, Nehru Place, New Delhi, area 444 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5-Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84|862,—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1120, 11th floor, 89, N. Place, situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the francferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

118, New Delhi House, •27, Barakhamba Road,

(1) M/s. Radhika Vitamalt (P) Ltd.

· (2) M/s. Rajdhani Charitable Foundation,

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1120 on 11th floor in 89, Nehru Piace, New Delhi, area 560 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Super Caterers, K-Block, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Radhika Vitamalt (P) Ltd., 118, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned:--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84-/861.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 1 cason to believe that the 1 mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Flat No. 1120 at 89, Nehru Place, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

101 an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1120 on 11th floor in 89 (Nehru Place, New Delhi. area 560 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I R.S.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-I, New Delhi.

Date: 1-1-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi.

(2) M/s. Radhika Vitamalt (P) Ltd., 118, New Delhi House,

(1) M/s. York Hotel, K-Block, Connaught Place,

(Transferor)

 M/s. Radhika Vitamalt (P) Ltd., 118, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/860.—Wheresse, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1112 at 89, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Rapge-I,

in May 1984

tra

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 1112 on 11th floor in 89, Nehru Place, New Delhi. Area mg. 580 sk. ft.

SUDHIR CHANDRA,
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/859.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 1112, 11th floor, 89 Nehru Place, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Radhika Vitamalt (P) Ltd. 118, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi

(Transferor)

 M/s. Sir Shanker Lall Foundation, 5-Western Avenue, Maharani Bagli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1112, on 1t1h floor in 89, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984

Scat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX-

> ACQUISITION RANGE-I. **NEW DELHI**

New Delhi, the 1st January 1985

No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/858.--V/hereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. M-5, 89, Nehru Place, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I,

in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) M/s. Fash India Export House, 49-A, Community Centre Wherey Bhawan, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Bindya Rakheja d/o Sh. J. C. Rakheja, R/o R-63, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said igmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leashold Flat. M-5 in 89, Nehru Place, Area 350 sq. ft. New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 1-1-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Fabric India, C-538 Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander Modi Avinash Chander Modi s/o Late Seth R. D. Modi, Civil Lines, Modi Nagar (U.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/857.—V/hereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000j-and bearing

Flat No. 601, 89, Nehru Place, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I,

in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 of area 460 sq. ft, at 89. Nehru Place, New Delhi (U.P.).

SUDHIR CHANDRA
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984 Seal:

 Lord Krishna, G-15/56, Eros Apartment, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Veena Arora, w/o Sh. M. L. Arora, J-41, Sarojni Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th Jaunuary 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/855.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Basement No. 11, 98, Nehru Place situsted at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
60—436GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 11, mg. 671 sq. ft, Hemkunt, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 5-1-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. AIC/Acq.I/371-E/5-84/852.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRÂ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 305, Antal Bhavan, 16 K.G. Marg, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore her more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferee: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Parveen Kumar Pahwa & Mrs. Hira Devil Pahwa, R/o 4/53, Roop Nagar, Delhi 110007.

(Transferor)

(2) M/s Stumpp, Schuele & Somappa Ltd., Hosur Road. Bangalore-560034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

305. Ansal Bhavan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001, mg, 820 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/851.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 514, at 89, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 ShN. Ghansham Dass & Smt. Jyotsna Chawla, R/o M-90, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaswant Singh (H.U.F.), J-64, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 514 building No. 89, Nehru Place, New Delhi, area 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

4136

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/830.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Flat No. 806, 15, K. G. Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Mittal Steel Corporation, Y-60, Naraina Warehousing Scheme, New Delhi,

(Transferor)

(2) Dr. M.S. Mathur,
 Smt. Madhu Mathur,
 Mr. Rajiv Mathur &
 Mr. Sanjeev Mathur,
 All r/o 117 Shostri Nagar,
 Ajmer (Rajasthan) Pin Code: 305 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15-Kasturba Gandhi Marg (Curzon Road), New Delhi-11001, mg. 461.25 sq. ft. on 8th floor Under construction

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq..I/37EE/5-84/827.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 603, 89 Nehru Place, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office
of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for anpparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fabric India, D-345, Defence Colony, D-345, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Vijay Lal, Arvind Vijay Lal, Dr. Aditya Behari Lal, Amar Jyoti Western Kutchery Road, Meerut City (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, of 370 sq. ft. in 89, Nehru Place, New Delhi (U.C.).

SUDHIR CHANDRA
I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984

(1) Fabric India, D-345, Defence Colony. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Chander Mohan Modi, R/o Civil Lines, Modi Nagar U.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84|825.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 602, 89, Nehru Place, situated at New Delhi
Situated at village Khatawali, Teh. Rewari,
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office

of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 in 89, Nehru Place of 400 sq. ft. (Under construction).

> SUDHIR CHANDRA I.R.S.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/823,-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Unit-H, 12th floor, Vandhana Bldg. situated at 11 Tolstoy

Marg New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT., Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Northern Star Construction and Investment (Delhi) Private Limited, 12-A, Vandhana Bldg, 11, Tolstoy Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. O. P. Arora (Karta) HUF & others, R/o C-14, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit 'H' 12th floor, Vandhna Bldg., 11, Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. **NEW DELHI**

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/822.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,060/and bearing

Flat No. 805, 28, Barakhamba Road, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason To believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Pritpal Singh, B-68, Friends Colony (West) New Delhi,

(Transferor)

(2) Varma Trust & S.C. Varma D-115, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in 'the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 805, 28 Barakhamba Road, New Delhi. Area 566 sq. ft

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delha the 2nd January 1985

Ref No. IAC/A:q Iffl37EE/5-84/820.—Whereas, I, SUDHIR CHANDR 4, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 203, 90, Nehru Place, situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT Act 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, n May. 1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

concealment of any income or any er assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

61-436GI/84

(1) Smt. Sharda Devi. through constituted Attorney Mr. Mukul Mittal. 101/1, Shivaji Nagar, Bhopal, Local Address.: C-3, Prasad Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rita Katyal, Proprietor Fabtex Exports, B-62, Soami Nagar, New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 203, Mansarover, 90, Nehru Place, New Delhi. Area 709 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R.S.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-I, New Delln.

Date: 2-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 14th January 1985

Ref No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/819.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1412-A, 43, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a lovesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the property with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. (Mrs.) J. Anand w/o Major K. S. Anand r/o E-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamlesh Khosla w/o Mr. Bimal Khosla c/o Mr. Inderjit Singh Ahuja, 2009, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1412-A, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi, Area 636 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely.—

Date: 14-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/812.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

shop No. G-2, 59, Nehru Place, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Man Bhavti Devi w/o Late Mr. Jugmandar Dass. R/o 203, Tılak Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sachdeva, s/o Shri O. P. Sachdeva, R/o E-83, Amar Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. G-2 on Ground Floor measuring 253 sq. ft. in 59 Shakuntla Apartments, Nehru Place, New Delhi-19.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 2-1-1985

M/s. Emsons Corporation,
 3830, Pataudi House Marg,
 Daryagani,
 New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Miss. Kailash Mehta D/o Sh. Devi Dayal K/o A-6, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/809.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Sp. L.G.F. 17, Barakhamba Road, situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office
of the Registring Officer of

of the Registering Officen at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 95 on Lower Ground Floor in 17-Barakhamba, Road, New Delhi, area 175:6 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Dáte: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Trakru Projects India (P) Ltd., M-94, Greater Kailash-II New Delhi-48.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Deepak Benefit Trust N-100, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1985

Ref., No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/805.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Connetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and bearing
Shop No. 37, 22 Kasturba Gandhi Marg, situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /o.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. 37 in 22, Kastuiba Gandhi Marg, New Delhi on ground floor, mg. 200 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R.S.

Competent Authority
. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I; New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISHION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84|802.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Shop No. 108, in 22, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

-IAC/Acq. Range-I, in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Doegar, No-100, Greater Kaiíash-I, New Delhi.

(2) Km. Ashish J. Singh, Miss Sheena J. Singh, U/G Comd. Joginder Singh. R/o 193, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 108, in 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 210, sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-1-1985

(1) Skipper Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Perfect Power System 1/25, Asaf Ali, Road, New Delhi-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> . ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FF75-84/797.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B-II, L-40, 22, Barakhamba Rd. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

.Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the · publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-II, LB-40, 22, Barakhamba Road, New Delhi. covered area 450 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/5-84/796.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001and bearing No. Flat No. II 41, 22, Barakhamba Road, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Skipper, Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

((2) Perfect Power System, 1/25, Asaf Ali Road, New Delhi-2.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ara shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. II 41. 22, Barakhamba Road, New Delhi. mg. 450 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

Seal ·

(1) Skipper Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Desh Bandhu Bhagat A-1, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, **NEW DELHI**

New Delhi, the 1st January 1985

..o. IAC/AcqI/37EE/5-84/795.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/2 and bearing
No. LB 28, 22, Barakhamba Road, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office

has been) transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the

the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L.B-28, 22, Barakhamb Road, New Delhi, covered area 500 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-62-436GI/84

Date: 1-1-1985

(1) Skipper Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

((2) Perfect Power System, 1/25, Asaf Ali Road, New Delhi-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/371 E/5-84/794.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 1-11, 42, 22, Barakhamba Road, situated at New

Flat No. F-11, 42, 22, Barakhamba Road, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

at IAC/Acq. Range-I, on May 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-II L.B.-42, 22. Barakhamba Road, New Delhi. covered area 450 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE. NEW DELHI

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/793.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. L-B-II, 26, Barakhamba Road, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

(1) Skipper Sales (P) Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

Transferor

(2) Mrs. Rajani Rustogi & Mr. R. K. Rustogi, R/o D-5/3, Krishna Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. LB-II 26 on 22, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 290 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA LR.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. **NEW DELHI**

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5 84/790,—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mbarket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 101, at 22, Kasturba Gandhi Marg, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range I, in May 1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Subhash Chander Jain and Mrs. Kamlesh Jain, R/o F-10, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Pratima Sawhney (Minor) U/g. Mr. Baldevraj Sawhney, R/o M-87, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in proposed multi-storeyed building at 22. Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 202 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 9-1-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following parameters. ing persons, namey:-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-84/789.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103, at 22, Kasturba Gandhi Marg, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office

of the Registering Officer at IACIAcq. Range-I, in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a solution of the property as a foresaid property as a solution of the property as a foresaid property as a solution of the property as a foresaid property as a solution of the property as a solution of said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Mrs. Kamlesh Jain. F-10, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Meeta Sawhney, M-87, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 103, in proposed multistoreyed building at 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 210 sq. ft.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-84/788.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 f- and bearing
No. G.F. 5, 22, Kasturba Gandhi Marg situated at N. Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office
at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. A. V. Corporation. Grand Trunk Road. Ludhiana (Punjab).

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Mrs. Usha Jayna, 14-Babar Lane, Bengali Market, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. F. 5, 22, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-110001. mg. 210 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-1-1985

(1) M|s. A. V. Corporation, Grand Trunk Road, Ludhiana (Punjab).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1) M/s. P. C. Jayna (H.U.F.) 14, Babar Lane, Bengali Market, New Delhi-110001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|84-|787.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. G. F. 7, 22, Kasturba Gandhi Marg, situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), I.T. Act 1961

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G.F. 7, 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001, mg. 210 sq . ft.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the some of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 1st January 1985

Ref. No. IAC|Acq.I||37EE|5|84|786.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. UB-8, at 22, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto)

Î.T. Act 1961

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in

the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales (P) Ltd. Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Kaur & Sh. Harwinder Singh, E-446, Greater Kailash-III, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UB-8, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, Area of Flat 425 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, **NEW DELHI**

new Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC Acq.I 37EE 5-94 783.—Whereas, I, Ref. No. IAC AC4. 137EE 5-94/83.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 401 on 4th Floor, 89, N. Place situated at New Delhi. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in

the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscettion (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-63-436GI/84

(1) Ms. Fabric India C-538, Defence Colony, New Delhi-24

(Transferor)

(2) Sh. Harmohan Singh Anand & Smt. Jasbir Anand, B-28, South Extension-II, New Delhi-48

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 401 on 4th floor, mg. 460 sq. ft. in the multistroyed building known as Skipper Tower, 89, Nehra Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd January 1985

Ref. No. IAC Acq. I 37EE 5-84 771 - Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. F--6 23, Kasturba Gandhi Marg, situated at New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 7.725 Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1959);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh Kanwar Chand Sath 26-F, Kamla Nagar, Delhi.
- (2) Sh. Satish Chand Seth, 17, Satyawatti Memorial Road, Delhi.
- (3) Smt. Maharani Seth, 17, Satyawati Memorial Road, Delhi.
- (4) Sh. Attar Chand Seth, ... 42, Bunglow Road, Delhi.
- (5) Sh. Attar Chand Seth, For master Sumit Seth. his minor son as his natural guardian being father, 42, Bunglow
- Road, Delhi.

 (6) Smt. Asha Seth.

 42, Bunglow Road, Delhi.

 (7) Sh. Tara Chand Seth
- 24-F, Kamla Nagar, Delhi, Sh. Tara Chand Seth, For Master Ankur Seth, his minor son as his natural guardian being father, 24-F, Kamla Nagar, Delhi. (9) Smt. Geeta Seth 24-F, Kamla Nagar, Delhi.
- (10) Sh. Devi Chand Seth,
 24-F. Kamla Nagar, Delhi.
 (11) Sh. Devi Chand Seth.
- for Master Puneet Seth, his minor son as his natural guardian being father 24, Kamla Nagar, Delhi.
 (12) Smt. Anju Seth.
- 24-F, Kamla Nagar, Delhi.
 (13) Smt. Shanti Seth,
- 24-F, Kamla Nagar, Delhi. (14) Smt. Kamla Seth
- 24-Daryaganj, Delhi. (15) Sh. Suresh Chand Seth.
- 24-Daryagani, Delhi. (16) Sh . Naresh Chand Seth.
- 24-Daryaganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Vanti,
A-128, Inder Puri, New Delhi.
(2) Smt. Achla Sharma

W-129, , Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning . as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat mg. 2337 sq. ft. on the First Floor bearing No. F-6, in the Commercial Building known as 'Himalaya House', situated at 23-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 2-1-1985

(1) Mrs. Vinod Khurana, C-88, Preet Vihar, Delhi-92.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIISITION RANGE-I, NEW DEHLI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/5-84/765.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

LGF 90, Dr. Gopal Dass Bhawan, B. K. Road situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) ·M/s. A. B. Estates, 288, Surya Kiran, 19, K. Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L.G.F. No. 90, in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi, Area 168.27 Sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-12-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Sarla Aggarwal, 58, The Mall, Meerut (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Cycas Trading Pvt. Ltd., 56-A, Lake View Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIISIT!ON RANGE-I, NEW DEHLI

New Delhi, the 29th December 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/37-EE/5-84/761.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 8E, at 17, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfers
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 8E, in proposed building at 17, B.K. Road, New Delhi.

Area 750 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-12-1984

 Smt. V. Bakrathammal and 14 others, No. 28, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 28th December 1984

Ref. No. 12/May 1984/A.R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28, Dr. Alagappa Chettiar Road, situated at Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 920/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri S. Muthukaruppan and S. Palaniappan, No. 20, College Road, Madras-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 28, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

Doc. No. 920/84/Purasawalkam,

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-12-84 **Seal:**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006 Madras, the 28th December 1984

Ref. No. 43/May 84/A.R.II.—Whereas, I, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000;

and bearing No. 40, Old No. 17, Pandit Sarojini St., situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 470/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market v. Vue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perce at of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any mqueys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Mrs. P. S. Jagedeswari Ammal,
 P. S. Balasubramanian,
 Sri P. B. Rajendran,

4. P. B. Sundararaman, 5. Miss P. B. Sarneswari

Kanchana, all residing at 43, Sarojini St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) S. Rukmanibai w/o Sujanmal Jain, No. 21, Dandapani St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 40, Old No. 17, Pandit Sarojini St., T. Nagar, Madras-17 T. Nagar/Doc. No. 470/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 28th December 1984

Ref. No. 60/May 84/ARII.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 88, II Main Road, Gandhi Nagar, situated at Adyar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Advar Doc. No. 1522 81 c. May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. G. Subramaniam and others, M.103/14, 7th Avenue, Besant Nagar, Madras-600 090.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Gopikrishnan and Mrs. Kalavathy, 97, C. P. Ramaswamy Iyer Road, Alwarpet, Madras-600 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Door' No. 88, II Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-600 020. Adyar/Doc. No. 1522/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-12-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 73/May 1984/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the fucome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, and 4, Sullivan St., Santhome, Madras-4 situated at Madras-4

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore/Doc. No. 584/84 on May 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

- (1) Sri S. Srinivasan, s/o Soundararaja Iyer, 57, Kutchery Road, Mylapore, Madras-4. (Transferor)
- (2) Mr. D. Doultaram, s/o Dwarkadas, Mr. D. Hareshkumar, s/o Doulataram, Plo: No. 10, Rosary Church Road, 1st Lane, Santhome, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Nos. 3 & 4, Sullivan St., Santhome, Madras-4.

Mylapore/Doc. No. 584/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

(1) Sri P. K. Venkatachalam Pillai, s/o P. V. Kanaksabapathi Pillai, Balaclava, Coonoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 88/May 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No.

Property as specified in schedule sitated at to Doc. No. 726/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. 726/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-436GI/84

Municipal Market, Coonoor. (Transferee)

(2) Sri A. Krishna Chettiar, s/o Aruna Chettiar

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 726/84. Coonoor/Doc. No. 726/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84 Seal:

administration of the control of the FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE - INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. K. Pandurangam Pillai, Sri Kanagasabapathy Pillai, Tenti Hill, Coonoor.

(Transferor)

(2) Sri M. Raju, s/o K. N. Mahalli, Adigarathi Village, Coonoor Municipality. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

orrednijal om 14. Magar in skrivingssoksalt og kristantsproprimen med skale. Hinter i kalet 1. E. en 1444 proprime Prikkskale som Grednikklingsom i om messamskalekskalekskalekskalekskale i st. 14. km. i 14. km. i 14. km. i 14

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 89/May 84/R. II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competers Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 2150/18-0037/16 Land and buildings situated at Coonoor, Property as specified in schedule to Doc. No. 671/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Avy 1903 (16 of 1908) in the office

under the Registerion Am 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoon/Dac. No. 671/84 on May 1984 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the apriles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reco don or evamon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ജൻ ക
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 671/84. Cooncor/Doc. No. 671/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant C mmissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:

Date: 29-12-84

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 143 OF 1961)

- Land to Law I a law to the control of the control

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 90/May 84/AR. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Odanthurai Village (Land) Mettupalayam District situated at

Mettupalayam Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam/Doc. No. 939/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 at 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sri C. M. Sivaram, s/o Sri B. Madhan Singh, 41, 42, Subramaniam Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Brindavan Tea and Industries, Managing Partner B. Ramakrishnan, s/o Sri B. K. Bell an Nedugula Post, Kothagiri, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Odanthurai Village, Mettupalayam Sub Registration district, Mettupalayam Taluk. Doc No. Mettupalayam/939/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 103/May 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. "Melbourn Cottage" (Portion Now known as RTC Bldgs.,

situated at Udhagamandalam, Nilgiris

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 422/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri B. R. Premnath Rao, s/o Late B. Rama Rao, Landlord, "Melbourne Cottage", Ettins Road, Ootacamund, Nilgiris.
- (Transferor) (2) 1. Sri M. Gul Mohamed Sait, s/o Abdul Muthali of Rowther, Fruit Merchant, Appanna Cottage, Ootacamund.
 - B. Rama Gowder, s/o Bellie Gowder, Kadanad Village, Ootacamund Taluk, Nilgiris.
 Sri C. R. Vasu, S/o Raman Vegetable merchant,
 - Market, Ootacamund.
 - Sri B. Bala Gowder, s/o Bella Gowder, Kavilorai, Kadanad Village, Ootacamund Taluk, Nilgiris.
 H. L. Rajn Gowder, S/o Linga Gowder,
 - Hullathi Village, Ootacamund Taluk. The Nilgiris.
 - Sri T. A. Kamaludeen, s/o A. Abdul Rehman, Vegetable Merchant, Market, Ootacamund.
 - Smt. Parvathi Ammal w/o Late A. Shanmugham Chr. Upper Bazaar, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 'RTC Buildings' Udhagamandalam the Nilgiris. Uthagai/Doc. No. 422/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 29-12-84

and appendix and the second state of the second sec

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st January 1985

Ref. No. 78/May 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Secvtion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 350/84 and 349/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Gopichettipalayam/Doc. No. 350/84 and 349/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaidexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sakunthalai, w/o Late Sri Kulandavelappa Gounder, and her sons, Sathyasundaram, and Minors Visalakshi, Sadatchi, Koogaloor Village.

(Transferor)

(2) Sri Ramalingamurthy, \$/0 Late Sri Kulandavelappa Gounder, Puduppalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: - Property as specified in schedule to Doc. No. 350/ 84 and 349/84. Gopichettipalayam/350/84 and 349/84.

> M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-1-85

an or the firm that is a graph of the control of th

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 135/May 84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 1299/84 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Oraiyur, Doc. No. 1299/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. R. Balamani, B. 39, 1st Main Road, Ramalinganagar, Trichy. (Transferor)

(2) Sri Shenmugham, s/o N. Ponnusamy Pillai, 59, Sankaralinganar St., Turaiyur.
2. Sri R. C. Chidambaranathan, S/o R. M. T. Ramasamy Pillai, 94, Kaniyamuthur, Lalgudi District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 1299/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 144/May 84/R. II.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act's), havereason to believe that the immovable property having a fair market value averaging B 25,000. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Puduppalayam situated at Cuddalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddalore/Doc. No. 802/84 on May 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of th. Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri B. Ramabadran,

2. Sridaran, Sons of Sri Parthasarathy Iyengar,

3. Devanathan,

4. Pravaganathan, No. 39, Main Road, Puduppalayam, Cuddalore.

(Transferor)

(2) Smt. Saradambal, w/o T. V. Janakiraman, 32, Main Road, Puduppalayam, Cuddalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e^{*}45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Cuddalore, Puduppalayam. Cuddalore/Doc. No. 802/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

FORM ITNS----

(1) The City Municipal Corporation Council of Coimbatore rep. by Commissioner, City Municipal Corporation, Coimbatore.

(2) Sri S. R. P. Polluswamy Chetty Charity
Trust for Education Rep. by its Managing
Trustec—P. Murugesan, s/o
S. R. P. Ponnuswamy Chettiar,
Ramprakash, Periaswamy Road,
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 151/May 84/R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and hearing No.

and bearing No.
T.S. No. 8/105, Coimbatore Town, situated at Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2256/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforenaid property and I have reason to believe hat the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (*) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Coimbatore Town, Coimbatore T. S. No. 8/105. Coimbatore/Doc. No. 2256/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 152/May 1984/R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Coimbatore Town, R. S. Puram, situated at Sir C. V. Raman Road, Coimbatore Town, and more tully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore/Doc. No. 2231/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

65-436GI/84

(1) Sri V. S. Ramanatha Rao, s/o Late V. Sundar Rao, No. 3, C. V. Raman Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferos)

(2) Sri Kirpal Kaur Anand, w/o K. S. Anand, Ramnder Kaur Anand, w/o H. S. Anand, No. 5, Cherian Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Casette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA: of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Sir C. V. Raman Road, R. S. Puram, Coimbatore Town. T. S. No. 429/Coimbaore/Doc. No. 2231/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 156/May 84/R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income (a) un

Rs. 25.000/- and ocaring
T.S No. 12/107, D. No. 15/11D situated
at Bharathi Park Road, Te'ugupalayam Village, Coimbatore
a: Park Road, Telugupalayam Village, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been tarnsferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Coimbatore/Doc. No. 1603/84 on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri A. N. Gopalakrishnan, s/o A. S. Narayana Iyer, 63-N, Bangala Sahib Road, Diz. Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramakrishnan, s/o Late C. G. Krishnamoorthy Iyer, 13, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: D. No. 15/11 D. Bharathi Park Road, Telenguralayam Village, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 1603/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 180/May 84/R. II.-Whereas, I Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introv-

as the said Act.), having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 7, Il Cross St., CIT Colony, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 503/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sri S. Krishnaswamy, 2. Sri S. Ramachandran,

3. Sri Swaminathan,

4. Smt. Jayalakshmi 3, II Main Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Rajeev Naik, Aarathi Arcade, Dr. Radhakrishnan Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 7, II Cross St., CIT Colony, Madras-4. Madras Central/Doc. No. 503/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

Seal 1

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 162 & 163/84-85/R. II/May 84.--Whereas, I, "Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing R. S. Puram, Poonurangam Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annex over t), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis ering Officer at Coimbatore. Doc. No. 1937/84 and 1938/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fait enarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. S. Vaidyanatha Iyer, s/o T. N. Sesha Iyer, 17, East Ponnurangam Road, R. S. Puram, Combatore-2.

(Transferor)

- 1. Sri N. Ramanathan, s/o
 S. P. N. Nagappa Chettiar,
 East Logamanya St., R. S. Puram,
 - Coimbatore-2.
 2. Smt. K. V. Vasantha, w/o Sri Kumarappa Chettiar, 60, East Logamanya St., R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Coimba'ore Town. Property as specified in schedule document No. 1938/84 and 1937/84.

Coimbatore/Doc. No. 1938/94 and 1937/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-12-84

FURM HINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43-OF-1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 188/May 84/A. R. II.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 20, G. palapuram, 2nd St., Madras-86 situated at Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 540/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any attoricys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Sri S. Balasubramanyan,
 - 2. Sii S. Kajamam,
 - 3. S. Ganesii
 - 4. S. Kaman, by power agent S. Balasubramanyan and
 - 5. Mrs. Meenakshi Manian at No. 20. Gopalapuram, 2nd St., Madras-86.

(Transferor)

(2) 1. Sri P. Prabhakar, 2. Sri P. Krishnamoorthy, and P. R. Subramanian, 7, Oppdaguram.

Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 20, Gopalapuram, 2nd St., Madras-86. Madras Central/Doc. No. 540/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-12-84

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 192/May 84/R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to situated at Doc. No.

1618/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

nas been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram, 1618/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen part cent of such apparent consideration and the state of the property as aforested than fifteen part cent of such apparent consideration. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 Of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Sri T. Narayanan, s/o Sri V. Krishnan, 103, N. S. kamasamy Iyengar ko.d, K. K. Pudur, Coimbatore.
 - (Transferor)
- (2) Sri R. Vijayaraghavan, S/o Rangachari, 32/1, 6th St., Main VI Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Galette or a period of 30 days from the service of nuice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to **Doc.** No. 1618/84. Gandhipuram/Doc. No. 1618/84.

> M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II **adras-600 006

Date: 29-12-84 Seal :

(1) Smt. N. Sivagami

(Transferor)

(2) Sri A. Karthigeyan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th December 1984

Ref. No. 193/May 1984/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Compliant Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Property as specified in schedule situated at Doc. No. 1659/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), har been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Office a Gandhipuram/Doc. No. 1659/84 in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 1659/84. Gandhipuram/Doc. No. 1659/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, iamely:---

Date: 29-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS'ONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Mdaras-600 006, the 29th December 1984

Ref. No. 194/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 12/129 P.D. No. 1 situated at

Sanganoor Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Gandhipuram/Doc. No. 1695/84 in May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i sue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, iamely:—

 Sri V. K. Arumugham, s/o Sri Karudala Gounder 11, Venkatasamy Read, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. Sri Shirish D. Shah,
2. Smt Manisha S. Shah,
w/o Sri \$. D. Shah,
39/13, West Venkatasamy Road,
R S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Sanganoor Village. Gandhipuram/Doc. No. 1695/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 29-12-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-60006, the 29th December 1984

Rcf. No. 195/May 84/AR.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. No. 338/1 Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gandhipuram/Doc. No. 1713/84 in May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act. In respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the lindian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—68—436GI/84

 Smt. Kasthuri Sudbakar, w/o Sri V. Sudhakar, D. No. R 694, K\(\bar{o}\)vaipudur, Coimbatore-641 042.

(Transferor)

- (1) 1. Mr. M. Nachimuthu, s/o Sri E. P. Muthusami Mdr, Block AK 45, 11th Main Road, Anna Nagar, Madras-40.
 - Mr. V. R. Nachimuthu,
 s/o Sri Ramasamy Gounder,
 H. 104, Periyar Nagar, Erode-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Sanganoor Village, G.S. No. 388/1 Gandhipuram, Coimbatore Gandhipuram/Doc. No. 1713/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-12-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th December 1984

Ref. No. 196/May 84/R.II.-Whereas, I, Mrs. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land at Sanganoor Village situated at

Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 1710/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer? and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri A. Marudhachalam, s/o S. K. Ammasarkounder, Maniakarampalayam, Ganapathy Village, Majara, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Sri S. Krishuara, s/o R. Subramaniam, Chitha Garden, Ganarathy Post, Ganapathy Village, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: -- Sanganoor Village, Coimbatore Taluq, Gandhipura/Doc. No 1710/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition hap II Madras-600 006

Date: 29-12-1984

Scal:

(1) Sri M. Somasundaram 14/8, Sivananda Celony, No. 2 St., Combatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri P. K. Appukuttan, 89, Patel Road, Coimbatore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SION ROLF INCOMPLIAX ACQUISITION RANGE-II MAUKAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Madras-600 006, the 29th December 1984

Ref. No. 197/May 84/A.R.II.—Whereas, I. Mis. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1901) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Sanganur Village situated at Coimbatore

(and more tuny assembled in the seneaule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandinpuram/Doc. No. 1520/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and mat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the immaters and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building: 217J Sq. Ft. House site with house in Sanganur Village G.S. No. 232—Coimbatore Municipal T.S. No. 11/55/2 Site No. 50 part. Gandhipuram/ Doc. No. 1520/84.

> M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No 82/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vadakkiapalayam, Village situated at Pollachi Sub district (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 971/84 & 972/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11-of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Sri G. Nagamanickam Chettiar, 8/0 V. S. Govindarajulu Chettiar, Sri Haridas, s/o G. Nagamanickam Chettiar, 147, Theppakkulam Veedhi, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri V, N. Muthuchami, and Sri V. N. Subramaniam, ss/o Sri Narayanasa ny Gounder, Vadakkiapalayam, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Vadakkiapalayam village, Pollachi, Sub-district Pollachi/Doc. No. 971/84 and 972/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 83/May 84/A.R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 26/B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and. bearing No. Agricultural and at Deepalapathy Village situated at Udumalpet, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalaipettai/Doc. No. 1104/84, 1105/84 and 1106/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fhellitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the end Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-max Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. V. Saraswathi, w/o Late V. K. Vellaisamy Chettiar, Udulainet.

2. V. Subramaniam

3. Devendran

 V. Krishnadevaraj s/o Late V. K. Vellaisamy Chettiar, B-24, Gandhi Nagar, Udumalpet.

(Transferor)

(2) Smt. Joseph Pappaly, w/o Sri Dominic Thomas, Thomas Pappaly, s/o Dominic Thomas, Kadampuzha Heuse, Parathode Village, Kanjirappally Taluk, Kottayam, District, Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garden land—Deepalapatty village, Udumalpet Taluk, Tiru pur district.
Udumalaipettai/Doc. No.
1104 /84
1106 /84

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

Seal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADKAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 85/May 84/R. II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Gudalur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam/Doc. No. 111/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Sri R. Vengadasamy Naidu,
 s/o Sri Ramasamy Naidu,
 Gudalur Madur Thirumal Naicken Palayam,
 Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Sri S. R. Nanjundan s/o Sri S. N. Ra nasami Iver, West Ponnurangam Veedhi, R. S. Puram, Combatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Gudalur. Perianaickenpalayam/Doc. No. 1114/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 8-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 86/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and building at Kurudambalayam village

situated at Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickennalayam/Doc. No. 1022/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys for other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurnoses of the Indian Income tax. Act. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sovereign Engineers (P) Ltd., Represented by Commercial Director V. Vengadapathi, Industrial Estate, Coimbatore Pollachi Road.

(Transferor)

(2) M/s. Castings and allied Industries, By Managing Partner Sri C. Narayanasamy, s/o Sri Chinnasamy Naidu, 20. Thukkinoor St., Perianaicken Palayam SRKY (PO), Coimbatore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze.te.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kurudampalayam Village, Workshop (Castings and Allied) Bldg., Coimbatore Taluk, Perianaic-kanpalayam/Doc. No. 1022/84.

M. SAMUEL Competent Autno y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 92/May 84/R.II.—Whereas, I,
Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority
under Sect on 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
21 Ward, Darapuram Read, Tiruppur Village
situated at Palladam Taluk, Tiruppur District.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Reg's ra ion Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tirppur/Doc. No. 819/84 on May 1984
which is less than the fair market value of the aforesa'd proparty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, the respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri T. G. Manickam, s/o Sri Ga apathy Chettiar,
 Smt. Pappathiammal, w/o Sri T. G. Manickam,
 Darapuram Road, Tiruppur Town. (Transferor)
- (2) 1. Sri A. S. Palanichamy,
 s/o Sri Chinnasamy Gounder,
 2. Sri R. Nachimuthy,
 - s/o Ramasamy Gounder,
 3. Sri Samiaappan,

s/o Sri Chemalai Gounder
Partners:—M/s Canara Nitting Company
K.S.C.H. Road, Tiruppur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: — Ward No. 21, Dharapuram Road, Thiruppur Village Palladam Taluk, Thiruppurd District, Thirupur/Doc. No. 819/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madr. 3-600 006

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 94/May 84/R.II.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Land and bidg. at 17th ward, situated at

Karuvampalayam Area, Tiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tiruppur/Doc. No. 783/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moticys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—67—436GI/84

(1) Smt. Alameluammal, w/o Arunachalam, Karumpalayam, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Sri M. Kandasamy Gounder, s/o Marappa Gounder, Uppilipalayam, Karaipudur Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: Ward No. 17, Karumpalayam Area, Thiruppur Town. Thiruppur/Doc. No. 783/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 198:

Ref. No. 106/May 84/R.II.-Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 1765/84 situated at Thuyam Poondurai Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 1765/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of one liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice inder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sri Elayagounder, s/o Channappa Gounder

2. Sri Arunachalam, s/o Sri Elayagounder, Vengadachalam,

4. Smt. D. Saraswathy, w/o Sri Duraisamy. 5. Smt. Rathnam, w/o Sri Palanichamy, Nallantholu, Poondurai Gramam, Thuyam, Erode Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Krishnamurthy, s/o Sri Kuppanagounder, Smt. Thangammal, w/o Sri Krishnamurthy Chinnaya Gounder Valasu, Thuyam Poondurai Village, Erode Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thuyam Poondurai Village, Edode Taluk. Erode/Doc. No. 1765/84.

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-1-1985

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 109/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Door No. 53, Ward No. 4, Plot No. C.12, situated at T.S. No. 1007/1, Chidambaram, Kanagasabai Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 1093/84 on May 1984 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the section instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. (1) Sri S. Rajasekaran, s/o' Sri T. Sundara Reddiar, III Cross Kanagasabai Nagar, No. 53, Chidambaram.

(2) Smt. S. Deen Sai Beevi w/o Sri S. Sagabudeer Sahhib6. North Vaduga St., Chidambaram.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires la.er;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 53, Ward No. 4, Plot No. C.12, T.S. No. 1007/1, Kanagasabai Nagar, Chidambaram. Chidambaram/Doc. No. 1093/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 112/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

and bearing
No. 71A, Ward No. 4, T.S. No. 1152/3, situated at Kaspa Chidambaram Municipal Limit
(and more fully described in the schedule innexed hereto)
1:s been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 1078/84 on May 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. J. Haliur Rehman, s/o Sri Jainulabdeen Sahib, 7, Puduppallivasal St., Lalpettal. K.M. Koil Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Rabiathuladalia, w/o Sri Khader Ali Maraikayar, 3A, Chanara Mudukku Veedhi, Parangipettai, Chidambaram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:—Door No. 71A, Ward No. 4, T.S. No. 1152/3, S.P. Koil St.. Kaspa Chidambaram, Chidambaram Taluk. Chidambaram/Doc. No. 1078/84.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-1-1985

FORM NO. I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

w/o Sri Krishnamurthy, Sri Raja, M.nor Kaiyanasundaram, Minor Rajamma Devi, 119, Kila Veedhi, Chidambaram.

(Transferor)

(2) Smt. K. Kamsala, w/o Sri Kannia Naidu, No. 6, Angalamman Koil St., Chidambaram.

(1) Smt. K. Kamala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- ACQUISITION RANGE-IT MAIDRAS-600 006
- Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 113/May 84/A.R.II.—Whereas, I,

Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the noome-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bea ing No.
Door No. 119, Ward 4, Block No. 1, situated at T.S. No.34,
Kaspa Chidambaram Municipal Limit, Kizhaveedhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registraiton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 979/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in ; respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter. .

THE SCHEDULE

Land and building::—Kila Veedhi, Kiz Charagu, Door No. 119, Ward 4, Block No. 1, T.S. No. 34, Kaspa Chidambaram Limit. Chidambaram/Doc. No. 979/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 1-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Sti S. Mohd. Ibrahim, s/o Sri Shaik Mohideen Sahib. Dindivanam.

(2) Sri Sulaman, s/o Sri Abdulkadar,

Tiruchoor.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Aef. No. 115/May 84//R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) there nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Land at Avaraipakkan situated at Kalavadhi Village (and more fully escribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Avaraioakkan Doc. No. 451/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Chalavadhi Village, Avaraipakkam Sub district. Avaraipakkam/Doc. No. 451/84.

THE SCHEDULE

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection () of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Rajagopalathondaiman, s/o Snri Rajkumar Ramachandra Thondaiman, Arichy Town cantonment, Pudukotai, By Power Agent Sri Govindarajan, s/o Sri Ramasamy.

(Transferor)

(2) Sri A. Meyyappan, s/o Sri Adaikalavan Chettiar, Lakshmipuram, Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 118/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and having

25,000/- and bearing Ward No. 5, Block No. 37, situated at Pudukkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai/Doc. No. 1215/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said ne., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Syed Shahul Hameed, By Power Agent, 3/17, Harrington Road, Madras-31.

(2) Sri K. Mohammed Saleem, No. 24, Desi Colony, Madras-12.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st January 1985

Ref. No. 17/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Complicat Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Vacant land in door No. 10 Perambur High Road, situated at Madra 12 present door No. 15,

Jamalia Nagar, Madras-12

(and more runy described in the Schedule annexedd hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawall am/Doc. No. 745/84.

on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Door No. 15, Jamalia Nagar, Madras-12 Purasawalkam/Doc. No. 745/84.

M SAMUEI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Ra ge-I Madras-600 00

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 30/May 84/R.II.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 348/2 of KDM Village Plot No. 11 situated at Kodambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1130/84, 1130/84 1132/84 on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-68-436G/I84

(1) 1. Sri M. K. Mathivathanan, 15, East Johes Road, Madras-600 015. 2. Smt. Karpagammal, 115, Lake View Road,

Madras-600 033.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Amakalanjiyam, 15, East Jones Road, Madras-600 015.

 Mrs. K. Sundarammal, 15, East Jones Road, Madras-600 015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in............ able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are dened in Chapter XXA of the said said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land in extent 6 grounds and 135 sq. ft. situated in No. 111, Kodambakkam Village, Madras, comprised in S. No. 152/1 B 4 5A part. Kodambakkam/Doc. No. 1130/84, 1131/84 and 1132/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-1-1985 Seal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 39/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/2, and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Block undivided interest in 5 grounds 1200 sq. ft bearing door No. 80, situated at Nungambakkam High Road,
Madras-34

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 216/84 and 217/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Poonam Enterprises, 834, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Mallika Nair,
 w/o Mr. G. V. K. Nair,
 4-C, Flat No. 31,
 Varsova View Cooperation Society,
 Andhery West, Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imr able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Block Undivided interest in 5 grounds and 1200 sq. ft. Door No. 80, Nungambakkam High Road, Madras-34. Thousandlights/Doc. No. 216/84 and 217/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADRAS-600 006

Madras-600 006,the 7th January 1985

Ref. No. 46/May 84/R.II.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 28, Coats Road, Madras-17 situated at
T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
T. Nagar/Doc. No. 496/84 on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. R. Ramachandran, Sri I. R. Relliachandran, s/o Sri Rangarao, Rep. by Power of Attorney Sri S. Jayaram, No. 28, Coats Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Bala Viswanathan,22, Venkataraman St.,T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: -28, Coats Road, T. Nagar, Madras-17 (2 grounds) T. Nagar/Doc. No. 496/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri A. D. Vasudevan (Power Agent) S/o Shri A. D. Raghavachari, R/o 16, Mylai Ranganathan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri N. Venkataraman S/o Late Shri Narayana Iyer, R/o No. 14, Chandrasekaran St., R. A. Puram, Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 48/May 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 7, Sivasailam St., situated at T. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 510/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land—Door No. 7, Sivasailam St., T. NAGAR, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 510/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 49/May 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Door No. 7, Sivasailam St., T. Nagar situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 511/84 in May, 1984

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 511/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri A. D. Vasudevan S/o Shri A. D. Raghavachari, Power of Attorney Agent, R/o 16, Mylai Ranganathan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Maheswari Krishnan W/o Shri K. V. Krishnan, R/o Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land :--Door No. 7, Sivasailam St., T. Nagar Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 511/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-1-1985.

(1) 1. Sri B. Usman Kutty, 2. Sri K. Ayeesa, R/o Old No. 118-C, New No. 589, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) 1. Sri Panchatcharam, 2. Sri Satacharam, 3. Sri Ruthuratcharam, R/o

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 51/May 84/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 112, Jameen Mambalam, Guindy-Mambalam Taluk T. S. No. 14, Block No. 11, T. S. No. 1730 and 1740 situated at

T. Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 533/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

No. 115, Lake St., Madras-33.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—No. 112, Jameen Mambalam, Guindy Mambalam Taluk, T. S. No. 14, Block No. 11, T. S. No. 1730 and 1740.

T. Nagar/Doc. No. 533/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-1-1985 Sehi :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 55/May 84/R.II.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and hearing

as the said Act), have leason to believe that the himmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 5, T.S. No. 14, situated at Land at Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 1340/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri D. Silvakamath, R/o
 No. 19, Prassana,
 29/31, Nestil Road, Bombay-10.

(Transferor)

Sri O. Palaniappan and
 Sri P. Dhamotharan, R/o
 Sankaran Road, Thiruchenkodu,
 Salem Dist

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Adyar. T. S. No. 14/2, Block No. 5. Adyar/Doc. No. 1340/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 57/May 84/R.II.--Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Vacant Land measuring 3 acres and 66 cents situated at Sholinganallur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 1317/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. M. Rajam Ammal,

2. M. Meenakshi,

3. M. Ramasamy

M. John Lakshmi,
 M. H. Iqbal,
 P. Vasan, R/o No. 50, Bazulla Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Mill Mour Engineering P. Ltd., 144, Greams Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in 189, Sholinganallur Village, Adyar/Doc. No. 1317/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date: 7-1-1985.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 62/May 84/R.II.—Wher MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Kasturba Nagar, Adyar, Madras, Door No. 64, Plot No. 123E, Kottur Village, Kasturbanagar situated at Adyar, Madras.

(and more fully described in the chedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 1476/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—436GI/84

(1) Sri H. S. Rajagopal Rao, R/o 64, III Main Road, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. Santhi Balaraman, R/o Flat No. 23, State Bank Colony, First Main Road, C.I.T. Colony, Madras-600 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Door No. 64, Plot No. 123E, Kottur Village, S. No. 19/1 and 18 (pt) T. S. No. 61 of Bk. 38, Kasturba Nagar, Adyar, Madras.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Daté: 5-1-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 69/May 84/R.II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 1, Roasary Church Road, 1st Lane, also known as Muthugramani St., Mylapore situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 615/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per vis, namely:—

(1) Sri C. S. Kanakaraj, R/o 146, Savie House, Madala, Bombay-31, now come down to Madras.

(Transferor)

(2) Sri V. N. Thangappan alias Thomas, R/o 154, Usman Road, T. Nagar, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other per on interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Plot No. 1, Roasary Church Road, 1st Lane, also known as Muthugramani St., Mylapore, Madras-4.
Mylapore/Doc. No. 615/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1985

Ref. No. 71/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

New No. 5, III Main Road situated at R. A. Puram, Madras-2R

Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 596/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid oversely the apparent consideration the property as aforesaid oversely the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid oversely the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid oversely the apparent consideration that the fair market value of the property as aforesaid oversely the property as aforesaid oversely the property as aforesaid oversely the property as a foresaid the property as a foresaid oversely the property as a foresaid the property as a fores said exceeds the apparent consideration therefore by more that fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri R. Krishnamurthy, No. 5, III Main Road, R. A. Puram. Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s. Madhan and Co., Rep. R. R. Nadham, 142, ASNA SALAI, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia' Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:-5, III Main Road, R. A. Puram, Madras-28. Doc. No. 596/84/Mylapore.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 75/May 84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

27, Big St., Triplicane, Madras situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Triplicane/Doc. No. 297/84 in May, 1984 Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S.Shri/Smt.Kum.

- C. Rayindra Babu alias C. Ravi,
 C. Chakravarthy,
- 3. C. Ramesh,

- 5. Mrs. C. Devaki,
 5. Mrs. Srirangini,
 6. C. Yamuna,
 7. C. Prasana Lakshini,
 8. C. Balakrishnan, R/0
- No. 24, Big St., Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Sri S. Mustafa, R/o 42-C, Akbar Shahib St., Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wraing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 27, Big St., Triplicane, Madras-5, Triplicane/Doc. No. 297/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1984

Ref. No. 177/May 84/R.II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
R. S. No. 1562 of Vannia Teynampet, Door No. 14, Poes
Road, III St. smated at Madras-18
(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 485/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri N. Rangarajan and others, R/c 9, Venkatraman St., Madras-600 028.

(Transferor)

(2) Smt. Salatchy Ammal and others, R/o 28 'J' Block, Annanagar, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—R. S. No. 1562 of Vannia Teynampet, Door No. 14, Poes Road, III St., Madras-18.

Madras Central/Doc. No. 485/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. S. A. Basheera, R/o

(Transferor)

(2) Mrs. G. Kanchana, R/o 26, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.

31, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1984

Ref. No. 181/May 84/R.II.-Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Appadurai Road, Teynampet situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras Central/Doc. No. 512/84 in May, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: -- Door No. 5, Appadurai Road, Teynampet, Madras.
Madras Central/Doc. No. 512/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1985.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Kamala and others, R/o 2, Cathedral Garden Lane,

Madras-600 034.

(Transferor)

(2) Smt. Rosilin Mary Pushpam, R/o 154, Usman Road, Madras-600 017.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 182/May 84/R.II.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1 and bearing S. No. 126/1—8 acres, S. No. 127—10.02 acres situated at Pandur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras Central/513/84 in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. No. 126/1-8 acres, S. No. 127--10.02 acres of Pandus Village Doc. No. 513/84/Madras Central.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date :: 7-1-1985.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The control of the co

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 184/May \$4/R.11.—Whereas I,

Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 23. Old Plot No. 3. Dr. Subbarayan Nagar situated at Vth St., Madras-600 027

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras Central/Doc. No. 517/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the i market value of the aforesaid property and I have reason w believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax—Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri T. R. Jayaraman, R/o No. 57, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri G. B. Eswaran, R/o 27, Thak St., T. Nagar, Madras-17

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIEDULE

Land and building: Door No. 23, Plot No. 3, Dr. Subbarayan Nagar, Vth Street, Madras-600 027, Madras Central/Doc. No. 517/84

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 200/May 84/R. II.—Whereas I, Mrs. M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15, 4th Main Road, Indira Nagar situated at Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og 1908) in the cffice of the Registering Officer at Saidape tH./Doc. No. 468/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—70—436 GI/84

(1) Sri N. S. Sharma S/o Sri S. K. Sharma, R/o Door No. 15, 4th Main Road, Indira Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri K. M. Khader Mohideen S/o Sri K. M. Mohideen, R/o 455-W, 3rd Avenue-Indira Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land and building:—No. 15, 4th Main Road, Indira Nagar, Madras-20.
Saidapet II/Doc. No. 468/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 209/May 84/R II.—Whereas I, Mrs. M. SAMULL, being the competent authority under section 269B of the Incorre-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24, Mylai Ranganathan St. situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration (1908) in the office of the Registration (1908). 1908) in the office of the Registering Officer T. Nagar/Doc. No. 657/84 in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/~
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. S/Shri Sri M. V. Venkatakrishnan, R/o No. 75, North Street, Tirukoilur, T.N. 2. M. V. Ranga Bashyam,

Power of Attorney Agent No. 7, R/o Sarakki Main Road, Bangalore.

3. Lakshmi Ethira, R/o No. 551, Annanagar, Mds.-101.

4. Kanakavalli, R/o N. 6-3-4-Prem Nagar, Banjara Hills, 5. Sarojini, R/o No. 3-485/6, Lingapalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri P. V. Bhaskara Reddy,
2. P. Himagirya, R/o
No. 45, Dr. B. N. Reddy Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building: T. S. No. 6373, D. No. 7 (Old) New 24. Mylai Ranganathan St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 657/84.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reons, namiv:-

Date: 7-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 211/May 84/R.II.—Whereas I,
Mrs. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 2A, in R. S. No. 103/6, 103/7, 7 coats Road
situated at T. NAGAR, Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og
1908) in the office of the Registering Officer at
T. Nagar/Doc. No. 810/84 in May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fleen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. V. Yakkurdi, R/o A.1-56, Shanthi Colony, Annanagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri M. Ananda Mohana Rao and M. Kamakshi, R/o 7, Coats Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2A—(II floor), in 7 Coats Road, T. Nagar, Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 810/84.

Mrs. M. S
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th January 1985

Ref. No. 213/May 84/R.II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Vijayaraghavachari Road situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og 1908) in the office of the Registering T. Nagar/Doc. No. 860/84 in May, 1984 Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri D. Uday Kumar, R/o 1, Lynwood Avenue, Madras-34.

(Transferor)

(2) Andhra Civil Construction, No. 1, First Cross St., Vijayaraghava Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: -- 5, Vijayaraghavachari Road. T. Nagar, Madras-17. T.Nagar/Doc. No. 860/84.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-1-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1985

Ref. No. 42/May 84/R.II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. Nos. 218, 219, 220, 221, 222, 230, 232, 231, 233, 234/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. Nos. 218, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) 1. S/Shri/Smt./Kum. Nawabzada Shafiq Mohd. Khan,

 - rep. by Power of Attorney
 Nawab Ali Khan,
 2. Nawab Ali Khan S/o
 Nawabzada Sherief Mohd. Khan;
 3. Nawabzada Sherief Mohd. Khan rep. by Power of attorney agent Nawab Ali Khan,
 - 4. Nawabzada Rafiq Mohd. Khan, rep. by Power of Attorney, Nawab Ali Khan,
 - 5. Nawabzada Khursheed Mohd. Khan S/o Nawabzada Sherif Mohd. Khan, Nawabzada Sherill Mond. Khan,
 by Power Agent,
 Nawab Ali Khan,
 6. Nawab Zada Shafiq Mohd. Khan S/o
 Nawab Zada Sherief Mohd. Khan,
 7. Nawabzada Sherief Mohd. S/o
 Late Nawab Abdul Rahim Khan Sahib of Pathar,
 8. Nawabzada Khursheed Mohd. Khan S/o
 Nawabzada Sherief Md. Khan,
 9. Nawab Ali Khan S/o

 - 9. Nawab Ali Khan S/o Nawabzada Sherief Mohd. Khan, 10. Nawabzada Rafiq Mohd. Khan S/o Nawab Zada Sherief Mohd. Khan R/o No. 5, Vellyan Road, Kotturpuram, Madras-600 085.

(Transferor)

(2) M/s. Subbu Real Estate By Partners: 17, B. N. Road, T. NAGAR, Madras-17 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land: Property as specified in schedule to Doc. Nos. 218, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234/84. Thousandlights /

> MRS. M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-1-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

C. R. No. 62/44198/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. 572, II Block situated at Matadahalli, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 og
1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar under Document No. 452/84-85 on 11-5-1984
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. C. T. Kushalappa, Garagandoor Village and Post, Madapur-572 151.

(Transferor)

(2) Shrimati Gulabi Devi Garg, Mr. Lokram Garg, r/o No. 84A, I floor, I Cross, I Main Gayathridevi park Extn., Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter WXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 452/84-85 Dated 11-5-84] Site No. 572, II Block, Matadahalli Extension, Ravindranath Tagore Extn., Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

R. No. 62/43249/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 108/1, situated at Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under Document No. 361/84-85 on 4-5-1984 for an apparent onsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Rajalaxshmi Narayan, No. 95, XI Cross Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhagirathi Bai No. 39/5, V Cross, Swimming Pool Extension. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 361/84-85 Dated 4-5-84] Property No. 108/1, East Park Road, Malleswaram, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 27-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C. R. No. 62/44199/84-85/ACQ/B.—Whereas, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Communications of the Communication of R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 131 (old No. 51, 51-A, 51-K), situated at Veerapillai Street, Divn. No. 54, New No. 68, Civil Station, Bangalore-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Shivajinagar on May 1984 Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. N. Thandaya Murthy,
Narendra Kumar,
Shashi Rekha &
Vasanth Kumar
by their GPA holder Sri G. Sundar Rajan,
No. 70, R. K. Mutt Road,
Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferor)

 Janab M. K. Yousuff Saheb, o. 20, Dispensary Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 418/84-85 dated May, 84] Premises old No. 51, 51-A, 51-K, New No. 131, situated at Veetapillai Street, Division No. 54, New No. 68, Civit Station, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-12-84. Seal : 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

SIONER OF INCOME-TAX

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C. R. No. 62/43728/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1071 West of Chord Road situated at II Stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 1954/84-85 on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—
71—436GI/84

(1) Mr. H. Mahalinga Gowda, No. 1017 I Main Road, Vijayanagar, Bangalore-40.

(Transferor)

(2) Geeta Phelomena D'cosa, No. 7/1, 6th Cross, Subedarpalya, Yeshwanthapur Post Bangalore-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1954/84-85 dated 6-8-84] Property No. 1071 West of Chord Road II Stage, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C. R. No. 62/44408/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

S.D. 2 Service Industrial Layout situated at West of Chord Road II Stage Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 2791/84-85 on Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Mr. C. M. Devaiah, No. 48, 11th 'A' Cross, J.P. Nagar, Bangalore.

(Transferor)

 Mr. K. Anjana Reddy, Gigala Village, Attibela Hobli, Anekal Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2791/84-85 dated Aug 84] Property No. S.D. 2 Service Industrial Layout wewst of Chord Road, II Stage, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 006, the 21st December 1984

C. R. No. 62/43699/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range. Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

711, situated at HAL II stage, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Abbaiah Reddy, old Byapanahalli, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Tq. Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Amaravathi, No. 3370, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1365/84-85 dated 6-8-84] Vacant site bearing No. 711, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-12-84 Seal:

Mrs. Beefathima,
 P. A. holder Mr. S. Idinabha
 Urhi, 'Mubarak Mahal',
 Kaunur, Mangalore Taluk.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th December 1984

C.R. No. 62/43338/84-85/ACQB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Sy. 1/18 situated at Kopatti village, Bagamandalanad, Kodagu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office Merwara on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Periyar & Pereekannı Rubbers Ltd., Palai Kottayam Dist. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 392/84-85 dated 11-6-84] Plantation land Sy. No. 1/18 of Kopatti village, Baganandalanad, Kodagu.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-12 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th December 1984

C.R. No. 62/45000/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing No.

and bearing No. RS. 908/2, TS. No. 580/2B, situated at Attavar vilage, Falvir ward of the Mangalore city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Percy Emmanuel Britto, Retired Supdt. of Central Excise, No. 13, Maigwidadeva, Mudaliar Road, Fraser Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) B. Ravindra, Britto Lane, Faluir, Mangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 405/84-85 dated 20-6-84] Property bearing No. RS 908/2, TS. No. 580/2B, situated at Attawar village, Faluir ward of the Mangalore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st December 1984

C.R. No. 62/43578/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 862, situated at HAL II stage Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimathi S, Achuthan, No. 13/2, Standage Road, Frazer Town, Bangalore-5.
- Transferor(s)
- (2) Shri M. Radhakrishnan, No. 15/7A, Cambridge Road, Bangalore-8.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1072/84-85 dated July, 1984] Property bearing No. 862, situated at HAL II Stage Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 21-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. M. C. Shanthamurthy, 74 Upstairs II Main Road, Vyalikaval, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Mr. G. Karunakar, 587, 5th Main Road, Vyalikaval, Bangalore-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

C.R. No. 62/44196/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at Gangenahali, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar with the competent authority under section 269AB, in his office at Gandhinagar under Document No. 407/84-85 on 9-5-1984

under Document No. 407/84-85 on 9-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 407/84-85 dated 9-5-84] S. K. No. 15, situated at Gangenahalli, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

C.R. No. 62/44190/S4-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 37:8, situated at Banashankari III Stage, Avalahalli, 24th Divn., Bangalore has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. Hanumappa Patel, Avalahalli, Uttarhalli Hebli, Bangalore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri H. Hemantha Kumar (mmor) repd. by Sri C. H. Dhananjaya, Vaderahalli, Venkatarayanadoddi Post, Sathanur Hobli, Kanakapura Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 407/84-85 dated 8-5-84]

Property bearing No. 37:8, situated at Banashankari III stage, Avalahalli, 24th Division, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st December 1984

C.R. No. 62/43369/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8/2 situated at Clarke Road, Richards Town, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 634/84-85 on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—436GI/84

 Mr. R. Krishnaswami, No. 8/2, Clarke Road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Mr. M. A. Fernandes, Mrs. M. P. Fernandes, No. 80, Mosque Road Cross, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 634/84-85 dated 1-6-84] Property No. 8/2, Clarke Road, Richards Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-

Date: 21-12-84

Seal '.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

C.R. No. 62/44212/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1 R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
649 VI Block situated at Koramangala Extension, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bangalore under Document No. 1087/84-85 on 21-5-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secvition 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Dharmalingam. S/o K. Narayanaswami, 6 12th Main 14th Cross, Lakkasandra, Bangalore-30.

(Transferor)

(2) Mr. S. N. Ankone Reddy, S/o Mr. S. R. Narayana Reddy, 27, Koramangala, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1087/84-85 dated 21-5-84]

Site No. 649 situated at VI Block Koramangala Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

C.R. No. 62/43268/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 301, New No. 25 situated at Rajmahal Vilas Extension, Papagoles

Bangalore

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under Document No. 781/84-85 on 31-5-84 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) (1) Mrs. H. R. Jayalakshmamma, w/o Late Mr. N. Shivappa,

S. Ramesh,

N. S. Shashikara.

(3) N. S. Shashikara.
(4) N. S. Sumangala.
(5) N. S. Suresh kumar Minors repts by their mother
(6) N. S. Dakshayini
(7) N. S. Purushotham.
(8) N. S. Nagavini
(9) N. S. Savitha
10) N. S. Sahana and
11) N. S. Siddartha (8-11)
Minors repts by their mother Mrs. H. P. Minors repts by their mother Mrs. H. R. Jayalakshmamma,

C/o C. Ramakrishna No. 6 Ist Cross

II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Mr. H. N. Muddaiah, S/o Nanjegowda, Metal Merchant No. 424 Ashoka Road, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 781/84-85 Dated 314-84]

Site No. 301 New No. 25 situated at 13th Main Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C.R. No. 62/43898/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalcre being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

63, situated at I Block, Karamangala Extension Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the citice of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri C. Narasimhulu Chetty, No. 149/22, III Main Road, I Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Beena Sampath, No. 287, I Main, Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3353/84-85 dated 31-8-84] Vacant site No. 63, situated at I Block, Koramangala Exten., Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C.R. No. 62/43300/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 43/1, situated at Madhavaraya Mudaliar Street, Divn. No. 48, New 84, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Uma Shanmuga Sundaram, Nandini, Vignesh, Vijayalakshmi, Shalini—by attorney No. 1, No. 147, Poonamalli High Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) K. Akbar Basha & Hasmat Bi, No. 16, Kuppuswamy Naidu Street, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 581/84-85 dated 26-5-84] Residential premises No. 43/1, situated at Madhavaraya Mudaliar Street, Division No. 48, now 84, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-84

AND THE THE PROPERTY OF THE PR

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th December 1984

C.R. No. 62/43271/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

45, open space above the V floor) sotuated at Race Course Road, Bangalore-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- The Gwalior Rayon Silk Ffg. (wvg.) Co. Ltd., having its Bangalore office at Industry House, 45, Race Course Road, Bangalore-1, repd. by its Sr. Ex. President Sri B. N. Puranmalka. (Transferor
- (2) M/s Bharat Chemical Agency,
 Asian bldg., II floor, Ramji Bhai Kamani Marg,
 Ballard Estate, Bombay-38,
 repd. by its pr. Shravan Kumar Mandelia.
 offices of
 - Mysore Cements Ltd.,
 Harihar Polyfibres,
 - (3) K. R. Mills Ltd.,(4) Hindustan Aluminium Co. & others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 491/84-85 dated 15-5-84] Open space above the V floor bearing Corpn. No. 45, situated at Race Course Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-12-84

Scal:

Gandhinagar on May 1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd December 1984

C.R. No. 62/44217/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 7 in Sy. No. 107, situated at Kayam Gutha Byadara-nalli, corresponding to premises No. 45/1, Nandidurg Road, layamahal Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimathi P. Kalawathi, No. 109, Wheeler Road, Frazer Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shrimathi Karima Bai, No. 30, Hutchins Road, Cox Town, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 724/84-85 dated May 84] House site bearing plot No. 7 in Survey No. 107, situated at Kayam Gutha Byadarahalli, corresponding to premises No. 45/1, Nandidurg Road, Jayamahal extension, Division No. 46, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-12-1984

The Management of the Community of the C

FORM ITNS-

a apparatus teng. Apparatus at an anti-apparatus at

(1) Shri Palani, No. F-44, Bramhapura, Bangalore-21.

(2) Shri V. Ramaiah, No. 3, IX Cross,

Cubboupet, Bangalore-2.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th December 1984

C.R. No. 62/44203/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

120, situated at BMLA, HBCS Ltd., II Stage Hosahalli Extn.,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampurau on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 137 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 590/84-85 dated 21-5-84] Site No. 120, situated at BMLA, HBCS. Ltd., II Stage Hosahally Extn., Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of tthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 19-12-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th December 1984

C.R. No. 62/43299/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

44 (old No. 27), 'situated at M. M. Road, Frazer Town, Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
73—436GI/84

 Shrimati V. Radha Bai, No. 294, K. Kamaraj Road, Bangalore-42.
 Mr. V. S. Lakshman, No. 6, VI Street, K. Kamaraj Road Cross, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) P. Abdullah Batha, No. 4, 'E' V Street, Dharmaraja Koil Street. Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 555/84-85 dated 24-5-84] Property bearing No. 44 (old No. 27), situated at M. M. Road, Frazer Town. Division No. 48, Bangalore-5.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th December 1984

C.R. No. 62/44165/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inrome-Tax. Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. 33, situated at I 'A' Cross. J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi or 19-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. Janardhana Setty, No. 53, I Cross, Sudhamanagar, Bangalore-27.

(Transferor)

 Shiimathi Papanma @ Lakshamma, No. 2, Kalappa Block, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 'SCHEDULE

[Registered Document No. 560/84-85 dated 19-5-84] Site No. 33, situated at I 'A' Cross, J. C. Road, Bangalorc.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. N. Ramachandian, No. 1109, Geetha Road, Chamarajapuram, Mysore-4.

(Transferor)

(2) Shrimathi R. Shautha, No. 75/1, I Cross, Nagappa Block, Bangalore-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th December 1984

C.R. No. 62/44201/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 86, situated at Gokul I Stage, I phase, Bangalore-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 9-5-1984

rajajinagar on 9-3-1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 653/84-85 dated 9-5-84] Site No. 86, situated at Gokul I Stage, I phase, Bangalore-54.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-12-84

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mrs. Dolphin Heri, Baluatta, M'lore,

(Transferor)

(2) Shalini Devadatta, Baluatta, M'lore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th December 1984

C.R. No. 62/45002/84-85/ACQ/B. Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

RS. 35, TS. No. 32, situated at
Attavar village, M'lore Faluk
(and morefully described in the Schedule annexed hereto),
bas been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at M'lore on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabinry of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 353/84-85 dated 11-6-1984) Property bearing No. RS. 35, TS No. 132, situated at Aitawar village of M'lore Taluk.

> R. BHARDWAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 15-12-84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 19th December 1984

C.R. No. 62/44294/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and

bearing No. 7, situated at I stage. Koramangala Extn.,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at B'lore South Tq. on 3-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. K. Joseph, No. 9/2, Swasthi Road Cross, Shanthinagar, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shii C. B. Ayappa, Kartha, HUF No. 15/2, Haudin Road, B'lore-42.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1466/84-85 dated 3-6-84) Site No. 7, situated at I stage, Koramanagala Extn., Bangalore.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-12-84

4242

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. G. Shamauna, No. 36, VIII Cross. I Block, Jayanagar, B'lore-II.

B'lore-69.

IX Block, Jayanagar,

(2) Shri S. Ramakrishna, No. 38, East End 'C' Main, (Transferor)

[PART III-SEC.]

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 19th December 1984.

C.R. No. 62/44291/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 414, situated at Sanakki III phase Extn. B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of Registering Officer at Bangalore on 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2048/84-85 dated 15-6-1984) Site No. 414, situated at Sarakki III phase Extn., B'lore.

R. BHARDWAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date: 19-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 19th December 1984

C.R. No. 62/44292/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Sy. 126 2, situated at Horamava village, Krishnarajapara Hobli, B'lore South

Talok (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at B'lore South Tq. on 7-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ankamma, 2. Venkataramana Reddy Babusahebana Pahya, Village, K. R. Puram Hobli, B'lore South Tq. (Transferor)
- (2) B. N. Kamalanabha Reddy, Kammanabhali Village, Thamas Town Post, B'Iore-84.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1809/84-85 dated 7-6-84)
Property bearing Sy. No. 126:2, situated at Horamavni village, Krishnarajapuram Hobli, B'lore South Taluk.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-12-84

[PART III -SEC. I

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

No. 28, Krishnasingh Street, Ulsoorpet, Blore,

(Transferor) (2) Shii K. B. Kenchappa & K. T. Stinivasa,

No. 18, VI Main 'oad. Maruthi Layout, Blore-21.

(1) Smt. Borama, N. Piakash, Smt. Satvavathi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 27th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43277/84-85/ACQB.—Whereas, I R. **BHARDWAJ**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Kavadi Ravanna Shettypet, Andanappa Street, B'lore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 638/84-85 dated 17-5-84) Property bearing No. 16, situated at Kavadi Revanna Shettypet. Andanappa Street. Division No. 41, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 27-12-84

(1) Mrs. Ananda Yogonder 2. Mrs. Joshna 3. Mr. Y. Gopinath 4. Miss. Brinda-No. 23, Castle Street Ashokanagar, B'lore-25. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF-1961)

(2) Smt. Suraiya Inayathulla, No. 3, Hayes road, B'lore-25. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-506 001, the 26th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43305/84-85/ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Lindon Street, Austin Town, B'lore-47 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 625/84-85 dated 31-5-84) Premises No. 41, situated at Lindon Street, Austin Town, Bangalore-47.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:--74-436GI/84

Date: 26-12-84

(1) Shr₁ Finelon Rebello and Mrs. Albertina Rebello Rosara" Rua A.V. Lourenco., P.O. Box No. 103, Margao, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Simon Dennis Pereira & Mrs. Pedrinha
Antoneta Pereira, House No. 179 Near Railway
Level Crossing, Cansautim, Salete, Goa.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIGNER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

Bangalore-560 001, 3rd December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/R-1143/84-85/ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 20 situated at Margao Town, Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

at Bangalore under Document No. 954/84-85 on 28-5-84

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 954/84-85 dated 28-5-84)
Plot No. 20, "Aforamento Gogola" Margao Town, Salcete,

R. BHARDWAJ

. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely):—

Date: 3-12-84

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, 3rd December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/2-1150/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
Flat No. S. 3 situated at Gogol, Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bangalore under Registration No. 959/84-85 on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manely :--

- (1) Mr. Gabriel S. Rodrigues & Mrs. Deanna V. Rodrigues, Bentix Building, 1 floor, Magne, Goa. (Transferor)
- (2) Mr. Bhagwant Gulab Chand Kevi Abade Faria Road, Margao, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 959/84 85 dated 28-5-1984) Flat No. S. 3 "Santimano Mansion" situated at Gogol, Margao, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, 3rd December 1984

Fef No C.R. No. 62|R-1148/84-85/ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 30, situated at Margao Town, Salcote, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bangalore under Document No. 957/84-85 on 29-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fenelon Rebello & Mrs. Albertina Rebello "Rosara" Rua A. V. Loutenco., P.O. Box, No. 103 Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Carlos Conceicao & Mrs. Wendy Aguiar Conceicao Matodi, Chandor, Salcete, Goa...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said increase ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 957/84-85 dated 29-5-84)

Plot No. 30, "Aformento Gogola" Margao Town, Salcete, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-12-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-1172/83-84/ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Fiat No. 3, situated at Baina, Vasco-da-Gama (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 969/84-85 on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a great to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the safer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. F. Builders, Jaf House No. 4 Fr. Joseph, Vaz Road, Vascoda Gama (Goa) 403802.

(Transferor)

(2) Mrs. Rosy D'souza, C/o House No. 212, Behind School Divar, Piedade, Khas, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned:—

- .(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 969/84-85 dated 28-5-1984) Flat No. 3 I floor 'B' Wing Baina, Vas-co-da-Gama (Goa) 403802.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. G. F. Builders, PAF House No. 4 Fr. Joseph Vaz Road, Vascode Gama (Goa) 403802.

(Transferor)

(2) Mr. Saniav Bapu Arolkar, Cantem, Baina, Vascoda-Gama, Goa-403802. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1984

C.R. No. 62/R-1173/84-85/ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 5 situated at Vasco Municipal Council, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 970/84-85 on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 970/84-85 dated 28-5-841 Shop premises No. 5 Ground 'floor 'B' Wing Baina, Voscoda Gama.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1984

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1984

C.R. No. 62/R-1174/84-85./ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing
No. 11 situated at Vasco Municipal Council, Margao (Sub-Dist) Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Office at Bangalore under Document No. 971/84-85 on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. G. F. Builders, JAF House No. 4 Fr. Joseph Vaz Road, Vascodagama Goa 403802.

(Transferor)

(2) Ulhas Bapu Arokar, Cantem, Vascoda Gama (Goa), 403802.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 971/84-85 dated 28-5-84] Shop No. 11, Ground floor, 'B' Wing "Mixto Borchy Tolloi" Vasco Municipal Council, Taluka and Sub Dist of Mormugao Dist. of Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

C. R. No. 62/R-1188/84-85/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G-6, situated at "Agvada Holiday Homes" Candolim Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 983/84-85 on 28-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. S. G. Lobo, Mrs. I. Lobo, Mr. F. C. Lobo and Mr. N. W. Lobo, Near Railway Station, Cansanlim Sale

Near Railway Station, Cansanlim Salcete, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 983/84-85 dated 28-5-1984]
Flat No. G. 6 at "Agvada Holiday Homes" Candolim Village Homes at Candolim, Bardez, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Alcon Constructions, Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Luis Gomes Pereira and Mrs. Sandra Lizze Gomes Pereira, Maina Currorim, Salcete, Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st December 1984

C. R. No. 62/R-1 126/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-1 situated at Borda, Margao, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1101/84-85 on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—75—436GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days f om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1101/84-85 dated 1-5-84] Flat No. A-1, "Las Palmas Apartments" Borda, Margao.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Santosh Constructions. C.uz Mansion, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Maria Concicas Fernandez, Bernard D'costa Road, H. No. 71, Margao, Goa.

(Transferee)

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st December 1984.

C.R. No. 62/R-1127/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Connetent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000]- and bearing

Flat No. 5.1 situated at Fatorda, Margoo,

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the competent Authority at

Bangalor under Registration No. 1100/84-85 on 1-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I pereby initiate proceedings for the acquisition of the alteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1100/84-85 dated 21-12-1984] Flat No. S.1 on 2nd floor, Building E' of Neolite Housing Complex., Near P.W.D. Fatorda, Margao.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income ax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th December 1984

C. R. No. 62/R-1197/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. БНАКОWAJ,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herenatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and pearing

Sho, No. 4, situated at Near Maruti Temple Mapusa, Goa, has been disnocurred

and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bangalore under Registration No. 988/84-85 on 29-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration (h.) I i by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agried to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

 Mr. Ashok Manjunath Manderkar, Mrs. Snubanji Ashok Mandrekar, Mandrem Pernem, Goa.

(Transferor)

(2) Kum. Leena P. P. Verlekar, Duler Hill Road, Altinho, Mapusa, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

iRegistered Document No. 988/84-85 dated 29-5-1984]. Shop No. 4 "Shiv-Sagar Apartments" Near Maruti Temple, Mapusa, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Seal:

Date: 26-12-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Cyma Exports Private Limited. 135, D. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st December 1984

C. R. No. 62/R-1169/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8, situated at 21 Grant Road Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bangalore under Registration No. 968/84-85 on 29-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(2) Mr. Dharmendra Jaswantlal, Club Road, Dhrangadhra, (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 I floor, Rajnigandha, No. 21, Grant Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st Deiember 1984

C. R. No. 62/R-1124/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding ks. 25,000/- and bearing

Flat No. A/4 situated at New Vaddem Vasco-da Gama (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bangalore under Registration No. 1103/84-85 Dated 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rukmini Constructions, Sridhar Building, Room No. 4, I floor, Vasco-da-Gama, Goa-403802.

(Transferor)

(?) Mr. Clinton Joseph Correa, Reptd. by Attorney M s. Esme H. D'souza, C/o. Mr. V. M. D'souza, 104, Mohidin Building, Vaddem, Vascoda-Gama, Goa-403802.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—T
a
A

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1103/84-85 dated 2-5-1984] Flat No. A/4, Block, 'A' "Truph Apartments" New Vaddem, Vasco-da-Gama, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-12-1984

(1) M/s. Alcon Constructions. Velho Building, Panaji Goa.

(2) Mr. Luis Gomes Pereira,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALURE-560 001

Bangalore, the 21st Deiember 1984

C. R. No. 62/R-1125/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A/2 situated at Borda, Margao,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Insome-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at

Bangatole under Registration No. 1102/84-85 on 2-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferee)

Mrs. Sand a Lizze Gomes Pereira, Maina Curtorim Salcete, Goa.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1102/84-85 dated 2-5-1984]

Flat No. A-2, at "Las Palmas Apartments, Borda, Margao

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby ini late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-12-1984

Scat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. R. W. Chowhan, C/o. 210 Govinda Building, A. A. Road, Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Ms. Joao Lourenco Patricio,
De Menozes ESA and
Mrs. Damiana R. Lobo ESA,
Merces Waddy P.O. St. Cruz, Ilhas, Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BAGALORE-560 001

Bangalore, the 21st December 1984

C. R. No. 62/R-1152/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

beirg the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-13 situated at St. Inez Panaji Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority

under Section 269AB, in his office at Bangalore under Document No. 1091/84-85 on 2-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pit p tv within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act short have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1091/84-85 dated 2-5-1984] Flat No. B-13, I floor, Buliding No. 2 of Sector II at St. Irez, Panaji-Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th December 1984

C. R. No. 62/43237/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17 (old No. K-162), situated at Subramanyaswamy Temple Street, V. V. Puram, Blore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Rasavanagudi on 4/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

Smt. T. G. Jayalakshmi, No. 17, Subramanyaswamy, Tempie Street, V. V. Pulam, Blore-4. (Transferor)

(2) Smt. V. N. Rukmini, No. 16, Subramanyaswamy, Temple Screet, V. V. Puram, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 351/84-85 dated 4/5/1984] Proper y bearing No. 17, old No. K-162, situated at Subra manyaswamy Temple Street, Visveswarapura, Bangalore-4.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th December 1984

C. R. No. 62/44207/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 17, situated at Handin Road, Divn. No. 53, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 28/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. Rangaswamy Chauhan, No. 8/30, Rajulu Naidu Road, Coimbatore-12, (Reptd. by Sri A. G. Ramdas, Anamalai, batore). (Transferor)

(1) Smt. S. N. Nirmala, No. 12, Jewellers Street, B'lore-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 599/84-85 dated 28-5-1984] A portion of land with building thereon comprised in present Corpn. No. 17, situated at Handin Road, Division No 53, Bangalo e

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

76--436GI/84

Date: 15-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bnagalore, the 13th December 1984

C. R. No. 62/44254/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55/2 (old No. 55), situated at VI Main Road, between

13th and 15th cross, Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Rajajinagar on 17/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely ing persons namely

(1) Shri K. M. Jayabharathy, D-2, Maitree Apartments, 96, VI Main Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shii N. Srinivasa, No. 11. East Park Road, 17th cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- awid (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 685/84-85 dated 17-5-1984] House site bearing No. 55/2 (old No. 55) in VI Main Road, between 13th and 15th cross, Malleswaram, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th December 1984

C. R. No. 62/44218/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 135, situated at Aircraft Employees Co-op. Society, Geddalahalli, B'lore North Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at B'lore North Taluk on 28/5/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rukmini,
 No. 25/1, Sri Rainamandiram Road,
 Basavanagudi, B'lore.

(Transfero)

(2) Sari Aranha Prem John Mrs. Rosennary Ann Aranha, No. 36, Heerachand Laybut B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and Sexpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 617/84-85 dated 28-5-1984] Vacant site No. 135, situated at Aircraft Employees Co-op-Society, Geddalahalli, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th December 1984

C. R. No. 62'43292/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10/2, situated at VI Cross. Hutiting Road, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 31/5/1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. Mahadevan, No. 49/6, Charles Campbell Road, Gox Town, B'lore-5.

(Transferor)

(2) Dr. Amrutha Valli Muthu, 1egd. by Mrs, D. C. P. Chandra Muthu, No. 11, Abdul Hafeer Road, Lox Town, B'lore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 710/84-85 dated 31-5-1984] Site bearing No. 10/2, situated at VI Cross, Hutching Rd., Bangalore-84.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th December 1984

Ref. C.R. No. 44206/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 17, situated at Handin Road, Divn. No. 53, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undr section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, at Shavajinagar on 28-5-1984 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely:—

- Dr. Rangaswamy Chandran, Coimbatore-12.
 No. 8/30 Rajulu Naidu Road, Coimbatore.
 Red. by Mr. A. G. Ramdas, Aramalai, (Transferor)
- (2) 1. Shri K. M. Rangadhama Setty, ((2) Smt. Vasavin, No. 336, 10 'A' Main Road, IH-Blo k, Jayanagar, Bangaiore.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the wild property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall, have the same meaning as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 600/84-85, dated 28-5-1984. Portion of land with building No. 17, situated at Handin Road, Division No. 53. Bangalore:

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-460 001

Bangalore, the 14th December 1984

Ref. C. R. No. 62/44991/84-85;ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS 26, 27 situated at Kannakady 'B' village, Mangalore. '(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at at Mangalore on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid eproperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957: (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lovis Pinto, Kanapathag. Kanakanady, M loie.

(Transferor)

(2) Nirmala D'Souza, Kanapathag, Kankanady, M'lore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 212/84-85, dt. 11-5-84. Property bearing No. RS 26, 27 situated at Kankanady 'B' Village, Mangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-12-1984

(1) Smt. Varalakshmi Bhagvan, No. 33, I floor, South End Road, Seshadripuram, B'lore-20.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Visweswaran, Smt. V. Bhavani, No. 101/11, 11th Cross Road, Malleswaram, B lore-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 18th December 1984

Ref. C. R. No. 62/43269/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 404 (New No. 7) situated at Main Road, Sadashiva

Nagar, Palace Upper Orchards, Blore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at at Gandhinagar on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and they the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 84-85, dt. 25-5-1984],

All that property bearing No. 404 (New No. 7), situated at VIII Main Road, Sadashiva Nagar, Palace Upper Orchards, Divn. No. 45, Bangalore-6.

R. BHARDWAI Competent Authority -Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th December 1984

Ref. C. R. No. 62/44245/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Chikkakadiiappa Gaiden, St., Thomas Town, Bangaloie-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 31/5/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs Lakshmamma No 94, Charles Cambell Road, Cox Town, Bangalore

(Transferor)

(2) Shri P. Dhanraj, No. 7, VII Cross 'B' Street, Jai Bhanathinagai, Bangalore-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 644/84-85 deted May, 1984] All hat property bearing No. 22, situated at Chikkakadirupp Garden, St. Thomas Town, Division No. 49, Bangalore-5.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T.A.P.C.M.S. Ltd., Bettangady.

(Transferor)

(2) The Central Arecanut Marketing & Processing Coop & Ltd., M'lore.

& GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 17th December 1984

Ref. C. R. No. 62/43257/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 962A, situated at Bettangady Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income fax Act 1961 in the office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bettangudy on 30-5-1984

at Bettangudy on 30-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b), facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 140/84-85, dated 30-5-1984: property bearing No. 96-2A, situated at Bettangady Village.

THE SCHEDULE

R. BHARDWÁJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--77-436GI/84

Date: 17-12-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 13th December 1984

C.R. 62/44242/84-85/ACQ/B.—Whereas, i,

R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 691, (New No. 691|20), situated at Magadi Road Chord Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirirampuram on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Chikkarangaiah, Balagere Grama, Tunmkur, Dist.

(Transferor)

(2) Smt. L. Uma, No. 692/18, 11th Cross, Magadi Road Chord Road, Vijayanagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registe: ed Document No. 1444/84-85, dt. 22-6-1984.] Property bearing No. 691, (New No. 691/20), situated at Magadi Road Choid Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-12-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangaiore, the 1/th December 1984

Ref. R.A.C. No. 44243/84-85/ACQB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. situated at V Block, Koramangala Extn., B'lore

Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at B'lore South Tq. on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. J. Premaleela, No. 8, Munniswamy Gowda Garden, Neclasancha, Bangalore-47.

(Transferor)

(2) Smt. V. Nalini Gopalan, No. 461, IX Main, II Cross, HAL II Stage, B'lore-38.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Registered Document No. 1437/84-85, dt. 2-6-1984. Vacant Site No. 64 in V Block, Koramangala Extension. B'lore. (40:×60'

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-12-1984

FORM I.T.N.S. -

(1) Shri K. Jaganathan, 1931//15-A, A Stage, Rajajinagar. B'lore-10.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Sharnappa, P. B. Road, Davangere.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th December 1984

Ref. C. R. No. 62/43241/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. 277/9, situated at XX Main Road, Magadi Chord Road Extr. B'lore

Extn., B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srirampuram on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 825/84-85, dated 7-6-1984. Property bearing No. 277/9, situated at XX Main Road, Magadi Chord Road Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 19th December 1984

R. No. 62/523/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. CTS 3787/+48A/1, -3+0 14+3787/48-A/1A/1A/1L, 1-09 of Gadag

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gadag in May, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagadguru Toutadswamy, Samstan Dutt. Station Road. Gadag.

(Transferor)

(2) Ms. Shri Siddalingeswar Chitra Mandir, Kalyana Mantap Road.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 10/84-85, dt. May, 1984. Property bearing CTS No. 3787/-48A/1,-3+0 14 -3787/ 48-A/1A/1A/1L, 1 + 09 of Gadag.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th December 1984

Ref. C.R. No. 62/43365/84-85 ACQ B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Madras Sapper Officers Colony, B'lore, Divn. No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transer with the objects of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri K. C. Thomas,
 Mrs. Annie Thomas Palapura,
 No. 6, Madras Sapper Officers' Colony,
 Banaswadi Road,
 Bangalore-33.

(Transferor)

Shri Leovel P. D'Souza
 Mrs. Josephine Pramilla Marria D'Souza,
 Repd. by Mr. A. J. Lasrado, No. 22, Magrath Road,
 B'lore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 692/84-5, d. 6-6-1984. All that property bearing No. 6, situated at Madras Supper Officers Colony, Division No. 49, Banaswadi Road, Bangalore-.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1984

(1) Smt. N. Rajalakshmi, Managing Trustee, Jayanthi Foundations, No. 15, West Park Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivanattaiah, No. 14, Gandhi Bazar, Pasavangagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

.ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th December 1984

Ref. C. R. No. 43395/84-85/ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 5 (old No. 15), situated at Gandhi Bazar,

Basavanagudi, Bangalore-4

Bangalore-4

(and more-fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basanavagudi on 25-61984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1: Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1094/84-85, dt. 25-6-1984. Property bearing No. 5 (old No. 15), situated at Gandhi Bazar, Basavanagudi, Bangalore 4.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-12-1984

(1) Shri S. Bazaek. No. 35, Benson Road, Benson town, B'lore-46.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Sabba Raju, No. 848, Naganathet Blore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferec.

([Personts) in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore, the 15th December 1984

Ref. C.R. No. 62/43381/84-85 ACO B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 848 (old No. 241) situated at Nagarathpet Main Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gardhinagar on 23-6-1984

at Gardningar on 23-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facultating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 952/84-85, dated 23-6-1984. Property bearing No. 848 (old No 241), situated at Nagarathpet Mainroad, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 15-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th December 1984

Ref. CR. No. 62/45004/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, L. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. RS. 1-1, situated at Boloor Village of M'lore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Milore on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo. such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferot to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conquatment of any income or any sets which have not been or moneys og d which of disclosed by the transferee for the purpo Indian Income-tax Act. 1922 (11 ot r said Act, or the Wealth-tax Act. 15

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-see ion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(1) Shri M. Lakshminarayana Bhat, kodikai, M tore-6.

(Transferor)

(2) Godfrey Pinto, Ujjody, Kankanady, Miore-2. P.A. holder Mr. Vincent Pinto. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 351/84-85, dt 11-6-1984) Property bearing No. RS. 1-1, in Boloor Village of M'lore. Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001. the 15th December 1984

Ref. C. R. No. 62/45007/84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

no. ks 68/2-A situated at Kadri 'B' Village M'lore (and more full dear betting the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 30-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to puy tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid p operty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

78-436GI/84

(1) Mrs. Noreen Sundaram, Power Agent, C. Pais, Advocate, Light House Hill, M lore, 1.

(Transferor)

(2) Shri H. Sudarsnan, P.A. Holder, K. Nidambur, Old House, Swarthkal, D. K. Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 465/8 30-6-1984.)
Property bearing No. RS. 68/2 31-6-1984.)
Village, No. 3, Kadri Dard, M

Inspecting Assistant Connection Range, Bangalore.

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri John Sixtus Sebastian Aranha. Kadri Toll Gate, M lore-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Nora D'Souza, Bannur Village, Puttur Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th December 1984

Ref. C.R. No. 62/45008/84-85/ACQB.—Whereas, I, R. BHAKDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks 23,000|and bearing

No. RS. 97/2, 87/1C1A, situated at Kadri 'A' Village in No. 3, Kadri Ward, M'lore

tand more fully described in the Schedule annexed Lereto),

has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore City on 4-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said_Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wearth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered No. 323/84-85, Dated 4-6-84).

Property bearing No. RS. 97/1C1A, 97/2, situa'ed at Kadri a' Village in No. 3 Kadri Ward, M'lore.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-2-1984

 Mrs. Norum Sundaram, GPA Holder Mr. Clearance Pais, Light House Hill, M lore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th December 1984

Ref. C.R. No. 62/4500/84 85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Rs. 68-2, situated at Kachi Village of M'lore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at M lore on 30-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri . Dayananda Shetty, Shri K. Jayasheela Shetty, Kodialbail, M lore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 464/84-85, dt. 30-6-84).

Property bearing No. RS. 68-2, situated at Kachi Village of Mangalore Taluk and III Kadi ward of Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange, Bangalore.

Date: 15-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

Ref. C.R. No. 62/43738/84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immountie property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 983/99. Door No. 8363, situated at Chaunamallappa

Street, Srrangapatna Town-571438 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Srirangaatna on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) K. Ramamauri, W/o Dr. S. Ananthanarayana, Srinivasa Clinic, Srirangapatna-571438.

(2) Mahaveer Charitable Trust. President : Mr. Sheshamal Jain, Main Road, Srirangapatna. (Transferor)

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the /date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 282/84-85, dated 25-6-1984. Property No. 983/99 Door No. B-368 siguated at Channamallappa Street, Srirangapatna Town-571438.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 1-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri T. C. Jayadevan, No. 251, REMCO—Layout, Blore.

(Transferee)

(2) Shri R. A. Nair, No. 1127, Kengeri, Setelite Town, Blore-60.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December 1984

Ref. C.R. No. 62/43406/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being he Competent Authority under Section 269B of the income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (herinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No.

situated at Kengeri Satilite Town, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kengcari on 25-7-1984

at Kengcari on 25-7-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outht to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1955/84-85, dt. 25-7-1984. Property situated at Kengeri Satelite Town, Bangalore. (206.86 Sq. mtrs.).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1984

FORM ITNS.---

(1) Muniappa, No. 12, II Cross, Near Madiwala Police Station, Blore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri H. Sitarama Rao, No. 639, II Cross, V Block, Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December, 1984

Ref. C.R. No. 62/44293/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to do the 'said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No 126, situated at III Stage, III Phase, I-Block, Banashau-kari, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanaguda on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wr.ting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1055/84-85, dt. 23-6-1984. Vacant site bearing No. 126, situated at III Stage, III Phase, I Block, Banashaukeri, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-12-1984 ·

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE 'INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December, 1984

Ref. C R. No. 62/4359/84-85/ACQ/B—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 74 (Western Porton), situated at Defence Colony, Binnamangala layout, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the approperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. D. Mehta, No. 4, Mistry Manor, Napèan Sea Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Suryakumari, No. 33/1, Meanue Avenue, Civil Station, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Registered Document No. 950/84-85, dt. 29-6-1984. Western Portion of vacant site No. 74, situated at Binnamangala layout, Defence Colony, Div. No. 51, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28-12-1984

PART Ili-SBC. 11

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Zahara Khatoon, Rahath Bagh, Old Madras Road, B'lore.

(Transferor)

(2) M/s. Sudha Enterprises, No. 1/22, Bugle Rock Road, Kalappa Block, Basavanagudi, B'lore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December 1984

Ref. C.R. No. 62/43561/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 20/1 & 20, (Part), situated at I Cross, Sampigehalli, Sampangi tank Road, Bangalore (and more fully described in the Schedulé annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 4-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1064/84-85, dt. 4-7-1984.

All that property bearing Municipal Corporation No. 20/1 & 20 (part), situated at I Cross, Sampigehalli, Sampangi Tank Road (now known as Raja Rammohan Roy Road), Bangalore (2895.13 Sq. mtrs.).

R. BHARDWAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rangalore.

Date: 28-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—79—436GI/84

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62/44255/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. $1174/\bar{A}$.

situated at Railway Line, Pipe Line Extn. B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Rriram Puram on 24-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Padmavati No. 171/5, Kilai Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Sudhapudhupakane, GPA Sri B. K. Raghavan, A-28, CIL Layout, Geddahath, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 655/84-85 Dated 24-5-84]
Property bearing No. 1174/A, situated at Railway Pipeline
Extension, Bangalore., (60' x 40').

R. BHARDWAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C. R. No. 62/43245/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAT

R. BHARDWAAT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 (old No. 132), situated at Sadar patrappa Road, Div. No. 40, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar on 11-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under/the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. E. Salahuddin,

 - M. E. Idrees Ahmed
 M. S. Ilyas Ahmed
 M. E. Ishq Ahmed
 - 5. M. E. Massod Ahmed 6. Smt. Badrunnisa 7. Smt. Shameerumisa 8. Smt. Fathimunisa

 - 9. Smt. Ameerunisa 10. Smt. Habeedunisa
 - 11. Smt. Sirajunisa12. Smt. Zahudunisa,
 - No. 6, Sadar Patrappa Road, B'lore.

(Transferor)

(2) 1. K. Anwar
2. Mrs. Shaheen
3. Miss Nasreen
No. 7, Godown Street, Sadarpatrappa Road, B'lore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

, [Registered Document No. 455/84-85 Dated 11-5-84]

Property bearing No. 6 (old No. 132), situated at Sadarpatrappa Road, Division No. 40, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/44210/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29 (Sy. No. 12/1, 12/3 etc), situated at Geddalahathi,

Bangalore North.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at B'lore North Tq. on 23-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to leading that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the eonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-t Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri B. Sathyanarayan, No. 250/A, 60 ft. Main Road, Shivanahathi, B'lore-10.

(2) Shri H. Chandrashekar, No. 103/1, VIII Cross, Temple Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 576/84-85 Dated 23-5-84]

Property bearing No. 29, CITB No. 1450. Sy No. 12/1 12/3, 24/3 etc., situated at Geddalahathi, Bangalore North Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C. R. No. 62/43245/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 6 (old No. 132), situated at Sadar patrappa Road, Div. No. 40, B'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as created to between the portion has not been truly created in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. E. Salahuddin,

 - 1. Snri M. E. Salanuddin,
 2. M. E. Idrees Ahmed
 3. M. S. Ilyas Ahmed
 4. M. E. Ishq Ahmed
 5. M. E. Massod Ahmed
 6. Smt. Badrunnisa
 7. Smt. Shameerumisa
 8. Smt. Fathimunisa
 9. Smt. Ameerunisa

 - 9. Smt. Ameerunisa 10. Smt Habeedunisa

 - 11. Smt. Sirajunisa12. Smt. Zahudunisa,No. 6, Sadar Patrappa Road,

B'lore.

(Transferor)

(2) 1. K. Anwar 2. Mrs. Shaheen 3. Miss Nasreen No. 7, Godown Street Sadarpatrappa Road, B'lore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

, [Registered Document No. 455/84-85 Dated 11-5-84]

Property bearing No. 6 (old No. 132), situated at Sadarpatrappa Road, Division No. 40, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-1-1985 Seal :

A UM ILINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/44210/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

29 (Sy. No. 12/1, 12/3 etc), situated at Geddalahathi, Bangalore North.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at B'lore North Tq. on 23-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Sathyanarayan, No. 250/A, 60 ft. Main Road, Shivanahathi, Blore-10.

(Transferor)

(2) Shri H. Chandrashekar, No. 103/1, VIII Cross, Temple Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 576/84-85 Dated 23-5-84]

Property bearing No. 29, CITB No. 1450, Sy No. 12/1 12/3, 24/3 etc., situated at Geddalahathi, Bangalore North Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 00

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/R-1183/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. A 2 and A 3. situated at Margao Quepem Road, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 986/84-85 on 29-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Group Construction Company Engineers and Builders
 B-15 Neugi Nagar,
 Rode Qurem Panaji Goa (India) 403001.

(Transferor)

(2) M/s. Ajra Transport Pvt. Ltd. 1320, 'C' Ward. Laxmi puri. Kolhapur (Maharasthtra)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 986/84-85 Dated 29-5-84]

Shop No. A-2 and A-3. Swami Narayana Apartments, Opp. Rajendra Prasad Stadium, Margao, Quepem Road, Calcondem Navelim, Madguam, Goa.

R. BHARDWA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/R-1189/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Shop No. 6

transfer with the object of:-

situated at Cedman Apartment Swami V. Veleanand Road.

Paraji Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 984/84-85 on for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. & Mrs. Manuel Simplicio Car Valho Panaji Goa.

(2) M/s. Damodai and Co. Panaji Goa.

(Transferon)

(Transfera

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 984/84-85 Dated 28-5-84]

Shop No. 6, Cedmai Apartment Swami Vivekananda Road, Panaji Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore New Delhi

Date: 2-1-1985

(1) M/s. Pragati Builders, Arjuna Bardez Goa.

(Transferee)

(2) Mrs. Anie Pereira and Mr. Laiser Pereira Aita Feira. Datta Wadi, Mapusa. Bardez Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/R-1185/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B. G. situated at Mapusa Bardez Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 980/84-85 on 28-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Char Act, shall have the sai in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 980/84-85 Dated 28-5-84]

 $F!at\ \mbox{No. B. G.}$ Ground floor "Cospotato". Situated at Mapusa, Bardez Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, meretore, in pursuance of Section \$69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Rukmini Constructions, Sridhar Building, Room No. 4, I floor Vascodagama—Goa-403802.

(Transferor)

(2) Mrs Maria-Do-Carmo Misra Bank of India Vascodagama-403802.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

BANGALORE-560001 ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/R-1204/37EE/84-85/ACO/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 - and bearing

Flat No A/5

situated at Trupii Apartments New Vaddem Vascodagama (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bangalore under Registration No. 995/84-85 on 29-5-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 995/84-85 Dated 29-5-84] Flat No. A/5, Block 'A' Trupti Apartments New Vaddem, Vascodagama, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date : 2-1-1985 Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said $\Delta ct.\ I$ hereby initiate proceedings for the acquistion of the ing persons, namely:-

(1) Mr. Prabhakar Vasudev Joshi Bank of India Taleigoon, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kavita Enterprises 23/41 Maganlal Sadan S. V. Road, Panaji,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **RANGALORE-560 001**

Bangalore, the 2nd January 1985

C. R. No. 62/R-1205/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
floome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Flat No. Nil Ground floor
'stuated at "Kavitha Housing Complex,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, at Bangalore under Registration No. 996/84-85 on 29-5-84 for an apparent consideration which the less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following gersons, namely: 80-436GI/94

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 996/84-85 Dated 29-5-84] A flat in Caranzalem Goa. here in after called Kavita Housing Complex,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-1-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th January 1985

C.R. No. 62|R-1056|37EE'83-84|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Rs. 173—A-2, Ts No. 15—A-2
situated at Attawar Village of Attawar Ward, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 24-5-84 1027/83-84 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Kudpi Srinivasa Shenoy and Co., 12.305 New field street., Mangalore.

(Transferor)

(2) M/s. A. J. Shetty and Co. Pvt. Ltd., Reptd. By Mr. A. J. Shetty, G. G. Road, Kodialbhait. Mangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1027 Dated 28-5-84]
Property bearing No. Rs. 173—A-2, Ts. No. 15—A-2 Moti
Mahal Building, Madhuvan Restaurant and Swimming pool
situated at Falnir Road, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-1985

Seai:

NOTICE UNITER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/43619/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 39/A, (Plot No. 5). situated at VI Main Road, Malleswaram, B'lore-3, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri D. V. Patankar No. 39, XIII Cross, 11th Main Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Ramakrishna Prabhu,
2. Sundra R. Prabhu,
3. Gopinath R. Prabhu,
No. 31, XI Main Road, Malleswaram, B'lore-3,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesate parsons within a period of 45 days from the task of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1366/84-85 Dated 27-6-84] Property bearing No. 39/A (Plot No. 5), situated at VI Main Road, Malleswaram, B'lore-3.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-1-1985

(1) Shri A. Maganlal Mehta, M/s. A. Maganlal Co, Near Anrauddin Road Cross, M'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4296

(2) Shri V V. Shah, Pr. M/s. Parimala Traders/Bros. Near Anrauddin Road Cross, M'lore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd January 1985

C.R. No. 62/43557/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
RS. 1288/2, TS. No. 27
stuated at Kasba Banzaar village ,M'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961
in the office of the Competent Authority, Bomby
at M'lore on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 457/84-85 Dated 29-6-84] Property bearing No. RS. 1288/2 TS. No. 278/2, situated at Kasba Banzaar Village, Mangalore

R. BHARDWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-1-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

C. R. No. 62/45013/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 42/2A 2B, 42/2A 1B, situated at Derebail Village, M'lore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Office at M'lore city on 14-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration snd that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); (1) Shri K. Chandrahasa Shetty S. V. Temple Garden, Ballalbagh, M'lore.3.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Lonappa, C/o Bombay Tyres, Kuloor, M'lore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 373/84-85 Dated 14-6-84] Property bearing No. S. 42/2A2B, 42/2A1B, situated at Derebail village, Mangalore city.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

IX Main Road. Vijayanagar, B'lore.

(1) Shri D. Dayanand. No. 383/3, III Cross.

(Transferor)

(2) Shri T. Puttaswamy, No. 114, Nanjappa Block, Kempegowadnagar, B'lore-19.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

C. R. No. 62/44244/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

1920.

situated at R.P.C. Layout, Bangalore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering office at Srirampuram on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 794/84-85 Dated 6-6-84] Site No. 1920, situated at RPC Layout, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62/43638/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

situated at I Cross, Hosabandikeri, K. R.

Mohalla, Mysore, (and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Basavarajamma, No. 2416, I Cross, Hosabandikeri, K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri M. Nanjunda Swamy, No. 2354/1, I Main, Chamudipuram, K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1374/84-85 Dated 22-6-84.] Property bearing No. 2416, situated at I cross, Hosabaudi-keri, K. R. Mohalla, Mysore, (60' x 40').

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C. R. No. 62/43339/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 26 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No
Sy 233/3, 232/12 etc.
situated a Heravanad Village Worg,
(and more fully described in the Sheedule annexed herete) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Madikeri on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Jabbanda Kunjappa,

2. Jabbanda P. Gangauva,

3. Jabbanda 1. Gopamma @ Thagauva, J. P. Bajakki. @ Rathu, Heravanad, Kolagadal Kolakeri Village.

(Transferor)

(2) Shri C. C. Yogendranth, Mahadevpet,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter YXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 399/84-85 Dated 11-6-84] Property bearing Sy. Nos. 233/3, 232/12, 229, 232/7, 232/13 situated at Hervanad village, Coorg.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th December 1984

C.R. No. 62|43668|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269\$ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 10 1, situated at Saunders Road, Civil Station,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 16-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—81—436GI/84

 Shrimati Maribushanavathyamma,
 Sri S. Theresaraj,
 Sri D. Satyaraj, No. 10, Saunders Road, Cleveland Town, Bangalore-5.
 Shrimati Methekar Tahenennissa,

(2) Shrimati Methekar Tahenennissa, No. 35|1, Model Colony, I Street, Yeswanthpur, Bangalore-22.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1136|84-85 dated 16-7-84. Premises bearing No. 10|1, situated at Saunders Road, Civil Station, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 28-12-1984.

(1) Dr. Thomas J. D'Souza, No. 8 8, V Cross, Hutchins Road, Thomas Town. Bangalore-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. A. B. D'Souza, 2. Mrs. Philomena D'Souza, No. 8/8, V Cross, Hutchins Road, Bangalore-5.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62 44271 84-85 ACQ B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 situated at Wheeler Road Extension, Thomas

Town, Bangalore Divn. No. 74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 899|84-85 dated 27-6-84).

Property bearing Plot No. 10, situated at Wheeler Road Extension, Thomas Town, Bangalore Division, No. 74.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269?) of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

CR. No. 62144246|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing No. 1103 (Southern Bort')

No. 1103 (Southern Portion) situated at II Block, I Stage,

Banashankari, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Pegistration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Basavanagudi on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri T. S. Naujundaiah, No. 157, 19th Main Road, Srinagar, Bangalore.

(2) Shri K. G. Nanda Kumar. No. 43 3, Kanakapura Road, Basavanagudi,

Bangalore-4.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 761/84-85 dated 2-6-84.

Southern portion of House No. 1103 at II Block, I Stage, Banashankari, Bangalore, Division No. 31.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Bangalore

Date: 1-1-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62|44256|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 1, situated at Clive Road, Bangalore-5 (and more cally described in the Schedule annexed hereto), has been thouserred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Shivajinagar on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Sandhya M. Sirinivasa, No. 2, I-C-Main Road, RPC Layout, Bangalore-40.

(Transferor)

(2) Shri N. M. Anwar, No. 15, Da Costa Square, Bangalore-5.

(Transferee)

3) Shri Kenneth Powell, 101, Clive Road, Bangalore-5.

(Persons (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1676|84-85 dated 8-6-84. Property bearing No. 10/1, situted at Clive Road, Bangalore-5.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-1-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62|43335|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. S. 2-ICB, situated at Mudu Touse Village, Vdupi Tq. D.K.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Vdupi on 14-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of t

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. M. Panduranga Kamath, Kallianpur, Mudu Touse Village, Vdupi **Tq. Post Kallianpur**.

(Transferor)

(2) 1. Alphonso Pereira,
 2. Celine B. Pereira,
 Mudu Kudun,
 Mudu Touse Village, Vdupi Tq.,
 Post Kallianpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 410 84-85 dated 14-6-84.

All that property bearing S. No. 2-ICB, situated at Mudu Touse Village, Vdupi Taluk, D. K. Dist.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-1-1985.

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st January 1985

C.R. No. 62|43515|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, situated at Saunders Road, Cleveland Town,

Bangalore-5, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (15 of 1908) in the Office of the Registrating Office at

Shivajinagar on 18-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shrimati Mariabushananathyamma.

(Transferor)

2. Sri S. Theresaraj 3. B. Sathyaraj, No. 10, Saunders Road, Cleveland Town, Civil Station, Bangalore-5.

(2) Shrimati Methekar Taherunnissa, No. 35|1. Model Colony, I Street, Yeswanthpur, Bangalore-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 800|84-85 dated 18-6-84). Premises No. 10, situated at Saunders Road, Cleveland Town, Bangalore-5.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985.

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

C.R. No. 62|45014|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 25 000/- and bearing No. 76, situated at Badagabettu Village, Vdupi Taluk, D.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vdupi on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Mrs. Aziza, Kinnimulky of Vdupi Town, Post Vdupi,

(Transferor)

(2) Nancly Lanra Kerkada, Bailur. No. 76, Badagabettu Village, Vdupi Taluk, Post Udupi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 520|84-85 dated 22-6-84).

All that property bearing No. 76, situated at Badagabettu Village, Vdupi Taluk, D.K.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-1-85. Seal: FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Shri Charles Pinto (2) Mr. Victor, Dr. C. Mathias Road, Mangalore-4. Rego—repd. by Mrs. Irene Rego, Kapikad, Bejai, Mangalore-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Alice Lobo, Beiai. Mangalore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1985

No. C.R. No. 62|45017|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. RS.5-1, situated at Kadu B. Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore city on 20-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 403|84-85 dated 20-6-84). Property bearing RS No. 5-1, situated at Kadu B. Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-1-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 10th December 1984

P.R. No. 3215/Acg 23/II/84-85:—Whereas, I, Ref. No. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

office No. 328 situated at Ring Road, Surat

Form No. 37EE is saitted

(and more fully decay and in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the wife of the Registering Officer at undersigned on May, 1984

for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-82--436GI/84

(1) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Devi Radhe Shyam, Halu Bazar, Bhivani, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 10th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3216/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

office No. 428, situated at Fourth Floor, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 4908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at undersigned on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bholaram & Sons, B. 326, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. New Whitex Indust. Pvt. Ltd., 2nd Floor, Shivaji Indust. Estate, Taikalwad Road, Matunga, Bombay-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3217/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Office No. 225, situated at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the Office of the undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1983.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedsbad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ng persons, namely:—

Date: 10-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4312

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3218/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Office No. 227, situated Ajanta Shopping &

Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than nifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Sun Industrial Products, 11, Anand Nagar Socy., Chikhli Road, Bilimora (Dist. Valsad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective-persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3219 Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000|and bearing

Office No. 241, situated at Ajanta Shopping Center and Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; (b) facilitating the concealment of any income and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Shanti Builders Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar Bidavatka Shri Banvarilal Bidavatka C/o Ghisalal Shreeram Subhash Chawk Sikar (Rajasthan)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3220 Acq.23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs 25,000,- and bearing
Office No. 633 Sixth Floor, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Shanti Builders Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Minor Vipulkumar Jagdishchandra Gandhi Minor Pareshkumar Jagdishchandra Gandhi Gopipura Moti Chhipwad Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

to m No 37FE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3221 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 634 Sixth Floor Ajanta Shopping and Textile Arcade, Ring Road, Surat

form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in the May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the -consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Shanti Builders Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road Surat.

(Transferox)

(2) Minor Chetankumar Manharlal Gandhi & Ors.
Moti Chhipwad Gopipura Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

From No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

, Date: 11-12-1984

ì

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3222|Acq. 23|II|84-85.—Wheras, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office No. 832A Eighth Floor, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Shanti Builders
Ajanta Shopping & Textile Arcade
Ring Road
Surat.

(2) M/s P. Lallubhai Rotliwala & Bros, Inderpura Khatodara Surat.

;(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
• Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3223 Acq.23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing

Office No. 622, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring.

Road, Surat (and more fully described in the Schedule annnexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Shanti Builders
Ajanta Shopping & Textile Arcade
Ring Road
Surat

(Transferor)

(2) Shri Narayandas Harnamsinh Juneja, R/3105, Surat Textile Market Ring Road Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—83—436GI/84

Date: 11-12-1984

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

lef No. P R. No 3224 Acq 23/H/84-85 Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

, income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing Office No 226, Second Floor, Ajanta Shopping & Textile

Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No 37FE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid recede the apparent consideration therefore here are the state. said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

7, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the 11 property by the issue of this notice under sub-12) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) M/s Shanti Builders Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s New Whitex Indust. Pvt. Ltd. 2nd Floor Shivaja Indust. Estate 119 Taikalawadi Road Matunga Bombay-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent, Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 11-12-1984

t , * ; .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-101016/18. FTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Marker Marion Joseph Son Committee

Chanderer !

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. A GUIDALLI AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3225 Acq.23/U/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 469B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and hearing. Third Floor, Ajanta hopping & Textile Arcade, Ring Road, Surar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income; arising from the transfer; and /or

The property of april of the document is regulated by the document is regulated by the property of the second of t

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax minorifict, 1957 (27 of 1957);

FET-STREAM TO IN THE PRINCE & THE Ly batton Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (I) M/s Shanti Builders Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Stiri Remaint Krotariwald Architector 1 + 110M Moti Chhipwad

- ACIMI TO INSTITUTE (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. THE PROJECT OF A CONSUME OF

HERVER ZOHING ICOT.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the and slate of the publication of this notice in the No. File at Sarah Val. (count by an arrest at the No. File at Sarah Val.)

EXPLANATION: The terms and expressions used to herein the self-of the control of are defined in Chapten XXA, of the said Act. shall have the same meaning as given: in in

that Chapter, the desired to be not to to be the control of of netroid for the following of the following states of the control of the contro ne decide our above, point to found

THE SCHEDULE

Supplied with the artists of the second of t if ind transferre to per tax under the last Act in respect of any integer environ frage the transfer

Form No. 37EE is submitted in undersigned in May, 1984. the office of the

्राह्म के अन्यविकार है कि शास्त्र के लिए क्षेत्र कार्य के अन्यविकार के प्रतास्त्र के स्थान के कार्य क nd most fing stant nearly state the control of the most indicated by the matter of the control o

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date, and 1-12-1984 from the policy of the property of the pro

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. Np. 3226 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at Sunish Aptt. Ground Floor situated at Kazinu Medan, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ninadukmar Babulal Shah 1-Sunish Aptt. Ground Floor Kazinu Medan Surat

(Transferor)

[PARI III—SEC. 1

(2) Shri Navinchandra Laxmichand Sawani Ratnasagar Aptt. Kazinu Medan Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat, The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2480 Dated 11-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 12-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3227 Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.Shop No. 3343, Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. rangely:

 M/s Amritlał Makanji, R. F. 461-Gopalak Goli, Mulji Jetha Market, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Rajesh Silk Mill-R.F. Partners, Jagnath Divanchand & Qrs. 'Matru Ashish', opp. L. B. Cinema, Majura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Poperty is situated at Surat.

The document is regd at S. R. Surat vide No. 3881 Dt: 3-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

#2-12-1984 Seal : improliment.

RORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Grades and Sioner of Income-Tax

ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3228 Acq.23/III/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 265 Rs. 25,000/- and bearing No. 17. P. S. No. 2 Final Plot No. 17, Arihant Aptt. Kadampalli, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and if I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

· . 4 - 2.4(54) 2m. -4863

(b) facilitating the concealment of any income of any incomes or other assets (which have notificent or which ought to be disclosed by the transferee of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. L. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

114214 A 11

(1) Arihant Corporation, 101, Ridhi Sidhi Aptt. Soni Falia, Surat.

1 July 18,

applied on the con-

Marie Care Care

*4 -.

1833 No. 1912

Transferor)

(2) Smt. Tarunaben Dineshchandra Mehta and Ors.
101-Arihant Aptt. Kadampali Nanpura.
surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imittorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

orthography and the same

· -- - 30. 73

41,45 1 24

111

The property is situated at Surat.

The second of th

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2670 Dt: 14-5-1984.

G. K. PANDYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date. : 12-12-1984 Seal :

1.2

(Transferors)

Pade conduct NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Translence)

GOVERNMENT OF INDIA

chisquing this, but to now of our case in an analysis of the the book teacher of the first of the second of the second

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

to boired a matrix ACQUISITION RANGE-IL. in the Join will to Joing AHMEDABAD-380 009 more syste Athinechobade 380 009; the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3229 Acq 23/II/84-85. Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to "Vote the said Act!), have reason to believe that the

odi idemovable property, diaving a fair market vidue exceeding Rsi 29,000 y and bearing the same to the same

No. Flat at Arihant Aptt., Nanpura, Kadampaili, Surat T. P. S. No. 2 F. P. No. 176 and 1130 sq. ft.

*a hand more, fully described in the Schedule annexed hereto), the has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 as of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es

· 到: 量,研 取用。

(b) facilitating the concealment of any income or any ice see moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Mealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

a oarretest. Authority * Kalendari da in colorenza de la venta de la colore la

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITHS (1) Arihant Corporation,

Soni Falia,

Surat.

Shift do (1: Qeas Noticule Shifted his rippraisferor)
(Tabl 40 (*) 1001 17 15 461 History)

(2) Dhirajlal Khetsibhai, Vaniya Sheri, Mahidharpura
OF INDIAnuS

(Transferee)

1261 2 LT 511 1.112

OFFI CAT THE INSPECTING ASSTER COMMISSION OF ENGLISHE LAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedale, 4-380 90 / Car 1225 December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of the 18 45 days from the date of publication of this action the official Gazette or a period of 80 days from the Official Gazette or a period of 80 days from the office of the respective periods, whichever period expires later; a later of the late

-volume the said immovable property, within 45 days from the date of the add to saft publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as a strength of the said and the said are defined in Chapter XXA of the said around of the said around of the said have the same meaning as given tail for nonstall in that Chapter. the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly dated in the saul instrument of

of the transfers to pay my under the said Act in respect of our become arising force the manifer;

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3532 Dt: menons of other assets which have not been or which cush to be disclosed by the transfaces for the purpose of the Indian Deomestax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washib-bas CHESTER SECTED TRAPE SOLA

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

wow threefore in purposace of Section 269C of the said et I berring militate mercentings for the acquisition of the sinceaid property by the issue of this notice under subwoll to 12.12498482 ads to CPUS notices to 111 minute ing persons rainely' Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3230 Acq. 23/III/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing
No. Flat in Arihant Appt. Ward No. 1 Nondh No. 1435
T. P. S. No. 2 F. P. No. 17B, situated at Nanpura, Kadampali, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) farilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arihant Corporation, Soni Falia, Surat.

(Transferors)

(2) Stat. Jayavantiben Jayantilal Shah. 201-A Arihani Aptt.. opp. Kadampati, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3533 Dt. 14-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-II
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3231 Acq. 23/II/84-85/.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Flat at Arihat Aptt| Nanpura, Kadampati Nondh No. 1435 T. P. S. No. 2 F. P. No. 17B, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-84-436GI/84

(1) Arihant Corporation, Soni Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Dr. Minaxiben Bharatkumar Shah, 103-Arihant Aptt., Nr. Kadampati, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this across in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazone.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Nanpura, Surat. document is regd. at S. R. Surat vide No. 3534 Dt: 14-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3232 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Shop No. Z. 2171, situated at Surat Textile Market,
Ring Road, Surat

Ring Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regis ering officer at Surat on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be isclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section. 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Poonamchand Devchand and R. F. and Ke ha imal Datichand Shah At Lallubhai Chakala Bharuch.

(Transferor)

(2) Kishorchand Fatehchand Nandvali, Surat textile Market No. Z. 2171 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4392 Dt: 29-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Lackhiram Kishorilal At Dean Gate, Nr. Taikies, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Rajeshkumar Kedrimal Shah
2. Manaukumar, Dipenand Shah
Kaoirpura,
Buaruch.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME-1AA,

> ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3233 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Correctent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. A. 3341, situated at Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 20-5-1984

PART II: - SEC. 1)

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a per of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4397 Dt: 20-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedaoad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Date: 14-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3234 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believing that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Shop No. I. 2300 situated, Ring Road Surat Textile

Market, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in

May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Lilavatiben Jagjivandas & ors. 15-Jawahar Nagar Socy, Behind Darpan Talkies, Surat.
- (12) Rajeshkumar Keshrimal & ors. at Kaoirpura, Bharuch.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X A of the said Act, THE TEN shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4396 May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to following persons, namely :--

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3235 Acq. 23/II/84-85.Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ind. Plot No. 82, Udhana Udyognagar Sahkari Sangh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such a parent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other a see which nave not occur of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Laxmichand Bhagaii V. K. Hпа.al ∠averchand Ring Road

(Transferor)

(a) Ramilaben Amritlal Gandhi-Park 'U', Udhana Road, No. 3 Udhana, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the aguisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2889 Dt: 22-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3236 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projectly having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shop No. Q. 2146 situated at Surat Textile Market, Ring Road, Surat. (and more tuity described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-5-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than in een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee that 1922 the purposes of the indian income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Tribhovandas Atmaram Chokshi Partners.
1. Gamanial Champakiai Chokshi 3/781, Navapuia, Kaiva Road, Suiat.

(2) Bhagwandas Valchand Shah 10/1142-Havadia Chakaia, Gopipura, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4240 Dt. 21-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initia'e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3237 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Ps. 25 000 /- and hearing.

Rs. 25,000/- and bearing
No. R. S. No. 214 at Village Vanz Block No. 230 and R.S.
No. 75, Block No. 86 at Village Vanz and R. S. No. 21/7
& 23 paiki at Village Sachin.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been M which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Bhagabhai Kalabhai at Sachin

2. Tuakaibnai Mavjibaai & Ors, at Vanz

3. Bhimabhai bhanabhai Surat.

At l'alangpur.

(Transferor)

(2) 'Sach'n Udyog Vikash Sahkari Sangh Ltd.'
PresidentBalvantbhai Somabhai—Contractor
Sagrampura—Bhandari Wada—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at village Vanz and Sachin. The documents are regd. at S. R. Surat vide No. 3918 to 4928 Dt. 4-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 14-12-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3238 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Ci y area Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on May, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Ju Bu Knabuai Buulabhai Shah Attorn y Ho.der o. Smt. Madhukanta Bhikhabhai Shah 29-Tarabag, Charni Rd. Bombay-4.

(Transferor)

(2) Mahesh Kumar Chelaram Nihalani Sharda Socy. Varashia Co. op. Socy. Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovanic property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd, by S. R. Baroda in respect or Flat at City area Baroda at No. 8284 May, 1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Au h Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhikhabhai Bhulabhai Shah D-29, Tarabag Charni Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Smt. Jamiben Chelaram Nihalani Sharda Socy. Varasia, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3239 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda on May, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more chan fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

_85--436GI/84

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda at 8283 in May, 84 in respect of First Floor at Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 15-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. .P R. No. 3240 Acq. 23/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Sayajiganj Vibhag

at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 14-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Father Oskar Barrote 71-Alkapuri, Baroda.

(2) T. Modi Antony D' lima Civil Line-Godhra Dist: Panchamahals. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda at No. 3685 on 14-5-84 in respect of Flat at Syajig, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 15-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3241 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat at Balajipura-Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pranlal, M. Jayswal Partner of Hari Enterprises Baroda.

(Transferoi)

(2) Smt. Kalaben Vallabbhai Patel Lakkad Pitha Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda in respect of Flat at Babajipura at 2684 by S. R. Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3242-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land at behind Kothi Nr. Babajipura-Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 26-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theh issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Atmaram Narayanrao Randive, 30-Parshuram Nagar Socy. Savajiganj, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Imtiazali M. Saiyad-Chairman of Shri Rang Aptt. Co-op. H. Socy. Ltd. Behind Kothi Kacheri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, in respect of land at behind Kothi, Baroda Regd. No. 3864 on 25-5-84 by S.R. Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 15-12-1984 Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3243-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Nizampura, Baroda,

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registratation Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Baroda on 19-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ramabhai Motibhai Patel, Attorney Holder of Shobhnaben Manubhai Patel, 37-Meghdoot Socy. Karelibag-Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kirtibhai Mangalbhai Patel, 14-Atulpark-Karelibag, Baroda. Chairman of Ashok Park Aptt. Co.-op. H. Socy. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with constn. upto plinth level at Nizampura, Baroda An instrument has been regd. by S.R. Baroda No. 3712 on 19-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3244-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Akota-Baroda,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Iqbalsingh Parbatsingh Gulati and Smt. Gulati Power of Attorney holder in Swaraj Narbheshankar Paneri, Ellora Park—Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Rejeshkumar Chunilal Mody, Director of M/s. S.R.J. Builders Pvt. Ltd. Usha Kiran Bldg. Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd. for an amt. of Rs. 2,42,100/at 3659 on 16-5-84 by S.R. Baroda in respect of land at Akota Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Ahmedabad

Date: 15-12-1984

Scal:

(1) Shri Arvindhai Indubhai Patel, Santram Socy., Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kantaben Ravjibhai Patel and Shri Bhupendrabhai Jashbhai Patel, Nanar Kui, Nadiad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3245-Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Lakhawad Nadiad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at 2423 on 24-5-1984 in respect of land at Nadiad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 18-12-1984

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3246-Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Bldg. at Nadiad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- by facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shah Ochhavlal Hiralal & Ors. Padapole, Nadiad.

(Transferor)

(2) Gulammohmed Abubhai Memon. Kılladar Pali, Nadiad, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by SR. Nadiad in respect of bld. at Killar Pali Nadiad Read. No. 1007 on 8-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3247-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land at Undara Tal. Nadiad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 7-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

86-436GI/84

(1) Shri Ambalal R. Patel, Village: Undara, Tal. Nadiad.

(Transferor)

(2) Shri Gulmbhai Ismailbhai Vora & Ors., Undara, aTl. Nadiad Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Undara Tal. Nadiad regd. by S.R. Nadiad at No. 2207 on 2-5-84 in respect of land of 6A 10 G.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 18-12-1984

Seal ;

- (1) Amibibi Wd ko Safimiya Fajaluddin Saiyad & Ors., Hadgund Tal. Anand Dist. Kaira. (Transferor)
- (2) Prahladbhai Bhagwatbhai Patel, Secretary of Dhartinagar Socy. Hadgund, Anand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3248-Acq.-23/II/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Hadgund Anand,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 in the office of the Registering Officer at

Anand on 14-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Hadgund Anand Instrument regd. by S.R. Anand at No. 2110 on 14-5-1984 in respect of land at Hadgund.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3249-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Cambay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Cambay on 7-5-1984,

Cambay on 7-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ramanlal Dalsukhbhai Shroff, Trustee of Stambh Tirth Tapgachh Amar, Jainshala Trust's authorised Chandulal Keshavlal Chokshi Pole, Cambay. (Transferor)
- (2) Shri Hathibhai Maganbhai, Vrandavan Socy. Cambay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An istrument regd. by S.R. Cambay on 7-5-1984 at No. 285 in respect of land at City Cambay.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3250-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Kalol Dist. Mehsana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalol on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Patel Dwarkadas Umeddes, Nr. Jain Derasar, Ganesh Trading Coy. Kalol Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Hirabhai Khodidas Prajapati & Ors., Nr. Sardar Bag, Kalol Dist. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 62 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, by S. R. Kalol on 28-5-84 at No. 537 in respect of land of S. No. 637 of Kalol Dist. Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 18-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3251-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 17-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Patel Ajmeri & Co. through its Administrator-Rehmanbhai Jivabhai Ajmeri,
 - Opp. Firoz Flat, Khanpur, Ahmedabad.

 2. Metro Wood Works through its Director,
 Gautam N. Shah, Kalol.

 (Transferor)

(2) Shri Mahendrabhai Keshavlal Patel, Administrator of— Gayatri Land Corporation, Station Road, Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Kalol at No. 546 on 17-5-1984 in respect of land at Kalol sim bearing S. No. adm-9612 sq. mtr.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 19-12-1984

Meal:

Shi Madhavlal Maganlal Prajapati & Ors., Panchwati Socy, Mchsann Dist., Mehsana,

(Transferor)

(2) Shri Gandabhai Lilabhai Rabari, Geeta Park Socy. Mehsana, Chief Promotor of Valinat Co.op. Socy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3252-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Nagalpur Mehsana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mehsana on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd. for by S.R. Mehsana No. 1752 on 29-5-84 in respect of land at Nagalpur Mehsana.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3253-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Block No. 134 Village Virvadi Tal. Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at

Navsari on 31-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the zaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Thakorbhai Chhitabhai Patel & Ors., Near Fuvara Navsari.
- (Transferor) (2) Bipinchandra Thakorbhai Chokshi & Ors., Mota Bazar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said; Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at village Virvadi Tal. Navsari. The document is regd. at S.R. Navsari Vide No. 1451 Dt. 31-5-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmed abad

Date: 26-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3254-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, S. No. 2321 P. Athwa Ward, No. Flat No. 7, S. No. 2321 P Athwa Ward,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) New Mahalaxmi Builders, 'Uday' Near Adarsh Socy., Surat,

(Transferor)

(2) Mrs. Nilamben Bhanvarlal's Kothari, 19, Gurukripa Socy. God-dod Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedanad

Date : 26-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3255-Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter represented to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. R.S. No. 193 A paiki Vijalpur Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 29-5-1984,

Navsari on 29-5-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following nersons, namely:—87—436GI/84

(1) Shri Thakorbhai Khushalbhai Patel & Pawari Vad. Tarota Bazar, Navsari.

Transferor)

(2) Shri Girishbhai B. Desai, Kadambari Center Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aca, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The Land is situated at Vijalpur Road Tal. Navsari. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 1437, 1438, 1402 to 1404 Dt. 29-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3256-Acq.-23/II/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

345/B Katargam Surat,

Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

undersigned on May, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Lalitaben Govindji Patel, Laldarwaja Gandhi Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Mangubhai Narottamdas Kansara & Ors., Mahidharpura Jadakhia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 26-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3257.Acq.23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beraing No.

Near Hil Socy Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 President of S. B. Garada College Navsari Rustambhai Bee-hram sha, Garada College, Navsari.

(2) Vithalbhai Bhikhabhai Desai, Karvad, Navsari. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Navsari. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 1349 Dt.: 16-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3258 Acq 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. and bearing No.

S. No. 46 Hissa No. 2 (Part) at village Bhilad Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Umergaon Dist: Bulsar Pardi on 5-5-1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Anil Waman Wasvkar Vinod. R. Panchal, Star Irade Centre,
 V. P. Road, Borivali (West),

Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Daga Impex Pvt. Ltd., 301, Standard House, 83, Queens House, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Bhilad. The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 739 to 745 Dt.: 5-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following perssons namely:--

Date: 28-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 000; the 28th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3259.Acq.23/II/84-85.—Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

R.S. No. 322 Hissa 2A, situated at the Bank of River Oranga at Village—Abrama (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Suman rai Haribhaí Desai & Ors. Abfirama,

Tal. Valsad.

(2) Shri Amulbhai Ranchhodji Naik, D/1, Atul Colony, Atul Dist.: Valsad.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Village Abhrama. The document is regd. at S. R. Valsad vide No. 408 Dt. 21-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-12-1984

Ţ

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOJW HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1984

Ref. No. P.R No. 3260 Acq.23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Autho: ity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. R. S. No. 94 and 110/2 situated at Parnera Pardi, Tal, Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pardi on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Bhupatrai Naranji Desai,
 2. Shantaben Naranji, B. Desai
 At Parnera Pardi, Tal. Valsad.

(2) Dolatroi Bhimabhai Desai, Smt. Indiraben Dolatrai Desai, 29, Ambabhavan Savan Circle, Bombay-21.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The lan dis situated at Parnera Pardi, Tal Valsad. The document is regd. at S.R. Valsad vide No. 3119 Dt.: 16-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Girdharilal Navrang Mistry & Ors., at Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) M/s. Meltance P. Ltd. Vapi, Tal. Pardi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3261.Acq.23/II/84-85.--Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. S. No. 313 Apaiki Plot-5 situated at Vapi, Tal. Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Vapi. The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 755 Dt.: 8-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3262, Acq. 23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

R.S. No. 41-2, Paiki Plot No. 4, Umara—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely:—

(1) Shri Vipinchandra Mangaldas Chokhawala, Navapura Dist.: Dhuliya, Maharashtra State.

(2) Hasmukhben Nanalal Chokhawala, At Daliya Sheri, Navapura, Surat.

(Transferee) ·

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Umara, Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4255 Dt.: 22-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

& Ois, at 301, Sita Aptt. Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Ashit Ranjan Indrilal, Pariyal At T. 33, Rly. Quarters, Surat.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmadabad-380 009 the 1st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3263.Acq 23/II/84-85.—Whereas I,

Ref. No. F.R. 10.

6. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing No.
T.P. Scheme No. 5, Final Plot No. 584, Ward Athwa
Nondh No. 1057, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Surat on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) Shri Somabhai alias Khandubhai Premjibhai Patel,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 1429, May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---88-436 GI/84

Date: 1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmadabad 380 009, the 1st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3264.Acq.23/II/84-85.--Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 549 Ward No. 1 Timaliavad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Termin Dhanji Sha, Sherdiwala Block, Shah por Surat.
- (2) Smt. Suri Kishanchand Ahuja,

(Transferor)

Nampura, Behind Sarvajanik High School, Nr. Athwa Gate, Arvind Nivas, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is rep at S. R. Surat vide No. 4422 Dt.: 31-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-1-1985

FORM I.T.N.S.-

 Nathubhai Ramjibhai Patel & Ors., Kalaposhi Mohalo, Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmadabad 380 009, the 1st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3265.Acq.23/II/84-85,-- Whereas I., G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Ward No. 1 Nondh No. 1103, Nampura, Kalapashi Mohalo,

Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

Surat on 7-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Dine beliander. Moh et al Chokhawala & Ors., Hariputa Preschied: Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No.3953 dt. 7-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

 Shri Kanak Prabha Jayant Modi & Ors., Vijya Nagar Majara, Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ajay Kumar Manekial Reshamwala, Kot Saiil Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmadabad-380 009, the 1st January 1985

Ref. No. P.R. No. 3266.Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Word No. 1 Noudh No. 1339, 1394 & 1395 TPS No. 2 F. P. No. 42 paiki Plot No. 28 situated at Athwa gate to

Majur, Darwaja

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

nsfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd at S. R. Surat vide No. 3894 Dt.: 3-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1985

Satish Chandia Murarilal Kalkatawala. Surgeon Co. op. H. Socy., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lilaben Harisinh Solanki, 810, Shri Aptt. Nanpuia. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3267.Acq 23/11/84-85—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Bunglow No. 31 at Sargeon Co. op. H. Socy. Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3837 Dt.: 2-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 2-1-1985 Seal:

(1) Shri Balkrishna, J. Bhatt, 102, Moti Pandya Khadaki, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandanben Omprakash Birla & Ors. Langadawad, Tarota Bazar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3268.Acq.23/II/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Ward No. 6 House No. 102-103, Tika No. 12/3, City Survey No. 12/3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Navsari on 5-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The document is regd. at S. R. Navsari vide No. 1181 Dt.: 5-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-1985

(1) Shri Sorabii Baheramji Mitry, Sadar Bazar, Fateganj, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 2nd January 1985

Ref. No. P. R. No. 3269/Acq.23/II/84-85.—Whereas, G. K. PANDYA, T.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat at Fateganj ,Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer Baroda on 19-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri R. H. Thakkar, Trustee of Shivanand Sarvajanik Trust, Opp. Petrol Pump, Pratapnagar, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,70,000 on 19-5-1984 at No. 2097 in respect of Flat at Fateganj, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Ahmedabad

Date: 2-1-1985

 Shri Kanubhai Dhirajlal Shah, Farera Dhirajlal Shah,
 Pratapgang, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mahendrakumar R. Kokadia, Subhash Pole, Savli—Tal. Baroda Dist Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 3rd January 1985

Ref. No. P. R. No. 3270/Acq 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at Pratapgang, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,34,100 on 24-5-84 at 3248 in respect of lund at Pratapganj, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maheshbhai Pranlal, 61, Suvarnpuri, Jetalpur Road, Chikuwadi,

(Transferor)

4365

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 3rd January 1985

Ref. No. P. R. No. 3271/Acq.-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat at Haridarshan Aptt., Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred the agreemnt is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda In 25-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (2) Smt. Daxaben Sureshchandra Amin, Haridarshan Flat, Ground Floor, R. C. Circle, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 2,00,000 on 25-5-84 at No. 2506 in respect of flat in Haridarshan Aptt., Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons; namely:— -436 GI/84

Date: 3-1-1985

FURM TINS____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 3rd January 1985

Ref. No. P. R. No. 3272/Acq.-12/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Karelibag, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baro la on 6-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factivating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

 Smt. Vimlaben Ratilal Patel, Kakkarbhad, Varai Mata, Nadia. Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) Kashiben Chhotalal Patel, 35, Vithal Nagar Socy., Karelibag, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 90,001/- at No. 3537 on 9-5-1984 in respect of land at Meghdoot, Socy. Karelibag, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 3-1-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shii M. heshbhai Prantal & Ors., Carke wadi 61. Saya apian, Baroda, Jetalpur Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Shashikant Ribhovandas, Haridarshan Aptt., Race Course, Baroda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 3rd January 1985

Ref. No. P. R. No. 3273/Acq.-23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat at Race Course Circle, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 25-5-84

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said inamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 2,00,000 on 24-5-84 at No. 2471 in respect of Flat Hardarshan Aptt. R.C. Circle, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad^a

Date: 3-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-0380 009

Ahmedabad, the 4th January 1985

Ref. No. P. R. No. 3274/Acq. 23/II/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at Baska, Tal. Halol Dist. Panchamahals

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 28-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii Krishnan Sumantbhai Patel, Krushna Deep, Fateganj. Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Ochhavlal Shah, Managing Trustee of Yogesh Ochhavlal Family Trust, Ochhavlal C. Shah & Co. (Chemicals), Peeramita Road, Savita Sadan, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivt persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 77394.49 at No. 1727 on 28-5-84 in respect of land at Basko, Tal. Halol, Dist. Panchamahals.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-O380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P. R. No. 3275/Actq-23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat in the City Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda on 5-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Madhusudan Bhogilal Talati, C/o Pankaj Corporation, Kharivav Road, Jambusar, Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Prabhakar Keshavlal Deshpande, Ganesh Nagar, Sahjivan, Lalbag, Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 81,000 of Rs. 81,000 on 5-5-84 at No. 8693 in respect of flat in Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date · 3-1-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-38@ 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3507/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Village, Aslani Block No. 1708 Adm. 4355 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englis to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. the following persons, namely:—

(1) Shri Roshmikant Dhirajlal Patel,
'Dhiraj' Ashram Road,
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Bhikhabhai Umedbhai Patel, & Ors, C/o Jyoti Estate, Village, Aslali, Tal. Daskroi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J and at Viliage: Aslali Tal Daskroi,
 Old S. No. 1543/2, Block No. 1708,
 Adm. 4355 sq. yds. R. No. 5842 May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 12-12-1984

(1) Smt. Zaferunnissa Jallauddin Kadri, Samir Vihar Socy. Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulmmoriyuddin, A. Rushnaiwala, 13, Parasbag Socy., Sanskar Kendra Road, E.B., Ahmedabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. R. No. 3508/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing No.

B. No. 13 Parasbag Socy. Nr. Sanskar Kendra, Paldi.
Ahmedabad Land adm. 625 sq. yards + Building 224 + 50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B. No. 13, Parasbag Socy. Sanskar Kendra Road, Land adm. 625 sq. yd. plus Bldg. G.F. 224 sq.yda. plus 50 sq. yds. F.F. R. No. 6834 Dt. 2-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following resons, namely:—

Date: 12-12-1984

Seal: <

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-389 009

Ahmedabad-380 009, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3509/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Ras Rajeswar Flats Co.op. Socy. Kochrab Paldi No. 20 Adm. 90 sq. yd. Abmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Survakani (albhai Shah, 14, Ajit Socy. Opp. Panch Ratna Flats, Nr. Maha Laxmi Panch Rasta, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shri Kırtikumar Mafatlal Vakharia, C/o Ras Rajeswar Flats Co.op. H. Socy., Pritam Nagar, 2nd Dhal, Opp. White House, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Ras Rajeswar Flats Co.op. H. Socy., Pritam Nagar E.B., Ahmedabad Adm. 90 sq. yd. Kochrab Paldi sim T.P.S. 3 F.P. No. 831-834-847 R. No. 6939 Dt. 4-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-12-1984

(1) Smt. Rakshmaniben Somchandai Zaveri & Ora. All at

1. Swapna-siddh Socy. Nr. Shantivan Bus Stop Paldi-Ahmedabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Vardhman Enterprises M-51/165 Vidya Nagar Colony at Himatlal Park-A'bad. 15

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 12th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3510 Acq. 23 1 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land + Construction upto plinth at A'bad Kalupur Wd. I C. S. No. 706 Adm. 108 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at A'bad on May, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

Land + Construction upto plinth at Ahmedabad kalupur Wd. I.C.S. No. 706 Inside Mamunayak's pole-Kalupur Adm. 108 sq. yd. R. No. 5204 May, 84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:-90-436 GI /84

Date :12-12-1984

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 12th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3511 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land at Vejalpur sim S.No. 1122 Satyagarh Chhavni Sector Plot No. 45 Adm. 615 sq. yd.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by since than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 257 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Chanduthai Kishorbhai Patel Manadev Nagar
 Vishwanth Flat, Panjara Pole-Ahmedabad..15

(Transferors)

(2) Prabhaoen Chandubhai Patel Mahadev Nagar Nr. Vishwanath Flats, Panjarapole-Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property not be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur sim S. No. 1122 Satyagarh Chhavni Sector No. 6 Plot No. 45 Adm. 615 sq. yd. R. No. 5754

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date :12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedaad, the 6th December 1984

Ref.No. P.R. No. 3512 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Vanzari Chowk-Junagadh (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1958) in the office of the Registration Officer Act

1958) in the office of the Registering Officer at Juna adh on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor. If we had an' I have reason to believe that the fair market had of the property as afore-said exceeds the apparent containing the global by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any 'ncome arising f m the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) Shri Vamanrai Premrai Majmudar by his Power of Attorney Holder, Shri Sumanrai P. Majumdar Majumdar Deli Vanzari Chowk, Junagadh.

(Transferors)

(2) Miss Himaben Sumanrai Majumdar, (Chairman: Prem Laxmi Appartment Co. op. Hsg. Socy.) Majumdar Deli-Vanzari Chowk, Junagadh.

(ransterees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Junagadh, Vanzari Chowk S. No. 301 Adm. 250 sq. mtr. = 300 sq. yards R. No. 1147 dated 23-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 6-12-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th December 1984

Ref. No. P.R. 3513 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Tentament Gurushikhar Co-op. H. Socy. S. No. 65 Vasna

Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dharamshibhai Tribhovandas Mistry B. No. 177 Sarvodaya Socy. O/S Shahpur Gate-Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Vinodchandra Bhogilal Shah, B. No. 3-A Gurushikhar Co. op. H. Socy., Vasna-Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Tentament No. 3-A, Gurushikhar Co-op. H. Socy. Vasna S. No. 65 Land adm. 330 sq. yards & Tentament thereon R. No. 6016 May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 13-12-1884 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Naineshkumar Anandbhai & Smt. Geetaben Anandbhai Davakhana-Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Dr. Raniben S. Shikh (Organisor of Kunj Corporation) 10/57, Pragatinagar, Naranpura Ahmedabad-13.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3514 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land + construction upto plinth at Vastrapur sim S.

No. 125/1/2 Adm. 639 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16

1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 10-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and constn. upto plinth and Vastrapur sim S. No. 125/1/2 Sub Plot No. 17 Lad Adm. 639 sq. yd. and consta. 255 sq. yd. R.No. 7144 dated 10-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-12-1884

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Abhinav Ramprasad Shukla 9—Nutan Socy.—Paldi— Ahmedabad.

(2) Smt. Kamlaben Bherulal Jain Flat No. D. 3 Vihar Aptt. Near Navroji Hall Shahibag— Ahmedabad-4. (Transferors)

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3515.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at T.P.S. 14 F.P. No. 224A—Vihar Aptt. 2nd Floor—Shahibag—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-3, 2nd Floor Vihar Aptt. Near Navroji Hall Shahi'oag—A'bad. 14 Adm. 163 sq. yd. R. No. 7107 Dt. 10-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :-

Date: 13-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 17th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3516 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, property at S. No.401/4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering Officer at Rajkot

on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Manav Seva Trust-Trustee: Devji Bhimjibhai Fulwadi-Jetpur-Dist: Rajkot.

(Transferor)

 (2) 1. Rajabali Kachrabhai Mavani
 2. Yusufali Kachrabhai Mavani
 31—Jagnath Plot→ Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 401/4-Rajkot S. No. 2863 Dt. 3-5-84.

> G. K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Suryakant Shantilal C/o Bhatiya Novelty Stores— Nava Naka Road—Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Ratilal Shah Swastik Socy. Race Course Road— Raiyya Road—Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th, December 1984

Ref. No. P. R. No. 3517.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property at Swastik Socy. S. No. 476/2 Plot No.

7-B/1 situated at Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 3-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Swastik Socy. S. No. 476/2 Rajkot R. No. 689-37G May, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER CATION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3518 Acq 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Agt'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Saurashtra Kala Kendra Socy.

Plot No. 29C Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been traffsfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 8-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) Smt. Kundanben Prakashchandra Rajani 'Kaulash'-Amarnath Plot-Rajkot.

(Transferor)

(2) Hemaben Hemnerakumar Modi Harry Chr. said Modi Gopal New Mem Road, Khodur Kapa Rajkoi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saurashtra Kala Kendra Rajkot Plot 29-B R. No. 2940 Dt. 8-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
91—436 GI/84

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3519.Acg.23/I/84-85.—Whereas. I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Shop No. 5 Crescent 'B' Bldg. situated at Race Course— Road-Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. J. S. Corporation 48-Indranagayan Road Santacruz-West Bombay-54.

(Transferor)

(2) Mr. Kishore Shantilal Chandum Mr. Dinesh Hirachand Sanghvil Mr. Ahmed Haji Jindadni— 'Vaishali Nagar Sheri No. 6 Rajkot-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Crescent 'B'-Bldg. Shop No. 5 Wd, No. C.T.S. No. 1010 on ground floor 37EE filed on 11-5-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 15-12-198

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3520.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoving

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No 601 on 6th Floor Crescent 'A' situated at Race Course—Rajkot.

(and more fully described in the Schödule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the L Call

Office of the Registering Officer at 37EE filed on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— •

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. J. S. Corporation 48—Indranarayan Road, Santacruz-West Bombay-50.

(Transferor)

(2) Mr. M. S. Manek & Shrı C. S. Manek 73, Vaibhay Aptt.— 2—Ramkrishna Nagar—Rajkot. Flat No. 601, 6th Floor, 'Crescent 'A'—Bldg. Race Course Road-Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property' may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 at Crescent 'A' bldg. 37EE filed on 11-5-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sections, namely :-

Date: 15-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3521.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Property at 'D' & 'C' Block—3rd Floor at Anjaria Chambers K. V. Road—Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I,

at 37EE filed at Jamnagar on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and jor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Anjaria Estate Jvt. Ltd. Kashi Vishvanath Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Janki Guest House, Anjaria Chambers, 3rd Floor, Block 'D' & 'C' K .V. Road-Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at K. V. Road-3rd Floor, Anjaria Chambers, 37EE filed on 30-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 15-12-1984.

M/s Anjaria Estate Pvt. Ltd. K. V. Road—Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-308 009

Ahmedabad, the 15th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3523 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at K. V. Road-Anjaria Chamber,

situated at Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908) in the office of the registering Officer at Jamnagar on 25-5-84 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the , consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Hotel Janki Dining Hall 1. Ratilal Gordhandas Vithlani 2. Laxmidas Jamnadas-Anjaria Cambers-K. V. Road-Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Anjaria Chambers-K. V. Road-Jamnagar-R. No. 1753 Dt: 25-5-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF IND

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD-308 009

Ahmedabad, the 17th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3523 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at Near TDX -- KRS Ward No. 1-A situated at Adipur Kutch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhidham Kutch on 9-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Capt (Retd) Sardar Surjit Singh
1. Sindhu Housing Socy.—Adipur—Kutch.

(Transferor)

(2) Mr. Hero Sitaldas Trithani DBZ—South-136 Gandhidham—Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Ward No. 1A near TDX-QRS Adipur-Kutch R. No. 386 Dt: 9-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-308 009

Ahmedabad, the 16th December 1984

Ref. No. PR No. 3524 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Property at Ruvaprai Road—Bhavnagar S. No. 30/A & 30/B—Bhavnagar.

Situated at Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at 37EE, April 84 under signed on April, 2-4-84 37EE filed for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ulhas Oil Chemical Indust. Pvt. Ltd. Nanavatı Mahalaya 18—Homi Mody Street—Fort— Bombay.

(Transferor)

(2) Prashant Proteins P. Ltd. Kanakia Plot-Stand Chowk-Jetpur (Gujarat State).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ruvapari Road—Bhavnagar S. No 37EE filled on 2-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 16-12-84

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ramanlal Motibhai Patel Giriraj Socy. Panchwati—2nd Lane— Ambawadi—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hasmukhbhai Keshavlal Patel Praful Socy. Navjivan Ahmedabad-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3525 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and

bearing No. Land adm. 400 sq. yds. + contn upto plinth level TPS. 19 F.P. No. 225 Sub Plot No. 5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. aamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad Shaikhpur-Khanpur T.P.S. 19 F.P. No. 225 Sub Plot No. 5 Land Adm. 400 sq. yds. + constn. upto plinth level.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Motumal Parmanand Bhagwandas Venshimal & Ors. 163—Thakkar Bapa Nagar— Nikol Road—Ahmedabad-24.

(Transferor)

Jyptiprasad Surajmal .
 Bhilwas—
 Asarwa Bridge Kuberpura—
 Asarwa-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3526 Acq.23/1/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and

bearing No. A'bad Sardar Nagar C.S. No. 4110 & 4117 Land adm. 427 + 448 sq. mtr. & constn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on May 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad Sardar Nagar C.S. No. 4110 Land 427.14 sq. mtr. & C.S. No. 4117 Land 448 sq. mtr. +constn. thereon 280 sq. mtr.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-84

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—92—436 G184

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

And the second sections of the contract of the

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Deenaben Mahendrakumar Gonatra D-3 Nuant Apartment Opp Town Hall-Ellis Bridge-Ahmedabad. (Transferor)

(2) Mahalaxmiben Vithalbhai Amin B-3 Nirant Apartment Opp: Town Hall-Ellisbridge --- Ahmedabad.

the second control of the second control of

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3527 Acq. 23/1/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

bearing No. Flat No. B-3 Nivant Appartment Opp: Town Hall-Fllisbeidge-A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 15-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transic with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flot No. B-3 Nirant Aptt. Opp: Town Hall Ellisbridge-A'bad, Adm. 109 sq. yd. (90.87 sq. mtr.) R. No. 7251 Dt. 15-5-84.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

Date: 20-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3528 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. M. 7/41 Pragati Nagar—

Naranpura—A'bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the ramarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) factlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Ashokbhai Shantilal Sanghvi M 7/41—2nd Floor— Pragati Nagar—Naranpura—Ahmedabad.
 - (Transferor)
- (2) Smt, Kokilaben Kiritbhai Shah Sh. Kuitbhai Vadılal Shah— Flat No. M 7/41 2nd Floor Pragati Nagar—Naranpura—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as since that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M 7/41 Pragati Nagar 2nd Floor Adm. 105 sq. yd. Naranpura—Ahmedabad R. No. 6930 Dt: 4-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3529 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing Flat No. C. 3 Bankim Co.op. H. Socy. TPS. 21 F.P. No. 50—A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 14-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Neeraben Harshadrai Joshi-25-Himatlal Park-Behind Sahjanand College, Ambawadi — Alimedabad. (Transferor)

(2) Harishbhai Induprasad Trivedi Fiat No. 3-Bankim Co.op. Socy. Vastrapur Road—Ambawadi—Ahmedabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C 3 Bankina Cc.op. H. Socy. T.P.S. 21—F.P. No. 21 Adm. 61 sq. yd. A'bad R. No. 7228 Dt: 14-5-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd December 1984

Ref. No. F.R. No. 3530 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. U-11 Vikram Apartments—Co.op. H. Socy. Paldi—A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 10-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as a consideration for such transfer as a consideration for such transfer as a consideration for the consider

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Indiraten Ambalal Shah Daughter of Ambalal Mathurdes 7—Kalpna Colony—Navrangpura—A'bad.

(2) Niranjanaben Hariprasad Bhatt

(2) Niranjanaben Hariprasad Bhat Flat No. U-11 Vikram Aptt. Co.op. H. Socy. Paldi—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. U-11 Second Floor Vikram Aptt. Co.op. H. Socy. Paldi—A'bad—adm. 61 sq. yd. R. No. 7132 Dt: 10-5-84.

G. K. PANDYA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-12-1984

TO SEE THE SECOND PER CHARGE SECOND S

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3531 Acq.23/1/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Office on 2nd Floor Adm. 312 sq. ft. TPS. 3 FP No. 154 near H.C. Crossing—A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2:-

(1) M/s. Amita Corporation Partners-Rajesh Shantilal Parikh & Ors. Opp: High Court—Ami Bela—Navrangpura— Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Meelan H. Dalal 43—Sardar Patel Colony. Navrangpura—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office on second Floor—Adm. 312 sq. ft. Nr. High Court Rly. Crossing TPS. 3 FP No. 154 R. No. 6881 Dt: 3-5-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 26-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Amita Corporation
Partner—Sh. Rajesh Shantilal Parikh
& Ors. Opp: High Court—
Navrangpura—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shree Chemicals Partners Deepak Vadilal Patel— Dhandhal Road— Beyla—

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 26th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3532 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office on 2nd Floor Nr. H. C. Rly Crossing T.P.S. 3 F.P. No. 154 Adm. 182 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 3-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned \cdot -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office on 2nd Floor Nr. H.C. Rly. Crossing TPS 3 FP No. 154 Adm. 182 sq. ft. R. No. 6879 Dt. 3-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 26-12-1984

FORM I.T.N.S .-

(1) Shy Changulat Amediat Nagadiya 39 -Deepa vali 50cy Narayan Nagar Road-Paldt - A'bad

(1) Shir Bhatadkum'n Vithaldas Shah—13—Dungarshi Nagar Socy, Vibhag No. 2 Near Bhatha—Paldi— A bad-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3533 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat T.P.S. 22 F.P. No 71 Flat No. 3 F.P. Adm. 120

sg.yd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 5 A'bad on 1-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property, within 45 days from the date of the publication of this porce in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on F.F. Adm. 170 sq.vd, TPS, 22 F.P. No. 71 C.S. No. 34 40 paiki 18 No. 2537 Dt. 15-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

Date: 22-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HCUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R. No. 3534 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. A'bad—Achiar sim S. No. 191 Land, adm. 864+constn. upto plinth Hissa No. 7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred

inder the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the oilice of the Registering Officer at

at A'bad on 17-5-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

436 GI/84

(1) Smt. Lajwarti Devkinandan Arora Amar Bharat Socy. Ram Nagar—Sabarmati—A'bad-5.

(Transferor)

(2) Shri Amulakhchand Monmal Jain Shri Misrimal Jugraj Jain Shri Jayantilal Keshavlal Jain (Organisors. Jin Darshan Co.op. H. Socy.) Zalora's Pole—Dhana Suthar's Pole—Relief Road—Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A'bad—Achiar sim S. No. 191 Hissa No. 7 Land adm. 864 sq. yd. +constn. upto plinth R. No. 6631 Dt. 17-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R. No. 3535 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Flat No. B-1i TPS 22 FP No. 352 Vasna—A'bad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
A'bad on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kokilaben Vinubhai Thakar— Saklit Nagar Socy. Juhapura—Vasna—A'bad.

(Transferor)

(2) Shri Pradeephai Kantilal Chokshi 2—Sursangam Socy Opp. Thakkar College, Paldi—Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-11 T.P.S. 22 F.P. No. 352 Adm. 70 sq. yd. R. No. 7382 Dt. 17-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1984

FORM'NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R. No. 3536 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 25, 5th Floor T.P.S. 19 F. P. No. 180 Adm. 100 sq.yd. (Pallavi). The Abhol Sitadel Co.op. H. Socy. A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (at A'bad on 23-5-1984)

at A Bad on 23-3-1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- *-Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Atulkumar Chandulal Rao Flat No. 25 (Tower No. 2) 5th Floor, Amol Sitadel (Pallavi) Co.op. H. Socy. Pallavi Appartment—Near Ishwar Bhuyan Opp. Memregar I ire Station—Navrangpura— Ahmedabad.
- (Transferor)
 (2) Arvind Mansukhlal Botadara Ruchita Hardrai
 Botadara C/o A. Laxmichand & Co.
 236/38—Samuai Street—Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Firth Floor Tower No. 2 The Amol Sitadel (Pallavi) Co.op. H. Socy. Shaikhpur-Khanpur T.P.S. 19 F.P. No. 180 adm. 100 sq. yd. R. No. 7600 Dt. 23-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Alkaben Mukeshbhai Davda 7—Krushna Nagar Socy. Dholka—Dist: A'bad.

(Transferor)

(2) Smt. Naynaben Devendrabhai Patel Harikrupa Socy. Ankur Road—Naranpura—A'bad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R.No. 3537 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 8A—Janhavi Aptt.—TPS, 29 FP No. 196 Adm. 96 sq. yd. Two documents R. No. 7632 & 7633 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A bad on 23-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (N) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8A—Jahnavi Aptt. FP No. 196—A'bad adm. 9 sq. yd. In two documents each for 1/2 share—undivided for flat No. 8A. R. No. 7632 & 7633 Dt. 23-5-84.

G. K. PANDY:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I, Ahmedabac

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM! ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R. No. 3538 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I; G. K. RANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property believe that the property believe the property believe that the property believe that the property believe property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Property at Kalavad Road—Nutan Socy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 9-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Prabhudas Pranjivandas Sanghvi Mahavir Jyot-Vallabh bag Lane Ghatkopar (East) Bombay-77.

(Transferor)

(2) Hemantkumai Jagmohandas Sheth-35-Avadhpuri Co.op. Socy. R B. Marg-Ghatkopar (East), Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nutannagar, Kavide R. No. 2961 Dt. 9-5-1984. Kalavad Road, Rajkot Regd.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1984

Ref. No. P.R. No. 3539 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Bldg. at S. No. 457 Wd. No. 15, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot ón 29-5-1984 for an apparent consideration which is less that the fair for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indjan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Pravinchandra Narottamdas Shah Panch Vati Socy., Raikot.

(Transferor)

(2) Vinodray Popatlal Lathia Smt. Hemlataben Vinodray Lathia C/e Shri Popatlal Hansraj Lathia, 'Rahul' Sq.—Amarnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at S. No. 457 Plot No. 3A.B.1 Rajkot regd. No. 3386 Dt. 29-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3540 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Memnagar sim S. No. 48/51 F. P. No. 95

Adm. 349,5 sq. mtr. Tirth Nagar Co.op. H. Socy.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Ramaben Shantilal Mehta Lalit Juhu Scheme, North South Road No. 1, Opp: Bhaidas Hall, Vile Parle (West), Bombay-56.
- (2) Pravinbhai Sakarlal Shah C/o Pravin. A. Vakharia 1- Vakharia Colony, Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period ou 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mamnagar S. No. 48/51 F.P. No. 95, Tirth Nagar Co:op H. Socy Vibhag. J Sub Plot No. 27 Adm., 349.50 sq. mtr. 420 sq. yd. R. No. 8055 Dt. 31-5-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 2-1-1985

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM(ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3541 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Land + Centn. T.P.S. 3 F.P. No. 702S.P. No. 2A Land Adm. 1786 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1857 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) M/s. Nanava'i Parikh & Associates No. 2 Partners. Shri Bansidhar Amratlal Parikh Tran Banglow (Thre Bunglows) Opp: Sahakar Niketan Socy. Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Aroonkumar Kantilal Shah, Chief Organisei of Amit Co.op. H. Socy. (Proposed), A. 2.9 Godavari Flats. Vasana, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 1786 sq. yd. & o.d. constn. thereon. T.P.S. 3 F.P. No. 702, S.P. No. 2A Ahmedabad, Chhadawad S. No. 103/1, R. No. 6615/Dt. 17-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authorica
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Abasedabad

Date: 3-1-1985

Seai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASTRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd January 1985

Ref. No. P.R. No. 3552 Acq. 23/184-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property at Ghogha Circle Plot No. 1227, 1221-A-1,

Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prsons, namely:—
94—436 GI/84 Dhanlaxmi Construction Co.
 P10p: Bhogilal Devshibhai Shah,
 Plot No. 1541, Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Kunal Co.op. Socy. (Proposed), C/o Niranjan Madhubhai Mushani Mani Bhuvan, Plot No. 881, Behind Mahila College, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 1227, 1221-A Ghogha Circle, Behind Killol Bal Mandir Bhaynagar, R. No. 1663 Dt. 2-5-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 2-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3543 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said 'Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at Chacharavadi Vasana seem Block No. 138

Tal. Sanand

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand Dist. Ahmedabad on 29-5-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act,[‡] in respect of any lacouse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the exacentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

 Mahijibhai Rupabhai Bharwad Arjanbhai Chhotabhai Bharwad Chacharwadi, Vasna, Tal. Sanand, Dist.: Ahmedabad.

(2) Ramniklal Valjibhai Mehta C-8, Ranjan Apartment Narayan Nagar Road, Paldi, Ahmedabad-7. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chacharwadivasana seem Tal. Sanand Block No. 138 R. No. 736/84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM, ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3544 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

Land + Constn. at Vejalpur S. No. 1258 Adm. 771.70 sq.yd. (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kanubhail Gokaji & Ors.
 L.H. of Late Gokaji Ramaji
 C/o N. H. Patel,
 3-B High Land Park,
 Behind Old Sachivalaya,
 Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Shri N. H. Patel (Chairman of Nirali Co.op. Hsg. Socy.) 3-B High Land Park, Behind Old Sachivalaya, Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land(+) Constn. at Vejalpur S. No. 1258 Adm. 771.70 sq. yd. R. No. 5563 Dt. 23-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOUR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3545/Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (443 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at Lekh No. 47 at Ranavav (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Veraval, Dist. Juragadh on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staed in hes said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Patel Somabai Dahyabhai Mrs. Patel Saraswati Somabhai Azad Socy. Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Tata Chemicals Ltd.
Mithapur W.R., Gujarat State 361345
Regd. Office, Tata Chemical Ltd.
24-Homi Modi Street, Fort, Bombay-23.
Quarry Managar, Tata Chemical Ltd.
Ranavav, Quarry Office, Ranavav,
Dist: Junagadh, Gujarat State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ranavav, Lekh 47, R. No. 1967 Dt. 25-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 4-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM, ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3546 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property at TPS 3 F.P. 933 Sub Plot 6 Paldi seem A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any lacouse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Arunkumar Popatlal Shah, Dipkunj Socy., Near Bhagwan Nagar Tekra, Paldi, Ahmedabad-7.

(2) Sanghvi Ambalal Ratanchand, Jain Dharmik Trust, Trustee, Dharendra Ambalal Shah, Manek Chowk, Khambhatt.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapte Act, shall have the sa in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS. 3 F.P. 933 SP-6 R. No. 7300 Dt. 16-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Ahmedabad

Date: 4-1-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3547 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at Out side Delhi Gate, S. No. 41, 42, 43 and 44

Madhupara Wd. C. paiki Land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby make proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hariprasad Durgaprasad Laskari, Shahibag, Ahmedabad-4.

(Transferor

(2) Bhagwat Chambers Owners Asson. Presidents Dahyabhai Somabhai Patel 1st Floor, Maheshwari Apartments, Nr. Subhash Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Madhupura Wd. C. Outside Delhi gate S. No. 41, 42, 43, 44 paiki Land R. No. 7698, Dt. 25-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 4-1-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1985

Ref. No. P.R. No 3548 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at T.P.S. 3 F.P. 384B Ellisbridge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Indiraben Manilal Patel, Ratnakuni, Opp: Navrangpura, Telephone Exchange, Ellisbridge, Ahmedabad-6. New Address: Suraj Apartments, Near Liberty Hotel, Navrangpura, Ahmedabad-9

(Transferor)

(2) Atlantis Member's Association C/o Kasushik Manubhai Pathak 97-Sharda Socy. Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The term The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same seening as given used herein

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Ellisbridge, TPS 3 FF 384B R. No. 8017, Dt. 30-5-1984.

> G. K. PANDYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ass. to the followpersons, namely :-

Date: 4-1-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

4. H

K G. Bachha
 Hazkant Mathuradas Devda
 Jamkhambhaliya—Dist : Jamnagar.

(1) Shri Bhagwati Spg & Wvg Works Station Road, Jamkhambhaliya,

Dist: Jamnagai.

(2) 1. Fakruddin Yusufali 2 Radhaben Ratanshi

(Transferee)

(Transferoi)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1985

Ref. No. P.R. 3549 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Jam Khambhaliya Dist: Jamnagar Ward No. 4, Tikka No. 1, Plot No. 126 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jamkhambhaliya Dist.: Jamnagar on 19-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jamkhambhaliya Ward No. 4 Tika No. 1 Plot No. 126 Regd. No. 487/19-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
* Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-1-1985

(1) Shardaben Virchand Shah 5—Vidyavihar Colony Usmanpura—Ashram Road Ahmedabad-9. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bachubhai Bhagubhai Sutaria 664/1—Panchvati—Ist lane Ambawadi— Ellisbridge—A'bad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 5th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3550 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to seas the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Property at TPS.26—Vasana Lavanya Socy. F.P. No. 37 & 37/1 S.P. 10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at A'bad on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Lavanya Socy. T.P.S. 26 F.P. 37 & 37/1 S.P. 10.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursutnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
95—436 GI/84

Date: 5-1-1985

 Daxaben Amrutlal Shrimali A-9 Gold Coin Flats— Navrangpura—A'bad-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3551 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat No. 3 cn G.F. 125 sq. yd.

situated at Kadamb Apartment—Drive-in-Road—A'bad . (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at 37EE filed on 4-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Narshibhai Vaghajibhai Patel & Ors.
 8—Smrutikunj Socy. Navrangpura—A'bad-9.
 (Transferee)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on G.F. Adm. 125 sq. yd. Kadamb Apartment -Drive-in-Road Memnagar—A'bad Adm. 37EE filed on 5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

eeal :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3552 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Office No. 15 on E.F. Adm. 270 sq. ft. situated at A'bad Swastik-Super Market—Ashram Rd. A'bad—(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- '1) Shri Pravinkumar Himatial Shah—Leena Apartment Navrangpura—Abad-9.

 (Transferor)
- (2) M/s. R. M. Kumar & Sons
 15—Swastik Super Market—F. Floor, Near Incometax Char Road Ashram Road—A'bad-9.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable notice in the Official Gazette or a period of 30 days property, within 45 days from the date of the publifrom the service of notice on the respective persons, cation of this notice in the Official Gazette. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 15 Adm, 270 sq. ft. on F.F. Swastik Super Market—Ashram Road—A'bad 7—37EE filed on 3-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-1-1985

(1) Ashwinkumar Ganpatram Joshi (Bhilacha) Harisidh Krupa Socy. Naranpura—Ahmedabad-13. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jayantilal Malukchand Shah—Prabhu Park Socy. Navrangpura—A'bad-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ACQUISITION RANGE-I,
ASHRAM ROAD,
. AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3553 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 25 on G.F. adm. 270 sq. ft. situated at Swastik Super Market—Ashram Road—A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 16-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons.
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 25—on G.F. Swastik Super Market—Ashram Road—A'bad-9. Adm. 270 sq. ft. on G.F. 37EE filed 16-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

FORM CINS----

(1) Shri Rajnagar Bobin Works Geeta Mandir Road—Near S.T. Ahmedabad-22. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3554 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land at Odhav-Gujarat V.M.O. Vasvat Ltd. Adm. 1111

sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 16-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Kiritkumar Ramanlal Parikh
A-4, New Gardan Flats—New Law Garden—
Ellisbridge—A'bad-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Odhav—A'bad Adm. 1111 sq. yd. in Gujarat Vepari Maha Mandal Sahakari Odhagik Vasahat Ltd. at Odhav—A'bad 37EE filed on 16-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3555 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land at Odhav A'bad Adm. 1111 sq. yd. situated at

No. Land at Odhav A'bad Adm. 1111 sq. yd. situated at Gujarat Vepari Maha Mandal Audogik Sahakari Vasahat Ltd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE filed on 3-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

(1) M/s.PLASTEXT Behind Raj Kripa Flats— Nr. Shrimali Socy.—Navrangpura—A'bad-9. (Transferor)

(2) Shri Hiralal Sanabhai C/o M|s. Plastext Behind Rajkripa Flats Near Shrimali Socy. Navrangpura— A'bad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Odhav Adm. 1111 sq. yd. in Gujarat Vepari Maha Mandal Sahkari Audhyogik Vasahat Ltd. 37EE filed—on 3-5-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 7-1-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3556 Acq. 231/184-85.—Whereas, L. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Property at City S. No. 1875-B-C Paiki Property at 1st floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the offi-

of the registering officer at Ahmedabad on 15-3-1984 37E Recd May 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Nareshbhai Ratilal Mankiwala 1282—Garden Marg—Behind Maharashtra Socy. Ellisbridge—A'bad, (Transferor)

(2) Shri Mahalaxmi Corporation-Nr. Kalupur Tower Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kalupur Wd. No. 2 C.S. No. 1876-B-C paiki Ist Floor—Property R. N. 3878 Dt. 15-3-84 37G recd. in May, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-1-1985

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS

Shri Ravjibhai Gopalbhai Patel—Bareja-Tal. Daskroi—Dist: A'bad. (1)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vrandavan Co.op. Socy. Ltd. C/o Mayur Printing Press—Bazar Bareja—Dist. A'bad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

(a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P.R. No. 3557 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Bareja S. No. 2267 Block No. 2094 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A bad on 22-5-1984

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Bareja S. No. 2267 Block No. 2094

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

HAND IN THE ASSESSMENT OF THE ASSESSMENT OF A THE ASSESSMENT OF A

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 3558 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land at Bareja S. No. 2818/1, 2, 3 Dist. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at A'bad on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

96—436 GI/84

(1) Shri Chandubhai Shivabhai Modi— Bansibhai Shivabhti Modi— Danyaonai Shivabhai Modi— Bareja—Dist: A'bad.

(2) Shri Bhaowati Saw Mill—Bareja— Dist: A'bad, (Transferor)

(Transferee)

.__---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period c. 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2818/1, 2, 3 at Bareja R. No. 7587 Dt: 22-5-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-1-1985

Seal ·

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th January 1985

Ref. No. P.R. No. 2559 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 196.) (he matter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beating.

No. Land+Constn. apto plinth level at Vastrapur sim S. No. 125/1/2/3 adm. 639 sq. vd. 4/2 part of it

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 23-5-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hasmukhlal Shantilal Patel etc.
 (L. R. of Shantilal Vallabhdas Patel)
 1561/1 Moti Khatrivad—Saraspur—A'bad-18.
 (Transferor)
- (2) Smt. Dr. Raniben S. Shikh (Organisor of Kunjan Corporation) 10/57 Pragati Nagar—Naranpura— Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land + Const upto plinth level at Vastrapur sim S. No. 129/1/2/3 S.P. No. 17 Land adm. 639 sq.yd. + constn. 255 sq.yd. R. No. 7599 Dt. 23-5-1984 (1/2 part of it).

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-1-85

غد - سر سرسید حد در استاه عد

FORM ITNS-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800 001, the 11th January 1985

BORING CANAL ROAD, PÁTNA-800 001

Ref. No. III-966/Acq/84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, kei. No. 111-900/Acq/84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competer of the normy diver Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 524 Circle No. 6. Ward No. 2, Holding No. 397-A/2, S.P. No. 782 (P), 783 (P), 784 (P), situated at Exhibition Road Patna

bition Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regi-tering Officer at Patna on 24-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Yatri Travels Pvt. Ltd. Exhibition Road Patna through its Director Sri Surendra Ahuja, Nagar, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Ashiana Engineers Pvt. Ltd. "Vishwa Sodan" off Exhibition Road, Patna through its Director Şri Onkar Mal Patwari, Kaveri Apt., Bander Bagicha, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring ,78 katha approximately with single storeyed building situated at Exhibition Road, Patna and more fully described in deed No. 3205 dated 24-5-1984 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 11-1-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION 1985

No. F. 13/2/84-EI(B)

New Delhi, the 2nd February 1985

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARIALA, AHMEDABAD, AIZAWAL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and VISHAKHAPATNAM commencing on the 28th July, 1985 in accordance with the kules published by the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) in the Gazette of India dated the 2nd February, 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIMBLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CHTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, Para 11).

- 2. The approximate number of vacancies to the filled on the results of this examination is 175 (Includes 26 vacancies reserved for Scheduled Castes and 13 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.
- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1985. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1985 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. A candidate should indicate in Col. 24 of the Application Form the order of preferences for State/Joint Cadres of the Service to which he would like to be considered for allotment.

No request for alteration in the order of preferences for the State/Joint Cadres indicated in the Application Form would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the publication of the result of the written examination in the Employment News. No communication either from the Commission or from the Government of India would be sent to the candidates asking them to indicate their revised preferences, if any, for various State/ Joint Cadres after they have submitted their applications.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 1st April, 1985 (15th April, 1985) in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizocam, Manipur Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladhak Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Range Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 1st April, 1985 and waose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by accessary documents. No application received after the prescribed data and the constants.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachat Pradesh, Mizoram, Mampur. Fingaland Pripura, Sikkim. Ledaki Division of J&K State Lahaul & Spiti District and Pange Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshdweep and a candidate residing abroad may a the decreation of the Commission be required to furnith documentary avidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoran Manipur, Natahaad, Tribura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District and Pange Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh Andaman and Nicobar Islands or Lefshadweep or abroad from a date prior to 1st April, 1985.

- Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs 48 00 (Rupees fortyeight) [Rs 12.00 (Rupees twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes' through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Fank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner. Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June. 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Trbies] will be made to candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. If any candidate who took the Indian Forest Service Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 examination his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him. provided that the request for cancellation of candidature and refund of the fee is received in the Commission's office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1984 examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rule carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 28th June. 1985, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card, must be completed in the candidates own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numberals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the Examination.

All candidaes, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidate should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Drafts for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the applicat, ion form and the other copy on the Attendance Sheet in the space proved therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11 5/27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OF CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER 1985. THEY SHOULD KEFP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRE-ED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificate sent along with the application form and also to put the date

Details of the documents mentioned in itmes (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their application. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavit birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- Note 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY
 EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF
 SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE
 ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO
 SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE
 WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCF A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTIY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualification prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

it the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been formed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

(iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size 5 cm x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(11), 3(11i) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Subtivisional Officer of any other officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by note State Government concerned as competent to ussue such a certificate. It both his parents are dead, the officer signing the cremicate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*	
town town the State/Union Territory of the State/Union Territory of	
belongs to the Caste/Trib is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe	e which
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@)
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@	
the Constitution (Scheduled Castes) (Union T Order, 1951@	erritories)
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union T Order, 1951@	erritories)

tas amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@ the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes, Order, 1962@ the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes 1964@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@ the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@ the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@ APPLICABLE IN THE CASE OF SCHEDULED CASTES/ SCHEDULED TRIBES PERSONS WHO HAVE MIGRATED FROM ONE STATE/UNION TERRITORY ADMINIS-

TRATION
This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe certificate issued to Shri/Shrimati*
Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*
of village/town* in District/Division of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste
Scheduled Tribe*
in the State/Union Territory*
%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of
Signature
**Designation
Place
(with seal of office)
Date
State/Union Territory*
*Please delete the words which are not applicable.
@Please quote specific Presidential order.
%Delete the paragraph which is not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950

**List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate †Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5(b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge:
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b) (iv) or 5(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Cyelon Agreement of October 1964.
- (iii) A repatrate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Raugoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested certified copy of acertificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled

while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri of the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature
Designation————
Date-

*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b) (xi) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(b) (xiv) or 5(b)(xv) should produce an attested|certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Retired Personnel

			ed that						
has re	nde	red s	service	from	 	 	<u> </u>		
			——in following			orce	and	he	tultils

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on—————.

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

(B)	A pplicable	for	servino	net sonnei
161	A POLICULE	107	201 Y M NX	Delacides

Name — whose date of birth is serving in the Army|Navy|Air Force from

2. He is due for release retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

STAL.

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:—

(a) In the case of Commissioned Officers including ECOs|SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel (Officer), Air Hqrs., New Delhi.

(b) In the case of JCOs|ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABs, Bombay.

Air Force—Air Force Records (NERW), New Delhi,

(viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States:
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge:
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii), (iii) and (viii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation).

8. Candidates are warned that they should be furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications; Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyos Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-790001. The Manual pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mefusili towns.

- 13. Communications regarding Applications,—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION
 SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY,
 UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR
 HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110611, AND
 SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING
 PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- 3. APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii) IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General knowledge paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

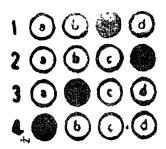
The question paper will be in the force of a TEST BOOK-LET. The booket will contain forms bearing numbers 1, 2, 3,.....etc. Under each from will be given suggested answers marked a, b, c, d. Youn task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Bookiets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle, conatining the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your

response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTAN1 THAT--

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

B. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination half until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALIMED IF YOU VIOLATE THIS DITLE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Incl. actions about this will be sens to you along will you Admission Certificate.
- 6. You are required to read excellily all instructions given in the lest booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions mediculously in any entry in the Answer Sheet is ambiguous, you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Animation Certificates with you. You should also bring a tild peacil, an eraser, a peach sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a elip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination half as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the feet on it before doing your rough work and roturn it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the avigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

P. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers, because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₂VO₄ is

- (a) VO₂
- (c) V₂O₈
- (c) V_xO_x
- *(d) V3Os

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7 (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8 (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$
(a) $y=ax+b$
(b) $y=ax$
-x
(c) $y=ae+be$
(d) $y=ae-a$

9 (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10 (Statistics)

The mean of a binomial uariate is 5. The variance can

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it ist he delatic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyaya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Carvaka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā Cārvāka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organisation
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidate should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.